

जैमिनीय साम प्रकृति गानम्

Contents

आग्नेयपाठः	28
प्रथमं खण्डः	28
॥गौतमस्यपर्कः ॥	28
॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥	28
॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥	28
॥सौपर्णञ्च ॥	29
॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	29
॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	29
॥औशनञ्च ॥	30
॥शैरीषेच ॥	30
॥इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्ने ॥	31
॥साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	31
॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥	32
॥अग्नेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	32
॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्चेस्साम ॥	33
द्वितीय खण्डः	33
॥अग्नेश्चसंवर्गः ॥	33
॥वैश्वमनसञ्च ॥	33
॥श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥	34
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	34
॥अग्नेश्चजराबोधीये ॥	34
॥मारूतञ्च ॥	35
॥भार्गवेच ॥	35
॥अग्नेश्चवारवन्तीयम् ॥	36

॥और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	36
॥अत्रेश्वासङ्गम् ॥	37
॥प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥	37
तृतीय खण्डः	38
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	38
॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥	38
॥इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	39
॥यामेद्वे ॥	39
॥अग्नेराक्षोग्नेद्वे ॥	39
॥वैश्वम्नसञ्च ॥	40
॥अग्नेश्चार्षेयम् ॥	40
॥सोमसामच ॥	40
॥गोपवनञ्च ॥	41
॥सूर्यसामनीद्वे ॥	41
॥कावञ्च ॥	42
॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	42
॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	42
चतुर्थ खण्डः	43
॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥	43
॥श्रुष्टीगवम् ॥	44
॥अग्नेश्चयज्ञायज्ञीयम् ॥	44
॥कार्तवेशञ्च ॥	44
॥नामधञ्च ॥	45
॥महाकार्तवेशञ्च ॥	45
॥भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥	46
॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥	46
॥गौतमस्यपौरुमुद्वेदेपुरुमुद्गस्यवाङ्गिरसस्य देवानांवा ॥	47
॥मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥	47
॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥	48
॥गौतमेद्वे ॥	48
॥अग्नेरायुः ॥	49

	॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥	49
	॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥	50
पञ्चम खण्डः		51
	॥अग्नेराग्नेयेद्वे ॥	51
	॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥	51
	॥दैवोराजञ्च ॥	52
	॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥	52
	॥बार्हदुत्थेद्वे ॥	53
	॥पौरुमीढञ्च ॥	53
	॥कार्णश्रवसम् ॥	54
	॥दैवोदासञ्च ॥	54
	॥सौकृतवञ्च ॥	54
	॥काण्वेद्वे ॥	55
	॥मानवेद्वे ॥	56
षष्ठ खण्डः		56
	॥अग्नेश्चद्रविणम् ॥	56
	॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥	57
	॥वसिष्ठस्यचवीङ्गम् ॥	57
	॥विस्पर्धञ्च ॥	57
	॥ऐतवृधञ्च ॥	58
	॥मनसश्चदोहः ॥	58
	॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥	59
	॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥	60
सप्तम खण्डः		60
	॥श्यावांश्चञ्च ॥	60
	॥ऋतुसामनीच ॥	60
	॥यामञ्च ॥	61
	॥अग्नेश्चाग्नेयम् ॥	62
	॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	62
	॥ऐटतेद्वे ॥	63
	॥वामदेव्यञ्च ॥	64
	॥वैश्यज्योतिषेच ॥	64
	॥यामेद्वे ॥	65

अष्टम खण्डः	॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥	66
	॥श्येनञ्च ॥	67
	॥वासोक्रञ्च ॥	67
	॥पौष्णञ्च ॥	68
	॥कौत्सञ्च ॥	68
	॥काश्यपेद्वे ॥	69
	॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥	69
	॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥	70
नवम खण्डः	॥पाथेद्वे ॥	71
	॥बृहच्चाग्रेयम् ॥	71
	॥कौन्मुदम् ॥	71
	॥बृहचैवाग्रेयम् ॥	72
	॥कौन्मुदञ्चैव ॥	72
	॥अग्रेयद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥	73
	॥अग्रेश्चविशोविशीयम् ॥	73
	॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥	74
	॥श्रौतर्वणञ्च ॥	74
	॥कश्यपस्यसयोनिः ॥	74
दशम खण्डः	॥बार्हस्पत्यञ्च ॥	75
	॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥	75
	॥आसीतेद्वे ॥	76
	॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	76
	॥मानवञ्च ॥	77
	॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	77
एकादश खण्डः	॥तौदेद्वे ॥	78
	॥दैर्घतमसानित्रीणि ॥	78
	॥श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥	79
	॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥	79
	॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धाने उत्तरे ॥	80

॥त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥	80
॥अदितेश्वसाम ॥	81
॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥	81
॥वाक्जभञ्च ॥	81
॥बृहदाग्नेयञ्चसङ्कृतवा ॥	82
॥अगस्तस्यचैवराक्षोघ्नम् ॥	82
द्वादश खण्डः	83
॥वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥	83
॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥	83
॥सौभराणित्रीणि ॥	84
॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	85
॥दैवानीकञ्च ॥	85
॥साधञ्च ॥	85
॥जमदग्नेश्चसंवर्गः ॥	86
॥अगस्त्यस्यचराक्षोघ्नम् ॥	86
॥अग्नेश्चश्रेष्ठ्यम् ॥	86
॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥	87
तद्वपाठः	88
प्रथमं खण्डः	88
॥मर्गीयवञ्च ॥	88
॥रौद्रेद्वे ॥	88
॥मार्गीयवञ्चैव ॥	88
॥आश्वञ्च ॥	89
॥ऐटतेद्वे ॥	89
॥श्रौतकक्षेद्वे ॥	90
॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवार्षेः ॥	90
॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥	91
॥शय्यातानित्रीणि ॥	91
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	92
॥गोषूक्तम् ॥	92
॥आश्वसूक्तञ्च ॥	93
॥गौरीवितम् ॥	93
॥गौराणित्रीणि ॥	93

द्वितीय खण्डः	94
॥सौपर्णानि त्रीणि ॥	94
॥शाकलम् ॥	95
॥आभरद्वसवेद्रेऐन्द्रकग्रेर्वा ॥	95
॥तान्वेद्रे ॥	96
॥रौहितकूलियेद्रे ॥	96
॥इन्द्राण्यास्सामनीद्रे ॥	96
॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥	97
॥धृषतोमारूतस्यसामनीद्रे ॥	97
॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥	98
॥ऐध्मवाहानि त्रीणि ॥	99
॥अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥	99
तृतीय खण्डः	100
॥ऐषञ्च ॥	100
॥पौषञ्च ॥	100
॥मरूताञ्चसंवेशीयम् ॥	100
॥हाविष्मतेद्रे ॥	101
॥हाविष्कृतेद्रे ॥	101
॥काक्षीवतञ्च ॥	102
॥उषसश्च साम ॥	102
॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्रे ॥	102
॥भारद्वाजानित्रीणि ॥	103
॥शौक्तसामनीद्रे ॥	103
॥वार्षाहरेद्रे ॥	104
॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥	104
चतुर्थ खण्डः	105
॥सौश्रवसेद्रे ॥	105
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	106
॥त्वष्टुरातिथ्येद्रे ॥	106
॥पौष्णेद्रे ॥	107
॥श्यावाश्वेद्रे ॥	107

॥प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥	108
॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥	108
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	108
॥वाजिदापर्यञ्च ॥	109
॥सोमापौष्णञ्च ॥	109
पञ्चम खण्डः	110
॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥	110
॥शौक्तानित्रीणि ॥	110
॥गौरीवितानित्रीणि ॥	111
॥काण्वेद्वे ॥	112
॥सौमित्रेद्वे दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥	113
॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसद्वानिवा ॥	113
॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥	114
॥दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥	115
॥कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥	116
॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥	117
॥दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥	117
षष्ठ खण्डः	118
॥माधूच्छन्दसङ्गौञ्चसौपर्णवा घृतश्रुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥	118
॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥	119
॥गौरीवितेद्वे ॥	119
॥आपालवैणवेद्वे ॥	120
॥धुरशम्येद्वे ॥	120
॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥	121
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	121
॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥	122
॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥	122
॥माहावामदेव्यञ्च ॥	123
॥वैर्यश्चञ्च ॥	123
॥गौतमस्यच भद्रम् ॥	124
॥अश्विनोश्च साम ॥	124

सप्तम खण्डः	124
॥त्वाष्ट्रीसामच ॥	124
॥गोधासामच ॥	125
॥सवितुश्चसाम ॥	125
॥उषसश्चसाम ॥	125
॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥	125
॥सौमित्रञ्च ॥	126
॥इन्द्रस्यचमाया ॥	126
॥वैश्वामित्रेच ॥	126
॥शौनश्शेषञ्च ॥	127
॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥	127
अष्टम खण्डः	128
॥सौमित्रञ्च ॥	128
॥श्यावाश्वेद्वे ॥	128
॥शैखण्डिनञ्च ॥	128
॥वैतहव्यञ्च ॥	129
॥भारद्वाजञ्च ॥	129
॥अरूणस्यचवैददश्वेस्साम ॥	129
॥सौभरञ्च ॥	130
॥पाष्ठौहेच ॥	130
॥साकमश्वन्धुरावासाम ॥	131
नवम खण्डः	131
॥यामञ्च ॥	131
॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥	131
॥वैरूपञ्च ॥	132
॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥	132
॥यमस्याकौद्वौ ॥	132
॥सौमित्रेद्वे ॥	133
॥इन्द्रस्याभयम् ॥	133
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	134
॥इन्द्राण्यास्सामा ॥	134
दशम खण्डः	135
॥श्यावाश्वञ्च ॥	135
॥वैरूपञ्च ॥	135

॥सौमित्रञ्च ॥	135
॥स्तौभञ्च ॥	136
॥श्रौतञ्च ॥	136
॥आभीशवञ्च ॥	136
॥ऐषञ्च ॥	137
॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥	137
॥सौमित्रे ॥	137
एकादश खण्डः	138
॥कौत्सञ्च ॥	138
॥ऐषञ्च ॥	138
॥उषसश्चसाम ॥	138
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	139
॥वरुणसामच ॥	139
॥उषसश्चैवसाम ॥	139
॥मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥	139
॥ऋतुसामच ॥	140
॥विष्णोश्चसाम ॥	140
द्वादश खण्डः	141
॥कौत्सञ्च ॥	141
॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥	141
॥बार्हदुक्थेद्वे ॥	141
॥और्ध्वसद्गनेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥	142
॥कौत्सानिचत्वारि ॥	142
॥अभिवादस्यचऔदलस्यसाम ॥	143
॥सोमसामच ॥	143
बृहतिपाठः	144
प्रथमं खण्डः	144
॥इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥	144
॥भारद्वाजेद्वे ॥	144
॥सन्नतेद्वे ॥	145
॥शैतन्त्रृतीयम् ॥	145
॥नाविकञ्च ॥	146
॥प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥	146

॥भागञ्च ॥	147
॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥	147
॥नौधसम् ॥	147
॥लौशेद्वे ॥	148
॥धानाकेद्वे ॥	148
॥कालेयानित्रीणि ॥	149
॥एषिरेद्वे ॥	150
॥गौश्रृङ्गेद्वे ॥	150
॥प्रष्ठमेकम् ॥	151
॥शुक्लएकम् ॥	151
॥जमदग्नेरभिर्वर्तएकम् ॥	152
॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥	152
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	152
॥मैधातिथम् ॥	153
द्वितीय खण्डः	154
॥वैखानसम् ॥	154
॥प्राकर्षम् ॥	154
॥सात्यम् ॥	154
॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥	154
॥वाम्नाणित्रीणि ॥	156
॥गौङ्गवम् ॥	156
॥साध्नाणि त्रीणि ॥	156
॥विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥	157
॥यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥	158
॥आत्राणित्रीणि ॥	158
॥वासिष्ठानित्रीणि ॥	159
॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥	159
तृतीय खण्डः	160
॥हारायणानि त्रीणि ॥	160
॥वाम्नाणित्रीणि ॥	161
॥वरुणसामानित्रीणि ॥	162
॥वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥	163

॥बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥	163
॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥	163
॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥	164
॥स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥	165
॥काण्वम् ॥	166
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	166
॥काण्वश्चैव ॥	167
॥श्रुष्टिगवश्च ॥	167
चतुर्थ खण्डः	168
॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	168
॥द्वैगतेच ॥	168
॥कार्तवेशश्च ॥	168
॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥	169
॥श्रायन्तीयश्च ॥	169
॥आक्षीलन्वबाभ्रंवा ॥	170
॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥	170
॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥	171
॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥	171
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	172
पञ्चम खण्डः	173
॥पौरूहन्मनश्च ॥	173
॥प्राकर्षश्च ॥	173
॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥	174
॥कावर्षेद्वे ॥	174
॥सूर्यसामच ॥	175
॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥	175
॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥	176
॥अनूपेद्वे ॥	176
॥वैरूपश्च ॥	177
॥वाचश्चसाम ॥	177
॥आक्षीलेद्वे ॥	177
षष्ठ खण्डः	178
॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥	178

॥आत्रेद्वे ॥	179
॥गौतमेद्वे ॥	179
॥वामदेव्यञ्च ॥	180
॥अश्विनोश्चसाम ॥	180
॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥	181
॥सौबभ्रवेद्वे ॥	181
॥वैर्यश्वम् ॥	182
॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥	182
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	183
सप्तम खण्डः	184
॥सोभरञ्च ॥	184
॥गात्समदञ्च ॥	184
॥वाचश्चसाम ॥	184
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	185
॥नैपातिथञ्च ॥	185
॥तौरश्रवसञ्च ॥	185
॥त्वष्टार्याश्चसाम ॥	186
॥अदितेश्चसाम ॥	186
॥आजीक्तञ्च ॥	186
॥माधुच्छन्दसञ्च ॥	187
अष्टम खण्डः	187
॥उषसश्चसाम ॥	187
॥अश्विनोश्चसाम ॥	188
॥अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥	188
॥अश्विनोश्चैवसाम ॥	188
॥सोमसामच ॥	189
॥आजामायवञ्च ॥	189
॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥	189
॥वैरूपेच ॥	190
॥वैश्वदेवञ्च ॥	190
॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	191
असाविपाठः	192
प्रथम खण्डः	192
॥प्राकर्षञ्च ॥	192

॥वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥	192
॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥	193
॥औरूक्षयेद्वे ॥	193
॥पाथेद्वे ॥	194
॥सौमित्रेद्वे ॥	194
॥वात्सप्राणित्रीणि ॥	195
॥वैदन्वतञ्च ॥	196
॥सौपर्णञ्च ॥	196
॥यामञ्च ॥	196
॥ऋतुसामनिच ॥	197
॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥	198
द्वितीय खण्डः	199
॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥	199
॥सौरश्मेद्वे ॥	199
॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥	200
॥सोमसामनीद्वे ॥	200
॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥	201
॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥	202
॥वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥	202
॥भारद्वाजञ्च ॥	203
॥वासिष्ठञ्च ॥	203
॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥	204
तृतीय खण्डः	204
॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्ष्यसामनिवा ॥	204
॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥	205
॥वाक्त्रतुरम् ॥	205
॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥	206
॥आत्रम् ॥	206
॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥	207
॥वैश्वामित्रम् ॥	208
॥सावित्राणिषट्त्रैय्यमेधानिवा ॥	208

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥	209
॥वामदेव्यम् ॥	209
चतुर्थ खण्डः	210
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	210
॥उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥	210
॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥	211
॥आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥	212
॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥	212
॥गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥	213
॥वसिष्ठस्यवीकानिचत्वारिन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥	214
॥तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥	215
॥वैश्वामित्रम् ॥	216
॥काण्वेद्वे ॥	216
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	217
॥इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥	217
॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥	218
पञ्चम खण्डः	218
॥कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥	218
॥नानदन्तृतीयम् ॥	219
॥शाकपूतञ्च ॥	219
॥कौल्मलबर्हिषेद्वे ॥	219
॥मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥	220
॥उषसश्चसाम ॥	220
॥गौतमम् ॥	221
॥अग्रेष्वदधिक्रम् ॥	221
॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥	221
षष्ठ खण्डः	222
॥वामदेव्यञ्च ॥	222
॥काश्यपञ्च ॥	222
॥अग्रेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥	222
॥शाकपूतेद्वे ॥	223

॥प्रैय्यमेधञ्च ॥	224
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	224
॥वरूणान्याश्चसाम ॥	224
॥उषसश्चसाम ॥	225
॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥	225
॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥	225
ऐन्द्रपाठः	227
प्रथमं खण्डः	227
॥त्रैशोकम् ॥	227
॥शैखण्डिनेद्वे ॥	227
॥अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥	227
॥महासावेदसेद्वे ॥	228
॥शैरीषेद्वे ॥	229
॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥	230
॥वैरूपाणित्रीणि ॥	230
॥बार्हदुक्थञ्च ॥	231
॥त्रासदस्यवेच ॥	231
॥सौभरेद्वे ॥	232
॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥	232
॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥	232
॥वैरूपम् ॥	233
द्वितीय खण्डः	233
॥यामम् ॥	233
॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥	233
॥आभीशवेद्वे ॥	234
॥आभीकेद्वे ॥	234
॥बार्हगिराणित्रीणी ॥	234
॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥	235
॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥	235
॥वैदन्वतम् ॥	235
॥यामेद्वे ॥	236
॥त्रैतानित्रीणि ॥	236

॥सौपर्णेद्वे ॥	237
॥लौशम् ॥	237
तृतीय खण्डः	238
॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥	238
॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥	238
॥सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥	238
॥उषसश्चसाम ॥	239
॥लौशञ्च ॥	239
॥यामञ्च ॥	239
॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥	239
॥गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥	240
चतुर्थ खण्डः	240
॥वसिष्ठस्यसङ्क्रमौद्वौसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥	240
॥वाकानित्रीणि ॥	241
॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥	242
॥भागञ्च ॥	242
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	243
॥प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥	243
॥आश्वेद्वे ॥	243
॥वाजिनाञ्चसाम ॥	244
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	244
पञ्चम खण्डः	244
॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥	244
॥कौत्सन्तृतीयम् ॥	245
॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥	245
॥दैवोदासेद्वे ॥	245
॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥	246
॥त्रैतानिचत्वारि ॥	246
॥सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥	247
॥वैश्वमनसम् ॥	248
॥सौमित्राणित्रीणि ॥	248
॥त्रैककूभानित्रीणि ॥	248

	॥औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥	249
षष्ठ खण्डः	250
	॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥	250
	॥दैवोदासानिचत्वारि ॥	250
	॥रेवञ्च ॥	250
	॥आक्षारञ्च ॥	251
	॥रेवञ्चैव ॥	251
	॥आक्षारञ्चैव ॥	251
	॥यामम् ॥	251
	॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥	252
	॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥	252
	॥वसिष्ठस्यचवैराजे ॥	252
सप्तम खण्डः	253
	॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥	253
	॥शार्करेद्वे ॥	253
	॥बृहत्कम् ॥	253
	॥सौयवसानिचत्वारिपुनरींळवातृतीयम् ॥	254
	॥मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥	254
	॥इन्द्रस्याभरेद्वे ॥	255
	॥ऐषिराणित्रीणि ॥	255
	॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥	256
	॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥	256
अष्टम खण्डः	256
	॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥	256
	॥वासुमन्देद्वे ॥	257
	॥कावर्षाणित्रीणि ॥	257
	॥प्रजापतेःश्र्योकानुश्र्योकानित्रीणि ॥	258
	॥वाचस्सामनीद्वे ॥	258
	॥मरुताञ्चसाम् ॥	259
	॥वैश्वामित्रञ्च ॥	259
	॥मारूतञ्चैव ॥	259
	॥उद्वंशपुत्रञ्च ॥	259
नवम खण्डः	260
	॥धुरश्शम्येद्वे ॥	260

॥प्रजापतेर्गूदः ॥	260
॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥	260
॥प्रजापतेश्चैवगूदः ॥	260
॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥	260
॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥	261
॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥	261
॥उषसश्चसाम ॥	261
॥वैश्वामित्रञ्च ॥	261
॥भारद्वाजञ्च ॥	262
॥इन्द्रस्यचरातिः ॥	262
॥भारद्वाजञ्चैव ॥	262
॥इन्द्रस्यचवैराजे ॥	262
दशम खण्डः	263
॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥	263
॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥	263
॥प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥	264
॥अक्षय्यञ्चरेवत् ॥	264
॥सवितुश्चसाम ॥	264
॥वाक्रतुरञ्च ॥	265
॥ऐषञ्च ॥	265
॥यामम्मरूताञ्चसाम ॥	265
॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वक्वातृतीयम् ॥	266
॥पारूच्छेपेद्वे ॥	266
॥बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥	267
पवमानपाठः	268
प्रथमं खण्डः	268
॥आजीकञ्च ॥	268
॥आभीकञ्च ॥	268
॥ऋषभश्चपवमानः ॥	268
॥आभीकञ्चैव ॥	268
॥बाभ्रवेद्वे ॥	269
॥इन्द्राण्यास्साम ॥	269
॥शैशवेद्वे ॥	270
॥प्रजापतेर्दोर्होदोहीयेद्वे ॥	270

॥इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥	271
॥आमहीयवञ्च ॥	271
॥आजीकञ्च ॥	271
॥सूरूपेद्वे ॥	272
॥जमदग्नेशिशिल्पेद्वे ॥	272
॥संहितञ्च ॥	273
॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥	273
॥जमदग्नेश्वगम्भीरम् ॥	273
॥संहितञ्चैव ॥	274
॥सोमसामनीद्वे ॥	274
॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥	275
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	275
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	276
॥यौक्ताश्चेद्वे ॥	276
॥भासञ्च ॥	277
॥सोमसामच ॥	277
॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥	278
॥मादिलम् ॥	278
॥सोमसामचैव ॥	278
॥प्रजापतेश्वैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥	279
॥वैष्टम्भेद्वे ॥	279
॥पाष्ठौहेद्वे ॥	279
॥वैष्टम्भञ्चैव ॥	280
॥पाष्ठौहञ्चैव ॥	280
॥इषोवृधीयञ्च ॥	280
॥इन्द्रसाम ॥	280
॥वैश्वदेवेच ॥	281
॥इन्द्रसामचैव ॥	281
॥आग्नेयानित्रीणि ॥	281
॥आश्वानिचत्वारि ॥	282
॥च्यावनानिचत्वारि ॥	282
॥प्राजापत्येद्वे ॥	283

॥वैदन्वतानिचत्वारि ऋषभोवावैदन्वतश्चतुर्थः ॥	283
॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥	284
॥और्णायवेद्वे ॥	284
द्वितीय खण्डः	285
॥सौभरेद्वे ॥	285
॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥	285
॥बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥	285
॥बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥	285
॥शार्म्मदे द्वे ॥	286
॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥	286
॥मरूताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्कीळावानिक्लिळावा ॥	286
॥औशनम् ॥	287
तृतीय खण्डः	287
॥यामानित्रीणि ॥	287
॥अङ्कतेवैरूपस्यसाम ॥	287
॥औशनेच ॥	288
॥सोमसामच ॥	288
॥काष्णेच ॥	288
॥भारद्वाजश्च ॥	288
॥वैश्वामित्रश्च ॥	289
॥इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥	289
॥सोमसामानित्रीणि ॥	289
॥भारद्वाजश्चैव ॥	289
चतुर्थ खण्डः	290
॥वार्षाहरम् ॥	290
॥वार्शानित्रीणि ॥	290
॥वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥	290
॥तरन्तस्यचवैददश्चेस्साम ॥	291
॥सोमसामच ॥	291
॥सूर्यसामच ॥	291
॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥	291
॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥	292

॥ऐषञ्च ॥	292
॥श्यावाश्वञ्च ॥	292
॥सोमसामच ॥	292
॥आग्नेयञ्च ॥	292
॥आयास्येच ॥	293
॥भारद्वाजञ्च ॥	293
पञ्चम खण्डः	293
॥आयास्यञ्च ॥	293
॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥	294
॥माण्डवञ्च ॥	294
॥उद्वञ्च ॥	294
॥माण्डवञ्चैव ॥	294
॥प्रजापतेश्वसदोविशीयम् ॥	295
॥जमग्नेस्सवासिनी द्वे ॥	295
॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥	295
॥कण्वरथन्तरम् ॥	295
॥आयास्यञ्च ॥	296
॥रौरवम् ॥	296
॥यौधाजयञ्च ॥	296
॥वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥	296
॥अच्छिद्रञ्च ॥	297
॥रयिष्ठञ्च ॥	297
॥भारद्वाजेद्वे ॥	297
॥आभिशवेद्वे ॥	298
॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥	298
॥माण्डवेद्वे ॥	298
॥वैनसोमकृतवेद्वे ॥	299
॥प्रजापतेर्गूदौद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥	299
॥मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥	299
॥महारौरवञ्च ॥	300
॥महायौधाजयञ्च ॥	300
॥आश्वानिचत्वारि ॥	300
॥आग्नेयञ्च ॥	301
॥सोमसामच ॥	301

॥द्विहिङ्गारञ्चवामदेव्यम् ॥	301
॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥	302
॥सोमसामानिषट् ॥	302
॥विष्णोररणीद्वे ॥	303
॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥	303
॥औक्ष्णोरन्ध्राणित्रीणि ॥	304
॥औक्ष्णोनिधनानित्रीणि ॥	304
॥वाजजिच्चा ॥	305
॥द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥	305
॥वैश्वदेवेच ॥	305
॥इन्द्रसामच ॥	305
॥वैश्वदेवञ्चैव ॥	306
॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥	306
॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥	306
॥सोमसामच ॥	306
॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥	307
॥सोमसामनीद्वे ॥	307
॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥	307
॥सोमसामचैव ॥	307
षष्ठं खण्डः	308
॥औशनानित्रीणि ॥	308
॥प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥	308
॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥	309
॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयः देवानांवा सामसुरसे द्वे ॥	309
॥वेणोर्विशालेद्वे ॥	310
॥गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥	311
॥अगस्त्यस्ययमिकेद्वे ॥	312
॥मरूताङ्गालकाक्रन्तौ ॥	312
॥वासिष्ठानिषट् ॥	313
॥आश्वञ्च ॥	314
॥सोमसामनीद्वे ॥	315
॥ऐषञ्च ॥	315

॥माधुच्छन्दसम् ॥	315
॥सोमसामानिचत्वारि ॥	316
॥मरूतां व्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥	316
सप्तम खण्डः	317
॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥	317
॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥	317
॥वाचस्सामनीद्वे ॥	318
॥दाशस्पत्यानिषट् ॥	318
॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥	319
॥आत्रम् ॥	319
॥अपांसाम् ॥	319
॥श्रौष्टाणित्रीणि ॥	320
॥वासिष्ठम् ॥	320
अष्टम खण्डः	321
॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेखौद्वौ ॥	321
॥महाकार्तवेराञ्च ॥	321
॥और्ध्वसन्ननञ् ॥	321
॥श्यावाश्चञ्च ॥	321
॥आन्धीगवञ्च ॥	322
॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥	322
॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥	322
॥आकुपारम् ॥	323
॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥	323
॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥	323
॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥	324
॥क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥	324
॥सोमसामानि त्रीणि ॥	325
॥क्रौञ्चैव उद्वद्ववा ॥	325
॥सोमसामचैव ॥	325
॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥	326
॥औशनंवरूपम् ॥	326
नवम खण्डः	327
॥कावम् ॥	327

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥	327
॥वाजिजितौद्वौ ॥	327
॥कावञ्चैव ॥	328
॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥	328
॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥	328
॥औशनम् ॥	329
॥प्रवत्भार्गवम् ॥	329
॥विरूपस्यचतन्त्रे ॥	330
॥भार्गवञ्चैव ॥	330
॥यामम् ॥	330
॥दार्शशीर्षेद्वे ॥	331
॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	331
॥यामानित्रीणि ॥	332
॥मरूतान्धेनुनीद्वे ॥	332
॥वसिष्ठस्यापामीवेद्वे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥	332
॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥	333
॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥	333
दशम खण्डः	334
॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥	334
॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥	334
॥पौष्कलम् ॥	335
॥ऐषिराणिपञ्च ॥	335
॥शौक्तानिपञ्च ॥	336
॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥	336
॥वैश्वदेवेद्वे ॥	337
॥इन्द्रसामनीद्वे ॥	337
॥मरूताम्प्रेङ्खःवसिष्ठस्यवा ॥	337
॥आग्नेयञ्च ॥	337
॥सोमसामच ॥	338
॥सुज्ञानेद्वे ॥	338
॥द्यौतेद्वे ॥	338
॥आतीषातीयेद्वे ॥	339

॥सोमसामानिचत्वारि ॥	339
॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥	340
॥औशनंवासिष्ठंवा ॥	340
एकादश खण्डः	340
॥वासिष्ठेद्वे ॥	340
॥सभानित्रीणि ॥	340
॥एषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥	341
॥शौक्तानित्रीणि ॥	341
॥वाचस्सामानित्रीणि ॥	342
॥कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥	342
॥दीर्घेद्वे ॥	343
॥सोमसामानित्रीणि ॥	344
॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥	344
॥सोमसामानित्रीणि ॥	344
॥गायत्रपार्श्वञ्च ॥	345
॥सन्तनिच ॥	345

आग्नेयपाठः

प्रथम खण्डः

॥गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्नाइ ।आया हीवाइ ।तायाइतायाइ ।

त त श थाच् च श टा टि श

गृणानोहव्यादा ।तायाइतायाइ ।

चा श चि टा टि श

नाइहोता ।सात्साइबा औहोवा ।

कि च ट ट खा शि

हीषि ॥१ ॥

ख श

॥कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्रआयाहीवी ।तायाइगृणानोहव्यदाता

तू षू टी

याइ ।नीहोतासत्सीबर्हाइषी ।बर्हाइ

त श चि टी ता टा

षा औहोवा ।बर्हिषी ॥२ ॥

खा शि च खा

॥गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्रआयाहीवाइतायाइ ।गृणानोहव्यदाताये ।

तू ति श यू प श

निहोतासात् ।साइबाऋहाआइषो ।हाइ ॥३॥
 खिण ट ता पा ङ्गि शा

॥सौपर्णञ्च ॥

त्वमग्नेयज्ञानांत्वमग्नाइ ।यज्ञानांहोता
 षू ति श
 विश्वेषांहाइताः ।देवाइभाइर्मा ।
 षृ टा ता क टि ता
 नुषे ।जनाओहोवा ।होइळा ॥४॥
 ताच् क टा ख ण् प ण्ग शा

॥वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् ।वृणीमहाइहोतारांवी ।श्वा
 टि त षू टि त
 वे दसाम् ।अस्ययाज्ञाओओहोवा ।
 चा चा टि त का त त
 स्यासूकृतूमिळाभा ।ओइळा ॥५॥
 चा टी खण प ण्ग

॥श्रौतर्षाणित्रीणि ॥

अग्निर्वृत्रा ।णाइजाओहोवा ।घा
 ती ट खा शि ख
 नात् ।द्रविणास्युर्वीप न्यायाओइसमि
 शा च श क कि टा
 द्वाइशू ।क्रायाहुताइळाभा ।ओइळा ॥६॥
 टु त चा टी खण् प ण्ग

अग्रीरौहोवाहाइवृत्राणी ।जङ्घा
 खा शि शु टा
 नादौहोवाइ ।द्रविणास्यूः ।ओइवाइ
 त टा त श पि ण षी
 पन्याया ।सामाइद्धाश्शूऔहोवा ।क्राया
 टि टीट् ख शि
 हूताः ॥७॥
 टि ख
 ओग्रीः ।वृत्राणीजङ्घनादौहोऔहो
 त त कि की खि
 वा ।द्रवीणास्युर्वीप न्ययाऔहोऔ
 श चा क कि चा क
 होवा ।समिद्धाश्शूक्रयाऔहोऔहो
 खि श चि चि क खि
 बाहूतो ।हाइ ॥८॥
 छु छु शा

॥औशनञ्च ॥

प्रेष्ठंवाः ।अताइथीम् ।स्तुषे मित्रमिव
 ति टा ता चा
 प्रायाम् ।अग्नाइराथान्नावाहा इ ।दा
 टु त भी त टा खण श प
 आयाम् ।हाइ ॥९॥
 छु शा

॥शैरीषेच ॥

प्रेष्ठंवयोहाइ ।अताइथीम् ।स्तूषा
 ती त श टा ता ता

इमीत्रामीवाप्रायाम् । औहोइ । अग्रेराथा
 श ता टा ख ण थ च श था टा
 न्नावे । दायाम् । हाइ ॥१०॥
 प श ख श शा
 प्रेष्ठं वोहाबु । आतिथाइंस्तूषेमि
 ति त श षु
 त्रामीवप्रायाम् । अग्राइरा था औहोवा ।
 टू त टीट् ख शि
 नावेदीयाम् ॥११॥
 टि ख

॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रघ्नेद्वे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिः पाहाइवीश्वा ।
 ति च था टु त
 स्याआराते रूताद्वाइषाः । मार्तया
 च थिच् चा य टा क थ
 स्याइळाभा । ओइळा ॥१२॥
 टि ख ण् प शा
 त्वांत्वन्नोअग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वा
 षि ती त श क
 औहो । स्याऔहो । त) आराते रूता
 टी त टा किच् चा
 द्वाइषाः । मर्तो या औहोवा । स्या ॥१३॥
 य टा टाट् ख शि ख

॥ साकमश्वस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे ॥

एह्युषुन्नावाणाइताइ ।
 फा खि शी

अग्रइत्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहा इ ।

षी टि चा टा चि टा खण् श

दोभो । हाइ ॥१४ ॥

प प्ल शा

एह्यूपू ब्रवौहोणाइताइ । अग्रइत्थेतरागीराः । एभिर्वाद्धा । सयाहा

षि ती ता श यू प श खि ण टा खण्

इ । दोभोहाइ ॥१५ ॥

श प प्ल शा

॥वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारा माच्चित्साधा

ती च श ची थ टि

स्थात् । अग्राइत्वाङ्का । मयोबागाइरो

त भी त पा प्ल णि

हाइ ॥१६ ॥

शा

आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ । पारामा

षी तू त श षि

च्चित्सधस्थादय्याहो इया । अग्रेत्वाङ्का

दू कच् शा षी

मायाअय्याहो इया । गीराइळाभा ।

दूच् कच् शा का टा खण्

ओइळा ॥१७ ॥

प शा

॥अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्रेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरा

तु ति च चा

मान्धाता ।मूर्धनोवाइश्वा ।स्यावोबाघातो ।हाइ ॥१८॥

टी ख ण ख ण ख णा पा ण णा शा

॥सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥

अग्नेविवस्वदाभरोवाहाइ ।अस्माभ्या

षी तू त श चा

मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ ।दा

काच् चा टि टा त टा त श च

इवोहियाओवाहाओवाहाइ ।साइ

या टा टा त टा त श ट

नाओहोवा ।दृशे ॥१९॥

खा शि ताच्

द्वितीय खण्डः

॥अग्रेष्वसंवर्गः ॥

नमस्तौहोग्राइ ।ओजासाइगृणान्ताइ

ति त श कि टि ख

दे ।वाकारिष्टायाः ।आमाइरा माओहो

णा च य टि टीट् ख

वा ।त्रमर्दया ॥१॥

शि खी

॥वैश्वमनसञ्च ॥

दूतांवोविश्ववेदसाम् ।हान्यावाहाम

णफ ख शु थ

मार्ततायम् ।याजिष्ठमृञ्जसेहाइ ।गीराऔहोबा ।होइळा ॥२॥
 टु ख ण च टु त श च टा ख ण्ण ण्ण शा

॥श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥

उपत्वाजा ।मयोगीराः ।ओइयायूदा
 ती टा टा षु
 इदिशतीर्हाविष्कृताः ।ओइयायू र्वायो
 तू टि क टिक्क
 रानी ।कयास्थाइरान् ।अश्वागावाः ॥३॥
 टात खि त्रा थ ट ख
 उपत्वाजामा ।योगीराः ।दाइदिशा
 तू ति च श का
 ताइर्हाविष्कार्ताः ।वायोरनाहाइका
 टी ख ण ती
 या ।स्थाइराऔहोवाइळा ॥४॥
 ती टि खा शि

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ ।दोषावास्ताद्धी
 पि शू टा टा
 यावायम् ।नामोभारा न्ताएमासा इ ।
 चा चा टा टाच्च कट खण्ण श
 ओइळा ॥५॥
 प शा

॥अग्रेश्चजराबोधीये ॥

जारा ।बोधाबोधाताद्वीविट्ठाइ ।वी

ता टा टा चा चाश

शेवाइशेयज्ञोयायाऔहोवा ।

का टि टा खा शि

स्तोमं रूद्रायदृशीकाम् ॥६॥

का कू च

जराबोधोवा ।ताद्वीविट्ठाइ ।वीशाइवा

ती त च चि श टी

इशे ।याज्ञीयायास्तोमंरूद्रायादृ ।शीकोइळा ॥७॥

ता थ श किच्च य प ण श खा शा

॥मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूमध्वराम् ।

पि शु

गोपीथायाप्राहुयासाइ ।मारूत्भीराग्रायागहा

था चिकख ण श चाक टि च

औहोबाहोइळा ॥७॥

टा ख ण्ण शा

॥भार्गवेच ॥

आश्वाऔहोवा ।नात्वाऔहोवा ।

टा खाश टा खाश

वारवन्तंवन्दध्यै ।आग्राऔहोवा ।

षी ति टा खाश

नमोभिस्सम्भ्राजन्ताम् ।आध्वराणामौहो

षि तु कि पा

बाहोइळा ॥८ ॥

प्ला प्ल शा

अश्वन्नत्वारवन्ताम् ।वन्दध्याअग्निन्नमोभा

षी ती षि चु

इः ।सम्प्राज न्तामाध्वरा औहोवाइ हो

श क थाच् चा खा खु

हाइ ।औहोयाऔहोवा ।णाम् ॥९ ॥

ण श क ट ख शि ख

॥अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥

अश्वन्नत्वाबुहोहाइ ।वारावान्तंवन्द

तू त श खि श का

ध्योहाइ ।अग्राइन्नमाऔहोवाइहोहाइ ।

प ण श पु खु ण श

उहुवाभीः ।सम्प्राजन्तामाध्वराऔ

खि ण क था पी

होवाइहोहाइ ।उहुवाणामेहि

खु ण श पि

याहा ।होइळा ॥१० ॥

प्ली श प्ल शा

॥और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ ।शोचिम् ।आप्ता

चू त श ख श

वानावादाहुवाइहुवायोइ ।अग्रा

टि क टा टा ची श टा

इंसामू सामूओद्रावासासाबु ।बा ॥११ ॥

टिच् चि चाक त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमे शुचिम् । आमवाना
 षु ति ता कि च

वादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्राइं
 टा ता टि टि त

सामूसामूसामूए । द्रावाऔहो
 टी त टा टा त ट् ख

वा । सासामे ॥१२॥
 शि च ट ख

॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानो मनसौहो औहोवाहाइ ।
 षि ते त श

धीयंसचेतमौहोहाहोवार्तयाः ।
 टू ट त टा ता

अग्राइमा इन्धा औहोवा । वीवास्वाभीः ॥१३॥
 टीट् खा शि टि ख

॥ प्रजापतेश्च निधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरे तसाः । ज्योतिः पश्यन्ति वा
 फी शा का षी

साराम् । पारोयाति ध्यताइ । दिविहोइ
 टि च टि चि श

हो औहो औहोवाहाबु । बा ॥१४॥
 कू का पा ण्ण श ख

तृतीय खण्डः

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्रिवोवृधान्ताम् ।आध्वाराणां पूरू
तु त चा थाच् का

तामौहोवाहाइ ।आच्छानासूरे ।सा
य ट टा त श टा टा क

होबास्वातोहाइ ॥१॥

प प्ल प्ला शा

अग्रिवाए ।वृधन्तामध्वराणांपूरूतमम
ति त षि कू

च्छाहोइनासूरे ।साहास्वाताइ ।ईति ॥२॥

टीच् य टा त पि त्र श ख श

अग्रिवोहाइ ।वृधान्ताम् ।आध्वराणां
ति त श टा त

पूरूतामाम् ।अच्छानसूरो हाइ ।साहोहाइ ।स्वाताओहोबा ।होइळा ॥३॥

यू प श खीण श क प च श क टा ख प्ल प्ल शा

॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा ।तिग्मे नाशोचाइषा
टा खा श थाच् क टी

उवोवा ।यंसाउवोवा ।वाइश्वान्या
खा श टा खा श

त्राइणाउवोवा ।अग्रिर्नोवंसते
टू खा श टि किच्

रायीम् ॥४॥

चा

ओहायाग्रीः ।ताइग्मेनाशोचाइषा ।यं
ती ख शा खि णा

साद्वाइश्वानीयात्राइणम् । अग्निर्नो
 टा ख शा खि णा टि
 वंसाताऔहोवा । रायिम् ॥५॥
 टाट् ख शि ख श

॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा । यंसद्विध्वन्य
 षी तू षी
 त्रीणामिहा । अग्निर्नोवंसताइहा ।
 टि ता दू ता
 राआयाइं । हाइ ॥६॥
 प णि शा

॥ यामेद्वे ॥

अग्नाइमृळामहंयासी । आयआदाइवयु
 टु खि ण टी
 न्जानम् । ईयेथाबार्हिरासादाम् ॥७॥
 खी ण टी खि त्र
 आग्नेमृळामाहंयासिओहाओहा । आया
 ण फ फि फि खा ख श ण फ
 आदेवायुन्जनामोहाओहा । इयाईथा
 फि फि ख खा श टी
 बर्हिरासा । दाम् ॥८॥
 खा त्र

॥अग्रेराक्षोघ्नेद्वे ॥

अग्रेराक्षानोअंहासः ।प्रातिस्मदे वारीषाताः ।तापाइष्ठाइरा ।जरोदाहा ।ओइळा ॥९ ॥

खी श ण्णि की टि त टी ता टि खण् प शा

अग्रेयूङ्क्वाहीयेतावा ।अश्वासोदे

खी श ण्णि ची

वासाधावाः ।आरंवाहान्तीयाशावाः ।

टि त टि त क टा खण्

ओइळा ॥१० ॥

प शा

॥वैश्वमसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या ।वाइस्पाताइ द्यूम

खि शि च चि श क

न्तन्धाइमाहेवायम् ।सुवोहाइ ।

था चि क ख ण ता त श

रामग्राओबाहूतोहाइ ॥११ ॥

चि प ण्णि शा

॥अग्रेश्चार्षेयम् ॥

अग्निर्मूर्धादीवःककूत् ।पातीःपार्तथी

तु ति टा टा

व्याअयाम् ।आपांराइतांसीजिन्वाता

चि टा टि क टा खण्

इ ।ओइळा ॥१२ ॥

श प प्ला

॥सोमसामच ॥

इममूषू ।त्वामास्माकाम् ।सानिंहोइ
 ती टि त टा
 गायाहोतृन्नव्यांसाम् ।आग्नेहोइ
 टी क थ टा ता टा
 देवाहो षुप्रावोचाः ।ओइळा ॥१३ ॥
 टी कथ् टि खण् प प्ला

॥गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा ।वानोगाइराः ।जना
 ती टा ख णा चा
 इष्ठादग्नायाङ्गाइराः ।सपौवाउवोवा
 टू ख णा खु श
 कौवाउवोवा ।श्रुधीहवांहोइळा ॥१४ ॥
 खि ण प्ली प शा

॥सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा ।पाताइःकावीः ।
 षी ति चा या ट
 अग्नीर्हव्यान्नायःक्रमीत् ।दधाद्रा त्ना
 चा था ट टि टिट्
 औहोवा ।निदाशूषे ॥१५ ॥
 शि ता टास्
 उदुत्यमोहाइ ।जातावे दासम् ।दे.
 ती त श कि ख ण क
 वंवहन्तीकेतावाः ।दार्शेहाइ ।वाइ
 कु ख ण पा ण श

श्वा यासूर्यामौहोवा ।होइळा ॥१६ ॥

किच्क् पि प्ला प्ल शा

॥कावञ्च ॥

कविमग्रीम् ।उपास्तूहाऔहोवा ।

ती टिट् ख शि

सत्याधर्माणमाध्वारे ।देवाममी ।वाचा

चा क चि चा ती

ताना म् ।ओइळा ॥१७ ॥

टि खण् प प्ला

॥वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्नोदेवीः ।आभीष्टायाइशन्नोभुवाम् ।

ती टि ख शु

तूपीतायाइशय्योरभीः ।श्रावान्तूना

टि ख शु टिट् ख

औहोवा ।रूपा ॥१८

शि ख श

हुवाहोइशन्नोदेवीरभिष्टयाइ ।

ता प पु डि श

हुवाहोइशन्नोभुवान्तूपीतायाइ ।

ता प पु डी श

हुवाहोइशय्योरभीसवन्तुनाः ।

ता प पु डि श

हुवाहोयाऔहोवा ।रूपा ॥१९ ॥

ता ट ख शि ख श

॥गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी ।धीयोजिन्वा
टी खि ण टी

सीसात्पाताइ ।गोषातायास्याता
खि ण श च चा टाट् ख

औहोवा ।उप्पीराः ॥२० ॥
शि खा श

ओहोवाइहुवाइहुवाए ।कस्यनू
क था टि चित

नाम्पारीणासी ।ओहोवाइहुवाइहुवा
खी चा फा क था टि चि

ए ।धीयोजिन्वासीसात्पातीम् ।ओ
त खी चा फा क

होवाइहुवाइहुवाए ।गोषाता
था टि चित ष

यस्यतागाइराः ॥२१ ॥
खू श त्र

चतुर्थ खण्डः

॥भारद्वाजस्यौपहवौद्वौ ॥

यज्ञायज्ञा ।वोग्रयाईगीरागिरा हा
ती त ता टि खाशळ

हाइचादक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृत
त चा खा ण श टाचक षी

न्जातावे दासाम् ।प्रीयाम्मित्रान्नाशंसिषा
यि टा चा कि कि

मे ।हियाऔहोऔहोइळा ॥१ ॥
की खू प्ला

यज्ञायज्ञा ।होइवोग्नायाएहिया ।

ती त ता काख णा

गीरा गीराचादाक्षासाइ ।प्रप्रा वा

काच्च टा च चा श थाच्

यामामृतन्जातावेदासम् ।प्रीय म्मित्रान्ना

चा क टु ख ण चा कि

शंसिषामे हियाऔहो ।इळा ॥२ ॥

की खा प्ला

॥श्रुष्टीगवम् ॥

याज्ञायाज्ञावोअग्नायाइ ।गाइरागाइ

टी टी श

राचादक्षासाइ ।प्रप्रावाया मामृतन्जा

टू टी श टीच्क कि

तावेदासम् ।प्रायाम्माइत्रान्नाशांसा

टाख ण च य ची य ट

इषा म् ।ओइळा ॥३ ॥

खाण् प प्ला

॥अग्रेश्चयज्ञायज्ञीयम् ॥

यज्ञायज्ञावोअग्नायाइ ।गाइरागीरा

णा णा फ खा ण श

चादाक्षासाइ ।प्रप्रा वायममृतन्जाता

टू पा शा टाच्क पू

वा ।हिम्माइ ।दासाम् ।प्रायम्मित्रान्नाशां

श चा श त त कू

सिषाबु ।बा ॥४ ॥

का श ख

॥कार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोआग्राएकया ।पाह्युतचिताइयाया ।पाहीगीर्भिस्तिसृभीरूर्जापाता
खी प्ली च ची या ट टि चु क य ट

इ ।पाहीचातौहोवा ।स्रभिर्वासा
श का का त त टि खण्

बु ।ओइळा ॥५ ॥
श प प्ला

॥नार्मधञ्च ॥

पाहीनोअग्रएकयाए ।पाहाउताद्वि
षि तु त क टि

ताइयाया ।पाहाइगाइर्भीः ।ताइसृभी
पी श टा खा णा

रूर्जाम्पाताऔहोऔहोवा ।पाही
कु टि खी ण प

हाइ ।चातासृभाऔहोऔहोवा ।
चा श क टि खी ण

वासावेहियाहा ।होइळा ॥६ ॥
प पु प्ल शा

॥महाकार्तवेशञ्च ॥

पाहिनोअग्रएकयापाह्युतद्वीतीया
फू ता प प्ली ङ

या ।पाहिगीर्भीषी)स्तिसृभिर्रूर्जाम्पाताइ ।
श खू ण श

पाहाइ ।चाताहाओवा ।सृभिर्व
चा श ख शी

सो ।ऊपा ॥७ ॥

ती ट ख

॥भारद्वाजस्यपृश्नीद्वे ॥

बृहात्भीरग्रेरर्चिभीर्हाबु ।शुक्राङ्गणा

पि शृ

देवाशोचिषाभाराद्वाजेहोवाहाइ ।

कु ची काय ट टा त श

समीधानोयावीष्ठियाहोवाहाइ ।

चा था च य टा टा त श

रेवात्पावाहोवाहाइ ।कादीदिहीइळा

चाय ट टा त श कि टि

भा ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प शा

बृहत्भीरग्रेरर्चिभीरे ।शुक्राङ्गणा

षु ति त

देवाशोचिषाभाराद्वाजेओवा ।

कु चीक च य ट का

समीधानोयावीष्ठियाओवा ।रेवात्पावाओ

चा था च य टा का चाय ट

वा ।कादीदिहीइळाभा ।ओइळा ॥९ ॥

का कि टि खण् प प्ला

॥उरोराङ्गिरसस्यसाम ॥

त्वय्याग्रेस्वाहुताहाबु ।प्रियासा

पा शृ

सन्तुसूरायोयन्तारोयाई माघावा

ची का चा का य प फ

नोजनानाम् । ऊर्वान्दयाहा न्तागोना
 फी ता त च य टा तच्च क का
 मीळाभा । ओइळा ॥१०॥
 टा खण् प शा

॥ गौतमस्य पौरुमुद्रेद्रे पुरुमुद्गस्य वा ज्जीरसस्य देवानां वा ॥

अग्नेजरितर्विस्पतिरौहोवाएहिया
 ष्ट तू
 हाबु । तपानोदेवारक्षसा ।
 त श का टा च चि
 अप्रोषाइवान् । गार्हापाताइर्मा
 काय टा टी
 हं यासी । दीवास्पायौवाउवोवा । हा
 किख ण चा का खिळ्ळ त
 हाइ । दुरोणयूः । होइळा ॥११॥
 त श ष्ठी ण्ण शा
 अग्नेजरितार्वीस्पतीस्तापानोदेव
 फू ता प
 रक्षसाः । तापानोदेवरक्षसा अप्रोषी
 शू षु दू
 वान् । गृहापताइर्माहं यासी । ओहा
 त चा ची क ख ण ख ण्ण
 हाहाइ । दीवस्पायूः । ओहाहाहाइ ।
 त त श चि ट ख ण्ण त त श
 दुरो णायूः । ओहाहाहा इ
 टाच्च क च ख ण्ण खाण्ण श
 ओइळा ॥१२॥
 प शा

॥मण्डोर्जामदग्न्यस्यसामनीद्वे ॥

अग्नेवीवाहाबु ।स्वादूषासा

ती त श क टा त

श्चाइत्रांहाइराधोहाअमार्तायम् ।आ

टि त टि त टा ख ण च

दाशुषेजातावेदो वाहातूवाम् ।

य टा चा थाच् कायट

अद्याहोइदाइवम् ।ऊषाबु धा

दु ता क टाट्ख

औहोवा ।हुवेवासूः ॥१३ ॥

शि ता टाख्

अग्नेविवस्वदुषासाः ।चित्रंराधो

षी ति त की

अमात्तर्यामादाशूषे ।जातावेदो

का काय टा चा थाच्

वाहातूवाम् ।अद्यादाइवम् ।ऊषाबू

कायट टि ता क टाट्

धाऔहोवा ।विदावासूः ॥१४ ॥

ख शि ता टाख्

॥भारद्वाजस्यगाधम् ॥

त्वन्नाश्चित्रऊत्या ।वासोराधां

पा शी चा क च

सिचोदाया ।आस्यारायाइ ।त्वामा

कायट का ख ण श च

ग्ने राथाइरासीवीदागाधम् ।तुचो

काच् का याट काख ण ता

हाइ ।तूनाऔहोवा ।होइळा ॥१५ ॥

त श क टा ख ण् ण् शा

॥गौतमेद्वे ॥

हाबुत्वमित्सप्रथायसिहाबु ।अग्ने

षी तू श

त्राताऋताःकवाइर्हाहाइ ।त्वांवि

चिक का पा प्लाड श च

प्रासस्सामीधानदीदीवाहाहाइ ।आवीवा

का चा का पी प्ल ड श

साहाहा न्तीवोबाधासो ।हाइ ॥१६ ॥

पी प्ल तच्क प प्ल प्ला शा

त्वन्त्वामे ।इत्साप्राथायासो

ति की चा का

यासी ।अग्ने त्राताऋताःचा)कावाइःकावीः ।

ख ण चाक च का खा ण

त्वांविप्रासस्सामीधानादीदीवोदाइवाः ।

च का कीच किख णा

आविवासाहा न्तीवेधासाः ।ओइळा ॥१७ ॥

किट तच्क टा खण् प शा

॥अग्नेरायुः ॥

आनोअग्नेवयोवृधमेरायाइम् ।पा वा

षी तु खाश तच्

काशांसायाम् ।रास्वाचनउपामातेपू

का य ट त चा ची था

रूस्पृहाम् ।सूनाइताइसूहाइ ।या

या टा दू त श

शास्तारामौहोबा ।होइळा ॥१८ ॥

चा क पा प्ला प्ल शा

॥अग्नेर्हरसीद्वे ॥

योवीस्वादायातेवासू ।होता
खी शी टा

मन्द्रो जनानाम् ।माधोर्नापा
टाच् चाश टा टा

त्राप्रथमान्यस्मै ।प्रास्तोमाया न्तू
चू टा टाचक

वोबाग्रायो ।हाइ ॥१९ ॥
प प्लू प्ला शा

योविश्वादयतेवसुहाबु ।होताम
षू ति श टा

न्द्रो जनानामोवाओवा ।माधोर्नापा
टाच् चीक का टा टा

त्राप्रथमान्यस्माओवाओवा ।प्रास्तोमा
चू का का टा

या न्तूवोबाग्रायो ।हाइ ॥२० ॥
टाचक प प्लू प्ला शा

॥दैर्घश्रवसेद्वे ॥

योविश्वादयतेवस्वोहाओहाए ।
षू तु त

होतामन्द्रोजनानामोहाओहाए ।
टा क कि टा त ट खा

मधोर्नपा ।त्राप्राथमान्नायास्माओ
खा ता का काच का ट

हाओहाए ।प्रास्तोमाया न्तूवोवोबाग्रायो ।हाइ ॥२१ ॥
त ट खा खा ताचक प प प्लू प्ला शा

योविश्वादयतेवसूए ।होता
तू त चा

मन्द्रोजनाम्माधोर्नापौवा ।

ची क च तित्

त्राप्रथमान्यस्मैप्रास्तोमायौवा ।

चू क त तित्

त्वग्नायाइळाभा ।ओइळा ॥२२ ॥

चा टि खण् प शा

पञ्चम खण्डः

॥अग्नेराग्नेयेद्वे ॥

एनावोअग्निन्नाओमसा ।ऊर्जोनपातामा

तू ति की या

हुवे ।प्रायन्चेतिष्ठामारतिसूआध्वारां ।विश्वाचा)स्यादू ।तामामृतामिळाभा ।ओइळा ॥१ ॥

टा चि टा चि मि य ट च चाक टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नामसाहाबु ।ऊर्जोन

षु तू त श

पातामाहुवेहाबु ।प्रायन्चेतिष्ठा

की या टा त श चि टा

मारतिसूआध्वारांहाबु ।विश्वास्या

चि ट भि त श चा य

दूहाबु ।तामामृतामिळाभाखण्) ।ओइळा ॥२ ॥

ट त श च चाक टा प शा

॥गौतमस्यमनार्येद्वे ॥

एनावोअग्निम्मेनमसा ।ऊर्जोनपा

तू ति क टिच्

तामाहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारतिं

चा काट त चि का टाच्

सूआध्वाराम् ।विश्वाका)स्यादू ।तामामृ ता
का य ट य ट च चाक

मिळाभा ।ओइळा ॥३ ॥

टा खण् प शा

एनावोअग्निन्नमसऊर्जोनपोवा ।ता

षू तू त

माहुवे प्रायाम् ।चाइतीष्ठामारतीं ।

चा काट त चि काट त

स्वाध्वारंविश्वस्यादू ।तामामृ तामिळाभा ।

थ टु त च चाक टा खण्

ओइळा ॥४ ॥

प शा

॥दैवोराजञ्च ॥

शेषेवनाइषुमातृषू ।सान्त्वामार्ता

फी कु का काच्

साइन्धाताइ ।आतन्द्रो हव्यंवहासाइ

क टा त श किच् चा का

हावीष्कार्ताः ।आदिहे वाइ ।षूराजाजा

टी ख ण किच श टि टि

सा इ ।ओइळा ॥५ ॥

खण् श प शा

॥गाधिनश्चकौशिकस्यसाम ॥

अदर्शिगातुवित्तमाए ।यास्मिन्वूरा तान्या

षी तु त की टाच्

दधुरूपोषूजाहाहाइ ।तामार्या

किय टा त त श चाक

स्यावार्धानामग्राइन्नक्षाहाहान्तुनो

चा का का टि त

गीराइळाभा ।ओइळा. ॥६॥

ची टि खण् प शा

॥बार्हदुत्थेद्वे ॥

अग्निरुक्थाइ ।पुरोहाइताः ।ग्रावा

ती श खि णा क

णोबर्हीराध्वाराइ ।ऋचायामिमरुतो

का च खि ण श षी

ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा

चु य टा श टि टाच्च क

रोबाणायाम् ।हाइ ॥७॥

प प्ल प्ला शा

अग्निरुक्थाबुहोहोहाइ ।पुरौवाउ

तू त त श

वोवाहितः ।ग्रावाणोबर्हीरौ वाउ

खु शि क का कि

वोवाध्वराइ ।ऋचौहोयामिमरुतो

खि शी टा त शु

ब्रह्माणास्पाताइ ।दाइवं आवो वा

यि टा श टि टाच्च क

रोबाणायाम्हाइ ॥८॥

प प्ल प्ला शा

॥पौरुमीढञ्च ॥

अग्निमीळिष्वाऔहोवा ।अवसे गाधाभी

फि खा ण फ श कि चि

इशीराशोचाइषाम् । अग्निंरायाइपुरूमा
 थ क टा ता ष टि
 इढा । श्रूतन्नरोअग्निस्सूदीतायाइच्छादी ।
 ता टू त पी त्र
 दक्षाया ॥९॥
 ता टाख्

॥कार्णश्रवसम् ॥

श्रुधीश्रुधिश्रुत्कर्णवन्हिभाइः । दे
 ता प श्रु क
 वैराग्रे सायावाभीः । आसीदतुबर्हिषि
 कि टि त क षू
 मित्रोअर्यामा । प्रातर्यावा । भाइरा
 टी त क टा त ट खा
 औहोवा । एध्वराया ॥१०॥
 शि त ताख

॥दैवोदासञ्च ॥

प्रदैवोदासोअग्नीः । देवइन्द्रो
 ष तू क कि
 नामज्मानाम् । आनूमा तारं पृथिवीं
 ची टिक्क च टि
 विवावृताइ । तस्थौनाका । स्याशर्मणि
 ची श भि त का
 इळाभा । ओइळा ॥११॥
 टि खण प शा

॥सौकृतवञ्च ॥

अधज्माओवा ।आधावादाइवाः ।बृहतो

तु च काय टा

रोचानादाधि ।आयौहोऔहोवा ।

चु य टा कि तात

वार्धस्वातन्वागाइराममा ।आजातासौ

चि था च य टा की

होऔहोवा ।हाहाउवा ।कृतोपृणा ॥१२ ॥

ति त फ ति खी

॥काण्वेद्वे ॥

कायमानोवनातुवाम् ।यन्मातृराजाग

फी की क टा कि

न्नापाः ।नतत्तयाग्नाइ ।प्रमृषेहाइ ।

ख ण ती त श टि त श

नीवार्तानम् ।यदूराइसान् ।इहा भू

टा ख ण टि ता काचूक

वाऔहोवा ।होइळा ॥१३ ॥

टा ख ण्ण ण्ण शा

एकाया ।मानोवनातूवामोइतू

ति का काखण्ण खी

वामुहुवाहाइ ।औहोइयन्मातृराजा

शू ट त टी

ग न्नापाआपाउहुवाहाइ ।औहो

किख ण्ण ख शू ट तच्

इनातत्तयाग्नाइप्रमृषाइनीवार्ताना

का टि टी टी ख ण्ण

आन्तानामुहुवाहाइ ।औहो इयदूरे

खा शू ट तच् की

सन्निहाभूवाआभू वाउहुवाहाइ ।

टि ख ष्ट् खा शू

औहोया औहोवा ।रूपा ॥१४ ॥

ट त टख् शि ख श

॥मानवेद्वे ॥

नित्वामग्नाइ ।मनुर्दाधाइ ।ज्योतिर्जना

ती श खि ण श की

याशाश्वाताइ ।दीदाइथाकण्वाऋतजातऊ

च य टा श क की टी टा

क्षाइताः ।यन्नामास्यान्ताइकृ औहो

ख णा टि त टट् खा

वा ।ष्टायाः ॥१५ ॥

शि ख ष्ट्

होवाइनित्वामग्नेमनुर्दधेहोवाइ ।

षू तू त श

ज्योतिर्जनायशस्वतेदाइदेथाकण्वाऋत

षु चू कि

जाओतऊक्षाइताः ।यन्नामास्यान्ताइकृ

टि टि ख णा चि त टट् ख

औहोवा ।ष्टायाः ॥१६ ॥

शि ख ष्ट्

षष्ठ खण्डः

॥अग्नेश्चद्रविणम् ॥

देवो वोद्रविणोदाः ।पूर्णाविव

णफ ख शी क

ष्ट्वा सीचमूद्वासिन्चा ।ध्वामुपावापृ
टीच् क यि टा टी
णाध्वामादीद्वोदे ।वाओहताइळाभा ।
का चा य टा चा टी खण्
ओइळा ॥१॥
प प्ला

॥बार्हस्पत्यञ्चब्राह्मणस्पत्यंवा ॥

प्रैतूब्राह्मणास्पातीः ।प्रादाइ
खि प्ली
व्ये तूसूनृताअच्छावाइर म् ।नर्यप
टीच् क कि टा ख णा तिच्
न्तीराधासाम् ।देवायाज्ञम् ।नायाऔहो
चा य ट टा ख ण ट ख
वा ।तूनाः ॥२॥
शि ख श

॥वसिष्ठस्यचवीङ्कम् ॥

ऊर्ध्वऊषुणाऊतायाइ ।तिष्ठादेवो
कु पा ण श
नसःविताऊर्ध्वोवाजा ।स्यासानिता
षू टु त च क का
या
च
दान्जीभीः ।वाघात्भीर्वीभायामाहा इ ।
य टा क ट क च टि खण् श
ओइळा ॥३॥
प प्ला

॥विस्पर्धञ्च ॥

प्रयोरायाइनिनीषताइ ।मर्क्तोयस्ते
 फी तु श की
 वासोदाशात्सावीरान्धा ।तायग्रेउक्थाशं
 कु टा त कू
 सीनंत्मानासाहा ।स्नापोषाइणा म् ।
 था टि त टि खाण्
 ओइळा ॥४ ॥
 प शा

॥ऐतवृधञ्च ॥

प्रवाः ।यम्भंपुरूणाम् ।वीशान्देवाय
 ता टी त क टा
 ताइनाम् ।अग्रिंसूक्तेभिर्वचोभिर्वृणी
 टि ता षी की
 माहाइ ।यांसामाइदान्याइ न्धताइ
 टि ता श टा टि का
 लाभा ।ओइळा ॥५ ॥
 टी खण् प प्ला

॥मनसश्चदोहः ॥

अयमग्रिस्सुवीर्यस्यहाबु ।आइशे हीसौभ
 षी तु श किच्
 स्याहोवाहाइ ।रायई शेस्वाप
 चु टा त श कि
 त्यास्यागोमाताहोवाहाइ ।ई शे
 की क य टा टा त श क

हाइवृ होवाहाइ ।त्राहाथानामि

टा ता टा त श चाथ

ळाभा ।ओइळा ॥६ ॥

टा खण् प ळा

॥समन्तानित्रिणिअग्नेरेकमिन्द्राग्न्योर्वाप्रजापतेर्वावरुणस्यद्वे ॥

त्वमग्नेगृहपताइः ।त्वंहोतानो

षि ती श क कि

अध्वराइत्वाम्पोता ।वाइश्वावाराप्रचाइ

दू त कु

ताऔहोवाहाइ ।यक्षाइयासीहो

भी क फ ळ ण श टी त

वाहाइ ।चावाराया म् ।ओइळा ॥७ ॥

टा त श टी खण् प ळा

त्वमाग्नेगृहपताइः ।त्वंहोता

खा शू क का

नोअध्वरे त्वाम्पोताऔहोऔ

की प फा फा

होवाहाइ ।वाइश्वावाराप्रचाइता

फा त त श कु पी

औहोऔहोवाहाइ ।यक्षाइयासा

फा फ त त श यी प

औहोऔहोवाहाइ । ।चावाराया म् ।

फा फ त त श टि खण्

ओइळा ॥८ ॥

प ळा

त्वमग्नेगृहापतीः ।त्वंहोतानोअध्वा

तु ता खा श खि

राइ ।त्वाम्पोताविश्वावारा ।प्राचेता

ण श खा श खि ण किथू

यक्षाइयाटीट्)साऔहोवा ।
 ख श

चावारीयाम् ॥९ ॥
 टि ख

॥वमृस्यवैखानसस्यसाम ॥

सखायस्त्वाबुहोहोहाइ ।ववृमाहा
 तू त त श खि ण

इ ।देवम्मर्कताहासऊतायाइ ।अपान्न
 श क टि त टा ख ण श चा

पातम् ।सुभगौवाहाइ ।सूदं सासम् ।
 खा श ती त श का ख ण

सुप्रातूर्कतीम् ।आनेहासा म् ।ओइळा ॥११ ॥
 टि त टि खण् प प्ला

सप्तम खण्डः

॥श्यावाश्वञ्च ॥

आजुहोता ।हविषामर्जया ध्वांवा ।
 ती दूच य ट

निहोतार ङ्गहापातिन्दधा इ ध्वांवा
 पी दूच य प

इळास्पाताइ नामसाराताहाओव्याम् ।
 खा ता श चि टि टा

सापरीयातायाजत म्पास्त्योबा ।
 की की प प्ला

ओनाम् ।हाइ ॥१ ॥
 प्ला शा

॥ऋतुसामनीच ॥

ओइ चित्रइच्छाइशोस्तरुणास्यावाक्षा
 षा यू पि कि
 थाः ।ओइनयोमातारावनुवाइतीधाता
 फ यू पि की
 वे ।ओअनुधायदजीजनादधाचीदा ।
 फ यु पी चाक फ
 ओइववक्षसाद्योमाहीद्यूत्यान्चारान् ।
 ष यू टा खि त्र
 दुत्यन्चरन्माही । ॥२ ॥

चित्राए ।एएइच्छिओस्तरूणस्य
 ता त तप
 वक्षथक्षथोहीहीहीयाहाबु ।एए
 षे तू त श तप
 नयोमातरावन्वेतिधातवेतवेहीहीहीया
 षे तू
 हाबु ।एएअनूधायदजीजनदधाचिदा
 त श तप षे
 चिदाहीहीहीयाहाबु ।एएववक्षस्सद्यो
 तू त श तप
 महिद्युत्यन्चरन्चरन्हीहीहीयाहाउवा ।
 षे तू ति
 एऋतू ॥३ ॥
 त टाख्

॥यामञ्च ॥

ओहा हाहाइ ।ईदन्तआइकांपाराऊत
 ख शङ्कत त श तू कि

ए कम् ।तृतीयेनज्योतीषासंवीशास्वा ।

खा श टु चा खि श
संवेशनास्तान्वेचारुरे धि ।ओहा हा
क टी का खा श ख शङ्क त
हाइ ।प्रियोदेवानांपरमाइजानाइ ।
त श टु पि खि श
त्राइ ॥४ ॥
त्र श

॥अग्नेश्चाग्नेयम् ॥

इमंस्तोमामर्हाते जा ।तावे दसे
खि श खि ण का चा
होये ।रथामीवा ।सम्माहे मा ।मानीष
टा खि श खि ण का
याहोयेभद्राहीनःप्रमातीरा ।स्या
चा टा खि श खि ण
संसदीहोये अग्नाइसाख्याइ ।माराइ
का चा टा खि ण श
षामा ।वाय न्तवावहोइळा ॥५ ॥
खि ण का टा ख शा

॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

मूर्धाहोहाइ ।नन्दाइवाः ।आरताइम्पृ
ति त श खा णा
थीव्यावैश्वानरमृतआजातामाग्रीम् ।
टू क थष कू टा त
काविसम्मूराजमातिथाइ न्जनानाम् ।आ
षी कु ट त क

सन्नापात्रन्जनयान्तादाइ ।वाः ॥६॥

टी पि खाश त्र

होवाइमूर्धाहोहाइ ।नन्दाइवो

तू त श का टा

आरातिपृथीव्याः ।इहोइहाइ

कि खाप्लू का काट

यावै श्वानरमृतआजातमाग्निम् ।इहोइ

था ष कू खाश का

हाइयाकाविंसम्प्रजामातिथिन्जनानाम् ।

काट था की कि खाश

इहोइहाइयाआसन्नापात्रं जानाय

का काटक थ की कि

न्तदे वाः ।इहोइहाइयाऔहोवा

खाप्लू का काट खा शि

।ई ॥७॥

ख

॥ऐटतेद्वे ॥

वित्वदोहाइ ।आपोनपर्वतास्यापा

ति त श कू टा

ष्ठात् ।उत्थेभीरग्रेजनायन्तादाइवाः ।

ता षु की ट ता

तन्त्वागीर स्सुष्टुतयोवाजयान्ती ।आजिन्नगा

षी कु टा त क

इर्ववाहोजाइग्यूराऔहोवा ।

टू त टिद ख शि

अश्वाः ॥८॥

टाख्

हायायाइदीवोहाइवित्वात् ।आपोना

फ खु शी का

पार्वतस्यपारिष्ठात् ।हायायाइदि

का खी शा फ

वोहाइउक्थाइ ।भीराग्नेजानाय न्तदे

खु शु टि कि खा

वाः ।हायायाइदीवोहाइतन्त्वा ।गीरा

फ फ खु शी का

स्सुष्टूतयोवाजयान्ति ।हायायाइदीवो

कु खा श फ खु

हायाजिम् ।नागाइर्ववाहो ।जाइग्यूरा

शि दु त टिट् ख

औहोवा ।अश्वाः ॥९ ॥

शि टाख्

॥वामदेव्यञ्च ॥

आवोराजा ।नमध्वारस्यरूद्रम् ।होता

ती खू श क

राम् ।सत्ययजंरोदसीयोः ।अग्निंपूरा

च ष खू फ चा चा

तनइत्नोराचीक्तात् ।हिर ण्यरूपामव

खू श चा टि

साइकार्णू ।ध्वाम् ॥१० ॥

पि खि त्र

॥वैश्यज्योतिषेच ॥

इन्धाओइहाबुहाबुहाबु ।राजासम

ता प णा शु

र्योनमोभीयोभीयोभीः ।यस्याओहा

षू तू ता प ण

बुहाबुहाबु ।प्रतीकमाहुतङ्गता
 शु षे
 इनाइनाइना ।नराओहाबुहाबुहा
 तू ता प ण
 बुहव्येभीरिढतेसबाधाबाधाबाधाः ।
 शु षू तू
 अग्राओहाबुहाबुहाउवा ।अग्रामूष
 ता प ण तू चा
 सामशोउवा ।ची ॥११ ॥
 टि का ता ख
 हाबुहोवाहाबुहोवाहाबुहो
 की की
 वा ।इन्धेराजासमर्योनामोभीयोभी
 की पी चिक क ट टा
 योभीः ।यस्यप्रतिकमाहुतङ्गताइ
 टा षु कू क
 नाआइनाआइना ।नरोहव्येभीरीढते
 टा टि टि षु चि
 साबाधाबाधाबाधाः ।हाबुहो
 क क ट ट टा
 वाहाबुहोवाहाबुहोवा ।अग्रिरा
 की की की
 ग्रामूषसामशोउवा ।ची ॥१२ ॥
 ची टि का ता ख

॥यामेद्वे ॥

प्राकेतुनाबृहतायातीयग्राइ होइ
 की की पी
 होवाहोइ ।आरोदसाइ ।वृषा
 की च श था चा श

भोरो राविताइ होइहोवाहोइ । दी

की षी टी च श क

वश्चिदान्तादूपामामुदानाहोइहोवाहोइ ।

की कि षि की च श

अपामुपास्थेकि)माहीषोवावर्धहोइ

चा कि षु

होइहोवा हाउवा ।देदिवा म् ॥१३ ॥

कीचय टा त टाख्

हाहायौहोवाइप्राके ।तुनाबृह

षु खाण का

तायातियाग्निः ।हाहायौहोवाआरो ।

खू प्ल षु ख ण

दसाइवृषभोरोरवीति ।हाहायौ

चा खू श

होवाइदीवाः ।चिदान्तादूपामामुदानाट् ।हाहायौहोवाआपाम् ।उपास्थे

षु खाण मि कि खाश षु ख ण मि

माहिषोवावार्धा ।हाहायौहोवा

कि खाश षु

हाऔहोवा ।एदिवा म् ॥१४ ॥

ख शि त टाख्

॥प्रजापतेराशिमरायेद्वेमरायराशिनिवा ॥

हाबुहाबुहावाग्नीम् ।नरोनरोनरोदी

षी ती षी कि

धितिभीरराण्योः ।हाबुहाबुहाबु

कि ता च षी

हास्तात् ।च्युतान्चुतान्चुतान्जनायातप्रा

ति त षी कि की

शा म् ।हाबुहाबुहाबुदूराइ ।

त स्त(च षी तित श

दृशान्दृशान्षी)दृशान्गृहापतीमाथा

कि की त

व्यूम् ।हाबुहाबुहाउवा ।ई । ॥१५ ॥

च षी ति ख

हाबुहाबुहावाग्रीम् ।नरोदीधीतिभीररा

षी ति ति कि ता

ण्योण्योण्योः ।हाबुहाबुहाबु

ट ट च षी

हास्तात् ।च्यूतान्जनायातप्राशास्तंस्तं

ति त चा क की त ट ट

स्तम् ।हाबुहाबुहाबुदूराइ ।दृशान्

च षी ति त श

गृ हापतीमाथान्यून्यून्यून्यम् ।

की की त ट ट च

हाबुहाबुहाउवाति) ।ई ॥१६ ॥

षी ख

अष्टम खण्डः

॥श्येनञ्च ॥

अबोधिया ।ग्राइस्समीधाजनानाम् ।प्रताइ

ती कु भा त

धेनूम् ।इवायातीमूषासंयह्वाइ वा ।

भी त का चा क था भि त

प्रवयामुज्जिहानाःप्रभान्नावाः ।सस्त्रा

चु था भि त

ते नाकामाच्छाइळाभा ।ओइळा ॥ १ ॥

कि का च टि खण् प शा

॥वासोक्रञ्च ॥

प्रभूर्जयन्ताम् ।माहां विबोधाम् ।मू

तु णाफ् खाश क

रैरमूरम्पुरान्दर्माणाम् ।नाया न्तङ्गी

षू टा त णाफ् खा

भिः ।वाणा धियान्धाः ।हरिश्मश्रुन्नवर्मणा

श णाफ् खाक्लु षु फि

हाउवा ।धनार्चचीम् ॥२ ॥

शि ता ख

॥पौष्णञ्च ॥

शुक्रन्तेअन्यद्यजतन्तेअन्यात् ।विषुरूपे

षु तू षी

अहनीद्यौरीवासी ।विश्वाहिमायाअवसा

की टा त षु

इस्वधावान् ।भद्रातेपुषान्नीहा

दू त टि टा

रातीरास्तु ।तीरास्तुहाबु ।बा ॥३ ॥

कि खाश क्लीश श

॥कौत्सञ्च ॥

इळामग्राइ ।पुरूदंसंसनीङ्गोः ।शश्वक्तमं

तीश खूक्ल षी

हवमानायसाधाः ।स्यानस्सूनुस्तनयो

खूक्ल षि

वीजावाग्राइसाताइ ।सूमा तिर्भु

कू ख शु णाफ् ख

तुहाउवा ।स्माइ ॥४ ॥

शी ख श

॥काश्यपेद्वे ॥

प्रहोताजाताः ।माहान्नभोवाइनृषद्मा

तु षू टि

सी ।दा दपांविवर्ताइदधद्योधा ।याइ

त तच्चक षु टि त

सूतेवयांसियन्ताउवा ।वासूनीवीधा

षी कु ता कीच

तोयाऔहोवा ।तनूपा ॥५ ॥

टदख शि ताख

प्रहोताजातउहुवाहाइ ।माहान्न

षु तित श टा

भोवाइनृषद्मासीददपांवीवर्ताइ ।ओ

टा टु की टा त श

औहोइहा ।दाधाद्योधायाइसुते

का त ता टा टा षी

वयांसियन्तावासूनी ।ओऔहोइहा ।

कु द् त का त ता

वीधाताइतनू पाऔहोवा ।हाविष्मा

का टीदख शि टि

ते ॥६ ॥

ख

॥घृताचेराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

प्रसम्प्राजाम् ।आसुरस्यप्राशास्तम् ।पुंसः

ती खू श

कृष्टाइनमानुमादीयास्या । इन्द्रस्येवा
 दू कि खा श खी
 प्रातावासः कृतानि । वन्दद्वीरावन्दमाना
 खू श चा था चा था
 विवाष्टू औहोवा । दीशआः ॥७॥
 टा ख शि ख प्ला
 अरण्योः । निहितोजातवे दाः । गर्भइ
 ति खी खा प्ल
 वेत्सुभृतोगर्भिणाइभीः । दीवेदीवई
 पी फु खा प्ला पी
 ढ्योजागृवात्भीः । हावीष्मात्भीः । मनुष्ये
 कि टा त ख प्ल ख ण
 भीरग्नरेहियाहा । होइळा ॥८॥
 पू प्ल प्ल शा

॥भारद्वाजस्यप्रासाहम् ॥

अहावोअहावोअहा । सानादग्नाइ ।
 पू ता कु
 मृणासीयातूधानान् । नत्वारक्षांसी
 की खा श कु
 पार्तानासुजीग्युः । अनुदहासहमू
 कि खा प्ल की
 राङ्कयादाः । अहावोअहावोअहा । मा
 की खा प्ल पू ता क
 ताइहे त्यामुक्षतदाइवीया । याः ॥९॥
 कि पु खि त्र

नवम खण्डः

॥पाथेद्वे ॥

आग्राउवोवा ।ओजीष्ठामाभाराउवो
 टा खाश चा टा खा
 वा ।द्युम्लमस्माभ्यमघ्रिगोओइप्राना
 श क चि ती टी
 उवोवा ।रायेपानीयसे ।ओइरात्सा
 खाश क कि ता
 उवोवा ।वाजा यापन्धाम् ॥१ ॥
 खाश थाच् क ट ख
 अग्रेहाबु ।ओजीष्ठामाभाराओहोवा ।
 तात श यी टा खाश
 द्युम्लमस्मभ्यामाघ्रीगाओहोवा ।प्रा
 यू टा खाश
 नोरायेपानीयासाओहोवा ।रात्सी
 यू टा खाश टा
 वाजा यापोबान्धायां ।हाइ ॥२ ॥
 टाच् क प प्लु प्ला शा

॥बृहच्चाग्रेयम् ॥

यदिवीरोअनुष्यादय्याई या ।अग्निमिन्धीतमौ
 षी खु खश चू
 होहाहोवार्त्त्याः ।आजुबाक्ताव्या
 ट त टा त टा टा
 मानूषात् ।शर्मभक्षाइतादाहाइवाओ
 टा खण क टू त ता प
 बा ।व्याम् ॥३ ॥
 प्लु ख

॥कौन्मुदम् ॥

त्वेषास्तेधूमऋण्वतीहाबु ।दिविसन्शू

क पा शृ ची

क्राआतातासूरोनहिहाबु ।द्युता

का य प शू चा

तूवाङ्कृपापवाहाबु ।कारोचासा

य प शृ टि खण्

इ ।ओइळा ॥४ ॥

श प प्ला

॥बृहचैवाग्नेयम् ॥

त्वंहिक्षैतवद्यशइयइय्याहाइ ।अग्नाइमि

षू तु त श

त्रोनापात्यासाइ ।ओऔहोइया

कू खा ण श का ख प्ला

हाइ ।त्वंविचार्षणेश्रावाः ।ओऔहोइयाहाइ

ण श कु ख ण का ख प्ला ण श

वासोआपुष्टाइन्नापूष्यासी ।ओऔ

का प कु ख ण का

होइयाहाहोइळा ॥५ ॥

ख प्लि प्ला शा

॥कौन्मुदश्चैव ॥

प्रातरग्नाइःपूरूप्रीयाः ।वीशास्तवे

तू ति का टा

ताअतिथाइः ।वाइश्वेयास्मिन्नामार्ता

ती श की टि ख

याइ ।हाव्यांहोइमर्ताहो साइन्धा

ण श टा टी कथ् टि

ता इ ।ओइळा ॥६ ॥

खण् श प प्ला

॥अग्नेर्यद्वाहिष्ठीयेद्वे ॥

यद्वाहिष्ठन्तदा ।ग्रायाइ बृहदर्चावीभावा

तू षि तु टा

साबु ।माहीषाइवात्वद्रयिस्त्वाद्वाजाः ।

त श टा टि दू त

ऊदीराता इ ।ओइळा ॥७ ॥

टि खण् प शा

यद्वाहिष्ठन्तदग्नयेयद्वाहिष्ठोवा ।तादग्नया

षु तू त

इबृहदर्चावीभावासाबु ।

षु टि तच् क च चा श

महीषाइवात्वद्रयीस्त्वाद्वाजाः ।ऊदीरा

टि ता दु त टि

ता इ ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प प्ला

॥अग्नेश्चविशोविशीयम् ॥

विशोविशोहिंवोअतिथाइम् ।वा जय

तू खि श तच का

न्ताःपूरूप्रीयाम् ।अग्निंवोदूरायाहि

टा प श टि पा श

म्माइ ।वाचास्तूषेहाइ ।

चा श त त प णा श

ओहोवाइशूषा ।हिम्माइ ।स्या
 का खिण चा श त
 मान्माभाणहियाहा ।होइळा ॥९ ॥
 त ख प्ली श प्ल शा

॥प्रजापतेःकनीनिकेद्वेअत्रेर्वा ॥

बृहद्वयाः ।हीभानावाइ ।अर्चादेवाया
 ती टि त श
 ग्रायाइ ।यम्मित्रन्नप्राशास्तायाइ ।
 टू त श यू टा श
 मर्तासोदा ।धीरो बापूरोहाइ ॥१० ॥
 पि श खा प्ल प्ला शा
 बृहद्वयोहिभानवाए ।अर्चादेवा या
 पी ती त चा था च्च क
 अग्रायाइ ।यम्मित्र न्नप्राशास्ता
 टा त श कि का य टा
 इ ।मार्त्तासोदधाइरे पुराऔहो
 श क था यी टा
 हाऔहोवा ।वाहाः ॥११ ॥
 खि शि त टख

॥श्रौतर्वणञ्च ॥

अगन्मवृत्राहन्तामम् ।ज्याइष्ठामाग्निमा
 ती त पा श कि
 नावम् ।यास्माहोइश्रु
 पी श टा च्च क का
 तर्वन्नाक्षाइबृहा द्योयानीकयाआउवाए ।ध्याते ॥१२ ॥
 पी टू च्च का ता भी ख श

॥कश्यपस्यसयोनिः ॥

जाताःपरे णाधाई हा माणाइ हा
 चा टाक् क टा कथ् टि
 योनिम् ।योनिमिन्द्राश्च गच्छथो
 खा श की कथ् की
 यस्तावृद्धिसाहाई हा भूवाई हा
 टा टा क टा कथ् टि
 योनिम् ।योनिमिन्द्राश्च गच्छथाः ।
 खा श की कथ् कि
 पितायात्काश्यापाई हा स्याग्नाई हायो
 टि क टि कथ् टि खा
 निम् ।योनिमिन्द्राश्चगच्छथाश्चद्धामाता
 श की कू थाक्
 मानाई हा कावाई हायोनिम् ।
 क टा कथ् टि खा श
 योनिमिन्द्राश्चगच्छथाः ॥१३ ॥
 की खी

दशम खण्डः

॥बार्हस्पत्यञ्च ॥

सोमंराजानंवरुणाम् ।अग्नीमन्वारभाम
 पी ती की
 हे ।होवाहाइ ।आदित्यंविष्णुंसूर्य
 ची टा त श थ की का
 होवाहाइ ।ब्रह्मणाञ्चाहोवाहाइ ।
 टा त श टि त टा त श
 बृहाउवा ।स्पातिम् ॥१ ॥
 टा ता ख श

॥ऐषञ्चारूढवदाङ्गिरसम् ॥

आरू ह न्नारूह न्नारू हन् ।इतए

टाच् क टा क टाच् क

ताऊदा रूहान् ।दीवाःपृष्ठान्नि

ची काच् य ट चा

यारूहान् ।प्राभु र्जयो याथा

की य ट का काच् का

पाथा ।उद्यामङ्गी रासोयायूः ।

य ट चा काच् का य ट

आरू ह न्नारूह न्नारू हाऔहोवाऊपा ॥२ ॥

टाच् क टा क टाट् ख शि ख श

॥आसीतेद्वे ॥

रायेअग्नेमाहाइ ।त्वादानायसमीधीमाही

तू श कू टा त

आइळिष्वाहीमाहेवृषान् ।द्यावा

टि टा क च चा टा

होत्रा याप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥३ ॥

टाच् क प प्लू प्ला श शा

रायायाग्नेमहेत्वाहाबु ।दानायसमी

का प शू कु

धीमाहाइ ।आइळाइष्वाहाइ ।

टा त श टू त श

माहे वार्षान् ।द्यावाहोत्रायाप्रोबाथावाइ ।हाइ ॥४ ॥

का ख ण भि त क प प्लू प्ला श शा

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

दधन्वेवायदीमनू ।वोचत्त्रहोतीवेरूतत्पा

फी की पी तु

रीविश्वा नीकाव्या ।नाइमीचक्राउवा ।

टिच् चा श षि कू

मीवा ।भूवादौहोबाहोइळा ॥५ ॥

ख श पि प्ला प्ल शा

॥मानवञ्च ॥

त्वमग्नेत्वमग्नाइ ।वासुरिहारुद्रंआदीत्यं

तू श षी टि त च

ऊतायाजासूआ ।ध्वारन्जनामानुजा

का टित क चि टि

ताम् ।घृतप्रू षामिळाभा ।ओइळा ॥६ ॥

त चि टि खण् प प्ला

॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥

प्रत्याग्ने होइहरसाहराए ।श्रृणा

फिप्ल खु प्लि

हिवाइश्वताः ।प्राती ।यातूधानाचि) ।

टी खाणफप्ल ख श ट

स्यरक्षसोबालाम् ।न्युब्जाओबा ।रीयम् ॥७ ॥

ची ट त ता प प्ल ख श

एकादश खण्डः

॥तौदेद्वे ॥

पुरू ।त्वादाशिवंवोचाएदारीरग्राइ ।

ता क पू शु

तोदसेयवशरणयाहोइ ।महाहोये

क दू च श टा टा

स्योयाऔहोवा ।ई ॥ १ ॥

खा शि ख

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।आरीरा ग्राइ

षी तु खि शा

तावास्वाइदा ।तोदसेयव शरणयाहाइ

खि णा षी स्त्री ण श

माहाहोयेस्योयाऔहोवा ।ई ॥ २ ॥

ट त टा खा शि ख

॥दैर्घतमसानित्रीणि ॥

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।आराइराग्राइ ।

षी तित पी शा

तावास्वाइदा ।तोदास्याइवाशाराणा

खि णा खि शा खि

या ।माहास्या ।ए ॥३ ॥

ण खात्र तच्

पुरूत्वादाशिवंवोचेत् ।अरिरग्राइतवा

खि शु षी टि

स्वाइदा ।तोदास्याइवा

ख णा ख ऋ ख शा

शाराणाया ।माहास्या । ॥४ ॥

खि ण खात्र

पुरूत्वादाशिवंवोचेद्वाबु ।हाबुहो
 पि श्रु क टा
 हाउवोवा ।अरिरग्ने तवास्वीदा ।हा
 खिण की कि च क
 बुहोहाउवोवा ।तोदस्येवशराणाया
 टा खिण क का कि चा
 ।हाबुहोहाउवोवा ।ए माहास्या ॥५॥
 क टा खित्र तच्चक ट ख

॥श्यावाश्वस्यप्रहितौद्वौ ॥

प्रहोत्रेपूव्यंवचोग्रया ।इभाराता
 ती टु चाकच
 बृहात् ।वीपान्जोतीम् ।षीबाइभ्रा ताख)
 चा टि त टीट्
 औहोवा ।नवे धासे ॥६॥
 शि ताच् ट ख
 प्रहोत्राइपूर्वीयंवाचाः ।आग्रयेभारता
 खु प्ली टि च काच्
 बृहात् ।वीपान्जोतीषीबीभ्रताइ ।
 कट फू ता श
 नावेधासोहाइ ॥७॥
 प श ख फू शा

॥प्रजापतेःश्रुधीयेद्वे ॥

अग्नेवाजास्यागोमातोवा ।ई शानस्साहसो
 फी ची श क कु
 याहोअस्मेदेहीजातावेदोमहा
 का का का चा था टा

इश्रवाउवा ।श्रोधियाएहिया ।ओ

टि ता च टा ट खाण् प
इळा ॥८ ॥

शा

अग्नेवाजस्यगोमतोहोवा ।ई शान

षी ती त त क

स्साहसोयाहो ।आस्मेदाइहीजाता

कु ख श च य पि प्ला

वेदो ।माही ।श्रावो ।हाइ ॥९ ॥

ता प श ख प्ल शा

॥प्रजापतेःसदोहविर्धानानित्रीणिसदःपूर्वहविर्धाने उत्तरे ॥

अग्नेयजिष्ठोअध्वराए ।देवान्देवायाता

षु तित ची का

इयाजा ।हुवाहोवा ।होतामन्दूरो

या ट ता का चा थाच्

वीराजासीहुवाहोवा ।आतिस्राइधाः ।ओइळा ॥१० ॥

काय ट ता का टि खाण् प शा

आग्नाइयाई यायाजिष्ठोअध्वाराइदेवान्दे

फा खाखश षू ती

वायतेहाबुहोवा ।याजाहोतामन्दूरो

टि की टा टा था

वीराजासी ।आतीयाऔहोवा ।स्त्रीधाः । ॥११ ॥

क पा श ट खा शि ख प्ल

अग्नियाओवा ।याजिष्ठोअध्वराइदेवान्दाइवा ।

तु षू टी ता

आयाते याजाहोताउवा ।मन्दूरो

चि टा पा शा थाच्

वीराजासाऔहोवा ।आतिस्रीधाः ॥१२ ॥

काट ख शि थ टिख्

॥त्वष्टुश्चातिथ्यम् ॥

जज्ञानस्सा ।समा तृभाइर्मधामाशा
 ती काचू क की ख ण
 सातस्त्रायाअयान्ध्रुख)वाः ।रयाइणाम्
 चि ट टा ण टा ता
 चिकाइता दाऔहोवा ।ऊपा ॥१३ ॥
 टीट् ख शि ख श

॥अदितेश्वसाम ॥

उतस्यानोदीवामातिः ।आदीतिरूतियागामात्साशान्ताता ।
 खी प्ली क कि चाय ट टि त
 मायास्कराउवोवा ।अपास्त्रिधाः ।होइळा ॥१४ ॥
 फा खी श प्ली प्ल शा

॥अगस्तस्यचराक्षोघ्नम् ॥

ईळाइष्वाहिप्रतिव्याम् ।याजस्वा
 का पा शि कि
 जातावे दसाम् ।चरिष्णुधूमामग्रभाइ ।ताशोऔहोवा ।चीषम् ॥१५ ॥
 कि टा खु ति श ट ख शि ख श

॥वाक्जभञ्च ॥

नतोवा ।स्यामा ।यायाचानारी
 ता त ख श टी च
 पुरीशीतमाआउवा ।तीयाः ।
 कि ता टि ख प्ल

योअग्रयेददाशहव्यदोबा ।ताये ॥१६ ॥

षी पू ऋ ख श

॥बृहदाग्रेयञ्चसङ्कृतंवा ॥

अपत्यं ब्रजिनं रिपुं स्तेनामग्नाइ ।दूराधा

षू खी ता श टि

यान्दिविष्ठमत्स्यासात्पताइ ।कार्दधी ।

ख फू ता श प श

सूगाम् ।हाइ ॥१७ ॥

ख ऋ शा

॥अगस्तस्यचैवराक्षोघ्नम् ॥

हाबुश्रुष्ट्याग्नेनवस्यामेहाबु ।स्तो

षु त त श क

मास्यवाईरविस्पतायेऐहिहाबुहोवा

कि पू शू

नीमाईनास्तापसाराऐहिहाबुहोवा ।

का का पी शू

क्षासाऐहीहाबुहोवा ।

प शू

दहणहियाहा ।होइळा ॥१८ ॥

षु श ऋ शा

द्वादश खण्डः

॥वसिष्ठस्यप्रमंहिष्ठीयानिचत्वारि ॥

प्रमंहाइष्ठायगायता ।ऋतान्ने बृहते
खि शू टिच् कि

शुक्राशोचाइषाइ ।उपाओहो
पा श त ता श पि श

स्तुतासोआ ।ग्रायोहाइ ॥१॥
पि श ख ण् शा

प्रमंहिष्ठायगा ।याताऋतान्ने बृहाता
तू च टि टच् काय

इशूक्राशोचाइषाइ ।ऊपा
टा क टा ता श चा

स्तुतौ हुवाए होवा ।सावोबाग्रायो ।हाइ ॥२॥
टाच् क टा का क प ण् प्ला शा

प्रमंहिष्ठायगाइय्याई या ।या
फु खा ख श थ

ताऋतान्ने बृहतेशूक्राशौहौहुवा
की टी टा ट टी

इचाइषाइ ।उपाहोइस्तुताहोसो
टी श का की क थ

अग्राया इ ।ओइ ॥३॥
टा खण् श प शा

प्रमंहिष्ठायगायतप्रमंहिष्ठोवा ।यागा
षू तू त का

यताऋतान्ने ईबृहते शुक्राशोचा
टी ख णी फि त

इषाइ ।उपौहोवाहाइ ।स्तुतौ
ता श फा ता त श फा

होवाहाइ ।सओबाग्रायो ।हाइ ॥४॥
ता त श प्ला फ़ि शा

॥भरद्वाजस्यवाजभृत् ॥

प्रासोहाआग्नेहाइ ।तवाआउवा

टा त टा त श ता टि

तीभीः ।सूवीराभिस्तारातीवाजक

ख ण् च श चि चा का

र्माभिर्यास्याहाइ ।त्वंसाख्यमोबावाइथो ।हाइ . ॥५ ॥

चि ट त श पा णि णि शा

॥सौभराणित्रीणि ॥

तङ्गू धायास्वर्णारोवा ।देवासो

णाफ् खा ण्ना ड श क चा

देवामाराताइन्दधाहोइन्वाइराइ ।

क टी टि टि ता श

देवात्राहव्यमूहाहाइ ।हाइषा

थ टु त त श ट खा

औहोवा ।ऊक् ॥६ ॥

शि ख

तङ्गूर्धयास्वर्णाराम् ।देवासोदा

तू त क का क

इवामाराताइन्दधन्विराउवाइ ।देवा

चि टा श्रु ख श ण्

त्राहाव्यमोबाहाइषोहाइ ॥७ ॥

त प णि णि शा

तङ्गूर्धयास्वौहोआर्णाराम् ।देवा

कु ति त टा

सोदे ।वामारताइन्दाधान्वा

ख ण टी खा ण् ख

इराइ ।हाहोहाइ ।देवा

शि खा ण श टा

त्राहा ।व्यमूहा इ ।षाइ ॥८॥
 ख ण खिणफड्डु श ख श

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

मानाः ।हणीथाआतिथिंवासुरा
 ता का ट कि टा ख
 ग्रिः ।पुरौहोवाहाइ ।प्रशौ
 श फा ता त श फा
 होवाहाइ ।स्तओबाआइषोहाइ ॥९॥
 ता त श छि छि शा
 मानोहाबु ।हारणीथाआतिथिं ।
 ता त श प णा ण फाड्डु
 वासुरा ग्राइः ।पूरोहाहोइ प्राशो
 खिण श चा चाशक थ
 हाहो स्तायेषाएहियाहा ।होइळा ॥१०॥
 काथ् पा ल्ली श ल्ल शा

॥दैवानीकञ्च ॥

भद्रोनोओहोअग्रिराखी)हुताए ।भा
 फिड्डु छि क
 द्वाराताइ ।सुभगाभद्रोअध्वा
 थाच श क टा टा खा
 राः ।भद्राऊता ।प्राशास्तायो ।हाइ . ॥११॥
 ण टि त प श ख ल्ल शा

॥साधञ्च ॥

याजीष्ठन्तवावावृमहाइ ।दे

णा फा ख शी क

वन्देवत्राहोताराम् ।आमार्कृत्यामास्ययाज्ञा

दू च चा क टी

स्यासुक्रातूम् ।हाइ . ॥१२ ॥

प श ख ऋ शा

॥जमदग्नेश्वसंवर्गः ॥

तदग्रेचूम्नामाभारो वा ।यत्सासाहा

फी ची श टी त

सादानाइ ।कञ्चिदत्राङ्गणाम् ।

टा त श थ टि ता

मन्यूञ्जनास्यदू होढायामेहियाहा ।होइळा ॥१३ ॥

का चा टाच् य प ङ्गी श ऋ शा

॥अगस्तयस्यचराक्षोघ्नम् ॥

यद्वाऊविशपतिरिशितः ।सुप्रीतोमानुषो

पि शु कि किच्

वीशेवीश्वेदाग्रीः ।प्रातिरक्षांसिसे धाताऔहोबा ।होइळा ॥१४ ॥

चा टि त कूच् क टा ख ऋ ऋ शा

॥अग्रेष्वश्रेष्ठ्यम् ॥

आयं अग्निश्रेष्ठातमोहो आय म् ।

चा चिक चाटच् चा

वामधुमत्तमोहो आयम् ।साहास्रासा
 ट कु टच् चा चा चा
 तमोहो आयम् ।अस्मिन्नास्तुसुवी)
 टा टच् चा की काथ्
 र्यामौहो ।ओइळा ॥१५ ॥
 टा त प शा

॥आदित्यस्यचरुचिरोचनंवा ॥

आदित्यश्शू ।क्राउदगात्पुरुस्तात् ।
 ती च खूश
 ज्योतिःकृण्वान्वितमोबाधमानाः ।आ
 क कि खू ण् क
 भासमानाः ।प्रादीशोनुसार्वाः ।
 टी कि खा ण्
 भद्रस्यकार्तारूचयान्नायागात् ॥१६ ॥
 की त पि खा त्र

तद्वपाठः

प्रथम खण्डः

॥मर्गीयवञ्च ॥

तद्वौहोवा ।गायासुताइ चा ।पुरूहू
ती टा खिण कि

ता यासात्वानाइ ।शय्यदोऔ
तच् का य ट श की

होइगावाइ ।नाशाऔहोवा ।ए कीने ॥१॥
खिण श ट्ख शि तच् ट ख

॥रौद्रेद्वे ॥

तद्वोगाया ।सुताइसचापुरूहुताहा
ती ता ति टा खाशङ्ख

हाइयासत्वानाइ ।शंयत्गावे ।
त चा खा ण श क टा त

नाशौहौ हूवोबाकाइनोहाइ ॥२॥
टा टच् क प ष्ठ णि शा

तद्वोगाय सुतेसाचाए ।पुरूहू तायसत्वाने ।
षी ती त कि कु

पुरूहूतायासात्वानाइशंया
चा था च य ट ख फि

त्गौवाउवोवा ।नाशाकाइनो ।हाइ . ॥३॥
खीण प श ख प्ला शा

॥मार्गीयवञ्चैव ॥

तद्वैगायसुतेसाचाए ।पूरूहु तायसत्व

षी ती त कि

नाइशंयत्गावे ।ऐहायाऐहि ।नाशा

षू टि त चय ट ता

काइनाऔहोवा ।ई ॥४ ॥

टिट् खा शि ख

॥आश्वञ्च ॥

यस्तेनूनांशताकृताबु ।इन्द्रद्युम्नीतामोमा

फी की श षी टि

दाः ।तेननूनाम्मादाइमाउवा ।देः ॥५ ॥

च क भि त टि ता ख

॥ऐटतेद्वे ॥

गावणगावाः ।उपावदावादाऔहोवा ।

तु ती ट ख शि

वाटे ।महीयाज्ञा ।स्यरास्यारा

ख श खि ण ताट् ख

औहोवा ।प्सुदाउभाकार्णाहिरा

शि ख श खि ण ता

हाइरा औहोवा ।ण्याया ॥६ ॥

ट खा शि ख श

ओइगावाः ।उपा वादावाटा

खि ण ताच् का टा

उवोवा ।माहीयज्ञास्याराप्सूदाओ

खा श चा का ता टा

यू भा ।कर्णाउवोवाहिर ण्यया ॥७॥

खा श टा खा श का टाख्

॥श्रौतकक्षेत्रे ॥

अरा मश्वायगायाता ।श्रुताकक्षाराङ्गा

खा प्ली ड श टी य

वाआरम् ।हाहाइन्द्रास्याधा ।

काख ण त त पि श

होयेमोयाऔहोवा ।ईति ॥८॥

क ट खा शि ख श

अरमश्वायगायतअरमश्वोवा ।यागाया

षू तू त का च

ताश्रुताकक्षाहाहा ।आराङ्गावा

कि टा त त काख ण

इ ।आरामिन्द्राटी)हाहास्याधाम्नाऔहोवा ।होइळा ॥ ९ ॥

श त त क थ टा ख ण् षू शा

॥तन्वस्यपाथस्यसामनीद्वे वसोवर्षेः ॥

तामिन्द्रांवाजयामसि ।माहे वृत्रा याहा

पि शु चा थाच् का

न्तावे ।सावार्षावृ ।षाभोवा

य ट चाय ट क प प

बाभूवात् ।हाइ . ॥१०॥

षू ष्ठा शा

तामिन्द्रांवाजयामसिहाबु ।माहे वृत्रा याहा

पि शू चा थाच् का

न्तावेहोवाहाइ ।सावार्षावृ

य ट टा त श चाय ट

होवाहाइ ।षाभोभू वाओहोवा ।

टा त श टिट् ख शि
एदावासू ॥११॥
ता टाख्

॥अङगिरसान्निवेष्टौद्वौ इळा नांवासङ्कारौ ॥

तमिन्दूरं वाजयामसीए ।महाहाइवृत्राया

षि तु त ता चिक

होवाहन्तवे ओवाई या ।

च क क टा काटट

ओमोवासहे वार्षाओवाई या ।ओमोवा

कु टा काटट

वृ षाभोयाओहोवा ।भूवात् ॥१२॥

की टा ख शि ख श

औहोवाइहुवाहोइतमिन्द्रंवा जायामासी ।

तू की खा का फा

औहोवाइहुवाहोइमहे वृत्रायाहन्तावे ।

तू की चा का फा

औहोवाइहुवाहोइसवार्षावृ ।षाभोभू

तू की ख ण टिट्

वादिळाभाएहिळा ।होइळा ॥ १३ ॥

त प्ला प्ली प्ल शा

॥शय्यातानित्रीणि ॥

हाबुत्वमिन्दूरा ।बलादधिहाबुहाबु ।सहा

तु कु ता श का

साजाताओजासाहाबुहाबु ।त्वांसान्वार्षान्हाबुहाबु ।वृषाइदा साओहोवा ।वृधे ॥१४॥

था ट भि ति श च य टा ति श टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्द्र बलादधी ।सहासाजाता

षि ती त का था ट

ओजसाइयाहोइयाइयोवा ।

भि का कि खा श

त्वांसान्वार्षान्इयाहोइयाइयोवा ।

च य टा का कि खा श

वृषाइदा साऔहोवा ।महे ॥१५ ॥

टीट् ख शि ताच्

त्वमिन्द्रं बलादधीसहसा ।जाताओजासा

षू तु का का ख

इहोइहा ।त्वांसा न्वार्षानिहोइहा ।

शी काच् क ख शी

वृषाइदा साऔहोवा ।ई हा ॥१६ ॥

टीट् ख शि ख श

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

यज्ञेन्द्र मवर्धायात् ।यत्भूमिंवायवा

षी ति त दू

र्तायात् ।चाक्राणाओ ।पाश

ख ण ख ण ख ण काच्

न्दीवीचक्रा णाओपाशाऔहोवा ।दीवि ॥१७ ॥

क किच् का खा शि ख श

॥गोषूक्तम् ॥

यदिन्द्राहं यथौहोऔहोवाहाइतुवाम् ।ई शीया

षी तू ती क

वास्वायौहुवाइहुवाइकाई त् ।स्तो

कि टा टा टि टि क

तामेगोसाखौहुवाइहुवाइ ।साया
 टि टा टा टि श टा
 द्योयाओहोवा ।अग्निराहुताः. ॥१८ ॥
 ट ख शि कि टाख्

॥आश्वसूक्तञ्च ॥

आबुहौहोवाहायदिन्द्राहाम् ।याथात्वामै
 ख शृ टी
 हीऐही ।आइशीयावास्वाआइकइदै
 तिच् कि का दू
 हीऐही ।ओइस्तोतामाइगो साखा
 तिच् ट टि टिच् का
 सायाओहोवा ।शुक्रआहुताः. ॥१९ ॥
 टट् ख शि कि टाख्

॥गौरीवितम् ॥

पन्यम्पन्यमित्सोताराः ।पन्यम्पन्यमित्सोता
 षी ति त यू प
 राः ।आधावतमाद्यायासोमं वीरा
 श का खी श का टा
 यशूरा या. ॥२० ॥
 खि त्र

॥गौराणित्रीणि ॥

इदंवसाबु ।सूतमान्धाः ।पीबासुपू
 ती श टि त चा का

र्णामुदारामनाभयाईन् ।ररोबा

टि ख खा ता श प्ला

मातोहाइ ॥२१॥

प्लि शा

ईदां वसोसूतमन्धाः ।पीबासूपू

णाफ् खा शी टि त

र्णामूदारम् ।आनाभायाइन् ।रराहाउवा ।माते ॥२२॥

टा ख ण ट त ट च ट टा ति टाख्

इदंवसोसुतमन्धाए ।पीबासुपूर्णा

षी ती त का काक

मूदरौहोवा ।पीबासुपूर्णा

क टा त त चु

मूदरौहोवा ।आनाभाईन् ।ररिमा

थि त त भि त चि

ताऔहोबा ।होइळा. ॥२३॥

टा ख प्लू प्लू शा

द्वितीय खण्डः

॥सौपर्णानि त्रीणि ॥

उत्घेद्भयोवा ।श्रूतामाघम् ।वृषाभन्नार्यापासम् ।आस्तारामे ।षाइ

ती त का ख ण टु ख ण ट टा त

सूर्याऔ ।होबाहोइळा ॥१॥

कि टा ख प्लू प्लू शा

उत्घेदभिश्चूतामाघाम् ।वृषाभन्नार्या

षी त त चि क फ प्लू

हिं ।पासम् ।आस्ताउवा ।रा

च प श प्ला शा क

माइषिसूओबारायोहाइ ॥२॥

की प प्लू प्ला शा

उत्थेदभिश्चूतामघमियइयाहाइ ।वृषा

षू तु त श

भन्नर्या हाहाइ पासम् ।

चिक फल्लु त त श प श

आस्ताउवा ।रामाऔहोवा ।षिसूर्या ॥३॥

फ्ला शा ट ख शि टिख्

॥शाकलम् ॥

यदद्यकाच्चवृत्रहान् ।ऊदगाआभीसूराया

फी की कु टा त

सार्वान्तादिन्द्रतायेहिं ।वाशोहाइ . ॥४॥

की टि च ख फ्ल शा

॥आभरद्वसवेद्वेऐन्द्रकग्रेर्वा ॥

ययाहाबु ।आनायादानायात्पारा

ता त श टि टि का

वाताः ।सूनीतीतू सूनीतीतू वाशं

ख ण टीच् क टिच् का

यादूम् ।इन्द्रास्सानो इन्द्रास्सानो यू

ख ण टीच् क टिच् ट

वाऔहोवा ।साखा ॥५॥

ख शि ख श

यआनयत्परावाताः ।सूनीतितुर्वशां

षि ती त यू

यादूम् ।इन्द्रस्सनोयूवासाखा ।इन्द्रो

प श यू प श खा

ग्निः ।इन्द्राऔहोग्राइः ।

श क का ख ण श

आइन्द्रो ग्राया औहोवा । ईन्द्राः ॥६॥
कि ट ख शि ख ण

॥तान्वेद्वे ॥

मानइन्द्राभ्यादाइशाः ।सूरोआत्तु ष्वायामा
षी ती की टा ख
तुवायूजा ।वानाइमाता त् ।ओइळा ॥७॥
खा ता टी खण् प शा
मानाइन्द्राभ्यादिशः ।सूरोआत्तु
ण फ खा शि खि श
ष्वायामात् ।त्वायुजावानौहोमातौ
खा ण कि टा थ का
हूवादौहोवा ।एययूः ॥ ८ ॥
कि ख त्र त टाख्

॥रौहितकूलियेद्वे ॥

एन्द्रसा ।नासिरयिसजित्वानं सादासाहाम् ।
ति षी की टि त
वार्षीष्ठामू तयाआउवाए ।भारा ॥९॥
ट त का ता भी ख श
एन्द्रसानसा ।इंरायाइंसजित्वानं सादासाहाम् ।
तु टि कु टि त
वार्षीष्ठामू तायोबाभारोहाइ ॥१०॥
टा टाच् च प ण् णा शा

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वे ॥

इन्द्रामिन्द्रंवायामाहामहाधानाइ ।इन्द्रा

दू दू श

मिन्द्रंमर्भाइहावाहवामाहाइ ।यूजायु

दू ष दू श

जंवृत्राइषुवाषुवज्रीणाम् ।ओइळा ॥११ ॥

दू पण् प शा

इन्द्रंवायाम् ।माहामहाधानाओऔहोइहा ।

ती दू का त ता

ईहीबालाउवोवा ।ई हा ।इन्द्रमर्भाइ ।

टी खाश खश शू

हावाहवामाहाओऔहोइहा ।ईहीबाला

दू का त ता टी

उवोवा ।ई हा ।युजंवृत्राइ ।षूवाषूवज्रीणांओऔहोइहा ।ईहीबालाउवोवा ।ई हा ॥१२ ॥

खाश खश शु दू का त ता टी खाश खश

॥इन्द्रस्यसहस्रबाहवियम् ॥

अपिबत्काद्रूवस्सुताम् ।इन्द्राहोइसा

तु ति मि का

हाहोवास्त्रावांभे ।तत्रादादीष्टापौ

क कि य ट टि त क ट

हौहुवाईयाम् ।सीयामौहोबाहोइळा. ॥ १४ ॥

ट टा ट त त पा प्ला प्ला शा

॥धृषतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

वयमाइन्द्रा ।त्वाया वाओहोवा ।

पि णा टाट्ख शि

आभिप्रनोनुमोवृषान् । विद्धाइटुवा ।

टि खी खा ति

स्यानाऔहोवा । वासो ॥१५॥

टट् ख शि ख श

वयमिन्द्रात्वायावाः । आभिप्रनोनु

ती प्ला श

मोवार्षान् । विद्धितू वाआओहा

प्लू प श खिप्लू खा ण

इ । स्यानोबावासोहाइ । ॥१६॥

श पि प्ला प्लू श

॥भारद्वाजस्यदारसन्तित्रीणि ॥

वयमौहोइन्द्रा । त्वायावाः । आभिप्रनोनुमोवा

तू प्लू श यू प

र्षान् । विद्धितुवोहाइ । स्यानोहाइ ।

श खी ण श प्ला शा

वासाऔहोबाहोइळा ॥ १७ ॥

क टा खप्लू प्लू शा

वायामौहोवाहा । इन्द्रत्वाऔहोवाहायावाः ।

खा शी खि शू

आभीप्रानो । ओइनुमोवार्षान् । वा

ट त ट त टु त ट

इद्धीतूवा । स्यानोऔहोवा ।

ता ट त ट ख शि

वासो ॥१८॥

ख श

हाबुवयमिन्द्रात्वायावाः । आभिप्रनोनुमो

तू ट टा टू

वार्षान् । विद्धाइटुवास्यानोवा सा

टा टा टि टिट् ख

औहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥१९॥

शि चा क त किख

॥ऐध्मवाहानि त्रीणि ॥

आघायेआग्निमिन्धाताइ ।स्तृ

षु ता त श क

णन्तिबर्हिरानुषाग्येषामिन्द्रोयुवा ।

टि कु चि शा

इहाउवाउवोबासाखोहाइ ॥२०॥

पु प्ल प्ला शा

आघायेइहा ।ग्रीमाइन्धाताउवोवा ।ई

तु दु खाश ख

हा ।स्तृणन्तीबर्हिरानुषाउवोवा ।

श कि त टी खाश

ईहा ।एषामाइन्द्राउवोवा ।

खश क टी खाश

ईहा ।यूवायुवासाखा ।ईहा ॥२१॥

खश टि ख त्र खश

औहोआघायाए ।ग्रीमाइन्धाताऔहोवा

तु त दु खाश

स्तृणन्तीबर्हिरानुषाऔहोवा ।ए

कि थ टी खाश क

षामाइन्द्राऔहोवा ।यूवासाखाउवाहाबु ।बा ॥२२॥

टी खाश काप प्लीश श

॥अहेःपैण्वस्यसाम अहिहनोवाबैल्वस्य ॥

भिन्धियोहाइ ।वाइश्वा आपाद्वाइषा

ति त श किच् का टि

उवोवा ।पारा

खा श टा

उवोवा ।बाधोजहाइमार्द्धाउवोवा ।वासुस्पार्हन्तदाभरा . ॥२३ ॥

खा श षु टा खा श कि कि खा

तृतीय खण्डः

॥ऐषञ्च ॥

ईहेवाश्रुण्वएषाम् ।काशाहस्तेषुया

पि शी यू

द्वादान् ।नियामैश्रीत्रामृ न्जताइ ।

प श खी कि क फ श

नीयामैश्चाइत्रामान्जाताइ ।एहियाऔ

षि टी ख ण श खि

हो ।एहियौहोए हियौहोवा ।एहि. ॥१ ॥

ता क की की ख श

॥पौषञ्च ॥

इमाउत्वाविचक्षते सखायाः ।इन्द्रसोमाइ

षी खी खा श भी

ना ।होयेहोवा ।पुष्टावान्तो ।

ता टा ट त टि त

होयेहोवा ।याथोबापाशुम् ।हाइ ॥२ ॥

टा क त क प छु प्ला शा

॥मरूताञ्चसंवेरीयम् ॥

सामस्यामान्यावेवीशाः ।विश्वेनामान्ताकृष्टायाः ।सामुद्राये वासिन्धावाः ।ओइळा. ॥ ३ ॥

टी त चि टी त चि टीचक टा खण् प शा

॥हाविष्मतेद्वे ॥

देवानामिदाउवोवा ।आवाउवोवा

फि खीश टा खाश

माहात् ।तादावृणाइमाहाउवोवावायम् ।

ख श ष टा खाश ख श

वृष्णामस्माभ्यामाउवोवाताये ॥४ ॥

दू खाश ख श

हाबुदेवानामिदवोमहद्वाबु ।तादावार्णाइ

षु तू श का टा

माहेवायम् ।ऐ हायाऐही

चाकखण टचय ट ता

वृष्णामास्मा ।भ्यामूतायाऔहोवा ।हावीष्माते ॥५ ॥

भि त टिट्ख शि टि ख

॥हाविष्कृतेद्वे ॥

देवानामिदवोहाबुमाहात् ।तादावृणाइ

षू ति त षु

माहाइवायाम् ।वृष्णांहोयास्मा ।

टी त टाच्च य ट त

भ्यामूतायाऔहोवा ।हाविष्कार्ते ॥६ ॥

टिट्ख शि टि ख

देवानामिदवोमाहात् ।तादावृणी मा

षू त त कीचक

हाइवायाम् । वृष्णामास्माभ्यामो

टि त भि तच् क प

बातायोइ . ॥७॥

कृ क्ला शा

॥काक्षीवतश्च ॥

सोमानांस्वरणम् । कृणूहि ब्रह्मणस्पाताये

खा शी षि की टा

ओहाहाइ । कक्षाइवान्ताम् । यऔ

ख कृ त श भी त

हो औहोबाशाइजोहाइ . ॥८॥

तिच् क ख कृ क्लि शा

॥उषसश्च साम ॥

बोधन्मनाः । इदास्तूनोवृत्रहा

ती टा दृ कि

भूर्यासूतीः । श्रणोऔहो । तुशा

दृ ख ण खा ता चा

क्राआशिषामौहोबाहोइळा . ॥ ९ ॥

क पी क्ला कृ शा

॥भारद्वाजस्यमौक्षेद्वे ॥

अद्यनोदेवसवितरौहोवाइ । इहश्रुधाइ

षु तु त श षु

प्रजावात्सा । वीस्सौभगाम्पारादूष्वा ।

टि त टा चा य टा त

होवाहाइ ।भियंसूवा ।दक्षाया ॥१० ॥

टा त श पित्र ता टख्

अद्यानोदेवसवितः ।प्रजावत्सावीसौ

खा शू का की

भगाम्पारादू ष्वा ।भियंसुवाउवाओ

टि खा ण कू टट्

वाओहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम्. ॥११ ॥

ख शि चि त क ख

॥भारद्वाजानित्रीणि ॥

कोवस्यवार्षभोयूवा ।तुविग्रीवो

प फि शी चि क

आनानतोब्रह्माकास्ताम् ।ऐ हाया

क कि टि त टच् य ट

ऐही ।सापर्याता इ ।ओइळा ॥ १२ ॥

ता क टा खण् श प शा

कूवाकूवा ।स्यावृ षाभोयूवा ।ओहा

ती चा टी ख ण्

हाइ ।तुवीग्रीवो आनानताओहा

त श का थाच् टी ख ण्

हाइ ।ब्रह्माकास्ताओहोवा ।सपर्याती

त श टिट् ख शि खी

ऐहीऐही ।क्वास्यवृषभोयूवाऐहीऐही ॥१३ ॥

ती षु तू

तुविग्रीवोआनानताऐहीऐही ।ब्रह्माकस्तंसपर्याताऐही

षू तू षू

ऐही ।आइहाओहोवा ।

तू ट खा शि

आइही. ॥१४ ॥

ख शा

॥शौक्तसामनीद्वे ॥

उपाह्वारा ईगिरा ईणाम् ।स

चा का टिक्कच क

ङ्गमेचानादाईनाम् ।धीयाविप्रो आ

थि टाकच टा टाच

जायातायामायाआउवा ।ऊपा ॥१५ ॥

का कि ता टि ख श

इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् ।उपह्वारे गीरा इणांइदामीदंईदा

खिश चा खू श ची चा टा खिश चा

मिदकमीदामीदम् ।संगमेचानादाई

खू श ची

नाम्इदामीदंईदामिदकमीदामीदम् ।

टी खिश चा खू श

धियाविप्रो आजायाता ।इदामीदंईदामिदकमिदामाइदाम् ।गो

टा काच का का खिश चा खू त्र च

ष्पादे प्रट्. ॥१६ ॥

चा श

॥वार्षाहरेद्वे ॥

प्रसम्नाजाम् ।चर्षाणाइनाम् ।आइन्द्राम्स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः ।नारान्ना

ती टा टि टि टा टा ख णा टा

र्षा हम्मोबाहाइष्ठाम् ।हाइ ॥१७ ॥

टाचकप प्ली शा

प्रसम्नाजोहाइ ।चर्षाणीनाम् ।आइन्द्रां

ती त श भि त

स्तोतानव्याङ्गाइर्भीः ।नारमोइ

टी त टा ख णा णि श

वृषाहमोइ ।मंहाइष्ठाहोइळा ॥१८ ॥

णी श प्ली ष्ट शा

॥कूत्सस्यप्रतोदौद्वौ ॥

प्रसम्प्राजञ्चक्रुः ।षाणाइनाम् ।इन्द्रां

तू खा शा

स्तोतानव्यांगाइर्भीः ।नरनृषाह

भि त टा ख णा षी

म्मंहियाहाउवा ।ष्ठाम् ॥१९ ॥

फीप्लु शा ख

प्रसम्प्राजञ्चर्षणीनामिन्द्रंस्तोतानव्यं

षृ

गाइर्भीः ।इन्द्रंस्तोतानव्यङ्गाइर्भी

तू ता षी टि खा

न्नरनृषाहम्मांहिष्ठाम् ।साह मैहा

शृ चा का

इहोयाऔहोवा ।मंहीष्ठा म्. ॥२० ॥

टा ख शि थ टाख्

चतुर्थ खण्डः

॥सौश्रवसेद्वे ॥

आपादुशी ।प्रियन्धसास्सूदक्षास्या ।

ती ती टि त

प्रहोषीणाः ।इन्दोराइन्द्राः ।यावाशाइराः ।ऐहियाइहियाऔहोवा ।

का चा का ट ता टि ता क टा खि शि

ए ऊपा ॥१ ॥

तच् ट ख

अपादुशिप्रियान्धसाः ।सूदक्षस्या

फा खी शा षी

प्रहोषीणाइन्दौहौहुवाइन्द्रो

की टि पा

यवाशाइराः ।ऐहाएहिया

फीङ् शा कट ट खा

औहोवा ।एऊपा . ॥२ ॥

शि त टाच्

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

इमाउत्वा ।पुरोवसाबु ।आभिप्र

ती टा टा श

नोनवूत्गाइराः ।औहोइ ।गावो

दू टि थ च श था

वात्सान्नाधे ।नावो ।हाइ . ॥३ ॥

टा प श ख ण्ण शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

अत्राहागोरमन्वताउवाहाउवा

ता क ष दू टि

होइ ।नामत्वष्टुरपीच्यामुवाहाउवाहो

च श षी दु टि च

इ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहाउवाहोया

श षी टी टि ट्ख

औहोवा ।ऊपा ॥४ ॥

शि ख श

हावत्रा ।हागोर मन्वताउवाहोइयाहोवाउ

ति क षा दु टि था

वोइ ।नामत्वष्टुरपीच्यमियाउवाहोइयाहोवा

चा श षु दू टि था

उवोइ ।इत्थाचन्द्रमसोगृहाउवाहोइयाहोवा

चा श षू टी टि था

उवोयाऔहोवा ।ऊपा. ॥५॥

टा ख शि ख श

॥पौष्णेद्वे ॥

यदिन्द्रोया ।नायादोंओंओवा ।रीतो

ती टा च ट ख श

महीरापाओंओवा ।वृषावृषान्तमा

दू ट ख श टी खा

औहोवा ।तत्रापू षाभुवा ।त्साचा. ॥६॥

शि कि च ता ट ख

यदिन्द्रोआनायद्रीताए ।माहीरापो माहीरा

षु ती त टीच क

पोवार्षान्तामाः ।तत्रापू षापू षा

टि का ख ण टि टाट ख

औहोवा ।भुवात्साचा. ॥७॥

शि ता ट ख

॥श्यावाश्वेद्वे ॥

गौर्धयाए ।तिमरूतां श्रावस्यु

ति त तीच क

र्मातामघोनाम् ।युक्तावन्हाइ ।

टि खि श ची श

रथानामाऔहोवा ।ऊपा ॥८॥

का ट ख शि ख श

गौर्धयतिमरुतामे ।श्रावस्युर्मतामघोना मुहु

षी ति त टी टीच

वाहाइ ।युक्तावान्हीरूहुवाहा

टि त श चि थ टि त

इ ।रथानामौहोबाहोइळा ॥. ॥ ९ ॥

श का पा प्ला प्ला शा

॥प्रजापतेस्सुतरयिष्ठीयेद्वे ॥

उपानोहरिभीस्सूतोवा ।याहिमदा

पि प्लि डा श टी

नाम्पाताउपनोहाओबाराइभीः

टि तित प प्ल ख प्ला

सूतामौहोबाहोइळा ॥ १० ॥

पि प्ला प्ला शा

उपनोहाबुहोराइभीः ।सूताम् ।

षि ती ता ट त

याहिमदानाम्पाताउपानोहा ।

की टा खी ण

राइभाओहोवा ।सूतं राइष्ठाः. ॥११ ॥

ट खा शि का च टाख्

॥आप्सरसञ्च इष्टाहोत्रीयंवा आपांवानिधि ॥

इष्टाहोत्राआसृक्षाता ।इन्द्रंवृधान्तो

ती च खा ण क टी

अध्वाराइ ।अच्छावाभार्थमोजा

खा ण श खि श खि

सा ।एऊदधिर्निधीः ॥१२ ॥

त्र त क टीख्

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

अहमिद्धाइपितुःपराइ ।मेधामृतस्यजग्रहा

फी कुश क ष्ट

आहंसूर्याइवाहाहाइ ।

की पा लु इ श

जनिहोइहोऔहोऔहोवाहाबु ।

कू का पा प्ला

बा. ॥१३ ॥

श

॥वाजिदापर्यञ्च ॥

रेवतीर्णाः ।सधामादाइ ।इन्द्रा

ती टा ख ण श टा

इसान्तू ।तूविवाजाः ।क्षुमान्तो

खा ण टि च ट त ट

या ।भिर्ममोबादाइमोहाइ . ॥१४ ॥

क क प प्ली शा

॥सोमापौष्णञ्च ॥

सोमःपूषा ।चाचाई ततूरया

ती षि की

वयोवा ।वाइश्वासांसुक्षीतीनामया

खा श की दू

वयोवादाइवात्राराथीयोर्हा

खा श च या टा खि

इताः ।गावोअश्वाः. ॥१५ ॥

त्रा था टाख्

पञ्चम खण्डः

॥वैतहव्यानि त्रीणि ॥

पान्तमावोअन्धसाः ।इन्द्रामाभिप्रागाया

षी ति क का

ताहाहाइ ।विश्वासाहं शाताक्रातू

टु त त श कीच् का टा

हाहाइ ।मंहाइष्ठाञ्चाहाहाइ

त त श क टी त त श

र्षणाइनामौहोवा ।उऊपा ॥१ ॥

टा खा शि खाश

पान्तमाओअन्धसइहा ।इन्द्रामभाइप्रगाय

षी तु थ कू

ताइहा ।विश्वासाहंशाता क्रातूमिहा

टा ता कि टिच् टा ता

मंहाइष्ठाञ्चाइहा ।र्षणाईनामिहा ॥२ ॥

क चि टि टाच् का टाख्

पान्तामावोअन्धसाः ।आइन्द्रामभाइप्र

णा फ ख शि षू

गायाता ।विश्वासाहम्

टा ख ण टा ख ण

शाताक्रातुम् ।मंहिष्ठञ्च र्षणाइ ना

त पा श कीथ चा श त

मा औहोवा ।ओकाः. ॥३ ॥

टख् शि त ख

॥शौक्तानित्रीणि ॥

प्रावाइन्द्रायामादानम् ।प्रवाइन्द्रा

टी खि ण टा

औहो ।यामादानम् ।हराअ
 पि श ख ण ख ण टा
 श्वाऔहो ।यागायाता ।सखा
 पि श ख ण ख ण टा
 यास्सोऔहो ।मापोबावान्नोहाइ ॥४॥
 पि श णा णा शा
 प्रवाइन्द्राऔहो ।यामादानम् ।
 टा पि श ख ण ख ण
 हराआश्वाऔहो ।यागायाता ।
 टा पि श ख ण ख ण
 सखायास्सोऔहो ।मापोबावान्नो
 टा पि श णा णा
 हाइ ॥५॥
 शा
 प्रावाई याईया ।इन्द्रोई याईया
 टित टत टित ट
 यामादानम् ।हाराईयाईया
 खा ण ख ण टत टत
 आश्चोई याईयायागायाता ।साखा
 टित ट खा ण ख ण
 ई याईया ।यास्सोई याईया ।
 टित टत टित टत
 मापोबावान्नो ।हाइ . ॥६॥
 पा णा शा

॥गौरीवितानित्रीणि ॥

प्रवौहोवाइन्द्राऔहोवा ।यामा
 का टा कि टा ख ण
 दानम् ।हरौ होवाआश्वाऔहोवा ।
 ख ण का का कि टा

यागायाता ।सखौहोवायास्सोऔ

ख ण ख ण का टा कि

होवामापोबावान्नोहाइ ॥७॥

टा पा ण णा शा

प्रावाददाऔहो ।इन्द्रोददाऔहो ।

चा टि त पु श

यामादानम् ।हारीददाऔहो ।

ख ण ख ण चा टि त

आश्वोददाऔहो ।यागायाता ।स

पु श ख ण ख ण

खाददाऔहो ।यास्सोददाऔहो ।मापोबावान्नो ।हाइ ॥८॥

चा टि त पु श णा णा श शा

प्रवप्रवाः ।इन्द्राएन्द्रायामादानाम्

ती ता क थ का य ट

हराइहरियश्वायागायाता ।साखा

ता टु च का य ट

यास्सो ।मापोबावान्नो ।हाइ . ॥९॥

भि त णा णा ण शा

॥काण्वेद्वे ॥

वर्यंवायामूत्वा ।तादीदार्त्थाः ।

ती ख श खि ण

इन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।कण्वाऊ

षी खि ण ता प

क्थेभिर्जरन्तेएहियाहा ।होइळा ॥ १० ॥

खू शि ण शा

वयमू त्वातदिदार्त्थाःऐहीहोइ ।

खि शु टि श

वायमुत्वातदिदार्त्थाइन्द्रत्वायन्तस्सखायाः ।

षू कू टि त

काण्वाः ।उक्थाइभीर्जोबा ।रन्ताया . ॥११ ॥

ख ण की प ण ता टाख्

॥सौमित्रेद्वै दैवोदासं तृतीयं श्रौतकक्षाणिवा ॥

इन्द्रायमद्वनाइ ।

तू श

सूतामिन्द्रायमद्वने सूताम् ।

षी ची शा

पाराइष्टोभा न्तूनोगिराः ।अर्कमा

च टि तिच् चा शा टि

र्चचान्तूकारावाः ।ओइळा ॥ ॥१२ ॥

तच् क टा खण् प शा

इन्द्रायमद्वनेहाबु ।ओइसूताम् ।

तू त श टि त

पारिष्टोभान्तूनोहाइगाराः ।पारिष्टोभान्तूनो

कि टि त ती टू

हाइगाइराः ।अर्कमार्चचाओहोवा ।ए

त टी टि ख शि त

न्तूकारावाः ॥१३ ॥

चा टाख्

इन्द्रायमद्वनेसुतमिन्द्रायमोवा ।

षू तू त

द्वानाइसूताम् ।पारिष्टोभाहाहा

त पि श कि ट त त

न्तूनोगाइराः ।अर्कमार्चचाहाहा

टा ख णा भि त तच्

न्तूकारावाः ।ओइळा. ॥१४ ॥

क टा खण् प णा

॥वैष्णवानि त्रीणि इहद्वाम दैवोदासन्तृतीयं और्ध्वसन्नानिवा ॥

अयन्तया ।

ती

द्रासोमोहोवाहोइ ।नीपू

टि का च श का

तोआधीबर्हाइषी ।आईहि

टा च खा णा च था

मस्याद्रा वाऔहोवा ।पिबा ॥१५ ॥

टिट् ख शि ख श

अयन्तइन्द्रसोहोमाः ।नीपूतोआधीबर्हाइ

तू त त की टि

षी ।ऐहाइमास्या ।द्रावापाइबा

टा टा चि का टि

आइहिमास्याद्रावापाइबा ।पीबा. ॥१६ ॥

षि की टि ख श

अयन्तइन्द्रसोमोनाइपूतोआधी

फू त प णि ण्य

बर्हिषी ।नीपूतोआधीबर्हाइषी ।

णि की टि ता

ऐहाइमास्या ।द्यावापाइबाई हा ॥१७ ॥

क टी त का प त्रा ख श

॥औदलेद्वे वैणवेद्वे वैणव औदलइतीवा ॥

सुरूपाकृत्तुमूतयाइ ।सुदूघा

ता च चि चा श चि

मिवगोदुहयाआउवा ।ऊपा ।जुहूमा

टि ति टि ख श टि

सी ।द्यवीद्यवियाआउवा ।उऊपा ॥१८ ॥

त चा ति टि खा श

सुरूहाहाइ ।पकृत्तुमू तायाइ ।
 तित श टीच् टा श
 सुदुघामिवगोदुहाऐहीऐही ।जुहौ
 चि टि तूच् टा
 हुवाइमासी ।द्यवीद्यवीऐहीऐही ॥१९ ॥
 टी ट चा चा तीच्
 सुरूपकृत्तुमूतायाइ ।ओइ सुरूपकृ
 तु पा ण श षा
 त्तुमूतायाइ ।ओइ सुदुघामिवागोदू
 यू टा श षा यू
 हाइ ।जुहू मसाइद्यविद्यावैही ।जुहु
 टा श का पा शू टा
 मासी द्याविद्यवीआबुहोआबुहोवा ।
 टाच् क पि श्रु
 एद्यवी ॥२० ॥
 त ताच्
 सुरूपकृ ।त्तुमूतायाइ ।सुदुघामी
 ती टा चा श कि ट
 वागो दूहाइसुदुघामा ।वागो दूहा
 टाच् ख कु श टाच् का
 इ ।जुहूमासी ।द्यावी ।द्यावो
 श टि त प श ख प्ल
 हाइ ॥२१ ॥
 शा

॥दैवोदासानित्रीणिआर्षभाणिवायदिवावाध्यश्चानि ॥

अभित्वावृषभासूताइ ।सुतंसृजा मी
 षू ता श कीच्
 पाइतायाइ ।तृम्पावाया ।
 का या ट श का य ट

शुहाआउवाए मादम् ॥२२॥

ता भीख श

अभित्वावृषभासुतेभ्याहाबु ।

षू ति त श

त्वावृषाभासूताइ ।सूतंसृजा

तच् काय टा श कीच्

मीपाइतायाइ ।तृपाहोइविया

का या ट श का की

हो शुहीमादा म् ।ओइळा ॥२३॥

कथ् टि खण प प्ला

अभित्वावृषभासुतेसुतंसृजोवा ।मीपीता

षू तू त काट

याइ ।सुतंसृजा मीपीतायाइ

त श का काच्क टा त श

तृम्पावायाओहोवा ।शुहीमादाम्. ॥२४॥

ट त टट्ख शि था ट ख

॥कौत्सेद्वे पाञ्चवाजेवा ॥

याइ न्द्राचमसेष्वाइया ।सोमाश्चामूषु

था प शू का

ते सूतस्सोमश्चमू षुताइसूताः ।

कीच्क कुच्क टि त

पाइबाहाइदास्योहाइ ।त्वामीशा

टि त टि त श टि

इषा इ ।ओइळा ॥ ॥ २५ ॥

खाण् श प शा

यइन्द्रचामासेष्वा ।सोमश्चमूषुताइसुताः ।

तु ता थू पा श

सोमश्चमूषू ।ताइसूताः ।ओइपिबेदस्यो

ती त पि श ट खु

हाइ ।

ण श

त्वमाइशा इ ।षाइ. ॥२६ ॥

स्वीणफपू श ख श

॥सौमेधानित्रीणि पौर्वतिथानिवा ॥

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवामहे

षी ती की चा काच्

साखायाई ।न्द्रामोबातायोहाइ ॥२७ ॥

टि त क प णि शा

योगेयोगेतवस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी ति त की चा

महे होवाहाइ ।साखायाई ।हो

काच् टा त श टि त

वाहाइ ।न्द्रामूतायाऔहोवा ।

टा त श टि ख शि

उऊपा । ॥२८ ॥

खा श

योगेयोगेतवहाबुस्ताराम् ।वाजेवाजेहवा

षी तु त की टा

माहाए हूवाऔहोवा ।साखाया

कि कि त त थाच् क

इन्द्रमूतायाए ।हूवाऔहोवा ।सखा

कि कि कि त त का

ययाहुवाऔहोवा ।न्द्रमूतये ॥२९ ॥

टा कि त त का टाख्

॥दैवातिथम्मैधातिथं वा ॥

आतू एतानिषीदाता ।इन्द्रामभाइप्रगा
 खा प्ली ड श थ षु
 यतासाखा यस्तोमवाऔहोमवाहा
 कीच् का पि श टा ख
 साः ।हायाईसाखायस्तोमवाऔहो ।
 ण टुच् का पि श
 हिम्माहासो ।हाइ . ॥३० ॥
 टा ख ण्ण शा

षष्ठ खण्डः

॥माधूच्छन्दसङ्गौञ्चंसौपर्णवा घृतश्रुन्निधनंआङ्गिरसानिवा ॥

इदामे ।ह्यनूओजासा ।सूतं राधा
 ति टा भि का का
 नाम्पाताइ ।पीबात्वस्यागीर्वाणाः ।
 च य ट श यु पा
 पीबातुवा ।स्यागाऔहोवा ।र्वाणाः ॥१ ॥
 खा ता ट ख शि ख ण्ण
 इदं ह्याऔहो ।नूओजासा ।सूतं
 ति ता क खा ण का
 राधानाओंपाताइ ।पिबात्वस्या
 का ट खा ण श पी
 गाहाइ ।र्वाणाएहियाहाहो
 ण्ण ड श प प्ली श ण्ण
 इळा ॥ २ ॥
 शा
 इदं ह्यनूओजसा ।सूतं राधाना
 ती ति का का च

म्पातौहोवाहाइ ।पीबात्वस्या

य ट ता त श चा

गाइर्वाणौहोवाहाइ ।पिबातुवौ

चि या ट ता त श टी

होवाहाइ ।स्यागाइर्वा णाऔहोवा ।घृताश्रुताः. ॥३॥

ता त श टीट् ख शि ता टाख्

॥प्रैयमेधानित्रीणि शौक्त सामानिवा उत्गातृदमनंवातृतीयम् ॥

महंइन्द्राः ।पूरश्चनोमाहीत्वामा ।

ती कीय ट य ट

स्तुवज्जिणाइ ।दायूर्णाप्रार्थी

क चि श य ट य ट क

नाशावाः ।ओइळा ॥४॥

ट खाण् प प्ला

महंहाइन्द्राः ।पूराश्चानाः ।महाइत्वा

तु त पा श टा खा

मा ।स्तुवौहौहाहोवाज्जीणाइ ।द्यौर्नाप्रार्थी

ण टा खि शी ती

नाशावाः ।द्यौर्नाप्रा

ति खा ण

थिनौहौहाहो

टा खि

बाशावो ।हाइ ॥५॥

कू प्ला शा

महंइन्द्राःपूराश्चनाः ।माहीत्वामा ।

फी की था टट् त

स्तुवज्जा इणाइ ।द्यौर्ना प्रा ।

च टाटट् ता श क टटट् त

थिनाशावाः ।ओइळा. ॥६॥

क ट ट खण् प प्ला

॥गौरीवितेद्वे ॥

आतूनया ।इन्द्रक्षुमान्ताम् ।चाइत्रंराभंहा ।
ती टी त टु त

इसङ्गु भायामाहाहस्तोहाइ ।दक्षा
कि टी खा ण श टाच्

इणाइना ।महाहा स्ताऔहोवा ।दक्षिणेना ॥७ ॥
का चा टिट् ख शि कि टख्

आतूनइन्द्रक्षुमान्ताम् ।चित्रंराभम्
षि ती त टा ख ण

संगृभायमाहाहा स्ताऔहोवादक्षिणेना ॥८ ॥
क पा शट त टट् ख शि खी

॥आपालवैणवेद्वे ॥

आतूनइन्द्रक्षुमान्ताम् ।चित्रंराभंसङ्गु
षि ती त टू

भायाचित्रंराभंसङ्गुऔहोइभाया ।
क थ ष कू खि ण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।औहो
क षू टा च श क

वाहोबाणाइनोहाइ ॥९ ॥
का प प्ला प्ला शा

आतूनाइ न्द्राक्षुमान्तम् ।चित्रंराभंस
णा णा फ खा श

ङ्गुभायाचाइत्रंराभंसङ्गुई हाभाया ।
षे कू ख प्ल ख ण

ऐहाइमहाहस्तीदक्षाहोइ ।औहोवा
क षू टा च श क का

होबाणाइनोहाइ ॥१० ॥
प प्ल ष्णि शा

॥धुरश्शम्येद्वे ॥

अभ्येआभी ।प्रागोपातीङ्गीराः ।इन्द्रम

ती का था टा

र्चायाथाविदाइसूनुम् ।ओइसत्योहाइ

यू पा ति पी ण श

स्यासाओहोवा ।पातीमे ॥११ ॥

ट ख शि च ट ख

अभ्येआभी ।प्रगोपतीङ्गीराः ।इन्द्रमर्चचा

ती की टा टी

याथा ।हिंहिंओईवीदाइसनुं

ख ण ट त प ण णा फि

सात्यास्यासात् ।हिंहिंओबापाताइं ।हाइ ॥१२ ॥

फा ता ट त प प्ला श शा

॥महागौरीवितं तृतीयम् ॥

आभीप्रगोपतीङ्गीराः ।इन्द्रमर्चचयथाविदाए ।सूनुंसात्याओस्यासा

फा खा खा शा षी टु की प श फ

त्पाताइं ।सूनुंसात्याओस्यासोबा

शि की प प्ला प्ला

त्पाताइं ।हाइ . ॥१३ ॥

प्ला श शा

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

कयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।ऊताइ

ती त पाश क

सदावार्धस्साखा ।कयाशाचाइ ।

कु खा ण टि त श

छायावार्तोहाइ ॥१४ ॥

प श ख ष्ट शा

होवाइहोवाइकयानश्ची ।त्रायाभूवात् ।

षू ती त पाश

होवाइहोवाइऊतीस्सादा वृधास्साखा

षू चा काच् काप श

होवाइहोवाइकयाशचाइ ।छायावा

षू ता ता श टिट्

र्ताओहोवा ।ऊपा. ॥१५ ॥

ख शि ख श

॥महावामदेव्यंतृतीयम् ॥

कायानश्चाइत्रायाभुवात् ।ऊती

ण फ फा खा शि का

स्सादावृधस्सखाऔहोहाइकयाशचाइ

का कु ता टि ता श

ष्ठयौहोहिम्मावार्तो ।हाइ ॥१६ ॥

ति टा ट ख त्र श

कास्त्वासत्योमादानाम् ।मंहिष्ठो

ण फ फा ख शा कि

मत्सद न्धसाऔहोहाइदृढाचिदा

की कि ता टि ता

रूजौहोहिम्मा ।वासो ।हाइ ॥१७ ॥

ति टा ट ख त्र श

आभीषूणास्साखीनाम् ।अविता

ण फ फा ख शा कि

जराइतृ णामाऔहोहाईशातांभवा ।सियौ

की कि ता टि ता

होहिम्मा ।तायो ।हाइ. ॥१८ ॥

ति टा ट ख त्र श

॥इन्द्रस्यसत्रासाहीयेद्वे ॥

त्यमूवाः ।सत्रासाहाम् ।विश्वासुगीरिषू
 ति था टा दू
 आयाताम् ।आच्यावा याऔहोवास्यूतये ॥१९ ॥
 टि टिद्व ख शि क टाख्
 त्यामूवस्सत्रासाहम्मोवा ।विश्वासुगीरिष्वाया
 ख शृ षि टी
 ताम् ।आच्यावाया ।सियौहोवाहा
 च टि त टा खाण
 इ ।तायो ।हाइ . ॥२० ॥
 श ख ण् शा

॥माहावामदेव्यञ्च ॥

सादा ।सस्पताईमात्भूताउवोवा ।
 ता चि या टा खाश
 प्रायाउवोवा ।आइन्द्रास्याकामायाम्
 टा खाश कू ख त्र
 सानिम्मेधामयासिषाम्. ॥२१ ॥
 चि टि खा

॥वैर्यश्चञ्च ॥

हावाप्सूदाक्षाआप्सूदाक्षाः
 खी श खि ण
 एते पन्थाआथोदीवाःहावाप्सूदाक्षा
 का थाच् टी खी श
 आप्सूदाक्षाःएभिर्वया श्वामाइराया ।
 खि ण का थच् टु

हाउताश्रोषान् ।तूनोभू वाऔहोवा ।ई ति. ॥२२ ॥
 स्त्री ण टिट् ख शि ख श

॥गौतमस्यच भद्रम् ॥

भद्रंभाद्राम् ।नाआभाराइषामूर्जम् ।
 ति त क टा ख शी
 शाताक्राताबूयादिन्द्रामृढाया
 टि ख शुट ख
 औहोवा ।सीनः. ॥२३ ॥
 शि ख श

॥अश्विनोश्च साम ॥

अस्तिसोमोअयंसुतोअस्तेआस्ती ।
 षू तू
 सोमोअयंसुतःपिबन्त्यस्यामारुतोहाइ ।
 षू फु ख ण श
 उतस्वराजोअश्वाइनो ।हाइ . ॥२४ ॥
 पु क्ली शा

सप्तम खण्डः

॥त्वाष्ट्रीसामच ॥

ईङ्क्षयन्तीः ।अपास्यूवाः ।आइन्द्रन्जा
 ती टा टा कीच्
 तामूपासाताइ ।वन्वानासाः ।
 चाय टा श क टा त

सूवीर्याआउवा ।वृधे . ॥१॥

कि शि ताच्च

॥गोधासामच ॥

नकिदेवाः ।ईनाइनीमासाइ मासीया

ती दू श का ख

नक्यायो ।पायापयामासाइ ।मासी

शि दू श का

यामन्द्रश्रुत्यम् ।चाराचरामासाइ ।मासीया ॥२॥

ख शी दू श स्वा ण

॥सवितुश्चसाम ॥

दोषोआगात् ।बृहद्गायद्युमत्गामा ।

ती षी टि त

अथ वर्णस्तुहीयौहोइदेवाम् ।

चा दु ख ति

सावोबातारां ।हाइ . ॥३॥

क प प्ल प्ला शा

॥उषसश्चसाम ॥

एषोरुषाः ।आपू व्युव्यूच्छतीहो

ती का की

वाहाइ ।प्रीयादाइवास्तुषाइवामा ।

टा त श टि खा खा ति

श्वीनोबाबृहात् ।हाइ .. ॥४॥

क प प्ल प्ला शा

॥त्वष्टुरातिथ्येद्वे ॥

इन्द्रोदधीचोअस्थभिरीयाईया ।वृत्राण्य

षु टु ट त षि

प्रतिष्कृतइयाईयाजघाननवतीर्नवइया

टू ट त षी टू

ईयाऔहोवाऊपा ॥५ ॥

ट ख शि ख श

इन्द्रोदधाइचोअस्थाभीः ।वृत्राण्यप्रा

ती खी ण की

तिष्कृताः ।जघानानावती र्नावाऔहोबा ।होइळा ॥६ ॥

चि टि त काच् क टा ख ण् ण शा

॥सौमित्रञ्च ॥

इन्द्रेहिमाहाबु ।स्तीयान्धासाः ।

ती त श पि श

वाइश्वेभिस्सोहामापर्वाभीः ।

चि था त क खा ण

महं आभाऔहोवा ।ष्टिरोजासा ॥७ ॥

टा ट ख शि टि ख

॥इन्द्रस्यचमाया ॥

आतू औहोआतू औहो ।नाइन्द्रवृ

खा ण्खा खा ण्खा

त्राहा न्नस्माकामार्द्धामागाही ।माहा

टु कथ की टि त टा

न्माही भीरोबाताइभोहाइ . ॥८ ॥

टाच् क प ण् णि शा

॥वैश्वामित्रेच ॥

हाहाउवा ।ओजस्तदस्यतिद्विषे हा

फ ति षी कीख् फ

हाउवाऊभेयत्सामवर्क्तया त् ।हाहाउवा ।

ति षु किख् फ ति

इन्द्राश्वर्मे वारोदासी ॥ ९ ॥

कीच् क टा ख

ओजस्तदास्यतिद्विषाइ ।ऊभेयत्समवर्क्त

फी कीश षू

यादाइन्द्राश्वार्ममाऔहोवा ।ए वारो

दूद् ख शि तच्

दासी. ॥१० ॥

टी ख

॥शौनरशोपञ्च ॥

आयामूता इसामातसाइ ।कापोताइ

णा णाफ् खा शी

वागार्भाधीम् ।वाचास्ताची न्ना

कु च य ट टा टाच् क

ओबाहासो ।हाइ . ॥११ ॥

प प्ल प्ला शा

॥प्रतीचीनेषञ्च काशीतम् ॥

वातआवातुभाइषजाम् ।शंभूमयो

तू ति क किच्

भूनोहदाइहाहाइ ।प्रानआयूं

का पा प्लाड श

षितारिषादौहोबाहोइळा. ॥ १२ ॥

पु श पि क्ला क्ल शा

अष्टम खण्डः

॥सौमित्रञ्च ॥

यंरक्षन्तिप्रचेतसाः ।वारूणोमित्रो

षी ती षु

अर्यामा ।नाकाइस्सादा ।हिम्माइभ्या

टा त टी त टीद्

ताऔहोवा ।जानाः. ॥१ ॥

ख शि ख क्ल

॥इयावाश्चेद्वे ॥

गव्योषुणोयथापुरा ।अश्वयो

षी ती कि

तरथायावारी वस्यामहोमाहोनाऔहोवा ।ऊपा ॥२ ॥

की का टु खा शि ख श

गव्योषुणोयथापुराए ।अश्वयोतरथा

षी ती त कि टि

या वारीवास्यामहोमाहोनाऔहोवा ।

कथ् टा टूट ख शि

ई ॥३ ॥

ख

॥शैखण्डिनञ्च ॥

इमास्तया ।न्द्रापृश्चयोधृतन्तूहाबु

ती की टि त

होहाहाइतयाशाइर म् ।एनामृ

टा त त टि ख णा खा

तास्यापोबाप्यूषाइ ।हाइ . ॥४ ॥

ता क प ळ्हा श शा

॥वैतहव्यञ्च ॥

अयाधियाचगव्ययाए ।पुरूनामन्पू

षु ति त कि खा

रू ।ष्टूतौवा ।

ण का तत्

यत्सोमेसोमया ।यत्सोमे

तू टि

सोमयोबाभूवो ।हाइ ॥५ ॥

पि ळ्हा शा

॥भारद्वाजञ्च ॥

पावकानईया ।सारास्वाती ।वाजेभि

तू चा य ट चा

र्वा जीनाइवाती ।यज्ञांवा ष्टू

थाच् का या ट टिट् ख

औहोवा ।धियावासूः ॥६ ॥

शि ता ट ख

॥अरूणस्यचवैददध्वेस्साम ॥

कइम्मुहुवाहाइ ।ना हूषाइषूवा ।

तु त श तच् का याट

आइन्द्रं सोमास्यातार्पायात् ।सनो

कि का यिट टा

वसू नीयाभारात् ।सनोवसूनि

टाच् काय ट टा का

याभरा उवा ।आगह्येहीतइमे . ॥७ ॥

टा का ता षी टिख्

॥सौभरञ्च ॥

आयाहिसू ।षूमाहाइते षूमाहाइते ।

ती चाय टाच् काय टा

आइन्द्रा सोमं पिबा आइमां पिबा आइमां ।

चि था काय टाच् काय टा

एदम्बर्हाइस्सादोमामा ।ओइळा ॥८ ॥

कि कि टा खण् प प्ला

॥पाष्ठौहेच ॥

महाइत्राइणम् ।आवारस्तुद्युक्षार्मा

खी णा टा की ख

इत्रा ।स्यार्यम्नादुरा धार्षम् ।वा

णा ट टा काख ण क

रोबाणास्यो ।हाइ ॥९ ॥

प प्ला शा

महित्रीणामवरस्तुए ।द्युक्षर्मित्रस्यार्यम्णा

षी ती त षी कि

दुराधार्षाम् ।वारौहोवाहिम्माणा

टि त की टा

स्योयाऔहोवा ।हाओवाओवा . ॥१० ॥

टाट् ख शि त टा टाख्

॥साकमश्चन्धुरांवासाम ॥

त्वावातोहाबुहोओइ ।पुरोवसो

कि कि च श की

हाबुहोओइ ।वायमिन्द्रा हाबुहो

कि च श की कि

ओइ ।प्रणेतऋहाबुहोओइ ।

च श की कि च श

स्मसिस्थातऋहाबुहोओइ ।हारीणांहाबुहोओइळा ॥११ ॥

कु कि च श कि कि प शा

नवम खण्डः

॥यामञ्च ॥

उत्त्वामन्दन्तुसोहोमाः ।कृणौहो

तू त त कि

ष्वारौहोधोअद्रिवाः ।आवब्राह्मा ।

की चि कथ् टा त

द्विषाहोवाऔहोइजा हाऔहो

टा क थ ट य टाट् ख

वा ।एययूः . ॥१ ॥

शि त टाख्

॥आङ्गीरसञ्चइन्द्रस्यवा हरिश्रीर्निधनम् ॥

गिर्वणःपहिनस्सुतज्जिर्वणःपा ।हीनास्सुता म् ।माधो

षू तू टीच् का

धारा भीराहोवाज्यासेहाउवा ।इन्द्रत्वादा

का की टा ति टि त

तामाइद्याशाऔहोवा ।

टीट् ख शि

हारिश्रीः. ॥२ ॥

च टाख्

॥वैरूपञ्च ॥

सादा ।वइन्द्रश्चकृषाता ।उपोनुसा ।

ता खू श ती

सापर्यन्नदेवाः ।ऋताश्शूरा ।इन्द्राः ॥३ ॥

कु च णा फ ख श त्र

॥असीतञ्चसिन्धुसामवा ॥

आत्वाविशत्विन्दावाः ।सामुद्रमीवासिन्धावाः ।

तू त की की

सामुद्रमीवासिन्धावाः ।नत्वामिन्द्रा

की क टा त षी

तिरिच्यते ।नत्वामाइन्द्रातिरिच्याता इ ।ओइळा. ॥४ ॥

की का ट ता टि खण् श प शा

॥यमस्याकौद्वौ ॥

इन्द्रमिगा ।थीनोबृहादिन्द्रमार्के ।भी
ती षी टि तच् क

रकीणाः ।इन्द्रंवाणी ।रानूषता
चि क टा त का

इळाभा ।ओइळा ॥५ ॥
टी खण् प प्ला

इन्द्रा मिगाथिनोबृहात् ।इन्द्रामर्का
फा खी शा क

इभीरकीणाः ।आइन्द्रंवाणीर्हाहा ।
कु टि टु त त

आनूषताहोइळा ॥७ ॥
फा प्लि शा

॥सौमित्रेद्वे ॥

इन्द्रइषेददातुनाए ।ऋभुक्षणामृभूं
षी ती त की स्वाणफप्ल

रायिम् ।वाजीददातू वोबाजाप्ला)
ट त च थ कि प

इनाम् ।हाइ ॥८ ॥
प्ला शा

इन्द्रइषेददातुनओहा ।ऋभुक्षणामृभुरा
षी तू त च टि खि

यीम् ।वाजीददातुवा ।वाजीददातुवो
ण तू क टि पा

वाजाइनाम् ।हाइ . ॥९ ॥
प्ल प्लि शा

॥इन्द्रस्याभयम् ॥

इन्द्रोअङ्गामाहात्मायाम् ।आभीषाद
 ती टि त का चा
 पाच्युच्यावात्सहाइस्थिराः ।वीचो
 टि ख खा ति क प
 बार्षाणाइ ।र्हाइ . ॥१० ॥
 णि श शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

इमाउत्वा ।सूताइसूताइ नक्षन्ताइ
 ती ता षी टि
 गीर्वाणोगाइराः ।गावोवात्सा
 खा ण्ण ख णा भि तच्
 न्नाधोबानावो ।हाइ ॥११ ॥
 क प ण्ण णा शा
 इन्द्रानूपू ।षाणावायाम् ।साख्या
 ती टि त का
 यसूवस्तायाइ ।हुवे मावा जा
 टी त श का टाच् क
 सोबातायो ।हाइ . ॥१२ ॥
 प ण्ण णा शा

॥इन्द्राण्यास्सामा ॥

नक्येनाकी ।आइन्द्रत्वदुत्तरान्ना
 ती च चू क
 ज्यायोअस्ताइवृ ।हिंहिंत्राहन् ।
 था पा शा ट खा ण

नक्वेवय्याथा ।हिंहिंतूवां ।हाइ . ॥१३ ॥
 टा पा प श ख ण्ण शा

दशम खण्डः

॥श्यावाश्वञ्च ॥

तरणिंवाः ।जनानामम् ।त्रादंवाजाहा ।
 ती टा त टी त
 स्यागोमाताः ।समानामूप्रशांसिषाः
 का ख ण टि त ण्णी
 होइळा ॥१ ॥
 ण्ण शा

॥वैरूपञ्च ॥

असृग्रमाइन्द्रातेगिराः ।प्रातीत्वामू
 तू ति टा टा
 दहासता ।साजोषावृषभां ।
 का शा टा टा काच्
 पातिमोइळा ॥२ ॥
 पि ण्णा

॥सौमित्रञ्च ॥

सुनीथोघासमार्कृत्याः ।यम्मरूतो
 फी शा क टीच्
 यम र्यामामित्राःपान्त्यद्रुहाउउवा
 चा चा चि टि टिच्

हाउवा ।आतिद्वीषाः. ॥३॥

य टा थ टिख्

॥स्तौभञ्च ॥

औहोवाऔहोवाओहाइ ।यद्विळावी

खु श प्ला श स्वी

न्द्रायास्थीरा इ औहोवाऔहोवाओहा

कि फा श खु श प्ला

इ ।यत्पर्शानेपारा भृतं औहोवाऔहोवा

श खु का फा खु श

ओहाइ वसुस्पार्हान्तादाभारा ।

प्ला श स्वी का फ

औहोवाऔहोवाओहाइ ।होइळा ॥४॥

खु श प्ला श प्ल शा

॥श्रौतञ्च ॥

श्रूताम्बोवृत्रहन्तमंप्रशद्धञ्चक्रषाणा

ता पू कु टा

इनान् ।आशाइषाइरा ।धसे मा

ता का टा ता काच्क

हाऔहोवा ।होइळा ॥५॥

टा ख प्ल प्ल शा

॥आभीशवञ्च ॥

अरन्तइन्द्रश्रवसेए ।गमाइ माशूर

पू तित चा श थ

त्वावतोहोवाहाइ ।आरांशाक्राहोवाहाइ ।पारेमाणा इ ।ओइळा ॥६॥

किं टा टा त श चाय ट टा त श टि खण् श प प्ला

॥ऐषञ्च ॥

धानावन्तङ्कुरा म्भिणम् ।आपूपवन्तमू

फा खी शा यू

त्थीनाम् ।इन्द्राप्राता ओहाइ ।

प श खि शङ्ख ख ण श

जुषोबास्वानो ।हाइ ॥७॥

ह्लि प्ला शा

॥इन्द्रस्यचक्षुरपवी ॥

अपाम्फेनेननमुचेः ।शीरइ न्द्रोदवा

षी ती चि टि

र्कतायाः ।वाइश्वाया दाऔहोवा ।

ख ण टीट् ख शि

जयास्पर्धाः ॥८॥

ता ट ख

॥सौमित्रे ॥

इमेतया ।न्द्रासोमोहोवाहोइ ।

ती टि का च श

सूतासोये ।चासोतूवाः ।तेषां

क टि का ख ण ख प्ल

हाहाइ ।मात्स्वप्रभू ओबावासोहाइ ॥९॥

त त श की प प्ला शा

तुभ्यांहाबु ।सूतासस्सोमास्तीर्णा
 ता त श पु
 बार्हीवीभा होइवासो ।स्तोतृ
 टि त टाच्च य टा त पा
 आभ्याइन्द्रमृ औहोवा ।डाया ॥१० ॥
 श ट खि शि ख श

एकादश खण्डः

॥कौत्सञ्च ॥

आवइन्द्राम् ।कृवीयथावाजयान्ताशशाता
 ती षी टि तच्चा
 क्रातुं ।मंहिष्ठांसी ।ञ्चायाउवा ।दूभिः ॥१ ॥
 शा टि त टा ता ख ण्ण

॥ऐषञ्च ॥

अतश्चिदिन्द्रनउपाए ।आयाहिशतावा
 षू ता त चा श
 जायाईषासहा ।स्रावोबाजायो ।हाइ ॥२ ॥
 टी ख खा ता क प ण्ण शा

॥उषसश्चसाम ॥

आबुन्दंवृ ।त्राहाददाइजाताः ।पाच्छर्दिमा
 ती च कू क टि
 तारम् ।काउग्राके ।हाश्रुण्विराइळा
 ख ण टि त चा टी

भा ।ओइळा ॥३॥

खण् प शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

ब्रबदुक्थंहावामहाइ ।सप्राकारास्त्रा

तु ति श टा टा

मू तायाइ ।साधाःकार्णवा न्ता

का चा श टा टाच् क

मोबावासो ।हाइ ॥४॥

प क्ल प्ला शा

॥वरुणसामच ॥

ऋजुनीतीनोवरूणइहा ।मित्रोनाया

षु तु चा चा

तीविद्वांसाइहा ।अर्यामादाइवाइहा ।

टि ति था टा ती

साजोषाउवा ।ई हा ॥५॥

टि ता ख श

॥उषसश्चैवसाम ॥

दूरा दीहेवयत्साताः ।आरूणाप्सूराशि

का प शु चा च

श्वाइतात् ।वीभानूंवी ।श्वाथा

टी ता टि त चा

तनादिळाभा ।ओइळा ॥६॥

टी खण् प प्ला

॥मित्रावरुणयोश्चसंयोजनम् ॥

आनोमित्रावरुणाऔहोवा ।घृतै

कृ था टा ता

गन्व्यूतिमुक्षातामौहोवा ।माध्वाराजां

कु था टा था टा

सीसुऔहोवा ।कृतूइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥

क था टा का टा खण् प ष्ठा

॥ऋतुसामच ॥

उदुत्येसूनावोगिराः ।काष्ठा यज्ञा

तु ति थाच् का

इषुवात्नाता ।वाश्राआभी ।जू

टि ख ण क टा त प

यातावो ।हाइ ॥८ ॥

श ख ष्ठा शा

॥विष्णोश्चसाम ॥

इदामे ।विष्णूर्विचाक्रामाइ ।त्राइ

ति टा खि ण श

धानिद धाइपादाम् ।समूहो

चि काच याट टाय

ढामा ।स्यापाऔहोवा ।एंसूले ॥९ ॥

ट त ट ख शि त ताच्

द्वादश खण्डः

॥कौत्सञ्च ॥

अतीहिमा ।न्यूषावाइणां ।सूषूवां
 ती टा टि चि
 साहोउपै राया ।आस्यरा ताबु
 टचक या टा कि
 सूताऔहोवा ।पीबा ॥१॥
 टिख शि ख श

॥काश्यपञ्चआप्सुरसंवा ॥

कदूप्राचेतासे ।महाइवाचो
 चिक फ ता पा श
 देवाहाबुवचोदेवा ।याशस्याताइतदाइधिया
 शृ टि ख खि ति
 स्यावोवार्धानां ।हाइ ॥२॥
 क प प्ल प्ला शा

॥बार्हदुक्थेद्वे ॥

उक्थञ्चनोहाइ ।शस्यमानान्नागोरा इराचिके ता ।नागायात्रांगीयामा
 ती त श षी टिच् चा खाश टि त क टा
 नाऔहोवा ।ऊपा ॥३॥
 ख शि ख श
 इन्द्रउक्थाइ ।भ्यर्मन्दाइष्ठोवाजाना
 ती शु क टी खि
 आ ।वाजपातिर्हराईवान्सू ।
 ण च चा टि खाण

तानां साखाऔहोबा ।होइळा ॥४ ॥

काच् क टा ख ण् ण् शा

॥और्ध्वसन्ननेद्वे प्रहितोर्वा संयोजने ॥

ब्राह्मणादी ।न्द्ररा धसाःपिबासोमामृतं

ती का की टा का

रनू ।तावे दूसाख्यामा ।स्तार्त्ताहाइ ॥५ ॥

चा का टा प श ख ण् शा

वयङ्गाते अपीस्मसाइ ।स्तो

फी शा का श क

तारइन्द्रगिर्वणाउवउवाहोइ ।तूवान्नो

षृ टी च श च य

जीउवउवाहो न्वासोमा पाऔहोवा ।एऊपा ॥६ ॥

टा टी कथ् श टाट् ख शि त टाख्

॥कौत्सानिचत्वारि ॥

आयाही ।ऊपानास्सूतं होवाहाइ

ति च चा शा टा त श

वाजेभिमाहणीयथाहोवाहाइ माहं ईवायुवाहोवाहाइ

कि कि ता टा त श चा टी टा त श

जानाऔहोवा ।उऊपा ॥७ ॥

टट् ख शि खा श

ओहोइ ।कादावसोस्तोत्रां

टच् च श का फा टा

हर्यताया ।ओहोइ ।यावाश्माशारूधादू वाः ।ओहोइ ।

खि श टच् च श का फा खि ण टच् च श

दीर्घ सूतं वातापीयाया ।ई ॥८ ॥

का फा पा खात्र ख

कादा औहोवावासोस्तोत्रां हर्यताया ।

खा क था टी खि श

अवा औहोवाश्मशारूधादू वाः ।

खा क था का खि ण

दीर्घा औहोवासूतां । वातापीयाया ॥९॥

खा क था टा खा खात्र

औहोवाइ कादावासोस्तोत्रां

च शि कि फ टा

हर्याताया औहोवाइ यावाश्मशारूधा

खि श च शि का फा

दू वाः औहोवाइ । दीर्घ सूतं वातापीयाया । ए ॥१०॥

खि ण च शि का फा पा खात्र तच्

॥ अभिवादस्य च औदलस्य साम ॥

एन्द्रपृक्षुकासुचीदे । नृम्णातनू

षी ति त चा काच्

षूधाहाइनाः । सात्राजिदू

काय टा च श चा

ग्रापापुंसियाउवा । ऊपा ॥११॥

टा कि ता ख श

॥ सोमसाम च ॥

अयमेनं सचतां हाबु । ओइसूतोमन्दिमिन्द्रायमान्दाइनाइ । चक्रांवा इश्वा औहोवा । नीचाक्राये ॥१२॥

षी ति त श टि त कि टि ख णा श टीट् खा शि टि ख

बृहतिपाठः

प्रथम खण्डः

॥इन्द्रस्यार्कोद्वौ ॥

अभित्वाशू ।रानोनूमाओनूमाः ।

ती टि त टा त

आदुग्धाइवाधाइनावाओइनावाः ।

कि चा टि ख टि त

आइशा नमस्यजगतास्सूवाद्रशामोद

किच् चू चा का टा

शाम् ।आइशाकि)नमिन्द्रातस्थूषाः ।ओस्थूषाओहोवा ।स्थूषास्थूषाः ॥१ ॥

त का चि क टाट् ख शि ता टाख्

आभित्वाशूरानोनूमाः ।आदुग्धाइवाधा

खी प्ली चि काट

ईनावाः ।आइशानमस्यजगतास्सुवा

टा त कि चू टा

द्रशाम् ।ईशानामी ।द्रातास्थूषा

खण क टा त चा

इळाभा ।ओइळा ॥२ ॥

टी खण् प प्ला

॥भारद्वाजेद्वे ॥

त्वामिद्धी ।हवामाहाआओहोवाहाउवा ।ऊपा ।सातौवाजस्याकारा

ति टा चाच क शु ख श चिक टा

वाआओहोवाहाउवाऊपा ।त्वांन्रनाइ

टा च क शु ख श

षूइन्द्रासात्पातीमाऔ

टु थ ट ट का च क

होवाहाउवाऊपा ।णरस्त्वाङ्का

शु ख श कि कथ

ष्ठासुवार्वाताआऔहोवाहाउवा ।उऊपा ॥३॥

टि का च क शु खा श

त्वामिद्धिहवामहेसातौवाजोवा ।स्याका

षू तु त च य

रावाः ।त्वांन्रत्राइषूइन्द्रासात त्पातीन्नाराः

टा शु की च य टा

तूवाङ्काष्ठा ।सूवार्वाताः ।ओइळा ॥४॥

टि त टि खण प प्ला

॥सन्नतेद्वे ॥

अभिप्रवाः ।सूराधासाम् ।इन्द्रमर्चयाथावि

ती टि त यू

दाइयोजारितृभ्योमघवापूरोवासूः ।

पा खि ता यू टा

साहसाइणाऔहोवा ।वाशीक्षाती ॥५॥

टिट् खा शि टि ख

आभाइप्रवास्सुराधासम् ।इन्द्रमर्चाया

टु खि ण टुट्

थाऔहोवावीदे ।योजरितृभ्योमाघ

ख शि ख श कुच

वापुरोवासूः ।सहाश्रेणेवाशाइ

टि ता टाख् ता क का

क्षाताऔहोवा ।सुभूतये ॥६॥

टिट् ख शि का टाख्

॥शैतन्त्रतीयम् ॥

अभिप्रवस्सुराधसाऔहोवा ।आइन्द्रा

फू खा ण फ ण्

मार्चायाथाविदाओहाइ ।योज

टी चि टा ख ण श च

रीतृभ्योमाघावापुरोवासूः ।

का चा पा श टा ख ण

साहस्रेणाइवाशा ।हिम्माइक्षाताऔहोवा ।वासू ॥७ ॥

फि त पा श टी ख शि ख श

॥नाविकञ्च ॥

तंवएदास्माम् ।ऋतीषाहांहोवाओऔ

तु का चा का का

होइहावासोर्मन्दा नमन्धसाओऔ

त ता कीच् की का

होइहाआभीवत्सन्नस्वासरे षुधे नवा ।

त ता की टी चा टा

ओऔहोइहा ।इन्द्रं ओऔहोइहा ।गीर्भाइर्न्नाऔहोवा ।वामाहे ॥८ ॥

का त ता का का त ता खी शि टा ख

॥प्रजापतेश्चाभीवर्तः ॥

तंवोदास्मामृतीषाहोवा ।

णा फ ख ण् डि डा

वासोर्मन्दानामान्धासा ।आभीवत्सा

कीच् क्य य ट की

ओनास्वासरे ।षूधाइनावाः ।

प फ फा ण् चा या ट

इन्द्रा ज्ञाभिर्न्रवामा ।हाइ ॥९॥
का य टा ता खणफ्लू ख श

॥भागञ्च ॥

तंवोदस्ममृतीषहाउवोवा ।वासोर्मन्दान
फू खी श की
मन्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषूधाइना
चा का पू यु प
वाः ।ओवाइ न्द्रज्ञाभिर्न्रवामाहाइ ।भगाया ॥१०॥
श कि टा ताच् ता प त्र श ता टख्

॥इन्द्रस्याभीवर्तः ॥

तंवोदस्मामृतीषहांवासोर्मन्दानमन्धासा ।
फू ता प छु ड श
आभीवत्सन्नास्वासारे षूधाइनावाः ।
षी कीच् का पा श
इन्द्रङ्गीर्भाइर्नावा ।हिंहिंहिंहिं ।
यी पा श ट त ट ख
नवानवोवामामो ।हाइ ॥११॥
प्ली प्लू शा

॥नौधसम् ॥

तांवोदस्मामृतीषाहाम् ।वासोर्मन्दानाम
प छु ड श टी ट
न्धासा ।आभीवत्सन्नस्वसराइषूधे
पा श ट त पू याक

नावाः ।आइन्द्रा ।गाइर्मिर्नानावोओबा ।माहे ॥ १२ ॥

ख ण ट ता की प प्ला ख श

॥लौशेद्वे ॥

ताराःभाइर्वोविदाआउवाटि)द्वासुम्

ता च का ता ख श

इन्द्रां साबाधऊतयेबृहात्बृहा

टाच् च कि टा चा ता

आउवा ।गायन्तास्सूतासोमेआध्वा

टा चा क कि चा

रे ।हुवेभारा ।न्नाकारिणामिळा

चा टि त चा टी

भा ।ओइळा ॥१३ ॥

खण् प प्ला

ताराः ।भाइर्वोविदाआउवा ।द्वा

ता च शा ता टि ख

सुम् ।इन्द्रा साबाधऊका)तये बृहा

श टाच् चा टाच् चा

त्गाया ।न्तस्सूतासोमेआध्वराइ ।हुवे

य ट टी त चिश

भारान्नाकारिणामिळाभा ।ओइळा ॥१४ ॥

टि त चा टी खण् प प्ला

॥धानाकेद्वे ॥

तरोभिर्वोविदद्वासुम् ।इन्द्रामिन्द्रं

षी ति त ता चा

सबा धाऊतायाइ ।बृहा

काच् क च य ट श ता

त्वृहत्गायन्तस्सूतसो मायाध्वाराइ ।

तू काच् च य टा श

हूवाइ । हूवेभरन्नाकारिणामिळाभा ओइळा ॥१५॥

चा श चू टी खण प प्ला

तरोभिर्वोविदाओद्वासूम् । इन्द्रंसबाधऊ

षी तु ची टा

तायाइ । बृहात्वृहाआउवा ।

ख ण श चा ता टि

गायन्तास्सूतासोमेआध्वारे हूवे

चि चि चा चा का

होइभारान्नाकारिणामिळाभा । ओइळा ॥१६॥

टि त चा टी खण् प प्ला

॥कालेयानित्रीणि ॥

तरोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रंसबाधाऊ

टा खी शा ची ट

तायाओवा ओवा । बृहत्गायन्तः

चा क ख शष् ख ण पु

सूतसोमायाध्वाराओवा ओ

कि च य टा ख शष् ख

वाहूवाइभरन्नाकाराइणम् । ओवा । ओइळा ॥१७॥

ण चू क ख णा ख शष् ख शा

तारोभिर्वोविदाद्वसूम् । इन्द्रं सबा

टी खा शा चा काच्

धाऊताया । औहोवा औहोवा

काय ट ट त टा त त

बृहत्गायन्तस्सूतसोमायाध्वारा औहो

पु चि क य टा ट त

वा औहोवा । हूवाइभारा औ

टा त त चा या ट ट

होवाऔहोवा ।नाकारिणामिळाभा ।ओइळा ॥१८ ॥

त टा त त चा टी खण् प शा

तरोभाइर्वोवीदद्वसूम् ।इन्द्रंसबा

खु छी क चि

धऊ तायाइबृहात्गायान्तासूतासोमेआध्वाराइ ।हूवा

काच्क प छि ता प णि फा त त श चा

इभरौवाओवा ।नकारिणां ।होइळा ॥१९ ॥

किख ख ण छी छ शा

॥ऐषिरेद्वे ॥

तरणिरीत् ।सिषासाती ।वाजांपुरा

ती खि ण क च चा

न्धियायुजा ।आवाइ न्द्रम् ।पुरूहू

ता टा टा ख ण

तान्नमे गाइराः ।नाइमिन्ताष्टे ।वासुद्रूवा म् ॥२० ॥

ची का टि टि ख ण क टिख्

ताराहाबु ।णीरित्सीषासतीहायाइहा

ता त श ची कु

याइ ।वाजंपुर न्धियायुजौ ।

ति श चा काच् चा य ट

होवाहाइ ।आवइन्द्रंपरुहूतन्नामाइ

ता त श कू था का

गाइरौहोवाहाइ ।नेमिन्तष्टे वा

या टा ता त श चा काच्

साऔहोवाहाऔहोवा ।द्रूवम् ॥२१ ॥

चा क खि शि ख श

॥गौशृङ्गेद्वे ॥

तरणिरित्सीषासतीवाजम्पुरन्ध्यायूजा ।

फू ता प फ्ली ड श

वाजंपुर न्ध्यायूजावाइन्द्रां पुरुहूतन्नमे गाइराः ।नेमाइन्ताष्टेवसूद्रू वामिळा

षी टी खा फूहूत ता क टि त चि टि

भा ।ओइळा ॥२२ ॥

खण् प प्ला

तरणिरित्सीषासतीवाजंपुरन्ध्यायूजा ।

फू ता प फ्ली ड श

वाजंपुरन्ध्यायूजावइन्द्रपुरुहूतन्माइगाइराहोवाउउवोइ इ ।नेमिन्ताष्टेवसाउवाओबा

षै टे कु त ची श चू का प प्ल

द्रूवां ।हाइ ॥२३ ॥

प्ला शा

॥प्रष्ठमेकम् ॥

पिबा सुतस्यरसिनाः ।मत्स्वानइन्द्रगोमता ।

ताच् चू षि दु

होइया ।आपिन्नोबोधिसधमाद्येवृधा

क चा क षी कि टि

होइया ।अस्मंआवा ।न्तूताइधा याः ।ओइळा ॥२४ ॥

क चा टि त टीट् खण् प प्ला

॥शुक्लएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोहाबु ।मत्स्वानइ

तु त श ची

न्द्रागोमातोहाउवोवा ।आपिन्नोबो

टि खी श क कि

धीसाधमाद्येवार्धेहाउवोवा ।अस्मंआव
 की टा खीश ची
 न्तूतेधायोहाउवोवा ।ई ॥२५॥
 टि खीश ख

॥जमदग्रेरभिवर्तएकम् ॥

पिबासुतस्यरसिनोमत्स्वाहाबु ।नाइन्द्रा
 षी तू त श टा
 गोमतोहाबु ।आपिन्नोबो धी
 टि त श क किच्चक
 सधमाद्येवृधाहाइ ।अस्मंअवाहान्तु
 टि टि त श चा चा
 तेहोयाओहोवा ।धियऊ ॥२६॥
 टिट ख शि खि

॥कौन्मुलबर्हिषेद्वे ॥

तूवां हाएहिचेरवाइ ।वीदाभागंवसूक्ताया
 णाफ् ख शू दू पा
 उद्गावृषस्वमाघवान् ।ऐहाइगाविष्टयाइ ।
 शृ क टि चि श
 ऊदिन्द्रोअश्वमाउवाओबाष्टायो ।हाइ ॥२७॥
 षि कु प छि शा
 त्वंहेहीचेरावाइ ।वीदाभागंवसूक्ताया
 तु त श यू पा
 उद्गावृषस्वमाघवान् ।आइहीओइ गविष्टयाइ
 शृ च चि श टी श
 याइ ।ऊदिन्द्रोआश्वमीओंओंओवाष्टायो ।हाइ ॥२८॥
 टि चि त च ख ण्ण शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

नहिवाश्चरामन्वाना ।हुवेहोवाइ ।

ची प्ली टा काश

वसिष्ठःपराइमांसाताइ ।अस्माकामद्यामरू

षि यी टा श षु

तास्सूताइसाचा ।वाइश्चेहोइपिबा

टि खि ण कि की

हो न्तूकामा इनाऔहोवा ।जनित्रा म् ॥२९ ॥

कथ् टिट् खा शि त टाख्

नहिवाश्चरामञ्चनावसिष्ठाः ।होइहोइ पराइ

फू खा कि षी

मांसाताइ ।आस्माकामाद्यामरूतासुताइसाचा ।वाइश्चेपीब न्तू

यी पा श फा फा फा फा खि ण कि टाच् क

कौहोमाइनाऔहोवा ।जनित्रा म् ॥३० ॥

ट त टट् खा शि त टाख्

॥मैधातिथम् ॥

माचिदन्यदोहाइ ।विशांसाता ।

तु त श खि ण

साखायो होइमाऔहो ।राइषाउवा

टिच् य पि श कि का

ण्याताउवा ।इन्द्रमित्स्तोतावृषणाऔहो ।

का का षु पी श

साचाउवासूताउवामुहूरुत्थाऔहो ।

का का का का पु श

चाशाऔहोवाहोबांसातो ।हाइ ॥३१ ॥

कि काख ष्ठ प्ला शा

द्वितीय खण्डः

॥वैखानसम् ॥

नकिष्टाङ्गार्म्माणानाशात् ।यश्चकारा सदा वृधांसदावृधाम् ।इन्द्रा
 खी प्ली खी काच् क प प्ला ता क च
 न्नयाज्ञैर्विश्वागू र्तामृ भ्वासान्तामृ भ्वासाम् ।
 चा की का पा फा ता
 आधारिष्टन्धाष्णुमो जासाष्णुमोजसा ।ओइळा ॥१ ॥
 चु काच् पा प्ला खण् प प्ला

॥प्राकर्षम् ॥

नकिष्टङ्गार्म्माणानशद्धोइ ।यश्चकारा सादावृ
 षू ति श खी
 धाम् ।आइन्द्रान्नायाज्ञैर्विश्वागूर्तामाभ्वासाम् ।
 प्ली टि टा यू टा
 आधृ होष्टान्ध्र हाओवा ।ष्णुमो ।जासा ॥२ ॥
 टाच् खि शि ता ट ख

॥सात्यम् ॥

याक्ताइचीदाभीश्रीषाः ।पुराजात्रू
 खु प्ली टा टा
 भ्याआतृदाहोवाहाइ ।सन्धातासा
 ची टा त श टा टा
 न्धाइमाघवापुरोवासुहोवाहाइ ।नाइष्काटि
 टु चि टि त श
 र्तावीहुतम्पूनाहोहाओहोवा ।ऊपा ॥३ ॥
 टा कि टा ख शि ख श

॥भारद्वाजानिचत्वारि कण्वब्रह्मद्वितीयम् ॥

आत्वासहा ।सामाशाताम् ।युक्तारथे
 ती चा य ट चा काच्
 हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।हारयइ न्द्राका
 ची का य ट किच क्य
 इशाइनाः ।वाहान्तूसो ।मापा
 या टा काय ट ट ख
 औहोवा ।ताये ॥४ ॥
 शि ख श

औहोआत्वासाहाए ।सामाशातांहाहाइ ।
 षा ती त चा य प प्ल ड श
 युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो
 का का कीच् का य प
 हाहाइ हारयइ न्द्राकाइशाइनाः
 प्ल ड श कीच् का या प
 हाहाइ ।वाहान्तूसोहाहाइ ।
 प्ल ड श चाय प प्ल ड श
 मापीतायाउहुवाहाबु ।बा ॥५ ॥
 का प प्ली प्ल श श

आत्वासहस्रमाशतमा ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्म
 षू ति
 यूजोहरयइ न्द्राकेहाशाइनाहाउवा ।वाह
 षो ची टि टि ति
 न्तुसोमपौहोहिम्मा ।तयाओबा ।ऊ ॥६ ॥
 ची का त टा ता प प्ल ख

आत्वासहस्रमाशतामात्वासाहा ।सामाशतमा
 फ खा शी टु

इहियोहाइ ।युक्तारथे हिरण्यये ब्रह्मायूजो ।आइहियोहाइ ।हारय
 खिण श चा का कीच् का य ट ट खिण श
 इ न्द्राकाइशाइनाआइहियोहा
 कीच् का या टा ट खिण

इ ।वाहान्तूसोआइहियोहाइ ।मापीताया इ ।ओइळा ॥७॥

श चाय ट ट खिण श टि खण् श प प्ला

॥वाम्राणित्रीणि ॥

आमन्द्रैराइन्द्रहरिभाइः ।याहीमयू रारोमाभाइ र्मात्वाकाइचीत् ।नीयेमू र्वी ।नापाशिनोतीधन्वे वातंआइ

ती तु श क किच् क क पा श कि शा खि श क चि टिच् क ट ट

हाऔहोवा ।वायाः ॥८॥

खा शि ख प्ला

आमन्द्रैरिन्द्रहरीभाइः ।याहीमयू रारोमभाइ र्मात्वाकाइचीत् ।नीये मुर्वी

तू ता श क चि क षि टी ता का का

न्नापाशाइनाः ।आताइधान्वे ।वातंआइहाऔहोवा ।वयोभीः ॥९॥

क टा ता टी तच् क ट ट खा शि ता ख

आमन्द्रैरिन्द्रहरीभीः ।याहिमयू रा

तू ता क चि क

रोमभीराउवा ।मात्वाकेचिन्नियेमुर्विन्नापाशिनोउवा ।आतीधन्वेवतंआउवा ।ई हि ॥१०॥

शू टाच् क कु टू टा चा ता टि ख श

॥गौङ्गवम् ॥

त्वमाङ्गाप्राशंसीषाः ।दाइवाश्शविष्टमार्कृतायम् ।नत्वादन्योमाघव न्नास्तिमार्धाइता ।आइन्द्रा बृवाऔहो ।मीतो

खि प्ली चि खु ण ची चिट खि णा खि श पा श क प

बावाच्यो ।हाइ ॥११॥

प्ला प्ला शा

॥साध्राणि त्रीणि ॥

त्वमिन्द्रा ।याशायसीऋजीषीशवा

ति ची का चि

सस्पताइ । त्वं वृत्राणीहं स्या । प्रातीनाये

चि श ती ता कीच्

काईत्पूरूरानू । होक्ताश्चार्षाणा

कि भ टा टि टट्ख

औहोवा । धार्कृतिः ॥१२॥

शि ख ण्

त्वमाइन्द्रा याशायसाइ । ऋजाइषीशावासा । स्पातिः । त्वं वृत्राणी

खी णी श क कि ट खाणफण् ख श क कि

हं स्याप्रातिन्येकाई त् । पुरूरानाउवोवा । क्ताश्चाउवोवार्षणाइधृतिः । होइळा ॥१३॥

चा चा श चा भी खा श टा खा श ण् ण् शा

हाबुत्वमिन्द्रा । याशायसीहाबु ऋजीषीशा

तु खि शि खि श

वासस्पातीर्हाबु । त्वं वृत्राणीहं स्याहाबुप्रातीनाये । काईत्पूरूर्हाबु

खि शि क का भी श खि ण पि ण् ङ श

आनुक्ताश्चार्हाबु । षाणाऔहोवा । धार्कृतिः ॥१४॥

पि ण् ङ श ट ख शि ख ण्

॥विरूपस्य समिचीन प्राचीनेद्वे ॥

हाबुत्वमिन्द्रायाशायसीहोइहोइहोये

तु चा का पू

हाबुहाबुहाबु । ऋजीषीशवासस्पाति

शू का चि चि

होइहोइहोयेहाबुहाबुहाबु । त्वं वृत्राणि

पू शू की

हं स्याप्रातीन्येकाई त्पूरूर्होइहोइ

चा चा श चा का

होयेहाबुहाबुहाबु । आनुक्तश्चर्षाणिधृतीर्होइहोइहोयेहाबुहाबुहाउवा । स्वर्महाः ॥१५॥

पू शू कू चक पू ण् शा क टाख

होत्वमिन्द्रा । याशायसीहोयेहो ।

ती चा का टाख

ऋजीषीशवासस्पातिर्होयेहो । त्वं

का चि चा ट टाख

वृत्राणीहंस्याप्रातीन्येकाई त् । पुरुर्होयेहोआनुक्तश्चर्षाणिधृतीर्होयेहोहाउवा । स्वर्मयाः ॥१६॥

की चा चि चा का टाख षि टु टाख ति क टाख

॥यौक्तास्रजमिन्द्रस्येन्द्रियंवा ॥

इन्द्रमिद्देवता । तायाइन्द्रप्रायातीयध्वाराइ ।

तू कू टि त श

आइन्द्रासमीकेवानीनोहावामाहाइ । आइन्द्राधानास्यसोबा । ताये ॥१७॥

टि का ची टि त श टि पी प्ल ख श

॥आत्राणित्रीणि ॥

इमाउत्तवापुरोवसोगिरणगिराः । वार्धन्तुया

षू तु ता की

ममा । पावकवर्णाश्शुचयोवीपा । हिंहिंश्चाइताः । आभिस्तोमै रनू हूवाएहोवा । षाताऔहोबा । होइळा ॥१८॥

टा तु पी श ट खा णा की टाच् काक टा क टा ख प्ल प्ल शा

इमाउत्तवापुरोवसोहाबु । गीरोवर्ध

षी तु श चा का

न्तुयाममा । इहाहाहोइहोवा । पावाकवर्णाश्शुचयोवीपश्चीतो ।

च य टा ता त च खा श थ की कि ची

आभिस्तोमै रिहाहाहोइहोवा । आनू

की ता त च खा श

षा ताऔहोवा । ऊपा ॥१९॥

टिट्ख शि ख श

इमाउत्तवापुरोवसाबुगाइरोवर्धन्तुयामामा । पावाकवर्णाश्शुचयो वीपश्चिताऔ

फू ता पा फू ड श थ की टिच् भू

हो । आऔहो । आभिस्तोमै रनू हूवा

त टा त ची टाच् का

एहोवा ।षाताऔहोबा ।होइळा ॥२० ॥

ट का टि ख ळ ळ शा

॥वासिष्ठानित्रीणि ॥

उदुत्येमा ।धूमक्तमागाइरास्तोमा ।साईरताए ।सात्राजाइतो ।धानासा

ती क टि खी ण क भी खि शा खि

या ।क्षीतोतयोवाजायान्ताः ।रथा

ण क टि खि ण

आइवा ॥२१ ॥

खि त्रा

उदुत्येमाधुमाक्तमाः ।गीरस्तोमासयाईरा

फी की टू टा

ताइ ।सत्राजितोधनासायाक्षितोतायो ।

शा टू की टा

वाजयन्तोरथाआउवा ।ई वा ॥२२ ॥

तू ति ख श

हाउदुत्येमधूमाक्तमोहाइ ।गाइरस्तोमा

त फू खा शा च टी

सया इ ।राते ।सत्राजितोधना

खाणफड्ड श ख श कू

सायाक्षितोताया ।हावाजयन्तोरथाइवोहा

की खा त फू खा

इ ।वाजयन्तोरथा ई वाऔहो

शा की ताच क टा ख

बा ।होइळा ॥२३ ॥

ऴ ऴ शा

॥वत्सस्यकाण्वस्य सामनीद्वे गौतमस्यवामनार्ये ॥

Thisisthecurrentswaraposition ।

याथागौरोअपाकृताम् ।तृष्यन्येतीयावेराइणाम्

पि शु की टि ता

आपित्वेनप्रपित्वेतु यामागाही ।कण्वे

क षि ची टि त टाच्

षूसूसाचाऔहोवा ।पीबा ॥२४ ॥

क टाट्ख शि ख श

ओवायोवायाथा ।गौरोआ

खि शि था च

पाकृतामोहाहाइ ।तृष्यन्नेती

का खाप्ल त श ची

यावाइरि णामोहाहायापी

चा शा खाप्ल खाण

त्वेनप्रपित्वेतूयामागहिओहाहाइ ।

चूक च शाख प्ल त श

कण्वे षूसूसाचाऔहोवा ।पिबा

टाच्2 क टाट्ख शि ता

ई ॥२५ ॥

टस्

तृतीय खण्डः

॥हारायणानि त्रीणि ॥

शग्ध्यूषू ।शाचाइपाता ।ईन्द्रा ।

ति चीक ख श

विश्वा भीरूतीभाइर्भागम् ।नहित्वायाशा

थाच् की खाश ची

संवासूवाइद म् ।आनूशू रा

चा का ख शा टिट् ख

औहोवा ।चरामसी ॥१॥

शि टा खा

शगध्यूषौहोशचीपताइ

फी की श

आइन्द्रंविश्वाभीरूतीभीर्भगान्नाही ।त्वायाशासं

षू टू त चा का

वासूहाइवाइदाम् ।आनूशूरचराउवाका)ओबामासो ।हाइ ॥२॥

टात टी षू प प्ल प्ला शा

शगध्यूषुशाचीपताइशगध्यूषू ।शाचाइपाता

फु खा शी टु

इहिमाहाइ ।आइन्द्रंविश्वा भीरूतीभीराइहिमाहाइ ।भागन्नहीत्वायाशासं

खिण श कुच का टि खिण श षी कीच्

वासूवीदामाइहिमाहाइ ।आनू शू

का टि खिण श चाय

राइहिमाहाइ ।चारामासा इ ।ओइळा ॥३॥

ट खिण श टि खण् श प शा

॥वाम्राणित्रीणि ॥

यायाहोइ न्द्रा ।भूच)जाआभारा ।

ता खा श का य ट

सुवाहार्वयासूराइभायाः ।स्तोता

ता चि का या ट टा

हा रामिन्मघवन्नस्यावार्धाया ।याइचा

तच् क चू य टा टि

हाइ ।त्वेवृ क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥४॥

त श चा टि खाण प शा

याइन्द्रभुजाआभाराः ।स्वर्व आसूरे

टू त त थाच् ट टा

भाया ।हाहोहाइस्तोता रामाइन्माघव त्रास्यवार्धायाहाहोहा

ख श खा ण श थाच् ची का टि ख श खा ण

इयेचत्वाइवृहाहोहाइ ।

शक का ता खा ण श

क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥५॥

टि खाण् प शा

याइन्द्रभुजआभरउहुवाहाइ ।स्वर्व आ

षु तू त श थाच् ट

सुरे भ्याउहुवाहाइस्तो

टा च टि त शक

तारमिन्मघवन्नस्यवार्धाया उहुवाहाइयेचत्वाइवृ उहुवाहाइ ।क्ताबर्हाइषाः ।ओइळा ॥६॥

षू यि टाच् टि त श च टा ताच् टि त श च टा खाण् प शा

॥वरुणसामानित्रीणि ॥

प्रमित्रायप्राहाबु ।आर्यम्नाइसचा

तु त श ट चा टि

हो धियौहुवार्तावसाबु ।वरौहो

कथ् टा टि चा श टाकथ्

धीयौहूवाइवरूणेछान्दीयंवचाः ।स्तोत्रां

टा षि कु चि टा

होइराजौहूवासूगायाताआउवा ।ऊपा ॥७॥

टिट कि टि टि ख श

प्रमित्रायप्रौहोवा ।अर्यम्णाबुहो औहोवा

तू त कुच् क का

साचाथ्यमृ तावासाबुहो औहोवावारूथ्येवरूणेछन्दीयंवाचाबुहो औहोवा

की चा किच् क का चू क कि किच् क का

स्तोत्रंराजाबुहो औहोवा ।सूगायाताबु

क का किच् क का

हो औहोवाः ।ओइळा ॥८॥

किच् क पाण् प शा

प्रमित्राय प्रार्यन्तोवाओवासाचाथ्यमृ तावासाबु । वारूथाया । इवरूणे
 षी ति ता त चा या ट श ट त ट त कीच्
 छन्दायांहाइवचोआ । स्तोत्रंरा
 क टा त टि त क का
 जसुगायतस्तोत्राम् । राजसूगौहोओबायातो । हाइ ॥९॥
 चि टि त कचकट त प प्लु शा

॥वषट्कारनिधनञ्च साकमश्वम् ॥

अभित्वापूर्वपीतयेआभीत्वापू र्वापीतयाइ ।
 पु फु खा प्ली श
 इन्द्रास्तोमै भिरायवोभीरायावाओमोवा । समीचीनासाक्रुभावासमास्वरान्सामास्वरानोमोवा । रुद्रागृण न्तापू र्वाया न्तापू र्वायामो
 थीच् का चा काय ट कि षी ची का टा चाय ट कि चा काच् का टाच् चाय ट
 मोवाओहोवा । ऊपा ॥१०॥
 का ख शि ख श

॥बृहतश्चमारूतस्यसाम ॥

प्रवइन्द्रायब्रहतेप्रवाः । इन्द्रा । याबृ हाते
 पु तु थाच् चाय ट
 ओमोवा । मरूतोब्र ह्याआर्चाताओमो
 कि ची काय ट
 वा । वृत्रंहानातीवृत्र हाओमोवा ।
 कि टी चिट कि
 शाताक्रातु र्वाञ्जे । णशाहाहा । तपार्वणा । होइळा ॥११॥
 कीख ण ता त त प्ली प्लु शा

॥संश्रवसे वीश्रवसे सत्यश्रवसे श्रवस इतिवार्यानां सामानिचत्वारी सांशानानिवा ॥

सन्त्वाहिन्व न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा

चा थाच् का या टा टी का थाच्

यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामा

काय ट टा ची काय ट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धा

टा चि कुच् काय ट

वार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाहिन्वन्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

टा का थाच् काय ट टा चा था टी टि खा शि

संश्रवसे ॥ १२ ॥

च खि

सन्त्वारिण न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।स

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट टा ची काय ट टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा

वीश्रवसे ॥ १३ ॥

च खि

सन्त्वाताताक्षुर्धाइताइभीस्ताइभिः ।बृहादिन्द्रा

का चा का या टा टि का थाच्

यागायातायाता ।मरूतोवृ त्राहान्तामा

काय ट टा ची काय ट

न्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाताताक्षुर्धाइता इभीस्ताइभाऔहोवा ।सत्याश्रवसे ॥ १४ ॥

टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा चा टख टि खा शि चा टिख्

सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभीः ।बृहादिन्द्रा यागायाता

कीच् का या टा टी का थाच् काय ट

याता ।मरूतोवृ त्राहान्तामान्तामाम् ।येनज्योतिरजनय नृतावार्धावार्धाः ।देव न्देवा याजागृवीङ्गवीम् ।सन्त्वाशिश न्तीधाइताइभीस्ताइभाऔहोवा ।

टा ची काय ट टा चि कुच् काय ट टा का थाच् काय ट टा कीच् टी टि खा शि

श्रवसे ॥ १५ ॥

टिख्

॥वासिष्ठानि त्रीणि भार्गवं वा तृतीयम् ॥

इन्द्राऔहो ।क्रतु न्नाआभारा ।

भि त चा का य ट

पिताऔहो ।पुत्रे भीयोयाथा ।शिक्षा

भि त थाच् का य ट

औहो ।णोअस्मिन्पुरूहूतायामानी ।

भि त कू का य ट

जीवाज्योताऔहोवा ।अशीमही ॥१६ ॥

टि ख शि खी

इन्द्रक्रतु न्नआभरा ।पितापुत्रे भीयोयथाशाइक्षाणोआ ।स्माइन्पुरूहू ताया

फी की की षी टी त क की च य

मानी ।औहौहूवाऔहोवा ।

टा ट ट कि त त

जीवाज्योयातीः ।अशीमाहाइ ।ओइळा ॥१७ ॥

टि त टि ख ण प प्ला

इन्द्रक्रतु न्नआभराउवोवा ।पितापुत्रे

फू खी श खा

भीयोयाथा ।हापितापुत्रेभियोयाथा ।

चा प्ला त चू क प

हाबुशाइक्षाणोआस्माइ न्पुरूहू तयामानीहाबुजीवाज्योतीः ।आशोवामाहो ।हाइ ॥१८ ॥

शू का कि चा पा शू क प छि शा

॥स्ववस आज्ञीकस्यसामनीद्वे ॥

मानइन्द्रा ।परावार्णाश)त् ।भावानस्साधमा

ती पि यू

दीयाः ।त्वन्नऊतीस्त्वमिन्नआपीयाम्

प श षी यु प श

मानइन्द्रा परावृ णाआउवा ।ऊपा ॥१९ ॥

की कि त टि ख श

मानइन्द्रापारावृणान्मानइन्द्रा ।पारावा
 फू खा शी टि
 र्णात् ।भावानस्सधामादायाः ।त्वन्नऊती
 त कु टा त टी
 स्वामिन्नाआपियाम् ।मानाइन्द्रापारावा
 टि चि ता ता टि
 र्णाआत् ।ओइळा ॥२० ॥
 ख ण प शा

॥काण्वम् ॥

वयङ्गात्वासुतावन्ताः ।आपोनवृक्ताबार्हिषाउवा ।पावित्रस्याप्रस्नावाणाइ ।
 खि शु कु ट का ता ची चा चा श
 षूवृत्राहान् ।पारीस्तोतारआसाता
 टि त ट त की प त्र
 इ ।आर्ष ॥२१ ॥
 श च श

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

औहोवाइवयङ्गात्वासुतावन्तऔहोवा ।
 षू तू त
 औहोवायापोवृक्तबर्हिषःपवाइत्रास्या ।
 षे पी श
 प्रस्नवणेषुवात्राहान् ।औहोवा ।
 यू प श ता त
 औहोवाइपरिस्तोरआसतेपराइस्तोता ।रआसाताऔहोवा ।होइळा ॥२२ ॥
 षो टी त का क टा ख ण्ण ण्ण शा
 वयङ्गत्वोहाइसुतावन्तोवा ।आपोनवृक्ताबार्हाइषाहोवाहाइ ।पावित्रस्य
 ती तू त कु च य टा टा त श की

प्रस्रवणे षूवात्राहान् ।होवाहाइ ।

कीच् काय ट टा त श

पराइस्तोताहोवाहाइ ।रआसा

चा या ट टा त श टिट्

ताऔहोवा ।दीशाः ॥२३ ॥

ख शि ख श

॥काण्वञ्चैव ॥

औहोहोहाआइहिवायाम् ।घात्वा ।

ता त तु त ख श

सूतावान्तो ।आपोनावृक्ताबर्हि

खि श खि ण क

षाए ।हायाइहि ।पावित्रास्या ।

कि क खा शा खि श

प्रस्रावाणे ।षूवृत्रहानैहायाइही ।

खि ण क कि खि शा

पारीस्तोता ।रआसाताइ ।आभि ॥२४ ॥

खि ण खि त्र श ख श

॥श्रुष्टिगवञ्च ॥

ओहाइयदिन्द्रनाहुषीषू वा ।ओजोनृम्णाञ्चाकृष्टिषु ।ऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।यद्वापञ्चाक्षितीनामैही

त षू तित टा टा क चि ट शी क थच् चि श टा टा टा श टा

ऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।द्युम्नमाभ

ट शी क थच् चि श

राऐहीआइहीहोवा उउवोइ ।सात्रावाइश्वा नीपौंस्याऐहीआइहीहो

कु ट शी क थच् चि श टा टिट् का टि कि क

वा उउवो याऔहोवा ।ऊपा ॥२५ ॥

थच् टिट् ख शि ख श

चतुर्थ खण्डः

॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

सत्यमित्थावृषाइदसाइ ।वृषजूतिनोर्विता
तू ति श षु टा

वृषाह्युग्राशाण्विषाइपरा वाताइ
चा चा य टा कि चा श

वृषोआर्वा ।वाताइश्रुताः ।ओइळा ॥१ ॥
टि त टीख प शा

॥द्वैगतेच ॥

यच्छाक्रासीपारावाती ।यादर्वावा तीवा
खी प्ली टीच् का

त्राहान् ।अताऔहोवा ।स्त्वागीर्भि
य ट ता ट त त टि

द्युगदिन्द्राकेशीभीः ।सूतावंआआ
कि या टा चा ट ख

औहोवा ।एविवासती ॥१ ॥
शि त टा खा

यच्छक्रासिपरावतियदोवा ।अर्वा वाताइ
षी तू त थाच् का

वात्राहान्नतास्त्वगाइ ।भाइद्युग
या पा खा ता श क

दिन्द्राकेशीभीः ।सूतावं आऔहोवा ।विवासती ॥२ ॥
की या टा टा ट्ख शि टा खा

॥कार्तवेशञ्च ॥

आभीवोवीरमन्धसा ।मदे षुगायागी

षु ति काच् क टा क

रामाहावीचेतासम् ।इन्द्रन्नामाश्रुत्यं

टि काख ण ती का

शाकाइनामौहोवा ।

टा खा शि

वचो ।ऊपा ॥३ ॥

ता ट ख

॥इन्द्रस्यच शरणम् ॥

इन्द्रत्रिधातुशारणाम् ।त्रीवरूथंस्वस्तया

फी शी पी चि

इछर्दिर्याच्छा ।माघवत्भ्याश्चामह्या

टी त की क टा

ञ्चायावयादी ।द्यूमे भ्याऔहो

त क टा त का टा ख

वा ।होइळा ॥४ ॥

लू लू शा

॥श्रायन्तीयञ्च ॥

श्रायन्तईवसूओरायाम् ।विश्वाइदिन्द्रा

षू तात टा टि

स्यभाक्षातावासूनिजातोजनिमा नीयो

टा टा की कीच् का

जासा ।प्रातीभागन्नादीधीमःप्राती ।

य ट कि कि टि त

भागान्नादाहिम् ।धिमाओबा ।हे ॥५॥

पि शा ता प छ ख

॥आक्षीलन्चबाभ्रंवा ॥

नसीमादेवायाहाहाइ ।पा

चि क फ छ त त श प

तत्पतोवा ।इषंहो ।इदीर्घाहोयोमा

शी टि भी च य

र्कृत्याः ।आइतग्वाची ।द्यायाइताशो

ट टी त का कि

यूयोउवा ।ऊपा ।जाताआइन्द्रो

की ख श टा टि

हारी यूयोजाजाताओहोवा ।

टाच् क टा ट ख शि

उऊपा ॥६॥

खा श

॥शौक्तानि त्रीणि शुक्लानिवा आश्वानिवा ॥

आनएविश्वा ।सुहाओव्याम् ।आइन्द्रंसमात्सूभूषाताऊपा हाहाइ ।ब्रह्माणीसवनानीवृत्रहान्पारामाज्याः ।आर्चा

तु टा टा कू कि ख श छ त त श का ची ची क टा त टा

हाइ ।षामाओहोबा ।होइळा ॥७॥

त श क टा ख छ छ शा

आनोविश्वासुहाहाव्याम् ।इन्द्रंसमात्सू

तू त त क की

भूषाताऊपब्राह्मा ।णीसवनानिवृत्रहान्

कि टि त ची ची

पारमाज्याः ।आर्चाहाइ ।षामा

क टा त टा त श क

औहोबाहोइळा ॥८॥

टा ख ष्ट ष्ट शा

आनोविश्वासुहाव्याम् । इन्द्रंसमात्सुभुषाता

तू त षु चि

ऊपाब्राह्मणीसवनानिवृत्रहान्पारा

काय ट षु चि का

माज्याः । ऋचिषामा । ओइळा ॥९॥

य ट टि खण् प शा

॥प्रजापतेर्निधन कामम् ॥

तवेदिन्द्रावमंवसू । त्वंपुष्यसिमाध्यामंसा

फी की कु

त्रावाइश्वा । स्यापरामस्यराजसी

टी ख णा क षु का

नकिष्ट्वागो । षूवृण्वाताइ । हो

खिण ट टा त श

वाहोइहोवा हा बु । बा ॥१०॥

टा च टिच् कच् श ख

॥गौतमस्यमनार्याणित्रीणि ॥

क्वेयथा । क्वेदसाऔहोवाऔहोऔ

ति क टा कि कि

होवा । पुरूत्राचाइद्धिते मना

ख श का का कि टा

औहोवाऔहोऔहोवाआलार्षीयूध्मा

कि कि ख श का कि

खजक्रत्औहोवाऔहोऔहोवा । पुर

शि कि कि ख श का

न्दराप्रगायात्राऔहोवाऔहोऔहोवा

की टा कि कि ख श

अगासाइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥११ ॥

ता ट खा शि टा ख

कूवाकूवा ।ईयाथाक्केदसाउवाऔहो ।

ती की शा टि त

पुरूत्राचाइद्धिते मनाउवाऔहो

की कि का टि त

आलार्षियूध्माखजकृत्तुवाऔहो ।

का कि शि टि त

पुर न्दराप्रगायात्राउवाऔहो ।अगा

का की टा टि त ता

साइषू औहोवा ।प्सूशंसाः ॥१२ ॥

ट खा शि त ट ख

क्केयथा ।कूवाइदासी ।पुरूत्राचीद्धीता

ति पी ण ती चा

इमानाः ।आलार्षियूध्माखजकृद्धाउवा ।

पा ण कु टि ता

पूरन्दारा ।प्रगायात्रा अगासा

पि ण का टाच् काट

इषू औहोवा ।प्सू । ॥१३ ॥

खा शि ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

वयमेनाम् ।आइदाऔहोवा ।हीयो

ती ट खा शि ख श

अपीपेमेहावज्जिणन्तास्माऊआद्यसवना

चा था कू टा षी

इसूतांभारा ।आनूनांभू ।षाताश्रुताइ

यि टा क टा त का

ळाभा ।ओइळा ॥१४ ॥

टी खण् प शा

वयमेनाम् ।इदाहायाः ।आपौहोइपे

ती टा टा कु

मौहोइहावज्जिणांतस्माऊआद्यासवनाइसू

की चि था कि कु

तंभरा ।आनौहोनांभौहोषाताश्रुताआउ

शि क कि कि कि

वा ।ऊपा ॥१५ ॥

टि ख श

वयमेनामिदाहीयाउवोवाइयाहाइ ।हुवेहोवा

फु खी शु की

यपिपेमेहावाज्जीणां ।तस्माऊआद्यसवनाइसूतांभा

यू टा पु यू

राइया ।आनूनांभू षाताश्रू

टाटत क था तच् का प

ताइ ।श्रावासाइ ॥१६ ॥

त्र श च ट ख श

पञ्चम खण्डः

॥पौरूहन्मनञ्च ॥

योरजाचार्षाणाइनाम् ।यातारथे भीरा

खी प्ली कीच् का

ध्राइगूःध्राइगूः ।वाइश्वासान्तरूता

य टा टि टी टि

तारूतापार्तानानाम् ।ज्याइष्ठायोवात्राहागार्णाइ ।त्रहागृणाइ ।होइळा ॥१ ॥

टि का ख ण टी कि ख ण श प्ली श म् शा

॥प्राकर्षञ्च ॥

योरजाचक्रषाणाइनाम् ।यातारथे भीराघ्रा
 तु खा शा की टि
 इगूः ।विश्वासान्तरुतापृतनानाम् ।ज्याइ
 ता षू टि त ट
 छाय्योवृ त्राहाउवा ।ओबागार्णो ।हाइ । ॥२ ॥
 ता का की प छि शा

॥इन्द्रस्यचाभयङ्करम् ॥

यतआन्द्रा भायामहाइ ।तातो नो
 खी ल्ली श कि
 अभायङ्कार्दधी ।माघवन्शग्धितवत त्राऊता
 टि त षु कि टि
 याइ ।विद्वाइषोवी ।मार्धो
 त श टी त का
 जहिइळाभा ।ओइळा ॥३ ॥
 टी खण् प शा

॥कावर्षेद्वे ॥

वास्तोष्पताइ ।ध्रूवास्थूणाउवोवा ।
 ती श टी खा श
 अंसत्रं सोम्यानाम् ।द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वता
 किच्क टा षू टि
 इनामाइन्द्रा ।मूनीनांआउवा ।साखा ॥४ ॥
 खि णा कि टि ख श
 वास्तोष्पतेध्रूवास्थूणांसत्रंसोम्यानाम् ।
 फू त प छि ड श

द्रप्सःपुरांभेक्ताशश्वताइनाम् ।आइन्द्राः ।

षू टि ता ट ता

मूनीना म् ।साखा ॥५॥

टा खणफळ् ख श

॥सूर्यसामच ॥

बण्महं असिसूर्या ।बाळादित्या माहं आ

खि शी कीच् काय

साई ।माहस्तेसातोमाहिमापा

प ण णि फा फा प्ला

नीष्टामा ।मन्हादाइवा ।माहो

प त त टि ता क प

बाआसो ।हाइ ॥६॥

प्ल प्ल शा

॥नैपातिथेद्वे वाशेवा ॥

यदिन्द्रप्रागपात् ।ऊदान्याग्वाहूयासेनृभाइः

तू का कु टा श

सिमा पूरून्पूतोअस्यानवे ।आसी

टाच् चा थि टी टा

प्राशा द्धातोबार्वाशो ।हाइ ॥७॥

टाच् क प प्ल शा

यदिन्द्रप्रागपागुदागे ।नायग्वाहू यासाइन्पूभि

षी ती त कीच् क टी

हर्बाहोहाइ ।सिमा पूरून्पूतोअस्यानवे

खि ण श टाच् क च थि टी

हर्बाहोहाइ ।आसाइप्रा

खि ण श

शार्हाबुहोहाइ ।द्धातू औहोवा ।

दुच्च खि ण श ट्द ख शि

र्वाशे ॥८ ॥

ख श

॥कौन्मुदेद्वेस्वर्जोतिषीवा ॥

कस्तमिन्दूरा ।तुवावासाबु ।आमर्कृत्योदधर्षताइ ।श्रद्धाहाइतेमाघव
ती टा टा श षी ची श था टि कि

न्यार्याइदाइवी ।वाजीवाजांसीषासा

यी टा टा क टाद्

ताऔहोवा ।उऊपा ॥९ ॥

ख शि खा श

कस्तमिन्द्रात्वावसाबूआमत्तर्योदधर्षताइ ।

फु ता पा शृ

श्रद्धाहाइतेमाघव न्यार्याइदाइवाउवोवा

था टि कि टू खा श

वाजीवाजांसीषासाताऔहोवा ।उऊपा ॥१० ॥

था टाच्च क टाद् ख शि खा श

॥अनूपेद्वे ॥

अश्वीअश्वीरथी सूरूपायूः ।गो

ती काच्च काय ट क

मय्यदिन्द्राते साखाश्वात्राभाजावयसा

कि या टा टा टा चि

सचातेसादा ।चन्द्राइर्याती ।साभाऊ

टि त भी त प श ख

पो ।हाइ ॥११ ॥

प्ल शा

अश्वीरथीसुरूपायूः ।गोमय्यदिन्द्रातेसखा

तू त कि कि की

उवाहाउवाहोवा

टा टि क थ

इया ।श्वानाभाजावय

चा षी

सासचातेसदाउवाहाउवाहोवाइया ।चन्द्राईर्याती ।साभाऊपाइळाभा ।ओइळा ॥१२ ॥

कि कु टा टि क थ चा चा या त का टी खण् प प्ला

॥वैरूपञ्च ॥

यद्यावाइन्द्रतेशताम् ।शातंभूमीरूतास्यूः ।

पि शु की टि

नत्वावज्जिन्साहस्रंसूर्याआनू ।नाजातामा

षी कु टा टा टाच्

ष्टारोबादासो ।हाइ ॥१३ ॥

क प प्ल प्ला शा

॥वाचश्चसाम ॥

इन्द्राग्नीयपादियामे ।पूर्वागात्पद्मादाइ

षी ती त टि चि

भायाः ।हित्वाशिरोजिह्वायारारापाश्चरात् ।

या ट टी यू टा

त्रिंशत्पदान्याक्रामाऔहोवा ।उऊपा ॥१४ ॥

क टुट् ख शि खा श

॥आक्षीलेद्वे ॥

इन्द्रनेदीयण्दिहाइमितमेधा ।भिरूतिभिराश
 ष ती तु षी
 न्तामा ।शन्तमाभीराभिष्टिभिरास्वापे ।
 टा त कु टु त
 स्वाऔहो ।पिभिरो इळा । ॥१५ ॥
 पा श खि शा
 इन्द्रनेदीयण्दिहाइमितमेधाभिरूतिभाइः ।
 षी तृ षी ती श
 आशन्तमशन्तमाभाइराभीष्टीभीरास्वापाइ ।
 क टू यी चु श
 स्वाहा ।पिभिरो इळा ॥१६ ॥
 प श खि प्ला

षष्ठ खण्डः

॥गौरीवितेःप्रहितौद्वौ ॥

इतऊतीवोओजारामौहोवाऔहो
 ती त टा टा त टा त
 वा ।प्रहेता रामप्राहीतामौहो
 त थिच्च क मि टा त
 वाऔहोवा ।आशुञ्जेतारंहाइतारामौ
 टा त त कि थ टी टा
 होवाऔहोवा ।राथाई तममतूर्तान्तू ।
 त टा त त षि टू त
 ग्रीयावार्धाऔहोवा ।स्तुषे ॥१ ॥
 ता टट्ख शि ताच्
 इतऊतिवोआजाराम् ।प्रहे तारमप्राहिता
 षी ति त का षू

मुहुवाहोआशुन्जेतारं हेतारमुहुवाहोइ ।

टि का षी टू च श

रथितमामतूर्कतान्तू ।ग्रीयावा

का टा खि ण ता टट्

र्धाऔहोवा ।स्तोषाइ ॥२॥

ख शि त ख श

॥आत्रेद्वे ॥

मोषुत्वावाघाता श्वाना ।आरेअस्मि

ती पाणफळ्ख श क

न्निरीरमन्नाराक्ताद्वा ।साधमादान्नायग

क च य टा टी कि

ह्याइहवासान् ।ऊपाश्रूधीइळाभा ।

टु का का टा खण्

ओइळा ॥३॥

प शा

मोषुत्वावाघाताचनाए ।आरेअस्मिन्निरीरमन्

षु ती षी टी

होवाउउवाऊ ।आराक्ताद्वा ।साधमादांहोवाउउवाऊनायागा

क थ टि ट च य टा टी क थ टि ट खि

ही ।आइहवासन्नाउवोवा ।ऊपश्रू

ण कु खि ण टि

धी ।ओइळा ॥४॥

खण् प शा

॥गौतमेद्वे ॥

सुनोतसोमपान्नाए ।सोममिन्दूरा होवा

तु त की टा

हा यावज्जाइणाइ ।पचता

तच्च क टा ता श किच्च

पक्ताइरवसे कृणूध्वामीद्धाइ ।

कूच्च काय ट त श

पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चा य टा त श टी

याः ।ओइळा ॥५॥

खण् प शा

सुनोतसोमपान्नाउवोवाइयाहाइ ।सोममिन्द्राहुवेहुवेहोयावाज्जिणाइ ।

फू खि शु टी टी वि टा श

पचतापक्ताइरवसे ।कृणूध्वामीद्धाइ ।पृणान्नाइत्पृहाइ ।णाताइमा

चि टू काय ट त श चा य टा त श टी

याः ।ओइळा ॥६॥

खण् प शा

॥वामदेव्यञ्च ॥

यस्सत्राहाविचर्षणिरिद्रंतांहू माहेवयम् ।

षी फू खा झी

इन्द्रन्तंहू माहेवायाम् ।साहस्रमन्योतुविनृ

की टि त शु कि

म्णासत्पाताइ ।भावासामात्सूनो

टि त श टि त चा

वृधाइळाभा ।ओइळा ॥७॥

टी खण् प शा

॥अश्विनोश्चसाम ॥

शचीभिर्नानाशचीवसू ।दिवानक्तन्दिशस्यतम्मा)

फी की षी टु

वांरातिरुपदसात् ।कादाचनास्माद्रातीःकदोबा ।चाना ॥८॥

क क चु क शी पी प्ल ख श

॥वसिष्ठस्य वज्राणि त्रीणि ॥

यदाकदा ।चामाऔहोवा ।दूषे ।

ती टट् ख शि ख श

स्तोताजरे तमार्कत्याआदीद्वन्दतवारूणां

की कि षी स्वी

विपागिरा ।धर्क्तरंवि ।व्राताऔहोवा ।नाम् ॥९॥

खा ता टा टा टट् ख शि ख

यदाकदाचमाहाबु ।दूषाइस्तोताजराइ ।तमार्कत्याः ।आदीद्वन्दौहोहोहाहा

तू त श टा टि ता श चि टु ट त त

इ ।तवारूणम् ।विपागिरा

श टा ख ण का का

धर्त्तरंवियौहोहाहाइ ।व्रतानामिळा

कु ट त त श का टि

भा ।ओइळा ॥१०॥

खण् प शा

यादाकादाचामीदूषाइस्तोता ।जराइ ।तामार्कतायाः ।आदीद्वन्दाईतवारू

णा णा फा स्वी ण ता श यि ट की टि ख

णम् ।वीपागिरौवाउवोवा ।धर्त्तरं

ण फा खु श फि

वियौवाउवोवा ।व्रतानां ।होइळा ॥११॥

खु श प्लि प्ल शा

॥सौबभ्रवेद्वे ॥

पाहीगाया ।न्धासामादाइ ।आइन्द्रायमे

ती टि त श कुच्

धीयाताइथाइ ।यस्सम्मिश्रयोह्योयोहाइ

क टा ता श टी

राण्यायाः ।इन्द्रोवाज्जि ।हीरो

यू टा भि तच् क प

बाण्यायोहाइ ॥ १२ ॥

प्लु प्ला शा

पाह्येपाही ।गायान्धासामादाइ ।

ती था ता ट त श

इन्द्रायमे धीयाताइथाइ ।यस्सम्मि

कीचक टा ता श

श्रयोह्योयोहाइराण्यायाः ।आइन्द्रोवाज्जी

टी यू टा भी तच्

ही ।रोबाण्यायो ।हाइ ॥१३ ॥

क प प्लु प्ला शा

॥वैर्यश्वम् ॥

उभयंश्रुणवचनाए ।आइन्द्रो अर्वा गी

षु ति त टिच् ताच् क

दंवचाहोवाहाइ ।सत्राच्यामा

कि टा त श टा चाक्

घवसोमापाहाइतायाइ ।धीयाशविष्टया

टु खि ण श टु

होइ ।गमादौहोबा ।होइळा ॥१४ ॥

च श पि प्ला प्लु शा

॥इन्द्रस्यसहस्रायुतेद्वे प्रजापतेर्वा महोविशीये ॥

महेचनोवा ।त्वाद्राखा)इवाः ।पारा

ती त णा चा

शुल्कायादाइयासाइ ।नासाह

काच् का या प श प्ला

स्नायानायूतायावाज्राइवोनाशा

ता की काय पा प्ल

ताया ।शाता ।माघोहाइ ॥१५ ॥

ता प श ख प्ल शा

महेचनात्वाआद्रीवाः ।पाराशुल्काया

खी प्ली चा था

दाइयासाइ ।नासहस्नायानायूतायावा

का या ट श की यू

ज्रीवाः ।नाशाताया ।शातामाघाऔहोवा ।माहोवीरो ॥१६ ॥

टा टि त टि ख शि टीच्

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

वस्यंइन्द्रासिमेहाबुपितूः ।उताभ्रातूः ।

पू ती खि प्ल

आभुन्जातौवाउवोवा ।माताचामौ

की खि श क कि

वाउवोवा ।छदयाथास्सामावासौवाउवो

खि श कु कि खि

वावासूत्वानौवाउवोवा ।यारो

श क कि खि श क प

बाधासो ।हाइ ॥१८ ॥

प्ल प्ला शा

सप्तम खण्डः

॥सौभरञ्च ॥

इमाइमइन्द्रायसुन्वाइराइ सोमासोदध्या
 खा षू ड शि षु
 शिरा स्तं ।आमदायवज्रहस्तपीतायाइ ।
 का ख षी षु ड शा
 हराइहोभ्याइयाओइहीओकाया
 टा टु कि टाट् ख
 औहोवा ।रूपा ॥१ ॥
 शि ख श

॥गात्समदञ्च ॥

इमइन्द्रा मदायताइ ।सोमाश्चिकित्रउक्थिनोमा
 फी की श षु
 यी)धोःपापानाउपानोगिराः ।शार्णू
 ट य ट शु य टच्
 रास्वास्तोत्रा ।यागिर्वाणाः ।ओ
 क टा त टि खण् प
 इळा ॥२ ॥
 शा

॥वाचश्चसाम ॥

आत्वाद्यासाबर्दुघाम् ।हूवेगायत्रवेपसम् ।
 ती ति कि कु
 आइन्द्रान्धनू ।सूदूघामानियामाइष म्
 टी त चि टि ख णा

ऊरूधारा ।मारङ्गार्कतां ।ओइळा ॥३॥

टि त टि खण् प शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

नत्वाबृहन्तोअद्रियाः ।वारन्तइ न्द्रावीळावाः ।

तु ति की टि त

याच्छिक्षासिस्तुवताइमा वाते वासू ।

च य टा टुच् चा चा

नाकिष्टादा ।मीनाताइता इ ।

टि त टि खाण् श

ओळा ॥४॥

प शा

॥नैपातिथञ्च ॥

कईवेदा ।सूताइसाचा ।पिबन्तःकद्वायो

ती चा या ट यू

दाधूः ।आयंयःपुरोविभिनक्तायोजासा ।

टा षु यु टा

मन्दानाइशी ।प्रायाऔहोवा ।

क टा त ट ख शि

न्धासा ॥५॥

ख श

॥तौरश्रवसञ्च ॥

यादिन्द्राशासोव्रताम् ।च्यावयासादसास्पा

पि शी ची का

रौवा ।अस्माकामौवा ।अंशुर्माघव न्पूरूस्पहौवा ।वासाव्यायौकी)वा ।
 का तत् की तत् चि का की तत् तत्

धीबोबार्हायो ।हाइ . ॥६॥
 क प प्ल प्ला शा

॥त्वष्टार्याश्चसाम ॥

त्वष्टानोदैव्यं वचाः ।पर्जन्यो ब्रं ह्याण
 खा शु की

स्पातीः ।पुतैर्भात्रभिरादीतिर्नूपातूनाः ।
 टि त षी की टि त

दुष्टारान्त्रात) ।माणंवाचाः ।ओइळा ॥७॥
 टि चि खण् प शा

॥अदितेश्चसाम ॥

कदाचनास्तारीरसाइ ।नाइन्द्रंसाश्वा
 तु ति श खी श

साइदाशूषाइ ।उपोपेन्नुमघवन्भूयाइद्धो
 खी ण श षी कु टा

इनू ताइ ।दानन्दाइवा ।स्याप्रोबा
 खा शा खि णा पा प्ल

च्यातो ।हाइ ॥८॥
 प्ला शा

॥आजीक्तञ्च ॥

आइहीआइहीहोइ ।युंक्ष्वाहिवृ त्राहन्ता
 टि टि च श खी कि

मा ।हारीइन्द्रा पारावाताअर्वाची
 फ कीच् काय प खा
 नाः ।माघवन्सोमापाइतायाउग्रारिष्वा ।
 ता कि यी प चा ता
 भीरोबागाहोहाइ . ॥९ ॥
 प प्ला प्ला शा

॥माधुच्छन्दसञ्च ॥

त्वामीदा होइहियोनराए ।
 च क फाळ् खी शि
 आपाइप्यन्वाज्राइन्भूर्णायाः ।साइन्द्र
 षी की ख ण क थ
 स्तोमवाहासा ।इ हाश्रूधाऔहोवा
 टी चा क टि काफ
 हाइ ।ऊपास्वासाऔहोवाहाइ ।
 ण श टी काफ ण श
 रामागाहा इ ।ओइळा ॥११ ॥
 टि खण् श प शा

अष्टम खण्डः

॥उषसश्चसाम ॥

प्राताई हाईहावोदर्शियायतीयायती ।उच्छाई हाईहान्तीदूहीतादी
 टिच् य ट का था टि टि टिच् य ट का थ
 वाआदीवाः ।आपाई हाईहामाहिब्रणु
 टी टि टिच् य ट
 तेचाक्षुषातमाआतमाः ।ज्योताई
 चूच टी टि का टच्

हाईहाकृणोतीसूनारीओनारी ।

य ट च का टी पिण्

ओइळा ॥१॥

प शा

॥अश्विनोश्चसाम ॥

इमाउवान्दिविष्टयाऐही ।उस्नाहवन्तेअश्वि

षी खु प्ला पु

नाऐही ।अयंवामह्वयवसेशचीवसूऐही

खि प्ला पू खू प्ला

विशंविशंहीगच्छथाऐही ।होइळा ॥२॥

षी खी प्ला प्ला शा

॥अश्विनोश्चसंयोजनम् ॥

कुष्ठःकोवामश्वीना ।तापानोदे वामर्त्ताया ।

षी ति की टी

होवाहा ।इघ्नतावामाअश्रायाहोवा

का ख खि ता टि का

हा ।इक्षपामाणाः ।अंशूनाहोवाहा

ख खि ता टि का ख

इत्थामुवादुवान्यथाऔहोवा ।ऊपा ॥३॥

खा ता टा खा शि ख श

॥अश्विनोश्चैवसाम ॥

अयामयंवाम्मधू माक्तामाः ।सूतस्सोमो

खा प्ली डा श टी

दिविष्टिषु ।ओहाओहातामाश्विनाषी)

का टा ट ख ता

पिबतन्तीरोअन्ध्यामोहाओहाधर्तारा

कू टा ख ता चा य

त्नाओहाओहा ।नीदाशू षाऔहोवा ।

ट ट ख ता टिट्ख शि

ऊपा ॥४ ॥

ख श

॥सोमसामच ॥

आत्वासोमा ।स्यागाद्वा याऔहोवा ।सदा

ती टिट्ख शि टा

याचन्नाहञ्ज्याभूर्णाउवोवा ।मृग

का कि टा खाश का

न्नसवनेषुचुकूधं कईशाना ।न्नायाचिषादि

ची कीच् टि त चा

ळाभा ।ओइळा ॥५ ॥

टी खण् प शा

॥आजामायवञ्च ॥

आध्वर्योअद्रावयातुवाम् ।सोमामिन्द्राः

फु की चा था

पीबासाती ।ऊपोनू नंयुयुजे

का य ट चिक किच्

वृषाणाहारी ।आचाजागा ।मावृ

का य टा क टा त चा

त्राहाऔहोवा ।होइळा ॥६ ॥

क टा ख ण् ण् शा

॥समुद्रस्यच प्रैयमेधस्य साम ॥

आभीषतस्तदाहाबु ।भाराइन्द्राज्यायःकानी

तू त श कु

यासाः ।पूरो वसुर्हिमघवन्बभूवाइथा ।

टि त का कू टि ता

भाराइभारे ।चाहाव्याइळाभा ।ओइळा ॥७ ॥

टी त चा टि खण् प शा

॥वैरूपेच ॥

यादिन्द्रायावतस्त्वाम् ।एतावदहमीशीयास्तोतारा

पि क षी दू

मीत् ।दाधिषे रादावासाबु ।नापा

त किच्क टा त श

पात्वा ।यारौ वाउवोबांसाइषो

टि त का खिप्लु प्लि

हाइ ॥८ ॥

शा

यादिन्द्रा यावतास्त्वम् ।आइतावादा

फि खि श टि टा

हमीशीयाओवा ।स्तोतारामीत्दधिषे

का था का टा टा चि

रदावासाओवा ।नापापात्वाया

का का का टा टाच्क

रोबांसाइषो ।हाइ ॥९ ॥

प प्लु प्लि शा

॥वैश्वदेवञ्च ॥

त्वमिन्दूरो । हाइप्रतूर्तिष्वोवा । आभिविश्वा
ति तू त कीच्

आसाइस्पर्धाः । आशस्तिहाजनिता
का या ट षी किच्

वृत्रातूरासाइ । तूवान्तूर्या । तारूण्याताऔहोबा । होइळा ॥१० ॥
काय टा श चाय ट चाक टा ख ण् ण् शा

॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

प्रयोरिरिक्षओजसाए । दीवास्सदो भ्यस्पारि
षु ति त टीच्

नत्वाविन्याऔहोवा । चाराजाऔहोवा ।
षू कि का की का

इन्द्रापार्थिवामतिवाइश्वाम् । वावाक्षिथाइ
कु टि ता का

ळाभा । ओइळा ॥११ ॥
टी खण् प शा

असाविपाठः

प्रथम खण्डः

॥प्राकर्षञ्च ॥

असौहोवाहावीदे ।वाङ्गोऋजीक
 ता ता खाश की
 मान्धाः ।नियौहोवाहास्मीनि ।
 खाप्ल ता ता खाश
 द्रोजानूषे मुवोचा ।बोधौहोवाहामा
 की खाश ता ता खा
 सि ।त्वाहरीयाश्वयाज्ञैः ।बोधौहोवा
 श की खाप्ल ता ता
 हनास्तो ।मामन्धासामादाइ ।षू ॥१ ॥
 खाश कि ख खाश त्र

॥वसिष्ठस्यचनिन्हवम् ॥

आइहिआइहिहियाउवोवाहाइ ।
 टि टि खुप्ल त श
 असाविदेवङ्गोऋजी कामन्धोअन्धोअन्धाउवोवाहाइ ।न्यस्मिन्निन्द्रो जनुषे मूवोचावोचावोचाउवोवा
 चू काचक टा टा टा खप्ल त श ची किचक टी टा टा खाप्ल
 हाइ ।बोधामसित्वाहरिया श्वायाज्ञैःर्याज्ञैर्यज्ञाउवोवाहाइ ।बोधानस्तोमा
 त श चु किचक टा टा टा खाश त श चु
 मन्धासा मादाइषूदाइषूदेष्वाउवो
 किचक टि टि टा खा
 वाहाइ ।आइहिआइहिहियाउवो
 श त श टि टि खु

वाहाऔहोवा ।ई ॥२ ॥

कू ख शि ख

॥गृत्समदस्ययोनिनीद्वे ॥

योनीः ।तआइन्द्रासादानायकारीतामा ।

ता टी कि खा शि

नृभाइःपूरूहूताप्रयाहीआसाः ।यथानोआवीतावृधाश्चिदादाः ।वसूनिमीमदाश्चासो ।माइः ॥३ ॥

कू खि शि भि कि खा शि भी पा खा त्र श

योनिष्टआइन्द्रसदनाइहोवा ।आकाराइतमानृभिर्होवा ।पूरूहूताप्रयाहीहोवा ।

च खि शृ का ख शृ का ख खि शि

आसोयथानोविताहोवा ।वार्धश्चाइत्तदोवसूहोवा ।नाइमामादश्चसोमैर्होवा ।

का खा शु क खा शृ भु खा शि

होइळा ॥४ ॥

कू शा

॥औरूक्षयेद्वे ॥

अददर्रूत् ।समसृजो वीखानित्वामर्णा

ती कीचक का टि

वान् ।बल्बधानंआराम्णाः ।माहान्तामि

त चा था भि टि त

न्द्रपर्वतं वीयाद्वासृजाद्वाराः ।अवयद

की क का टि त

दा नावान्हा ।ओइळा ॥५ ॥

कुचक ट खण् प शा

अददर्रूत्समसृजाः ।वीखानित्वमर्णावान्बल्बधानं

वृ षू कु

आराम्णाः ।माहान्तमिन्द्रपर्वतं वियाद्वाः ।

टा त ष की टा त

स्रजाद्धारा । अवयददा नावोयाऔहो

टि त कुच क ट ख

वा । हान् ॥६॥

शि ख

॥पाथेद्वे ॥

सुष्वाणासाः । इन्द्रास्तुमसीत्वा । सनिष्यन्तश्चित्तू

ती खु श षु

न्विनृम्णावाजम् । आनोभराउवोवा ।

खु श ख श खी ण

सुवितय्यस्यकोनातानात्मना । सहामातूवो । ताः ॥७॥

षु तू खि खा त्र

ओहोहोइसूष्वा । णासाइन्द्रास्तुमसी

त त खि ण का खु

त्वा । ओहोहोइसानी । ष्यन्ताश्ची

श त त खि ण भि

तूवीनृम्णावाजम् । ओहोहोआनो ।

खु श त त खा ण

भरा सुवितय्यस्यकोना । ओहोहोइता

का खु श त त खि

ना । त्मनासह्यमातूवो ॥८॥

ण का पि खा । ताः(त्र

॥सौमित्रेद्वे ॥

जगृह्णातेदक्षिणमोहाओहाए । इन्द्रहास्ताम् ।

ते त टि त

वसूयवोवासूपाताइवसूनांओहाए

का यि पा शु त त त

विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनांओहाए ।

यु पा शी त त त

अस्माभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिन्दाओहाए ।रायाइन्दाउवा ।ऊपा ।

दू चा का फ श त त त दू ता ख श

औहोऔहोवाहाउवा ।ई ॥९ ॥

क का पा शि ख

जग्रह्मातेदक्षिणमौहोऔहोवाहाइ ।इन्द्रहास्तम् ।वसूयवोवासूपाताइवसू

षू तू त श खि श का यि पा

नौवाउवोवाहाइ ।विद्वाहित्वागोपातिंशूरगोनौवाउवोवाहाइ ।अस्मभ्यञ्चाइत्रांवार्षाणंरायिंदौवाउवोवाहा

शु खि ष्ठ त श यु पा शी खि श त श दू चा क फा खी ष्ठ ख

औहोवा ।ई ॥ १० ॥

शि ख

॥वात्सप्राणित्रीणि ॥

होयेहोयेहोये ।जगृह्मातेदक्षिणामिन्द्राहास्तांहास्तांहास्ताम् ।वसूयवोवसुप

टा टा टा थी कीच् क टा टा टा षी

ते वासूनांसूनांसूनाम् ।विद्वाहित्वागोपतिंशू रागोनांगोनांगोनाम् ।अस्मभ्यञ्चित्रंवरषणं रायाइ

कीच् क टा टा टा कीच् कीच् क टा टा टा कि कूच् क

न्दाआइन्दाआइन्दाः ।होयेहोयेहोयावा

टि टि टि टा टा टा ख

औहोवा ।ई ॥११ ॥

शि ख

हाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवाओहोहोवाओहोहोवा ।जगृह्माताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्रहस्तन्द्रहस्तम् ।वसू

तु श की की की कि किच् क ख शे का

यवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पातींशूरगोनांरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्चाइत्रांवार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाःहाबुहाबुहाबु ।ओहोहोवाओहोहोवा

टिच् क ख शो कुच् क ख शे दूच् चा ख शे तु श की की

आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔ

षू ति टा टा

होवा ।जग्रह्माताइदा क्षीणामिन्द्रहस्तन्द्र

त त कि किच् क ख

हस्तन्द्रहस्तम् ।वसूयवोवा सूपाताइवसूनांवसूनांवसूनाम् ।विद्वाहित्वागो पार्तीशूरगोनांरगोनांरगोनाम् ।अस्मभ्यन्चाइत्रावार्षाणंरयिन्दारयिन्दारयिन्दाः
 शै का किच् क ख शो कुच् क ख शै टू का ख शै
 आबुहोआबुहोआबुहो ।वाऔहोऔहोवाऔहोवा ।ई ॥१३ ॥
 षू ति टा टा टट ख शि ख

॥वैदन्वतञ्च ॥

इन्द्रन्नारोनेमाधाइता ।हावन्ताइयत्पा
 खि श खि णा टि
 रा यायूनाजान्ताइ ।थियास्ताशूरोना
 खी श खि ण श टि खि
 र्षा ।ताश्रावासाः ।चाकामाइयागोमाति
 श खि ण टि खी श
 ब्रजाइभाजा ।तूवन्नाउवा ।एऊपा ॥१४ ॥
 खी ण टि ता त टाख्

॥सौपर्णञ्च ॥

वयोहाहाबु ।सूपर्णाउपसेदूराइन्द्रं ।
 तित श षि चु का
 प्रियमेधाऋषायोनाधामानाः ।
 षी कि क टा त
 आपध्वान्तमूर्णूहिपू र्धीचाक्षूः ।मू
 षी की टा त च
 मुग्धियोहोआस्मान्निधयेवाबा ।र्द्धान् ॥१५ ॥
 टित टा पि खा त्र

॥यामञ्च ॥

आयामयायमौहोवाऊ । नाकेसुपर्णा

की टा था ट पु

मुपयात्पतन्तंपत न्तमौहोवाऊ ।

कु कि टा था ट

आयामयायमौहोवाऊ । हृदावेनन्तो

की टा था ट पु

अभ्याचाक्षतत्वाक्षतत्वौहोवाऊ आयामयायमौहोवाऊ । हिरण्यपक्षंवरूणास्य

कि टि टि था ट की टा था ट पु

दूतंस्यदू तमौहोवाऊ आयामयायमौ

कु कि टा था ट की टा

होवाऊ । यामस्ययोनौशकुनांभुर ण्युंभुर

था ट पु कु कि

ण्युमौहोवाऊ । आयामयायमौहोवा

टा था ट की टा था

ऊ । वा हाउवा । एदिवमे दिवमे दि

ट टच् य टा त कि कि

वा म् ॥१६ ॥

टाख्

॥ऋतुसामनिच ॥

ब्रह्माब्राह्मा । जज्ञानं प्राथमं पुरास्तात् ।

टि त चि कि मि

वीसाइवाइसी । मतस्सुरूचोवे नआवात् ।

टि ता की था मि

साबूसाबू । धन्याउपामाआस्यवाइष्ठाः ।

टि त चिक ट भी

सातास्साताः । चयोनीमासाताश्चवाइवाः

टि त चु कि पाण्

ओइळा ॥१७ ॥

प प्ला

हुवे हाइहुवे हाइहेषाया ।ब्रह्मजज्ञा

टात टित टित की

नांप्राथामं पुरा स्तात् ।वीसीमतास्सुरूचो

ट कि खाश की

वे नआवात् ।साबुधन्याउपमाआस्य

की खाश कु कि

वाइष्टाः ।सातश्चयोनीमासातश्चवी

खा प्ला कु का खि

वाः ।हुवे हाइहुवे हाइहेषाया

प्ला टात टित टिख

औहोवा ।एऋतममृतमेऋतममृतमे

शि त कू कू

ऋतममृता म् ॥१८ ॥

टुख्

॥इन्द्रस्यवारवन्तीयम् ॥

आपूर्व्याबुहोहोहाइ ।पूरूतमानियास्मै ।

तू त त श खू श

माहेवीरायातावासाइतुरा या ।विरण्शीना

टु कि खिश खी

इवज्जिणेशान्तमानि ।वाचांस्यास्माइस्थावीरा

खु खाश टी की

यताक्षूः ।स्थविरायतक्षुस्थविरा याता

खा प्ला षू खि खा

क्षूः ।स्थावीरा याताक्षूः ॥१९ ॥

त्र कि क खा

द्वितीय खण्डः

॥इन्द्रस्यचक्षुरपविनीद्वे ॥

आवाद्राप्सोअंशूमातीम् ।आताष्टादीयानाःकाष्णोदाशाभीः ।साहा

खि श खि ण का ख खि श खि ण का

साइरा वार्कतामीन्द्राशशाचीया ।धामान्तामापास्त्रीहीतिनृमाणाः ।

ख शा खा श खि ण का ख खि श खि ण

अधाद्राऔहोवा ।आधद्राः ॥१॥

टा ख शि च टाख्

अवद्रप्साए ।अंशुमतिमतिष्ठादीयानाः ।कार्षणादाशाभीसाहासाये ।आवक्तामीन्द्राशशाच्याधामन्ताम् ।अपास्त्रीहीती नृमणा

ती त की टि चि चा कि टी ची क कट कुच क पा

अधाद्राः ।होइळा ॥२॥

ह्लि फ्ल शा

॥सौरश्मेद्वे ॥

अवद्रप्सोअंशुमतीमौहोऔहो ।

षी ची ट ख ता

आतीष्ठादौहोऔहो ।इयानःकृष्णाऔ

का टा ख ता चु ट

होऔहो ।दाशाभीस्साहस्रैरौहोऔ

ख ता की था ट ख

हो ।आवाक्तामिन्द्रा औहोऔहो ।

ता चि चा ट ख ता

शाच्याधामन्तामौहोऔहो ।अपास्त्रिहीतिनौ

चु ट ख ता चु ट

होऔहो ।नृमाणाऔहोवा ।आ

ख ता टाट् ख शि च

धद्राः ॥३॥

टाख्

अवद्रप्सोअंशुमतीमेऔहोवा ।आता

षी तु खात्र प

इष्ठात् ।इयानाःकृष्णोदाशाभीस्साहस्रै

त्रा चि चा चि चि

रावाक्तामाइन्द्रोशाचीयाधमा

कच का टा कि खा

न्तमपास्त्रिहीतिनृमाणाओवा ।अधद्राः ॥४ ॥

षू शु तिच्च

॥बृहतोमारूतस्यसामनीद्वे ॥

हाओहाओहाहा इ ।वृत्रस्य

क टच् क च त तच् श

त्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदेवाआजाहुर्येसखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा

की की खाप्लू टी का खी प्लू दू

साखीय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाः ।पार्त्ताना

किख श दू कि

जयासि ।हाओहाओहा

खाश क टच् क ट त

हाओहोवा ।ओओहो ओहो ॥५ ॥

ख शि का टच् क ख

होये हायायेहयाओहोवाहा

टाच् काट चि क फ त

इ ।वृत्रस्यत्वाश्वासथादीषमाणाः ।विश्वेदे

श ची की खाप्लू

वाआजाहुर्ये सखायाः ।मारूत्भिराइन्द्रा

टि की खाप्लू दू

साखिय न्तेस्तु ।आथेमावाइष्वाःपार्त्तानाज

किख श दू कि

यासि ।होये हायायेहयाओहोवाहाओहोवा ।ओओहो ॥६ ॥

खाश टाच् काट चि क फ ख शि का ख

॥सोमसामनीद्वे ॥

वीधूम् ।दद्रादद्राणांसामानाइबहू नांयुवा ।

ता टु कि खि शि

नंसानंसान्तापालीतोजगारादेवा ।स्यपास्यपा

टु कि खा शि

श्याकावीय म्महीत्वाद्या ।ममाममारासह्यास्सामा ।ना ॥७ ॥

टु कि खा शा टु पा खा त्र

आआहाहाइ वीधुन्दद्राणांसामाना

त ख प्ल त श क टी कि

इबहू नाम् ।यूवानंसान्तापालीतोजगा

खि श टु कि खा

रा ।देवस्यपाश्याकावीय म्महीत्वा

श क टी कि खा श

आआहाहात) ।अद्याममारासहीयास्सा

त ख प्ल टू पि

मा ।ना ॥८ ॥

खा त्र

॥इन्द्रस्यवज्रेद्वे ॥

औहोइत्वम् ।हत्यास्सप्तभ्योजायमानाः ।

ती चा कि कि ख

औहोअशा ।त्रभ्योअभावशत्रूरिन्द्रा ।

ती का का की ख

औहोइगूढे ।द्यावाप्रथिवीअन्वविन्दाः ।

तु कु कि ख

औहोइविभू ।मत्भ्योभुवनेभ्योरणन्धाः ॥९ ॥

तु का की का ख

त्वोहाइहत्यौवाउवोवा ।सप्तभ्योजाय

त शी खि ण कि

मानाउवाओवाअशोहाइ ।

कि कि पा शा ङ श

त्रभ्यौवाउवोवा ।अभाव इशत्रूरिन्द्राउवाओ

खु ण कि कि कि

वागूढे हाइ ।द्यौवाउवोवा ।पृथि

पा शा ङ श खु ण

वीअन्वविन्दाउवाओवाविभू हा

कि कि कि पा शा ङ

इ ।मत्भ्यौवाउवोवा ।भुवने भ्याउवा

श खु ण कि कि

ओवारणान्धाः ।होप्ल)इळा ॥१० ॥

पा प्लि शा

॥भृष्टिमतस्यस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

मेळीम् ।नत्वावज्जिणंभृष्टीमान्ताम् ।पूरू

ता कू टा त चा

धास्मानंवृषभंस्थीराप्सून् ।कारोष्यर्य

क कु टा ता चा

स्तरूषीर्दूवास्यूः ।आइन्द्र न्द्युक्षंवृत्राहा

टु टा त कि टुट

णाऔहोवा ।गृणीषे ॥११ ॥

ख शि का टख

मेळिन्नत्वावाऔहो ।ज्राइणंभृष्टाइमौ

खु ता की की

वान्तंपूरूऔहो ।धस्मानंवृषभंस्थाइरौवाप्सुनुम् ।कारो औहो

त ख खा ता कू कित ख श खा ता

ष्यर्यस्तरुषाइर्दूवौवास्यूः ।इन्द्रा औहो

षू का ख प्ल खा ता

द्युक्षंवृत्राहाणाऔहोवा ।गृणीषे ॥१२ ॥

टुट ख शि खि

॥वसिष्ठस्यां कुशौद्वौ ॥

प्रवाः ।माहे माहेवृधे भाराधूवाम् ।

ता का क चि भि त

प्राचातसाइप्रासूमातीम् ।कृणूध्वामीहा

षी कि ख ण चि

वाइशाः ।पूर्वीः ।प्रचाराचा ।र्षा

खि णा ट त भि त

णाइप्राऔहोबा ।होइळा ॥१३ ॥

का टि ख ण्ण ण्ण शा

हाप्रवोमहाइमाहे ।वृधा इभरा ध्वम्

ख खू श णाफ् खि श

हाप्राचेतसाइप्रासू ।माता इङ्कणु

ख खू श णाफ् खि

ध्वम् ।हाविशःपूर्वाइप्राचा ।राचा र्षा

श ख खू श णाफ्

णाइप्राः ।हाबुहौहोवाहाउवा ।ई . ॥१४ ॥

खा ण्ण ख ण्ण शा ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

शुनंहुवे मघवानमिन्द्राम् ।अस्मिन्भरे नृतमंवा

षी तू षी की

जसातौ ।श्रण्वन्तमुग्रमूतये सामात्सू ।

टा त षु कि टा त

घ्नन्तांवार्तरा ।होवाहाइ ।नीस

भि त टा त श का

न्जीतन्धनानी ।होवाहा इ ।ओइळा ॥१५ ॥

की त टा खण्ण श प शा

॥वासिष्ठञ्च ॥

दीवयाहोवाऔहोवा ।ऊदुब्रह्माणी
 कि काट त कथ दू
 ऐरातश्रवास्या ।इन्द्रंसमार्येमाहाया
 खु श क टी कि
 वसीष्ठ ।आयोर्विश्वानीश्रवासातता
 खा श क टी कि खा
 ना ।दीवयाहोवाऔहोवा ।
 श कि काट त कथ
 ऊपश्रोतामाइवतोवाचां ।साइ ॥१६ ॥
 टु पि खा त्र श

॥पुरीषञ्चाथर्वणम् ॥

चक्रंयदस्यप्सूआनिनिषक्ताम् ।
 षू तु
 ऊतोतदस्मैमध्वीचच्छाद्यात् ।पृथिव्यामतिषीतं
 शु टी त षी कि
 यादूधाः ।पायोगोषू ।आदधाओषा
 टात टि त टि च
 धीषूइळाभा ।ओइळा ॥१७ ॥
 था टि खण् प शा

तृतीय खण्डः

॥आदित्याः सामनीद्वे ताक्षर्यसामनिवा ॥

त्यमूषू वाजिनान्देवजूतम् ।सहो
 खि खि ख खा श का

वानन्तारूतारंरथानाम् । अरिष्टनाइमीं

था कि खि श खी शा

पृतनाजमाशूम् । स्वस्तयाइताक्षमिहा

खि खा श कु खि

हूवाइ । माम् ॥१॥

खा श त्र

इयइयाहाइत्यमुषुवाजिनान्देवजूतम् ।

ती पु खि ख खा श

ईयाईयाआहाइ । सहोवान

फा फा प्ल त श का था

न्तारूतारंरथानाम् । इयइयाआरिष्टनाइ

कि खि श ती क

मिंपार्तानाजमाशूम् । ईयाईयाआ

टु कि खा श फा फा प्ल

हाइ । स्वस्तयाइताक्षमिहाहूवाइ । मा. ॥२॥

त श कु खि खा श त्र

॥इन्द्रस्यचत्रातम् ॥

त्रातारमिन्द्र मवितारामीन्द्राम् । हावेहवेसू

क पी कि टा त पु

हावंशुरामीन्द्राम् । हूवाइनुशक्रंपुरूहू

कि टा त पू कि

तामीन्द्राम् । ईदं हावाइ माघवावाइतूवा

टा त था चा श पी खि

इ । न्द्राः ॥३॥

श त्र

॥वाक्तत्रतुरम् ॥

यजामहोवा ।आइन्द्रंवाज्रादक्षाइणाम् ।

ती त की टि ता

हारीणां रथ्याविव्रतानाम् ।प्राश्माश्रूभिर्दोधूवादूर्ध्वाधाभूवात् ।वीसा

किच् चा टि त का टु कि ख ण चा

इनाभिर्भयमानोवाइराधासो ।हाइ ॥४ ॥

कि भी प शा ख ण शा

॥द्युतानस्य मारूतस्य सामनीद्वे ॥

सात्राहणाऔहोवा ।दाधृषींतूम्मीन्द्रा

फा खा ण फ ण् टि टी

उवोवा ।माहामपारंवृषाभं सूवज्रा

खा श क कि की टि

हन्तायोवृ ।त्रंसनितोतावाजाम् ।

टा ख ण पी खा त्र

दाता माघानिमाघवा सूरधाः ॥५ ॥

थाच् क कि टाच् का टख्

सात्राहणन्दाधृषीइन्तूमृमीन्द्रम् ।मा

फा फि फा खी श क

हामपारं वृषाभं सूवज्राहन्तायोयो ।

कि क चि टि खि ण

त्रंसनितोतावाजाम् ।दाता माघानिमा

पी खा त्र थाच् क कि

घवा सूरधाः ॥६ ॥

टाच् का टख्

॥आन्नम् ॥

योनोवनुष्यन्नभिदातिमार्क्ताः ।ऊगणावामन्यमानास्तुरोवा ।क्षीधीयूधाशवसावातामाइन्द्राम् ।आभाइष्यामावृषमाणास्तुवो

ताः ।ओइळा ॥७ ॥

खण् प प्ला

॥गृत्समदस्यसमिधौदौ ॥

हाबुयंवृत्रेषू ।क्षितयस्पर्धमानाः ।धामाना

ईयाइ याहाबुयंयुक्तेषु ।तुरयन्तोहवा

न्ताइ ।हावान्ताईयाई याहाबुयंशूरसाः ।

तौयमपामुपाज्मान् ।ऊपाज्मानीयाई या

हाबुयंविप्रासाः ।वाजयन्ताई सई न्द्राः ।

साइन्द्रो ईयाई याहाउवा ।ई ॥८ ॥

यय्यया ।हाबुयंवृत्रेषूक्षितयस्पर्धमानाः ।

धामानायै यय्यैयय्यया ।यय्ययाहाबुयंयुक्तेषू ।

तुरयन्तोहवान्ताइ ।हावन्तायै ।यय्यैयय्यया ।

यय्ययाहाबुयंशूरसाः ।तौयमपामुपाज्मान् ।

उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया ।यय्यया

उपाज्मान्यैयय्यैयय्यया ।यय्यया

हाबुयंविप्रासाः । वाजयन्ताई सई न्द्राः ।

साइन्द्रोयै यय्यैयय्ययाहाउवा । ई ॥९॥
 तू कु खा ण्
 की टा ति ति ख

॥वैश्वामित्रम् ॥

इन्द्राहाबु । हाहोइपर्वताबृहतारथा

ता त श क णु दू

इनाउवाऊपा । वामीर्हाबु ।

का ता ख श ता त श

हाहोइष आवहतंसुवाइरा उवा । ऊ

क षि दू का ता ख

पा । वीतांहाबु । हाहोइहव्यान्यध्वारेषुदा

श ता त श क षी दु

इवाउवा । ऊपा । वर्धेहाबु । हा

का ता ख श ता त श क

होथांगीभिर्लिळायामदान्ताहाउवा । ऊऊपा. ॥१०॥

षी दु ती खा श

॥सावित्राणिषट्त्रयमेधानिवा ॥

हाहाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

त था दू कि खा ण् दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥११॥

दू कि खा ण् दु पि खा त्र

असावासाविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।

ता क था दू कि खा ण्

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् । ॥१२॥

दू का खि श दू कि खा ण् दु पि खा त्र

कूवाकूवाइ न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइ

ता क था दू कि खा ण्ण दू का खि श

वाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१३॥

दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

अयामायामिथा)न्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः ।

ता क दू कि खा ण्ण

आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१४॥

दू का खि श दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

अविदादविदविन्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् । योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१५॥

कि की दू कि खा ण्ण दू का खि श दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

ईहाई हान्द्रायगाइरोआनीशीतसार्गाः । आपःप्रैरायात्साग रस्यबू धात् ।

टा ख ण दू कि खा ण्ण दू का खि श

योआक्षेणाइवाचाक्रीयौशचीभिःवीष्वक्तस्तंभाःपार्थीवीमूता । द्याम् ॥१६॥

दू कि खा ण्ण दु पि खा त्र

॥कूतिवारस्यवैरूपस्यसाम ॥

आत्वासखायसख्यायववृत्यूः । तीरःपुरूचिदर्नवाजगम्याबुहोऔहोवा । पीतुर्नापातमादधीतवाइधाबुहोऔहोवा । अस्मिन्क्षये

षु तू षी दू चिक का षी दू चीक का षी

प्रतरान्दीदियानाबुहोऔहोवा । औहो

दू चिक का क

वा । ईहा.. ॥१७॥

का ट ख

॥वामदेव्यम् ॥

कोअद्युंक्तेधुरिगाऋतस्याए । शिमीवतोभामी

षु तू त षी

नोदु हणायून् ।आसन्नेषामप्सुवाहोमा
 किं टा त षी की
 योभून् ।याएषांभृत्यामृणाधात्साजाइ
 टा त षु किं टा
 वाउवा ।ऊपा ॥१८ ॥
 का ता ख श

चतुर्थ खण्डः

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

गायाओन्तित्वाओगायात्राइणाः ।
 ता च ता प प्ला त ता
 अर्चाओन्तियाओर्कामार्काइणाः ।
 ता च ता प प्ला त ता
 ब्रह्माओणस्त्वाओशाताक्राता
 ता च ता प प्ला त त
 बु ।उद्धाओंशमाओवयाइमिरा
 श ता च ता प प्ला छि
 इ ।होइळा ॥१ ॥
 श प्ल शा
 गायान्तित्वोहाइगायात्रीणाः ।अर्चन्त्यर्कमा
 ती खु ण यु
 कीणाः ।अर्चन्तीयोहार्कमार्कीणाः ।
 प श स्वी श खि ण
 ब्रह्माणस्त्वाशताक्राताबु ।ब्रह्माणस्तोहाइ
 यू प शा स्वी शा
 शताक्राताबु ।उद्धंशमीवयाइमीरे ।उद्ध
 खि ण श यू पा श
 शमोहाइ ।वयाइमा इ ।राइ ॥२ ॥
 स्वी ण श स्वीणफहू श ख श

॥उद्वंशीयन्तृतीयम् ॥

गायान्तिवागायात्रिणया ।अर्चन्त्यर्कमर्कइणाः ।

षी तु दू ता

ब्रह्माणस्त्वाहोइ ।शाताक्राताबु ।

टी च श टि त श

उद्वंशमीवयाइमीरे ।उद्वंशामी ।वयाउ

यू पा श खि ण टा

वा ।उप्माइरो ।हाइ ॥३ ॥

ता टा खा त्र श

॥शैखण्डिनीत्रीणि ॥

इन्द्रविश्वाः ।अवीवृधान् ।सामुद्राव्या

ती टा चा कि

चा साङ्गिराः ।राथीतमाहाउवा रा

टाच् चि का ता टिच्

थाइनाम् ।वाजानांसात्पार्ती

चा शा च टा त का

पतिमिळाभा ।ओइळा ॥४ ॥

टी खण् प शा

होइन्द्रंविश्वाः ।अवीवृधान्सामू द्राव्या

तु का थि टच् य ट

चसंगिराः ।राथीतामांराथाइ

का चा य टच् य टच् का

नाम् ।वाजानांसात्पार्तीपा

चा य च य टच् का ट

ती म् ।ओइळा ॥५ ॥

खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्समूद्राव्या ।चासाङ्गिराः ।

षू खु ण क पा श

राथी तामाऊहोवाऊ राथा

काथ् क ट ट था टच् चा

इनाम् ।वाजानांसाऊहोवाऊ

शा च था ट ट था ट

त्पार्तीपाती म् ।ओइळा ॥६ ॥

का ट खण् प शा

॥आष्टादंष्ट्रेद्वे ॥

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्याहाइ ।सामूद्राव्यांचा

षू ती त श चा य टच् क

साङ्गाइराअय्याहाइ ।राथाइतामांराथाइ

क य टा टा त श चा या टच्

नामय्याहाइ ।वाजानांसात्पाताइम्पाती

की टा त श चा य टच् का टा ट

मय्याहा इ ।ओइळाह ॥७ ॥

टा खण् प शा

इन्द्रंविश्वाअवीवृधन्नय्यादौहोवा ।समुद्रव्याचसंगाइराअय्यादौहोवा ।रथीतमांराथाइ

षू खूत्र कू टि टा ट त त ची क क

नांअय्यादौहोवा ।वाजानांसात्पार्तीपातीमय्यदौहो

टा टा ट त त च था कि टा टि ट

वाः ।ओइळा ॥८ ॥

खण् प शा

॥महावैश्वामित्रेद्वे ॥

हयाइहयाओहाओहाहयाइहयाओहा

खु फा फा खु फा

ओहाहयाइहयाओहाओहा ।इन्द्रंविश्वा ।

फा खु फा फा ती

अवीवार्धान् ।समुद्रव्याचसङ्गाइराः ।

चा टा ती चा टि

रथीतमांराथाइनाम् ।वाजानांसात्पातीं

ती का टा ती चा

पातीम् ।हयाइहयाओहाओहाहयाइहया

टा खु फा फा खु

ओहाओहाहयाइहयाओहाओहा ।होइ

फा फा खु फा फा

ळाह होइळा होइळा ॥९ ॥

फि फिळ्ख शा

हायाये हायायेहयाहाआ ।इन्द्रंवि

टिक् टा ता त प

श्वा अवीवृधानन् ।सामुद्राव्याचसङ्गि

कीच् फा ता प णुफ्

राः ।राथीतामंरथी नाम् ।वाजानांसात्पा

ता प णुफ् त प

तीं पताइ ।हायाये हायायेहया

णुफ् ता श टिक् टा ता

हाआ ।होइळाहोइळा होइळा ॥१० ॥

त प फि फिळ्ख शा

॥गृत्समदस्यवीकानिचत्वारिवसिष्ठस्यवाप्रियाणी ॥

इममाइन्द्रा ।सूतांपा इबाऔहोवा ।

पि णा टिट् खा शि

ज्येष्ठाममात्तर्यम्मदं शुक्रास्यत्वाभी

टी कि ता था क

याक्षाराऔहोवा ।धाराऋतस्यसादा

टाट् ख शि क ट टु

ने ॥११ ॥

ख

इममी न्द्रसुतांपिबा ।ज्येष्ठाममा

णिफ् खि शा क कि

त्तर्यम्मदं ।शुक्राउवोवा ।स्यत्वा

टि खीश का

भ्यक्षरन्धाराउवोवा ।ऋताउवोवा ।स्यसाद

पु खाश खीश

नाइ ।होइळा ॥१२ ॥

प्लीश प्ल शा

इममिन्द्रासुतम्पीबा ।ज्येष्ठामामर्कृत्या

फी णि फ च का का

माम्मादामौहौहुवाऔहोवा ।

य टा ट ट कि त त

शुक्रास्यत्वाभायाक्षारानौहौहुवाऔ

ची क य ट ट ट कि

होवा ।धाराऋताऔहौहुवाऔ

त त था टा ट ट कि

होवा ।स्यासादाना इ ।ओइळा ॥१३ ॥

त त टि खण् श प शा

इममिन्द्रसुतंपिबज्येष्ठाम् ।आमर्कृताया

पि श्रु च काय

म्मादाम् ।शुक्रासियात्वाभियाक्षार न् ।धा

टा की टि ख ण

राउवोवा ।आर्कृताउवोवा ।

टा खाश टा खाश

स्यसादनाइ ।होइळा ॥१४ ॥

प्लीश प शा

॥वसिष्ठस्यर्वीकानिचत्वारिइन्द्रस्यवाप्रियाणिआकूपाराणिवा ॥

यदिन्द्रोहाइ ।चीत्रामाईहना

तित श च चा ट पा

अस्तित्वादा होइ ।तामद्राइवोरा

फील्लु त श चि टा प

धस्तन्नोवीदा होइ ।वासाउभयाहस्ति

णि फाफ्लु त श टु

याउवा ।भारोहाइ ॥१५॥

कि ता फ्ला शा

यदिन्द्रचित्रमौहोवाइहाना ।अस्तित्वादातमा

षू ता खि श षी

उवाआउवाद्राइवाःराधस्तन्नोविदाउवा

की कि ख फ्ला षी की

आउवाद्वासो ।उभयाहस्तयाउवाआउवा

कि ख श षू का कि

भारो ।हाइ ॥१६॥

फ्ला फ्लु श

यादिन्द्राचित्रामाइहानाअस्ताइत्वादाकि)

पि फ्ला खि ण टा

तामद्राइवोराधस्तन्नोवीदद्वसाबु ।ऊभा

बु थ टि च चि श चा

याहास्तायाभारो ।हाइ ॥१७॥

टा प श ख फ्लु शा

यदिन्द्रचित्रमाई हनास्ति ।त्वादातमद्रिवोराध

षू फा खा श षू

स्तान्नो ।वीवीदद्वसाबु ।ऊभायाहा

टू त टा चि श चा टा

स्तायाभारा ।ओइळा ॥१८॥

टा ट खण् प शा

॥तिरश्चेराङ्गिरसस्यसामनीद्वेदेवानांवादेवपुरे ॥

श्रुधीहावांहावान्तीरश्चयाः ।इन्द्रया

का टा टा चि क टा

स्त्वसपाहार्यातीया ।सुवीर्यस्यगोमतो

त टा त षी

रायास्पूदधी ।महंयसिया ।ओइळा ॥१९ ॥

की टा त टा खिण् प शा

श्रुधीहावान्तीरश्चयाः ।इन्द्रायस्त्वासपर्याताएटा)

ख ळि क कू

सुवीर्यास्यागो ।माताःरायास्पूदधीहाहा

खी ण टा टी त त

इ ।महंयसी ।होइळा ॥२० ॥

श ळी ळ शा

॥वैश्वामित्रम् ॥

असाविसोमइन्द्राते शवाइष्ठाधृ ।ष्णावागाहि ।आत्वापृणाहाक्तूवीन्द्रायम् ।

चू फा खी श त पा श टी त टा ख ण

राजस्सूर्यौवाउवोवा ।नराश्मिभीः ।

की खि श ळी

होइळा ॥२१ ॥

ळ शा

॥काण्वेद्वे ॥

एन्द्रयाहीहहरीभाइः ।उपाकण्वास्यासूष्टू तिम् ।देवाअमूष्या

खि श ळी श ता ता च खा ण ता ता

शासाताः ।दाइव ययाआउवा ।

का ख ण कि ता टि

दाइवावासो ।हाइ ॥२२ ॥

ख शा ख ळ शा

एन्द्रयाहीहरिभीरूहुवाहाइ ।ऊपाकण्वा

षी तू त श का

स्यासुष्टुतिमुहुवाहाइ । देवाअमू ष्या

कि टू त श क कि

शासाताः । दाइवय्ययाउवा । दी

का ख ण कु शा ख

वा । वसोहा । होइळा ॥२३॥

श ह्रि ष्ठ शा

॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

आत्वागाइरोराथीरीवा । अस्तुस्सुते षुगिर्वा

खु ष्ठी ची क य

णा । ओवा ओवा । अभित्वासा

टा ख शङ्ख ख ण किच्

मानूषाताओवा ओवा

का य टा ख शङ्ख ख ण

गावोवात्सान्नाधोबानावो । हाइ ॥२४॥

भि तच् क प ष्ठ ष्ठा शा

॥ इन्द्रस्यशुद्धाशुद्धीयेद्वे ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाम्ना ।

तू त की टा त

शुद्धैरुक्थैर्वावृद्ध्वांसाम् । शुद्धैराशी ।

कु टा त टि त

वर्न्ममाओहोवा । तू ॥२५॥

च खा शि ख

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । शुद्धंशुद्धे नासाओ

तू त की च क

म्ना । शुद्धाइरूक्थाइर्वावृद्ध्वांसम् ।

टा भी त चा खा ण

शुद्धैराशी ।वर्णामातूइळाभा ।ओइळा ॥२६ ॥
टि त च चा टि खण् प शा

॥गौतमस्यरयिष्ठेद्वे ॥

योरयिंवोरयाहाबु ।तामाः ।
कू त श ख ण्

योद्युम्रैद्युम्रवाक्तमासोमस्सुतस्सायाहोइन्द्रता
षि कु दू टी

इ ।आस्तिस्वधापाताइहोये ।मदोइळा ॥२७ ॥
श दू टि खा ण्

योरयिंवोरयिन्तमोहाइ ।योद्युम्रैद्युम्रवाक्तमोहाइ ।सोमसुतस्सइन्द्रतोहाइ ।
फू खा शा फू खा शा फू खा शा

अस्तिस्वधापातेमदोहा ।होइळा ॥२८ ॥
ची क फ खा ण् ण् शा

पञ्चम खण्डः

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

प्रत्यस्मैपीबाहाबु ।ओइषाताइइ ।
तु त श ति त श

वाइश्वानी वाइदूषेहाइभारा ।आ
कि चक् टी त ता त

रा ङ्गमायाजाहा ।ग्मायायपाश्वा
टाच् का टा त था टिट्

द्वाऔहोवा ।ध्वनेनराः ॥१ ॥
ख शि टा खा

प्रत्यस्मैपीपीषताइ ।वाइश्वा नीवाइदूषे
ती ति श किच् क टि

भारा ।आरा ज्ञामायजग्मायायपश्चादध्वना
 टा टाच् क षू टू
 होइ ।नाराऔहोबा ।होइळा ॥२॥
 च श टि ख ण् ण् शा

॥नानदन्तृतीयम् ॥

प्रत्यस्मैपीपीषताइवाइश्चानिविदुषेभा
 फु ता पा षू ड
 रा ।अरङ्गमायाजग्मयोहायापाश्चाद्वाः ।ध्वा
 श फू खा टु क
 नोबानारो ।हाइ . ॥३॥
 प ण् ण् शा

॥शाकपूतञ्च ॥

आनोवयोवयश्शायाम् ।माहान्तङ्गह्वराइष्ठाम् ।
 षी ति त खू शा
 माहान्तंपूर्वीनाइष्ठाम् ।उग्रंवाचोअपावा ।धीः ॥४॥
 खू णा टि खी त्र

॥कौलमलबर्हिषेद्वे ॥

आत्वारथंयथौहोवा ।तायाइसूम्ना ।
 षी ति त का खा ण
 यावर्क्तयामसीतुविकूर्मीमार्कती ।षहां
 षू टु टच् ख ण का
 माइन्दूरं शावी ।ष्ठासात्पाती ।ओइळा ॥५॥
 कि ख ण टि खण् प शा

आत्वारथंयथोतायाआत्वारथाम् ।याथोताया

फू खा शी टी

औहोवा ।ई हा ।सुम्नायावा

खा श ख श चि क

र्त्तायामसीयौ होयौहोवा ।ई हा

कुच्य ट ख श ख श

तुविकुर्मीमृताइषहमौ होयौहोवा ।

ची क कुच्य ट ख श

इन्द्रंशवीष्ठासात्पतिमौ होयौहोवा ।

ची कुच्य ट ख श

ई हा ॥६ ॥

ख श

॥मधुश्चुन्निधनञ्च प्राजापत्यम् ॥

सपूव्योमहोनामे ।वेनाःक्रातूभाइरानाजे

तू त चि क ट

हाहाऔहोवाआइही ।यस्याद्वारा

त टा त टा ता का था

मानूःपीताहाहाऔहोवाआइही ।दा

टी त टा त टा ता

इवाइषूहाहाऔहोवाआइही ।धीया

टु त टा त टा ता का

आना जाऔहोवा ।मधूश्च्युताः ॥७ ॥

टाट् ख शि ता टाख्

॥उषसश्चसाम ॥

यदीवहन्त्याशवोयद्येयादी ।ओइवहन्तायाशावाः ।

षू तु यू टा

ओइभ्राजमानारथाइषूवा ।ओइपिबन्तोमदीराम्मा
 धू ।ओइतत्रश्रावांसिक्राउवाओबाण्वातोप्ला
 ।हाइ ॥८॥

॥गौतमम् ॥

त्यमुवोअप्राहाणम् ।गृणीषेशवासस्पाताइमिन्द्रावाइश्वा ।साहं होये ।नारमोइ ।शचाइष्ठांवी ।श्वावाहोबादासां ।हाइ ॥९॥

॥अग्रेष्वदधिक्रम् ॥

ओहाइदधिक्राविण्णोअकार्षामोहाइ ।
 ओहाइजिण्णोरश्वस्यवाजिनाओहाइ ।
 सुराभीनोमुखाकारात् ।प्रणाहोआ
 यूंहोषीताराइषा त् ।ओइळा ॥१०॥

॥मारूतंवैश्वामित्रंवा आङ्गीरसानांवा साम मैधातिथंवा ॥

पूरांभिन्दुर्युवाकविः ।आमीतौजाआजा
 याता ।आइन्द्रोविश्वास्याकर्माणाः ।

धर्त्तावाज्जौवाउवोवा ।पुरूष्टु ताः ।

की खि श ह्लि श

होइळा ॥११ ॥

प्लु शा

षष्ठ खण्डः

॥वामदेव्यञ्च ॥

प्रप्रवस्त्रष्टुभमिषमोहाओहाए ।वन्दद्वीरा

षु तू त का थाच्

याआइन्दवा ।ओहाओहाए ।

का टि ट त ट त त

धीयावोमेधसातायेओहाओहाए ।

यू प शट त ट त त

पुरान्धीया ।वीवोबासातो ।हाइ । ॥१ ॥

भि त क प प्लु प्ला शा

॥काश्यपञ्च ॥

कश्यपस्यस्वर्विदाए ।याआहुस्सायूजा

षी तित ची का

वाइतीयायोर्वीश्वा ।मापीव्रताइ ।

य पा फा फा फा ता श

यज्ञान्धीरो ।नीचाया याओहोवा ।ऊपा ॥२ ॥

भि त टिट् ख शि ख श

॥अग्नेर्वैश्वानरस्यसामनीद्वे ॥

विश्वानरा ।स्यवास्पातीम् ।आनानतस्या
ती टा टा कु

शावासाः ।एवैश्चर्षणा ईनाम् ।

च य ट क च टीच् चा

ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥३॥

का का पि प्लु शा

विश्वानरस्यवौहोस्पातिम् ।आनानता

खा प्लू ड श टी

हा ।स्याशावासाः ।एवैश्चर्षणा

त का ख ण क च पी

इनाम् ।ऊतीहूवाइरथानाम् ।हाइ ॥४॥

त्रा का का पि प्लु शा

॥शाकपूतेद्वे ॥

साघायास्ताए ।दिवोनाराए ।धियामार्क्ताए
टी त टी त टी त

स्याशार्म्माताए ।ऊताइसाबृए ।हातोदीवा

टी त दु त टी

ए ।द्विषोआंहाए ।नातारातिइळाभा ।

त टी त चि टि खण्

ओइळा ॥५॥

प प्ला

सघायस्ताइ ।दीवोनरोधियोमार्क्तास्या

ती श का की टा

शर्म्माताः ।ऊतीसाबृहातोदिवाः ।

का चा था टा का चा

द्विषोआंहो ।नातारातिइळाभा ।ओ

का टा चि टि खण् प

इळा ॥६॥

प्ला

॥प्रेय्यमेधञ्च ॥

अर्चतप्रार्चतानाराः ।

षू ख ण

प्रियमेधासोआर्चाता ।अर्चन्तुपू त्राका

खी चा फा खी चा

ऊता ।पूरमिद्धाणुवार्चा ।ताः ॥७॥

क फ क टि खि त्र

॥बाह्दुक्थञ्च ॥

उक्थमिन्द्रा ।याशंसायाम् ।वार्धानं

ती टि त कि

पुरूनिष्ठाइधाइ ।शक्रोयाथा ।सूते

टी ता श भि त का

षूनाः ।रारणात्सा ।खीया

ख ण क टा त का

इषूचा ।ओइळा ॥८॥

टा खण् प शा

॥वरूणान्याश्चसाम ॥

विभोष्टइ न्द्राधासाः ।विभवीरातिश्शतोक्तो

षि ति त टी कु

शताक्रताबु ।आथानोविश्वचर्षणे

टा चा श का चू

श्वचार्षाणाइ ।द्युम्नसूदत्रमंहयत्रमांहा ।या ॥९॥
 टा चा श कृ खु त्र

॥उषसश्चसाम ॥

वयश्चाइक्तेपतत्रिणाः ।द्विपाश्चतूष्पदर्जू
 खि शू षी कि
 नायेउषःप्रारान् ।ऋतूं रनूदिवोआन्ते ।
 पा शी का की टा
 भायास्पारो ।हाइ ॥१०॥
 प श ख क्ल शा

॥देवानाञ्चरुचिरोचनंवा ॥

आमियेदेवास्थना ।मध्येयेरोचनेदिवाःका
 षि ती षी चु
 द्वाऋताङ्गादमार्कता ।काप्रत्नावाआहू
 की टि कि टि
 तीः ।ओइळा ॥११॥
 खण् प शा

॥ऋक्सामयोस्सामनीद्वे ॥

ऋचंसामयजा ।महाइयाभ्याङ्कर्मणीकृण्वा
 तू षु कि टि
 ताइ ।वीतेसद सिराजाताः ।यज्ञान्दाइ
 त श की टि त टि
 वे ।षूवाक्षताइळाभा ।ओइळा ॥१२॥
 ता का का टा खण् प क्ल

ऋचंसामायाजामहाइ ।याभ्यांकर्मा
 खी प्लीश चा थाच्
 णीकाण्वाताइण्वताइ ।वाइतेसद सी
 का य ट टि श कुच्
 राजातोजाताः ।यज्ञान्दाइवेषू
 काय ट टा काय टा
 वाक्षताइळाभा ।ओइळा ॥१३ ॥
 का का टा खण् प शा

ऐन्द्रपाठः

प्रथम खण्डः

॥त्रैशोकम् ॥

विश्वोहाइ ।पार्त्तनाआभिभूतर न्नाराः ।

ता त श टि कि काच्च क च

साजूस्तातक्षूराइन्द्र न्जजनुश्वराजासोहाइ ।ऋत्वौहोइवारौहोइस्थेमन्यामू

चा चि कि का चि पा ण श कु की टा ख

रीम् ।उतोहाइ ।उग्रामोजिष्ठन्तारा सम् ।ओइतरा स्वीनमोवा ।ओइजीवा ॥१ ॥

ण ता त श पि श खि ण खि शि खि श

॥शैखण्डिनेद्वे ॥

श्रक्तेहोश) ।दधाहो ।मिप्रथमायमान्यावा

ता त टा त टी काय ट

इन्यावाइ ।अहन्होइ ।यददाहो ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाः ।उभेहोइ ।यत्वाहो ।रोदसीधावतामानूआनू ।भ्यसा

श टा श ता त श टि त टि चाय ट टा ता त श टा त टि किय ट टा ता

द्धोइ ।तेशुहो ष्मात् ।पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः

त श काथच्च क टि चाय ट टा

द्री ।वाऔहोवा ।हाहाउवा ।ई ॥२ ॥

टद् ख शि क ति ख

श्रक्ताइ ।दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ।अह न्यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।उभाइ ।यत्वारोदसीधावतामानु

ता श थाच्च टी काय ट श टा श का थिच् टि काय ट टा ता श था टि किय ट

आनु ।भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाए हियाहा ।होइळा ॥३ ॥

टा ता थाच्च क टि चाय ट टा काख प्ला श प्ला शा

॥अत्रेर्विवर्त्तोद्वौ ॥

आयोवाआयायोवा ।श्रक्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ।आयोवाआयायोवा ।

चाट चिट प शा ख ण टी काय ट श टा श चाट चिट

आहन्न्याददा ।स्युन्नर्यविवे रापाआपाःआयोवाआयायोवा ।ऊभाइ यात्वा ।रोदसीधावतामानुआनूआयोवाआयायोवा ।भ्यासाक्ताइशू ।ष्मात्पृथिवीचीदा

प श ख ण टि चायट टा चाट चिट प शाख ण टि कियट टा चाट चिट प श ख णा क टि चा

द्रीवोद्रीवाःद्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रिवऔ

य ट टा टटख शि त ति चि

होह म् ॥४ ॥

ट तच्

ईयोवाईयायोवा ।श्रा

चाट चिट प

क्ताइ ।दाधा ।मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ ईयोवाईयायोवा ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः ।ईयोवाईयायोवा ।ऊभाइ या

शा ख ण टी काय ट श टा श चाट चिट प शख णा टि चायट टा चाट चिट प शाख

त्वारोदसीधावतामानुआनूईयोवाईयायोवा ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)औहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवई योह म् ॥५ ॥

ण टि कियट टा चाट चिट प श ख णाक टि चायट टा टट् शि त ति चिट तच्

॥महासावेदसेद्वे ॥

आयाम् ।श्रक्ताइ ।दाधा ।

त त प शा ख ण

मिप्रथमायमान्यावाइ

टी काय ट श

न्यावाइ ।आयाम् ।आहन्याददा ।स्युन्नर्यवीवे रापाआपाःआयाम् ।ऊभाइ यात्वारोदसीधावतामानुआनूआयाम् । ।भ्यासाक्ताइशूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाःद्रीख)औ

टा श त त प शख णा टि चायट टा त त प शाख ण टि कियट टा त त प श ख णाक टि चायट टा टट्

द्रिवोद्रीवाः

चाट ख

अयय्याः ।श्रक्ताइ ।दधा ।

ति चा शा थाच्

मिप्रथमायमान्यावाइ

टी काय ट श

न्यावाइ अयय्याः । अह न्याददास्युन्नर्यवीवे रापाआपाः अयय्याः ।

टा श ति चा थि टि चाय ट टा ति

उभाइ यत्वारोदसी

चा श थाच् टि

धावतामानूअयय्याः । भ्यसाक्तेशु ष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोद्रीवाः द्रीख)

किय ट ति चा थाच् क टि चाय ट टा ट्

औहोवा । हाहाउवा । द्रीवाई ॥७॥

शि त ति टा ख

॥शैरीषेद्वे ॥

औहोहोहाइ । श्रक्ताइ । दाधामिप्रथामा

ता त त श ख शा फा फी

यमन्यावेयमन्यावाइ । अह न्याददास्युन्नर्य

खि श खि ण श णा फि फि

वीवेरा पोवीवेरा पाः । उभाइयात्वारोदसीधावतामानूवतामानू । भ्यसाक्ताइ

खि श खि ण णा फि फी खि श खि ण णा

शूष्मात्पृथिवीचीदाद्रीवोचिद्रद्राइवाः । द्रीवा

फि फी खि श खि णा ट् ख

औहोवा । हाहाउवा । एद्रीवाईहा ॥८॥

शि क ति त काटख

श्रक्ताऔहोहोहाइ ।

टि त त त श

दधा मिप्रथमायमान्यावाइ न्यावाइ । अहाऔहोहोहाइ । यददा स्युन्नर्यवीवे रापाआपाः । उभाऔहोहोहाइ ।

थाच् टी काय ट श टा श टि त त त श थिच् टि चाय ट ट टि त त त श

यत्वारोदसीधावतामानूआनूभ्यसाऔहोहोहा

थाच् टि किय ट टा टि त त त

इ । ताइशू ष्मात्पृथिवी

श थिच् क टि

चीदाद्रीवोद्रीवाः ।द्रीवाऔहोवा ।हाहाउवा ।द्रीवए द्रीवाः ॥९॥

चा य ट टा ट्ख शि क ति चि टाख्

॥इन्द्रस्येन्द्रियाणीत्रिणि ॥

समोहाइ ।आइतविश्वाओजासापतिमोइदिवाहाहाइ ।यआइकाईत् ।भूरातिथिर्जनानांहाहाइ ।सापूर्वोयोनूतानमाजिगाइषान्हाहाइ ।

ता त श षु कि कि पि ष् ङ श चा या ट च चा टि ख ष् ङ श टी का चा टा खा ष् ङ श

तंवार्कतानी रानुवा

क या टच् क टा

वृतआएकयाउवा ।

चि ट का ता

वृधे ॥१०॥

ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दिवयाहौहौहोवाई या ।यआईकाईत्भूरातीथिर्जनानांहौहौहोवाई या ।सापूर्वोयोनूतानमाजिगा

षृ तु कि ट ट त टा त त या ट ट था टि क ट ट त टा त टि का चा चा

इषान्हौहौहौहोवाई या ।तंवार्कतानी रा

का ट ट ट त टा त क या टच् क

नुवावृताआयेकया

टा चा च ट का

उवा ।महे ॥११॥

ता ताच्

समेतविश्वाओजसापतिमेपातीम् ।दाइवायाऔहौहो

षृ तु यि ट ट ट त

वाओमोवा ।यआइकाई ।भूरातीथिर्जनानाऔहौहोवाओमोवा ।सापूर्वोयोनूतानमाजिगाइषान्हौहौहोवाओमोवा ।तंवार्कतानी रानुवावृत

चि श चा या ट च चा टि टा ट त चि श चा य ट का चा टा टि ट त चि श का य टच् क टा

आएकयाउवा ।धर्माणे ॥१२॥

चि ट का ता टा ख

॥वैरूपाणित्रीणि ॥

इमेतया ।न्द्रातेवयम्पुरूष्टूता ।येत्वारभ्यचरामसिप्रभूवासाबु ।नाहित्वादन्योगिर्वणोगिरा
ती दू टा षी दू टा श षु ड

स्साघात् ।क्षोणीरिवप्रतितद्वय
टा क षि

नोवाचावचाउवोवा ।होइळा ॥१३ ॥

दू पा षु ष्ण शा

इमेतया ।न्द्राते वयम्पुरूष्टूतायाइत्वा ।राभ्या ।चारामसीप्रभूवासाबु ।नाही त्वादा न्योगिर्वणोगिरा स्साघात् ।क्षोणीराइत्वाप्रातीतद्वरी यानोवाचा ।ओइळा ॥१४ ॥
ती का कू य टाच् य टच् कू टा श य टच् य टच् ची का चा य टच् य टाच् का कि टि खण् प ष्ण

इमेताइन्द्रतेवयं)पुरूष्टू तोवा ।येत्वारभ्याचरामसीप्राभूवासाबु ।नाहित्वादा
पि षु ष्ण्ड श टी खी चा फा श टी

न्योगिर्वाणोगीरा साघात् ।क्षोणीराइवा प्रातीतद्वार्यनोवाचाः ।होइळा ॥१५ ॥
खी चा फा टुच् टी ष्णी ष्ण शा

॥बार्हदुक्थञ्च ॥

चर्षणीधृतांहाबु ।माघवानामुक्थायाम् ।इन्द्रङ्गीरोबृहतीराभ्यानूषाता ।वावृधाना
तु त श कि टि त षु की टि त टी

म्पूरूहू तांसुवाक्ताइभीः ।आमा तीयाजरमाणान्दाइवे ।दाइवोहाइ ॥१६ ॥
टिच् टि ख णा टाच् का टी प शा ख ष्ण शा

॥त्रासदस्यवेच ॥

अच्छावइन्द्रम्मतयस्वर्यूवाए ।सङ्गीचीर्विश्वउशतीरनूषाता ।पारीष्वजन्तजनयोयथापातिं ।मर्यन्नाशू ।न्ध्यूर्मघवानमू औहोवा ।तया ई ॥१७ ॥
षु तू त षु कु टा षु कु टा टि त टी खा शि ताच् ख

आच्छावइन्द्रम्मातयाः ।सूवार्यूवा साध्रीचीर्विश्वाऊ
प षु डा क टिप् षु

शतीः ।आनूषतापारिष्वजन्ताजनयाः ।या
डा क टि प षु डा क

थापताए मार्यन्नशुन्द्र्युर्ममाघवा ।नामूतायाबु ।बा ॥१८ ॥

भी प णु डा क का च श ट ख

॥सौभरेद्वे ॥

अभित्याम्मेषम्पूरूहू ।तामृग्मायाम् ।ईन्द्राङ्गीर्भाईर्मदतावस्वोअर्णावामोहाहाइ ।यस्यद्यावोनविचर न्तीमानूषामोहाहाइ ।

खि णि ड श चा टा ता ता चू का पा प्लु त श ची की च श कि प प्लु त श

भुजेमंहिष्ठमभिविप्रमर्चतादुरातिनाऔहोवा ।ऊपा ॥१९ ॥

षू कू टा खा शि ख श

त्यंसू मेषम्माहयासूवर्वाइदाम् ।शतायस्यसूभुवस्साकामाइराताइ ।अत्यन्नवाजंहावानस्यादांराथां ।आइन्द्रं ववृ

खा णि डा टि ता ता चि चि का या ट श षू चा का च य ट कि च्च का

त्यामवसाइसूवृ औहोवा ।क्तीभीः ॥२० ॥

टू ट ख शि ख श

॥वरूणसामनीद्वे द्यावापृथिव्योर्वासामनी ॥

घृतवतीभुवनानामभाइश्रिया ।

षू ती ति

उर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाद्यावापृथिवीवरूणास्याधर्मणा ।वाइष्कभीतायाजरे भूरिराईतसाउवा ।इन्दुस्समुद्रमूर्वीयाविभाती ॥२१ ॥

षु कू च षू की चि की च कि टि कि ता का कु कि ख

घृतावाताइभुवनानामभाइश्रियाउर्वीपृथ्वीमधुदुघेसुपेशासाहोइ ।द्यावापृथ्वीवरूणास्याधर्मणाहोइ विष्काभाइते ।आजरे

णा फा खी शू षू टू च श षी की टि च श टि ता कि

भूरिराईतसाउवा ।एइन्दुसामूद्रमूर्वीयावीभाती ॥२२ ॥

चि कि ता त का कु कि ख

॥इन्द्रस्यचश्येनः ॥

उभेयदिन्द्रोदसाइ ।आपाप्राथाइषाआउवाई वा ।माहान्तन्त्वामहाइनाम् ।सम्राऔहो ।जञ्चक्रुषणाआउवाए ।नामा ।देवीजनत्रयाजीजानात् ।भद्राऔहो ।जानित्रयज

तू ता श टा का ता टि ख श टी टी पि श कि ता भी त ख क यू टा पि श टि त

आउवा ।एजनादा ॥२३ ॥

टि त काख

॥वैरूपम् ॥

प्रमन्दाइनाइ ।पितुर्मदार्चातावाचाः ।याःकृओवा ।ष्णागर्भानीराह नृजाइश्वानाअवस्यावाः ।वृषाणंवाज्रादक्षा

खि शि खी चा फा टा ख ण चि कि टु खि ण कि का खा

इणम् ।मारौवाउवोवा ।

णा का खिश

त्वन्तंसख्यायउहुवाइमहाबु ।बा ॥२४ ॥

बु छि छिश श

द्वितीय खण्डः

॥यामम् ॥

स्वादोरित्थाविषूवतोमाधोःपिबन्तिगौर्याः ।

फू ता प श्रू

याइन्द्रेणासायावारी ।वृष्णामद न्तीशोभा

की टि त चा काचक टा

था ।वस्वाइरानू ।स्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥१ ॥

त चा याट का टि खण् प शा

॥गृत्समदस्यमदौद्वौ ॥

इत्थाहिसो ।माइम्मादाः ।ब्रह्माचाकारावर्द्धानाम् ।शाविष्ठवज्जिन्नोजासा ।पृथिव्यानिशशाआहीमर्चचान्नानू ।स्वारौहोवा ।जीयमोइळा ॥२ ॥

ती टि त की च टा त कु टा त कि कि का चा य टच् चिकच् क प्ला शा

इत्थाहिसोमइम्मदाः ।ब्रह्माचाकारावर्धानाम् ।शवाइष्ठावाज्जिन्नोजासावपृथिव्यानिशशा

फी की की टि ख खी श खि ण कि कि

आहीमर्चचान्होइनोहोइस्वारा ज्यामिळाभा ओइळा ॥३॥

क कि टि की टि खण् प शा

॥आभीशवेद्वे ॥

न्द्रोमदा ।यवावाद्धाई ।शवसेवृ त्रहानृ भीः ।तमिन्महत्स्वाजा

ती खि शा की खि प्ल खू

इषू ।ऊतिमर्भेहवामाहाइसावा ।जाइषुप्रनोबावाइषाद्धाई ॥४॥

शा शी खि शी पु प्ल प्ल शा

इन्द्रोमदायवावृधाई ।शवसेवृ त्रहानृभीस्तामिन्माहात्साहाबुजाइषु ।ऊतिमर्भेहवा मा

फी की श की का य प पु शु क टु च ख

हाइसावा ।जाइषूप्रनोबावाइषा ।द्धाई ॥५॥

शी पु प्ल प्लि शा

॥आभीकेद्वे ॥

इन्द्रोमदायवावृधाई ।शवसेवृत्रहानृभीराऔहोऔहोवाहा ।तामिन्महत्स्वा

फी की श कि च टा का श टि च्च क ट ख टु

जिषु आऔहोऔहोवाहा ।ऊतिमर्भे हवामाहा आऔहोऔहोवाहा

का श टि च्च क ट ख क कि टा का श टि च्च क ट ख

सावाजेषूप्रानो ।वाइषा ।द्धाई ॥६॥

यी प श ख प्ला शा

इन्द्रोमदायवावृधेशवसेवृत्रहानृभीः ।तामिन्महत्सुआजिषु ऊतीमार्भाई ।हवामा

षू तू चा य ट का टि टि का ख ण श टा

हाइ ।सावाजेषूप्रानो ।वाइषा ।द्धाई ॥७॥

चा श यी प श ख प्ला शा

॥बार्हगिराणित्रीणी ॥

इन्द्रो ।मदायावावृधेशवासाइवृ ।त्राहाऔहोवा औहोवानृभाइः ।तामिन्मह त्स्वाजिषूतिमार्भाइ ।हावाऔहोवा औहोवामहाइ ।सावाजेषुप्रनाऔहोवा औहोबावाइषा ।
 ताप् ता दू ख णा टा ता तद् खा शी की दू त श टा ता तद् खा शी दू ता तद् खा ष्ट फ़ि
 इन्द्रो मदायवावार्द्धाइ ।शवसेवृ त्राहानृभीः ।हाबुहौहोवा ।तामिन्महत्सूवाजिषू ऊतिमर्भे हावामाहे ।हाबुहौ
 खा ष्टी ड शा की काय प फि त त कु ट पा क कि काय प फि
 होवा ।सावाजेषूप्रानोवाइषाद्धाइ ॥९ ॥
 त त यी प श ख ष्टा शा
 ओहाइन्द्रो मदायवावार्द्धाइ शवसेवृ त्राहानृभीः ।
 फा खा ष्टी ड शा कीच् काय प
 आबुऔहोवा ।तामिन्महत्सू
 फि त त कु
 वाजिषु ।आबुऔहोवा ।ऊतिमर्भाइहवौहोवामाहे ।सावाजेषुप्रानो ।वीषादौहोवा
 ट पा फि त त क कू था टा य प श पि ष्टा
 होइळा ॥१० ॥
 ष्ट शा

॥इन्द्रस्यचस्वाराज्यम् ॥

इन्द्रतुभ्यमिदद्रीवाए ।आनुक्तंवज्रि न्वीर्य्य व्यद्धात्याम्मा ।याइनम्मृगा न्तावात्याम्मा ।यायावधी रर्चचान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥११ ॥
 षी ती त कुच् का काय ट कुच् काय ट कीच् काय ट का टि खण् प शा

॥कश्यपस्यचधृष्णुम् ॥

प्राइहि आभिहिधृष्णुहाऔहो ।नाता इवज्रो नयंसताऔहो ।आइन्द्रो नृम्णांहितेशवाऔहोहानो वृत्रन्जयाअपाऔहो ।आर्चचान्नानूस्वारा ज्यामिळाभा ।ओइळा ॥१२ ॥
 टिक् कु ट त टाच् पि टु त टिच् षी टि त टाच् षी टि त टा टा का टि खण् प शा

॥वैदन्वतम् ॥

यदुदीरा तआजयाः ।धृष्णवेधी याताइधानम् ।युद्धामदच्युताहारी ।कंहनःकंवसा
फी शा का कीच का या ट क टु ख ण क टु

बुदाधाः ।अस्मंइन्द्रा
खा ण ता ता

वासौदाधाः ।ओइळा ॥१३ ॥
टि खण् प शा

॥यामेद्वे ॥

अक्षन्नामीमादन्तहीयावप्रियाधुषता ।आस्तोषतस्वभानवोविप्रान्नावीष्ठायामतीयोजानू
ची क फ ता प शु का कू भि त की टि

वा ।इन्द्रा ताऔहोवा ।हारी ॥१४ ॥
त टाट्ख शि ख श

उपोषुश्रुणुहीगिरए औहोवा ।माघवन्मातथाइवाकदा
षू ति खात्र क टि प्ला खा

नस्सु ।नार्क्तावतःकरा इदर्था
ता का की चि

यासाई द्योजान्वाइन्द्राताऔहोवा ।हारी ॥१५ ॥
य पा खा ता टाख शि ख श

॥त्रैतानित्रीणि ॥

चन्द्रमायाउवा प्सूआन्ताराउवा ।सुपर्णोधाउवा ।वातेदिविनवोहाइरा उवा ।ण्यानाइमायाउवा ।पादंविन्दाउवा न्ति
क कुच क कु क कुच क पु किच का क कूच कूच क

विद्युतोवित्तम्मायाउवास्यारो दासा इ ।ओइळा ॥१६ ॥
कि कू काट खण् श प शा

चन्द्रमाया ।प्सूआन्तारा ।सुपर्णोर्धा वाताइदीविया ।नवो हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युतोहाइ ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओ
ती त पा श कीच क ट चा ता टाच का का कू पी ण श टू कथ् टि खण् श प

इळा ॥१७ ॥

शा

चन्द्रमायाप्सुअन्तरा ।सूपणोर्धा वाताइदाइवि ।नवो हीर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासा इ ।ओइळा ॥१८ ॥

खी श ङ्गि कीच यी टा टाच का का षी कि टि टू कथ टि खण् श प शा

॥सौपर्णेद्वे ॥

चन्द्रमायप्सुआ ।न्तारासुपणोर्धा

तू कूच

वातेदाइवी ।नवोहोइ ।

टि ता टा च श

हिर ण्यने मयःपादंविन्दन्तिविद्युताः ।वित्तंहोइमायाहो स्यारोदासाओहोवा ।उऊपा ॥१९ ॥

का का शा कु टि टू कथ टि ख शि खा श

चन्द्रौहोमायप्सुअन्तराओवा ।सुप णोर्धावातेदाइवाएहोवाहो

षू तु का का टू काख

इहुवोइ ।नावोहाइरण्यनाइमायाहोवाहोइहुवोइ ।

ति श षू टी काख ति श

पादंविन्दन्तिवाइद्युताहोवाहो

षु टी काख

इहुवोइ ।वित्तम्मेअस्यरोदासाए होवाहोइहुवोवा ।उऊपा ॥२० ॥

ति श षू टि काख खि त्र खा श

॥लौशम् ॥

प्रातिप्रयतमंराथाम् ।वार्षणंवासूवाहानाम् ।स्तोतावामाश्विनावार्षीः ।स्तोमाभीः

प षु ड श क कि टि त भि त टा ख ण भी

भूषातिप्राती ।मध्वाइमामा ।श्रूतां ।हाआवांहाइ ॥२१ ॥

का खा ण भी त प श ख प्ला शा

तृतीय खण्डः

॥इन्द्रस्यसञ्चयेद्वे सेनुदेवा वामदेव्येवा ॥

आतेअग्रइधीमाहाइ ।द्यूमन्तन्दे वाआजरामा ।

प षू ङ श तीच क ट च ता

यद्ध्यास्याताइ ।पानीयासी ।सामीदिद यताइद्याविया ।ईषंस्तोतृभ्याया ।भारो ।हाइ ॥१ ॥

भि त श काख ण की टा चा ता टि त प श ख षू शा

आतेअग्रइधीमाहाइद्युमन्तान्देवाआजर म् ।यद्धस्यातेपनीयसीसमिदिदयताइ ।हिंहिन्द्यावी ।ईषंस्तोतृभ्याया ।हिंहिंभारो ।हाइ ॥२ ॥

फू खा ष्ली ख ष्ली षृ तू श ट खा ण टि श प श प श ख षू शा

॥अङ्गिरसान्निवेष्टौद्वौ ॥

आबुऔहोवा ।अग्निन्नस्ववृक्तिभीः आबुऔहोवा

फि त त षी किख् फि त त

होतारन्त्वावृणीमहे आबुऔहोवा ।शीरम्पावा

षी कीख् फि त त क थाच् क

काशोचिषं विवोमादाइ आबुऔहोवा ।यज्ञाइषुस्ती

की खि ण श फि त त कु

र्णाबर्हिषां आबुऔहोवा ।विवक्षसे ॥३ ॥

कीख् फि त त च खि

अग्निन्नस्ववृक्तिभिः ।इहइहाहाइ ।होतारन्त्वावृणीमहे इहइहाहाइ ।शीरम्पावाकाशोचिषं इहइहाहा

का कु ती त श षी का का ती त श क थाच् क की ती त

इ ।विवोमादाइ ।इहइहाहाइ ।यज्ञाइषुस्तीर्णा

श खि ण श ती त श षु

बर्हिषं इहइहाहाइ ।वाइवाऔहोवा ।क्षासे ॥४ ॥

की ती त श ट खा शि ख श

॥सत्यश्रवसोवार्यश्चसाम ॥

महाइमहोनोअद्यबोधाया ।ऊषोराये दिवित्माती ।यथाचीन्नो ।आबोधायाः ।सत्याश्रावासिवाय्याइ ।सुजाते आ ।श्वासु ।

खा पी ङ्गि ड श कीच् क टा त भि त का ख ण भि त टा ख ण् श भि त प श

नार्कृतो ।हाइ ॥५॥

ख ण् शा

॥उषसश्चसाम ॥

भद्रन्नोअपिवातया ।मानोदक्षामूताक्रातूम् ।आथाते सख्येअन्धासावीवोमादाइ रणागावो

पि शु टा की ख ण च था का टि खि ण श टा टाच्

नायवसाइवाइवाऔहोवा ।क्षासे ॥६॥

क टुद् खा शि ख श

॥लौशञ्च ॥

कृत्वामहं अनुष्वाधाए ।भीमाआवा वृताइशावाः ।श्रीयाऋष्वाऊपाकायोः ।नीशिप्रीहारीवान्दाधाइ ।हस्तायोर्वा ज्रामोबायासां ।हाइ ॥७॥

पी ती त चा थाच् का या ट ता ता का ख ण ची का य ट श भि तच् क प ण् शा

॥यामञ्च ॥

सघातंवृषणंरथाऔहोवा ।आधीतिष्ठा

फा फी खा ण फ श क चि

तीगोवाइदाम् ।यःपात्रं हारियोजानम् ।पूर्णाभिन्द्राचिकेताती ।योजानूवा ।इन्द्रा ता

का य टा कि टि ख ण क कु ख ण भि त टाद् ख

औहोवा ।हारि ॥८॥

शि ख श

॥अङ्गिरसाञ्चैवनिवेष्टः ॥

अग्निन्तम्मान्येयोवासूः । अस्तंयय्यान्तीधेनावाः । अस्तामर्वान्तायाशावाः । अस्तान्नित्यासोवाजाइनाः । इषंस्तोतृहाहो
 खी ङ्गी टी टा ख ण टी टा ख ण टी टा ख णा टी खा
 हाइ । भ्यायाभारो । हाइ ॥९॥
 ण श प श ख ण शा

॥गौरयश्चाङ्गिरसस्यसाम ॥

नतमंहोनदुरितमियइयाहाइ । दाइवासोअष्टामार्कृत्यामियइयाहाइ । साजोषसो
 पू तू त श की कु टि त श की
 यमर्यामाइयइयाहाइ । माइत्रोनायान्तिवारूणाः । आतिद्वीषाः ॥१०॥
 की टी त श की टि ख त्र थ टा ख

चतुर्थ खण्डः

॥वसिष्ठस्यसङ्गमौद्वैसौहविषाणित्रीणि सर्वाणिवासौहविषाणि ॥

परिप्रधवन्वा । इन्द्रायसोमास्वा

दूर्हाइ । मित्रायापू
 तु यू
 प ण श चि क

ष्णेभाहाइ । गायो ।

पा ण श प ण
 हाइ ॥१॥

शा

परिप्रधन्वाइन्द्रायसोमाओहाओहाइ । स्वादुर्मित्राया

तु दू त ट त श दू
 ओहाओहाइ । पूष्णा
 ट त ट त श खा

औहोवा ।भगाया ॥२॥

शि ता ख

परीहोइ ।प्रधान्वा ।

ता च श खा श

इन्द्राहोयसोमा ।

ता च खा श

स्वादूहोइ मित्राया ।पूष्णेहोइ भगाया ।

ता च श खा श ता च श खा श

पूष्णेभगायपूष्णेहोइभगाया ।एस्वर्वाते ॥३॥

षु टा ख खित्र त खि

हाहाइपारी प्राधन्वाए

त ची टि ख

हियाहाहाइ ।हाहाइ न्द्रायसोमाए

प्ला त त श त क कथ कि ट ख

हियाहाहाइ ।हा

प्ला त त श त

हाइस्वादू मित्रायाए हियाहाहाइ ।हाहाहाइ पूष्णे भगायाए हियाहाहा इ ।ओइळा ॥४॥

कि थच् काट ख प्ला त त श त त का थाच् काट ख प्ला त खण् श प शा

पर्येपारी प्राधन्वाहोवाहोइ न्द्रायसोमाहोवा ।होइस्वादुर्मित्रायाहोवाहोये ।पूष्णौवाउवो

ती कु का कु कि कू टा का खि

वा ।भगायाबु ।बा ॥५॥

श प्लि श श

॥वाकानित्रीणि ॥

पर्येषु प्रधन्वावा ।जसाताया ।ओइपारी ओइवृत्रा णीसर्क्षणीद्वाइषास्तारा ।धीयाऋणायाना ।ईरासाआइरासा इ ।ओइळा ॥६॥

षि ती की की टीच् क यू टा टा भि क भि ट खिण् श प प्ला

पर्येषू ।प्राधान्वावाजसातायाइ ।परिवृत्राणिसाक्षाणिद्विषास्तारा ।धिय्याऋणायानाईहिं ।रासो ।हाइ ॥७॥

ति टी का ख ण श षु चा कि प श चा या पा श च ख प्ल शा

पर्येपारी ।ऊषुप्रधन्वावाजसातये

ती षे

परिवृत्राणिसाक्षाणिद्वाइषास्तारा ।धीयन्ऋणया
 कू टि ता ट त पु
 नयाउवाओबारासो ।हाइ ॥८॥
 की प षि शा

॥प्रजापतेर्धर्मविधर्माणिचत्वारि ॥

पवस्वसोमा ।माहान्सामूद्राः ।पीतादेवानां
 तु च क कि
 वाइश्वाऔहोवा ।
 टू खा शि
 भीधामा ॥९॥
 टा ख

औहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा ।पावास्वसोममाहा
 कु था ट ख शि ची चि
 न्सामुद्राः ।पीतादेवानां
 चि का टि

विश्वा भिधामाऔहोवाऔहोवाऔहोवाऔहोवा ।एधर्मा ॥१०॥
 काचूक ट ख कु था ट ख शि तट ख
 ओहोवाओहोवाओहोवाओहोवापावस्वसोमामाहेदक्षायाश्वोनानिक्तोवा
 कु था ट ख शि कू चि का चि ट
 जीधनाया ।ओहोवाओहोवाओहोवाऔहोवा ।
 कि ख कु था ट ख शि

एविधर्मा ॥११॥
 त का ख

पवस्वसोमा ।माहेदक्षायाआश्वोननिक्तोवाजा
 तु क थ टि कु खा
 औहोवा ।धनाया ॥१२॥
 शि ता ख

॥भागञ्च ॥

इन्दुःपविष्टा ।चारूर्मादायाअपामुपास्थाइ ।

तु ट कि कि टा त श

कावाऔहोवा ।भगाया ॥१३ ॥

टट् ख शि ता टख्

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

अन्वनू ।हाइत्वासूतंसोमामदामसिमदा ।मासाएमहाइसामा ।रीयाराज्येवाजं आभीपवमानपवमानाः ।प्रागा हासाऔहोवा ।होइळा ॥१४ ॥

ति कि कि चि कीच् का ट खी ण चा टा टाच् क षु कि च टाच् क टा ख ण् ण शा

॥प्रजापतेर्हिकनिकविकानित्रीणि ॥

कईव्यक्ताः ।नारस्सानाइळारूद्रस्यमर्यायाथाऔहोवा ।स्वश्वाः ॥१५ ॥

ती ची टाच् दूट् ख शि त टख्

काई वियाक्ताः ।

णाफ् खा ण्

नारा स्सानाइळाःरूद्रस्य

णाफ् ख ण्

मर्यायाथाऔहोवा ।

दूट् ख शि

सुवाश्वाः ॥१६ ॥

ता ख

काई वियाओवाक्तानाराः ।सनाओवा

था टा क ख शि टा क ख

इळारूद्रा ।स्यमाओवार्यायाथा ।सुवाओवा

शी टा क ख शि टा क ख

श्वाः ।होइळा ॥ 17 ॥

ण् ण् शा

॥आश्वेद्रे ॥

अग्नेतमद्या ।अश्वन्नस्तोमाइःकृतू न्नाभाद्राम् ।

तु था कूच क टा

हार्ददिस्पृशामृद्भ्या माऔहोवा ।ताओहैः ॥१८ ॥

टा क च टाद ख शि टा ख

आग्ने होइतमाद्या ।अश्वन्नस्तोमाइःकृतु न्ना

फा फ खि श था कूच क

भाद्रां ।हार्ददाओइ ।स्पृशामृद्भ्या मा

टा था च श चा टाद ख

औहोवा ।ए ताओहैः ॥१९ ॥

शि तच्च क ट ख

॥वाजिनाञ्चसाम ॥

आविर्मर्याः ।आवाजंवाजिनोग्मान्देवा ।स्यसवीतुस्सावाइ ।स्वर्गाअर्वान्ताः ।जयता ॥२० ॥

क पा ण षि टु च टु त श टा खात्र क टाख

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवस्वसोमा ।द्युम्नी सूधाराः ।माहीनामानूपूर्वीयो इळा ॥२१ ॥

तु णाफ् खाप्पु टि टि खाप्पु शा

पञ्चम खण्डः

॥इन्द्रस्यक्रोशानुक्रोशेद्वे ॥

इन्द्रा ।सूतेषुसोमेषूहोयेहू होइक्रतुं पुनिषउक्थ्यां ।वीदाइवार्द्धास्या ।दक्षास्यामहं हिषाः ।ओइळा ॥१ ॥

ता कु टि सट् षी चु चा या ट त पा श टा खाप् प शा

इन्द्राहोइहवे होइ ।सुतेषुसोमेषुकृतुंपुनीषउक्थ्याम् ।वीदाइवार्द्धास्या
 ता की च श षृ चू चा या ट क
 दक्षस्यामाहंही ।षाः ॥२॥
 चि फि ख

॥कौत्सन्तृतीयम् ॥

इन्द्रसुतेषुसोमेषू ।क्रातूंपूनाइषाउक्थ्यांवीदे
 पु तात टा की चा का
 वार्द्धास्यादक्षस्या ।महंहाइषाः ।महं हिषाः ।ओइळा ॥३॥
 टा क चि टु टा खाण् प शा

॥प्रहितोःसंयोजनेद्वे ॥

तामूआभिप्रगायता ।पुरूहूतंपूरूष्टूताम् ।इन्द्रा ज्ञाइभीस्ताविषामा ।वीवा
 ण फ खी शा टू टा टाच् कि टि त
 साताऔहोवा ।ओकाः ॥४॥
 टिट् ख शि ख ऋ
 तामूअभिप्रगायतेदाम् ।पुरूहूताम्पूरूष्टूताम् ।आइन्द्रज्ञी र्भिस्तविषमा वीवासाताआइन्द्रा ज्ञाइभी स्ताविषामा ।वाइवाऔहोवा ।सतए ॥५॥
 ण फ ची शि टू टा टीच् कुच् काय ट किख ताच् क टा त ट खा शि खि

॥दैवोदासेद्वे ॥

हाबुतमूअभी ।प्रगायताहाबु ।पुरूहू तम् ।पूरूष्टुतांहाविन्द्राज्ञाइभी
 तू का भि श खिण का भि खि ताच्
 स्ताविषामाहाबु ।विवासाता ।दीवि ॥६॥
 क पा फ ण श खि त्र ख श
 तामूअभी होइप्रगा
 फा णाफळ् खी

यताए ।पुरूहू ताम् ।पुरूष्टु ताम् ।पुरूष्टु तम् ।इन्द्रा
 छि भि त भि त टा ख ण
 ज्ञीर्भा इस्तवाइषामा ।वीवासा ।विवा
 भि तच् श भी त भि त टा
 साता ।आइन्द्रज्ञीर्भा इस्तविषमाविवावाहा
 ख ण की तच् टृ त त
 सताउवोवा ।ऊ ॥७ ॥
 टा खा श ख

॥हारिवर्णानिचत्वारि ॥

तन्तेमदङ्गुणिमासी ।वृषाणंपृक्षुसा
 दू चा दू च
 साहाइम् ।ऊलोकाकृत्तुमद्रावोहारी ।श्राया म् ।ओइळा ॥८ ॥
 क च श षु टा ता ट त ट ख ण् प शा
 तन्तेमदङ्गुणीमसीए ।वृषाओहोणंप्रक्षुसासहीम् ।ऊलोओहोककृत्तुमद्रिवाः ।
 षी ती त कि ख यी शा कि ख शु
 हारोबाश्रायां ।हाइ ॥९ ॥
 क प प्लू प्ला शा
 तान्तेहोइमदांगृणीमसीए ।वृषाहो
 ण फ प्लू खी पु टि
 णंप्रक्षुसासाहिं ।ऊलोककृत्तुमद्रिवोहा
 यी टा पु यी
 री श्रीयामौहोबा ।होइळा ॥१० ॥
 टच् क पा प्ला प्लू शा
 तन्देमदांगृणीमसाइ ।वार्षाणंप्रक्षुसासा
 फी की श कु टा
 हींहोवाहाइ ।ऊलोकाकृहोवाहाइ ।
 त टा त श टि त टा त श
 तुमाद्रा इवाओहोवा ।हारिश्रीया म् ॥११ ॥
 टिट् खा शि च टिख्

॥त्रैतानिचत्वारि ॥

औहोयौहोवा ।यत्सोममीन्द्रावीष्णावाइ औहोयौहोवा ।यद्वाघत्रीतायासीयाइ औहोयौहोवा ।

च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श खी कि फ श च य ट ख श

यद्वामरूत्सूमन्दसाइ ।औहोयौ

खी कि फ श च य ट

होवा ।सामिन्दुभीः ॥१२ ॥

ख त्र टि ख

हायोहायत्सोममान्द्रा वाऔहोवा ।ष्णावे ।

षु ता ट्ख शि ख श

यद्वाघात्रीतआसीये ।यद्वामरूत्सुमाहोन्दसाइ ।

टा का चा का दू टि श

समाहोये ।न्दुभिरो

टा टा खि

इळा ॥१३ ॥

शा

यत्सोममिन्द्रविष्णावाइ ।यद्वाघत्रीतआप्तायाइ ।

षु ता त श षी ची श

यद्वामरूत्सूमन्दासोहाइ ।सामाऔहोवा ।

चू पा ण श ट्ख शि

एन्दुभीः ॥१४ ॥

त टाख

यत्सोममाइन्द्रवीष्णावाइ । ।यद्वाघत्रीताआप्ते ।यद्वामारूत् ।सूमान्दासाइ ।सामाऔहोवा ।न्दुभिः ॥१५ ॥

फी कु श टा च चा का टि त टा ख ण श त्ख शि ख प्ल

॥सराधसःप्रराधस्यश्चाङ्गिरसयोस्सामानित्रीणि ॥

एदू माधोर्मदाइन्तार म् ।सिञ्चाध्वर्योअन्धसाधासा ।एवाहिवीरास्तवताइवाताइ ।सदावार्धाः ॥१६ ॥

फा फा खा खा श क दू ख ण क षी टि खा ण श खि त्र

एदुमधौहोर्मदिन्तरा म् ।सिञ्चाहोअध्वर्योअन्धासाआइवाहिवीरास्तवताइ ।सदा वृधाऔहोवा ।

पु की भि टि भि यि टा च चि श टा च्च वृ टा ख प्ल

होइळा ॥१७ ॥

प्लु शा

एन्दुमिन्दूरायसीञ्चता । पिबातसोम्यम्माधू प्राराधांसी । चोदयतामा

फि फा खा शा टा चा कि टि त यी प

ही । त्वानाओहोबा । होइळा ॥१८ ॥

श टि ख प्लु प्लु शा

॥वैश्वमनसम् ॥

एतोन्विन्द्रंस्तवामा । साखा यस्तोम्या

तू त काच् टा खणफप्लु

नारमाकृष्टीयोर्विश्वा । आभियास्त्याइकाई त् । आओहोवा । ऊ ॥१९ ॥

षु चि टी टि ख शि ख

॥सौमित्राणित्रीणि ॥

इन्द्रायसा । मागायतावाइप्रायाबृहाते बृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्वाइताओहोवा । पानस्यवे ॥२० ॥

ती कि चि टा का चा टीचक टाट् खा शि च टिख्

इन्द्रा यसामगायाता । वाइप्रा याबृहता

खा प्ली ड श किच् टा खाणफप्लु

इबृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्चिते ओइपा ना

श ख श थ टिच् टी टिट् ख

ओहोवा । स्यावे ॥२१ ॥

शि ख श

ओहोओहोओहोवा । इन्द्रा यासामगायाताविप्रायाबृहातेबृहात् । ब्रह्माकृते वीपाश्चिते । ओहोओहोओहोवा ।

क की ख त्र टाचक टि क टि चाक काश थ टिची टि क की ख त्र

एपानस्यवे ॥२२ ॥

त च टिख्

॥त्रैककूभानित्रीणि ॥

याएकाइद्वीदयाताइ ।वासुमर्कताहाया

ख ण्ख खी ण श च टि त

दाशूषाइ ।आइशानोअप्राताहाइष्कृताः ।

का ख ण श कि टी खि ण

आइन्द्रो अङ्गायाऔहोवा ।ईन्द्राः ॥२३॥

कि टाट्ख शि ख ण्

यएकइदिहाहाइ ।वीदयताइवसुमार्कतायादा

तू त श षु टि तच् चा

शूषाइ ।ईशानोआप्रातिष्कृताआउवा ।ईन्द्राः ।अङ्गाऔहोवा ।होइळा ॥२४॥

शि भि त क कि टि ख ण् क टा ख ण् ण् शा

यएकइद्विदयाताइ ।वासुमर्कतायादाहिंशूषाइ ।आइशानोअप्राताइ ।ष्कृताः ।आइन्द्रो अङ्गायाऔहोवा ।ईन्द्राः ॥२५॥

षी ति त श पु शा त त श यी चि श त त कि टाट्ख शि ख ण्

॥औक्षोरन्धराणित्रीणिऔक्षोनिधनानिवा ॥

सखाययाहाबु ।शिषामहेहाबु ।ब्रह्माइन्द्राहाबु ।यावज्रणास्तुतऊषुहाइ ।वोनृतमाहा याधार्षणावाऔहोवा ।ऊपा ॥२६॥

ती त श खा शी खा शी टू त श टी तच् क टाट्ख शि ख श

सखाययाशिषामहेब्रह्मेन्द्रायवज्रिणोवा ।आइतिवाहोवाहाइ ।स्तुषऊषुवोहोहाइ ।नार्कतामाहोवाहायाधार्षणावा

षे तू त टि त टा त श चि प ण्डा श मा त टा त च टाट्ख

औहोवा ।ई ॥२७॥

शि ख

साखाययाशिषामाहाइ ब्रह्मेन्द्रायवज्रिणो

फ णि फि ख श षू ट

हाइ ।स्तुषऊषुवोनार्कतामायाधृहाहाइवोनार्कतामायाधृहाहाइष्णावाऔहोऔ

ड श चि का कि ख ण् त च का कि ख ण् त च टि ता

होवाहा धृष्णावाऔहोऔहोवाहाहा

ता त कथ् टि ता ता त त ख

औहोवा ।उऊपा ॥२८ ॥

शि खा श

षष्ठ खण्डः

॥इन्द्राण्यास्सामनीद्वेइन्द्रस्यवासांवर्त्ते संवर्तस्यवाङ्गीरसस्य ॥

एन्द्रनाः ।गधिप्राया ।सान्नाजिता ।गोहायागिराङ्गवाइ ।श्वाताःपार्थूःपा र्ताऔहोवा ।दीवाः ॥१ ॥

ति क टा ख की टा खा ति श ति टाट् ख शि ख ण्

॥दैवोदासानिचत्वारि ॥

यस्याओत्याच्छाओंबर म्मादाइ ।दिवोओदासा

ता प ता प प्लात त श ता क ता

ओयर न्धायायान् ।अयाओंससोओमइन्द्राताइ ।

प प्लात त श ता क ता प ण् तात श

सुताःओःपिबाओबा ।ऊपा ॥३ ॥

ता क ता प ण् ख श

यस्यात्यच्छांबरम्मादाइ ।दीवोदासायरन्धायन्ना

फी की श षी

यां सासोमइन्द्राताइ ।सूताऔहोवा ।

कूचक ख तित श ट ख शि

पीबा ॥४ ॥

ख श

यस्यात्याच्छांबरम्मादाइ दीवो दासायर न्धयन्नयां सासोमइन्द्राताइ ।सुताओःपा इबाऔहोवा ।ई ति ॥५ ॥

खी षी श टाचक षि कीचक ख तित श का टाट् खा शि ख श

यास्यात्याच्छद्वोइशंबराम्मादाए दीवोदासायरन्धय न्नयांसासोमइन्द्राताऔहोवा ।सूताःपिबो ।इळा ॥६ ॥

फ प्ला खू णि षी ची भि ख खी शि ख ण् खा शा

॥रेवञ्च ॥

हाबुगृणाइ ।तदाइन्द्रो ताइ ।शवाओवा

ती श खी ण श टा का

उपामान्दे ।वातातयाइयद्धंसाइवात्रमोजसाशाची ।पाताऔहोवाहा औहोवा ।द्युभीः ॥७ ॥

खि ण पु टि खा शू टा ट खि शि ख ण्ण

॥आक्षारञ्च ॥

गृणेतदा औहो इन्द्रते शवाः ।उपामान्देवातातायाइयद्धांसिवात्रमोजसाशाचीपा ।ताइ ॥८ ॥

खी खा चि णा चा था काट ख चि ता का चा चा फ ख श

॥रेवञ्चैव ॥

गृणेतदौहो इन्द्रते शवाः ।उपामान्दे वातातायउपामान्देवातातायाइ ।यद्धंसी

फु शि का चा टाच् का चीट थच् काट त श कि

वृत्रमोजसाउवा ।शाचीपाताइहोइळा ॥९ ॥

टि का ता ख ण्ण ख खि शा

॥आक्षारञ्चैव ॥

याइन्द्रसो ।मापातामाः ।मादश्शवाइष्ठचेतताइ ।याइनाहांसी ।नीयत्रिणान्तामीमा ।हाइ ॥१० ॥

ती टा ख ण षी कि चा श टि ख ण की च क फ ख श

॥यामम् ॥

तुचेतुनायतात्सूनाः ।द्राघीयआयूः ।जीवा

षी खि ण का खा ण चा

साआदित्यासास्सम्महसाः ।कृणोता ।ना ॥११ ॥
 टि टा टी खि त्र

॥भारद्वाजस्यशुन्ध्यु ॥

वेत्थाहिनिऋतीनां ।वाज्रहास्तापारी ब्रजामाहारा
 षि ती की का कि का
 हाशुन्ध्युःपारी पदा ।माइवा ॥१२ ॥
 का कि टा ख त्रा

॥आदित्यानाञ्चापामीवम् ॥

अपामीवामपा ।स्त्रीधामपसे
 तू शु
 धतादुर्ममातीम् ।आदीत्यासो यूयोतनानाआउवा ।ओबांहासो ।
 का टा त टा टाच क षी कि प फ़ फ़ा
 हाइ ॥१३ ॥
 फ़ शा

॥वसिष्ठस्यचवैराजे ॥

पीबा ।सोममिन्द्रमन्दतुत्वा ।
 ता शु टि
 यन्तेसुषावहर्याश्वाद्रीः ।
 क कू ट त
 सोत)र्बाहुभीयाम् ।सूया ताऔहोवा ।ए नार्वा ॥१४ ॥
 ट टि त टाद ख शि तच् टाख्
 हाबुपिबा ।सोमामिन्द्रमन्दतुत्वादतुत्वा ।य
 ती शु कि चि क

न्तेसुषावहर्याश्वाद्रीश्वाद्रीः ।

यू टा टा

सोतुर्बाहुभ्यांसूयतास्सूयतो नार्वा औहोवा ।ई ॥१५ ॥

क की कि किट् ख शि ख

सप्तम खण्डः

॥इन्द्रस्याभ्रातृव्यम् ॥

आभ्रातृव्योअनातुवाम् ।आनापिराइन्द्रा जनुषा

फी की कूचक टा

सना दासी ।यूधे दापित्वामिच्छसे ।युधा ॥१ ॥

खाणफळ् ख श चा क कु ताच्च

॥शार्करेद्वे ॥

योनोहाबु ।ईदामिदम्पूराहाबु ।प्रावाप्रवस्ययाहाइ ।नीनानीनायतमुवो

ता त श दू त श दू त श षी टी

हाबु ।स्तुषाइ सखाययाहाइ ।न्द्रामूताया इ ।श) ।ओइळा ॥२ ॥

त श षि टी त श टि खण् प शा

योना इदमिदाम्पूरा ।योनइदमिदाम्पूरा ।

णाफ् खी शा यू प श

प्रावस्ययानीनायतामूवास्तुषाइ ।नीनायता

कू खा कि फ श च खि

मूवास्तूषाइ इ ।साखायायाइन्द्रमूतायाइ ॥३ ॥

कि फा श टि ट खीत्र श

॥बृहत्कम् ॥

आगन्ता ।मारीषण्या

ति तच्च क टा

ता ।प्रस्थावानोमापा

त का का चा

स्थातासामान्यवाः ।द्रढाश्चीद्या ।मयोवा

था च य टा भि त ऋ

ष्णावो ।हाइ ॥४ ॥

प्ला शा

॥सौयवसानिचत्वारिपुनरींळवातृतीयम् ॥

आयाही ।आयमिन्दवेश्वपाताइ ।गोपाताउर्वारापाताइसोमाम् ।सोमापा ताऔहोवा ।पीबा ॥५ ॥

ति षी टि त श कि का य पा ति टिट् ख शि ख श

अयाहिया ।यामाइन्दावे ।आश्वपते गोपताउर्वराहाइपाताइ ।सोमंहाइ ।सोमपतेहाइपाईबाए हियाहा ।होइळा ॥ ६ ॥

ती त पि श की कि टि खिण श प णाश टीत पा ऋ शि ऋ श

आयाह्ययमिन्दावाइ ।

तू त श

अश्वापाताइगोपाता

चा य ट ची

उर्वरापाताइ ।सोमंसोमाओपाताइपीबाओबा ।ऊपा ऊपा ॥७ ॥

टि ख ण श की का की प ऋ ख श ऋ ख ण

त्वयाहस्वीत् ।यूजावयं प्रातीश्वासान्तंवृ षाभ ब्रूवीमाहाइसंस्थाइ ।जानास्यगोबा ।माताः ॥८ ॥

ती की या टा का का या पा ति श पी ऋ ख ऋ

॥मरुताञ्चसंवेशीयंककूभंवा ॥

गावश्चित्थासामन्यवाः ।सजात्येनमरूतस्सबन्ध

तु ति षु

वाहोइ ।रीहते काकुभो ।मीथाऔहोबा ।होइळा ॥९॥

दू च श कि पा श टि ख ळ ळ शा

॥इन्द्रस्याभरेद्वे ॥

त्वन्नई ।न्द्राभारा ।ओजोनृम्णांशताक्रातो

ति टा त चा था टीच्

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपृहाइ ।ताना

क खा ण श क भित श ट ख

औहोवा ।साहाम् ॥१०॥

शि ख श

त्वन्नइन्द्रा ।आभारा ।ओजोनृम्णांशाताक्रातो

ती टा त चा था टी

वीचर्षाणाइ ।आवीरांपार्त्ताना साहामौ

खिण श क टा त काच्क पा

होबा ।होइळा ॥११॥

ऴ ळ शा

॥ऐषिराणित्रीणि ॥

अथाहिया ।न्द्रागिर्वाणाः ।उपत्वाकामाई मा

ती टि त कि तच् काट

हाइ ।सासृग्माहाइ ।ऊदे वाग्मान्ताः ।

त श क टा त श का टा त

उदाभिरिळाहभीः ।

पा णु

होइळा ॥१२॥

ऴ शा

अधाहीन्द्रगिर्वाणाः ।ऊपत्वाकामाई माहाइसासृग्माहाइ ।ऊदेवाग्मान्ताओबादाभो ।हाइ ॥१३॥

तू त की या टा चा य टा श च य टाच्क प ळ ळा शा

अधाहीन्द्र गिर्वणाए ।ऊपत्वाकामाईमाहाइसासृग्माहाइ ।उदौहोइवाहाग्मान्ताऔहोवा ।ऊद भिरे ॥१४ ॥
 षी ति त चि य ट टि चा खा ण श टा त टा त ट ख शि चा टाख्

॥प्रजापतेस्सीदन्तीयेद्वे ॥

साईदन्तस्तेवयोयाथा ।गोश्राइस्तेमधो र्ममादिरोवाईवाक्षणाः ।आभीत्वामाइन्द्रानोनूमाः ॥१६ ॥
 प षू ड श क कि काच् क पि प्ला ता ची किफख

॥पथस्यसौभरस्यसामनीद्वे ॥

वाया मुत्वामापू र्विया ।स्थुरन्नकश्चीत्भरा ताआवास्यावाः ।वज्रिंश्चित्रां ।हावामाहो ।हाइ ॥१७ ॥
 णाफ् खी शा क कूच का य पा ती प श प्खप्ला शा
 वयमुत्वमपूर्व्यस्थूरन्नकश्चित्भरन्तओवा ।हाहाअवास्यावाः ।हाहाइवज्रिंश्चित्राम् ।हा
 षो तू त त चिप श त दू त
 हाइहवामाहाउहुवाहाबु ।बा ॥१८ ॥
 चीप षु श श

अष्टम खण्डः

॥वसिष्ठस्याभरेद्वे ॥

विश्वतोहाबु ।दावन्विश्वतो नया ।हाओहा ।
 ति त श क थ कि ता खा ण
 आभराभारा ।यन्त्वाशवीष्ठामाइ ।माहा
 किट त टा का चा श टा
 औहोऔहोवा ।ऐहीऐही ॥ 1 ॥
 खीश तीच्
 विश्वतोदावन्विश्वतो नया ।भराभारा ।यन्त्वाशवी
 षु तु काट त टा का

छामाइ ।माहाऔहोबा ।होइळा ॥२॥

चा श टि ख ण ण शा

॥वासुमन्देद्वे ॥

एषाः ।ब्रह्माययाआउवा ।एत्वियाया ।आइन्द्रानामश्रुताआउवा ।एगृणाया ॥३॥

ता का ता टि त ताख ट ताक ति टि त ताख

एषाएषाः ।ब्रह्मा ब्रह्मा याऋत्वियाउवाआउवा ।आइन्द्रोआइन्द्रोनामश्रुता

ती टाच् टाच् क कू कि टि टिक कि

उवाआउवा ।गृणाऔहो

का कि टि ख

बा ।होइळा ॥४॥

ण ण शा

॥कावर्षाणित्रीणि ॥

एषाओवा ।ब्रह्माया

ती का ट

ऋत्वियाः ।आइन्द्रोहाइ ।

चि टि त श

नामा ।श्रुतो ।गृणाऔहोबाहोइळा ॥५॥

त त प श टि ख ण ण शा

ओहाओहा ।ए

ट ख ख ण क

षब्रह्मायाऋत्वियाःओहाओहा ।इ

पि श खि ट ख ख ण क

न्द्रोनामाश्रुतोगृणाइ

पि श खि श

ओहाओहा ।ए

ट ख ख ण त

स्वर्वते ॥६॥

टिख्

एषब्रह्मौहोयाक्रत्वियाः ।

थ कु चि

इन्द्रोनामौहोश्रुतोगार्णाआउवा ।ऊपा ॥७॥

था की कि टि ख श

॥प्रजापतेःशोकानुशोकानित्रीणि ॥

हाबुस्वरता ।ब्रह्माणाओवा ।इन्द्रम्माहयान्तोर्केः ।आवा र्धायान्नहयेह न्तावाऊ ।शयोकाः ॥८॥

तु टि का कि टा ख ण टाच् चा की खात्र ख ष्ठ

हावभिस्वरता ।ब्रह्माणआइन्द्रा माहयान्तोर्केः ।

तू दूचक टा ख ण

आवर्धायान्नहयेह न्तावाऊ ।शयोकायताः ॥९॥

चिट की पात्र तच् क टाख्

हाबुस्वरता ।स्वारातस्वाराता ।आनावस्तेरथमश्वायाताक्षूर्हाबुस्वरता ।

तु चा टित की की च य प शु

स्वारातस्वारातात्वष्टा

चा टित का

वज्रम्पुरुहू ताद्युमान्ताहाबुस्वरता ।स्वारातस्वारा

का कि पी शु चा टि

ताओहोवा ।शि) ।स्वाराता ॥१०॥

ख चाटख्

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

औहोइशम्पादम् ।माघंरायाओईषीणाइ ।

ची क फ की प ति श

नाकाममव्रतोहिनोतिनस्पृशा ।द्रयिमोइळा ॥११॥

षू कू खि शा

सादागावश्शुचयोविश्वाधायासास्सादान् ।दाइवा

ता कु टी खा त्र टि

अरोबा ।पासाः ॥१२ ॥

पाङ्ग ख ण्ग

॥मरुताञ्चसाम् ॥

आयाही ।वनासासहा ।गावस्सचन्तावार्तानीम् ।यादू ।धभिरो इळा ॥१३ ॥

ति टा च शा की च य टा टा खि शा

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

ओवाउपप्रक्षेमधुमतिक्षियन्तओवा ।ओवाइपुण्ये

षे ती त षु

मरइन्धीमहेताआइन्द्रा ।ओवायाउवाओवा हाउवा ।ऊपा ॥१४ ॥

कू टा ता कु टा च य टा ख श

॥मारूतञ्चैव ॥

अर्चन्तिया ।र्कम्मरूतास्सूवार्काः ।आस्तोभाताइ ।श्रूतोयुवासआइन्द्राउवा ।ऊपा ॥१५ ॥

ती की टा त टा चा श क कु का ता ख श

॥उद्वंशपुत्रञ्च ॥

प्रवाःआइन्द्रायवृत्रहान्तमा

ता षी टु

या ।विप्रायगाथाङ्गायाता ।यञ्जुजोउवा ।उपषातो ।हाइ ॥१६ ॥

त यू प श कि कि टि ख त्र श

नवम खण्डः

॥धुरशम्येद्वे ॥

अचेती ।अग्निश्चीकाइतीर्हान्यावाण्णाऔहोवा ।सूमाद्राथाः ॥१ ॥

ति टी ता ट त ट्ख शि टि ख

अचेतिया ।ग्राइश्चाइकाइतीर्होऔहो ।हान्यावा ण्णाऔहोवा ।ए सूमाद्राथाः ॥२ ॥

ती षि टी टि त टिख शि तच् टि ख

॥प्रजापतेर्गूदः ॥

ओग्राइ ।त्वनोयाहिम्मान्तामाः ।ऊतत्राता

त त श पा श खि ण्

शिवोभूवाः ।शिवोभुवावारोबाथायो ।हाइ ॥३ ॥

कू खा पी ण् ण् शा

॥विश्वामित्रस्यचार्दः ॥

अग्रौहोइत्वौहोइ ।न्नोआन्तामाआउवा ।

तू श त कि टि

ऊतात्राताउवोवा ।शिवोभूवाः ॥४ ॥

ख श खी ण टीख्

॥प्रजापतेश्चैवगूदः ॥

अग्नेतूवान्नोअन्तामाः ।ऊतत्राताशिवोभुवोवरबुहौहाहोबाथायो ।हाइ ॥५ ॥

खी ण्नी षी की की खा ण् ण् शा

॥विश्वामित्रस्यचैवात्यर्दः ॥

अग्नेहोइतूवान्नोअन्तामाः ।उताहोवाऔहोइत्राताशिवो ।भूवाः ॥६॥
 खू पु टा था टच् य टि खाणफ्ळ ख ण्ळ

॥प्रजापतेस्सन्तनीकेद्वे ॥

भागाः ।नाचित्रोअग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।
 ता षि टी त टट् ख शि

तीरात्नाम् ॥७॥
 टा ख

भगोनचित्राः ।अग्निर्महोनान्दाधाऔहोवा ।ए
 तु टी त टट् ख शि तच्

तीरात्नाम् ॥८॥
 टा ख

॥प्रजापतेर्धनधर्मेद्वे ॥

विश्वस्या ।प्रस्तोभापुरोवासान्यदिवे हानूना माऔहोवा ।धानम् ॥९॥
 ति कि टी तिक टाट् ख शि ख श

औहोइविश्वस्या ।प्रस्तोभापुरौहोवाहाइ ।वासा न्यादिवे हानूना मा
 तू टि ती त श टाच् क का टिट् ख

औहोवा ।धार्मा ॥११॥
 शि ख श

॥उषसश्चसाम ॥

उषाअपा ।स्वासुष्टामाः ।संवार्कतायतिवार्कतानीम् ।सूजाऔहोवा ।एताता ॥११॥
 ती क खाण टा क टि ख ण टट् ख शि तट् ख

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

इमानूकम्भूवनासीषधाईमाउवा ।ई हा ।इन्द्राश्चवाइ उवाई हाचदे वाया
 तु ता क टा का ता ख श थ कु ता ख श का टट् ख
 औहोवा ।वीशाः ॥१२ ॥
 शि ख प्ल

॥भारद्वाजञ्च ॥

ऊर्जा ।मित्रोवारूणःपिन्वातआइळा ।पिबारीमिषङ्गुहीनआइन्द्राउवा ।ऊपा ॥१३ ॥
 ता कू टि ता षू खू ता ख श

॥इन्द्रस्यचरातिः ॥

विसूविसू ।तायास्ताया
 ती टा टा
 यथापाथाः ।आइन्द्रा
 का चा टि
 त्वाद्या न्तूरोबातायो ।हाइ ॥१४ ॥
 टाच क प प्ल शा

॥भारद्वाजञ्चैव ॥

अयावाजाम् ।दाइवा हीतं ।सने मा ।मादेमा
 ती किच् चा खा श कि
 शशाताहिम्माशशाताहा इमाऔहोवा ।सूवीराः ॥१५ ॥
 चा टा क टाट् खा शि का टख्

॥इन्द्रस्यचवैराजे ॥

इन्द्रो विश्वस्यराजतीहोइळा ॥१६ ॥

खा प्ली शाख शा

इन्द्रो होइवाइश्वास्यारा जतीहोवा ।होइळा ॥१७ ॥

टाच्चय टा चा काच् ती ख शा

दशम खण्डः

॥प्रजापतेर्वाजसनी ॥

ओई त्रीकाद्रूकाइषूमाहिषोयाव शीर न्तूवी

चाक फ टी चि काक फ

शूष्माः ।ओइत्रं पात् ।सोमामपीबद्वीष्णूनासूतंयाथावाशं ।ओइसाईम् ।ममाद माहिक

क फ खिण कू चाक फ चाक फ खिण चि कि

मर्माकार्कतावेमाहामू रूम् ।ओइसाइन म् ।सश्वादे वोदे वाम् ।सत्यइन्द्रूस्सत्यामिन्द्राबु

चा क फ किफ खि णा टि काच टू क थ श

बा ॥१ ॥

ख

॥गौराङ्गीरसस्यसामनीद्वे ॥

अयंसहोहाइ ।समानावाः ।दशाःकवीनाम्मति

ती त श खिण की

जोतिर्वीधार्मा ।ब्रध्नस्समाइचीरूषासस्सामा

की खिश टू का चि

इरायात् ।अराओवापासस्सचेतसाः ।स्वास

याट ता काख प्लि ता

रे मन्यूमान्ताः ।चितायाओहोवा ।गोः ॥२ ॥

कि टि त खि शि ख

अयंसहस्रमानावाः । दशाः कवीनाम्मतिर्जोतिर्वि
 पु ता त षी की
 धर्मा । ब्रध्नस्समाइचीरूपासस्सामाइरायात् ।
 टि त दू चा चि या ट
 ओवाअरे पासस्सचेतसस्वासरे मन्युमान्ताः ।
 का टा क कि कु टि त
 ओवाचितागोराओहोवा । वो ॥३॥
 का का टट् ख शि ख

॥ प्रयस्वच्चप्राजापत्यम् ॥

एन्द्रयाह्युपनाः । परावाताः । नायमच्छावीदथा
 तू टा ख ण की
 नाइवासत्पाताइः । अस्ताराजेवासत्पा
 कू खा ण श भि त क खा
 ताइः । हावामहेत्वाप्रयस्वन्ताः । सूताइषू आ
 ण श पु ती टी कथ
 पुत्रासोनापीतरंवाजासातायाइ । मंहाइष्ठांवा । जासातायोहाइ ॥४॥
 की कू ख ण श भि त प श ख ण शा

॥ अक्षय्यञ्चरेवत् ॥

तमिन्द्रन्जोहवीमीमाघवानाम् । ऊग्रम् । सत्राहोइदधानामप्राताईष्कृतम् । श्रवांसाइभूरिम् । मंहिष्ठोगीर्भिराचायाज्ञायाः । वावर्कृतारायेहोइनोविश्वासुपाथा । कृणोतूवाओहो
 पू तु ख श पू टी खा ण टा ट खा श पु टि ख ण कि ट की खी श ता ट ख

॥ सवितुश्चसाम ॥

अभित्यन्देवंसवितारमौहोओहोवाहाइ । ओणायोः । काविक्रातूम् । औहोओ
 ष्ट तू त श पा ण पि ण क का

होवाहाइ ।अर्चामीसात्यासावांरा ।त्नाधामाभीप्रीयम्मातीम् ।औहोऔहोवाहाबु ।ऊर्ध्वा
 पा शा खि श खि ण पि ण पि ण क का पा शा
 यास्या ।आमातीर्भाः ।आदीद्यूतात् ।सावीमानी ।औहोऔहोवाहाइ ।हीराण्यापाणीरा
 खि ण खि ण पि ण पि ण क का पा शा खि श
 मीमी ।तासुक्रातूः ।औहोऔहोहाउवा ।ए कृपास्वाः ॥६॥
 खि ण चि ण का पा शि तच् क ट ख

॥वाक्रतुरञ्च ॥

तावत्यन्नार्यन्तृताबु ।आपाआइन्द्रा प्राथम
 प श प्ला डि श टुच् क
 म्पूर्वीयं दीवीप्रवाच्यकृतम् ।योदेवास्या
 पि चाक फ चि क फ टीच्
 स्याशावसाप्रारीणायासूरीणान्नापाः ।भूवो
 क पि चाक फ चाक फ
 विश्वामाभ्यदाइवमोजसा ।वीदे दूर्जशता
 टु पा चि क फ चाक फ
 क्राताबु ।विदाइदिषाबु ।बा ॥७॥
 खि ण श पु श श

॥ऐषञ्च ॥

अस्तुश्रौषाट् ।पूरोअग्निन्धीयादधे होऔ
 ति त षी की का

होवा ।अनुत्यच्छर्धो दिव्यंवृणाहाइमाहाइ ।इन्द्रांवायूवृणीमाहाइ ।यद्धाक्राणाविवास्वाताइ ।नाभासन्दायानाव्यासाइ ।अधप्रनूनमुपयन्तीधीतायोहोऔहोवा ।दाइवंअ
 त त कुच् क टि खि ण श भि त टा ख ण श टू ख ण श क टू ख ण श षी कू टा का त त टि

॥यामम्मरूताञ्चसाम ॥

प्रावोमहेमतयोयन्तुविष्णावोहाइ । मरूत्वताइगिरिजाहाहाए वयामारूत् । प्राशाद्धायाप्रायाज्यावाइ । सूखादायाइ । तवासेभन्ददिष्टये धुनाइव्राता । याशाऔहोवा । वासे
प षू ङी ड शा ती टी त था खिण च य टा च य टा श का ख ण श का था की भी त टट् ख शि ख श

॥भारद्वाजस्यविषमाणित्रीणि इन्वकंवातृतीयम् ॥

आया । रूचाहारिण्यापुनानाः । विश्वाद्वेषांसितरतीसायूग्वाभिः । सूरुनासायूऔहोवा । ग्वाभिः ॥१० ॥

ता कु खा श षी पी कि ण्ण का टाट् ख शि ख ण्ण

आयारूचाहारी ण्या । पुनानोविश्वाद्धाइषाम् । साइतरत्यौहोवाहाइ । सायूग्वाभीः । सूरुनासायूग्वाभाइः ॥११ ॥

फा खी श का टी ता कु ता त श टा ख ण टा खी त्र श

अयारूचाहारीण्यापुनानोविश्वाद्धेषाम् । साई तारा तीसायूग्वाभीः । सूरुनासायूग्वाभिर्धारापृष्ठा ।

की थि प शू चा का का य टा का टा ख शू

स्यारो चाताइ ।

टाचक च श

पुनानोआरूषोहारिर्विश्वायद्रू । पापरियासायाक्वाभीः । सप्तासीये । भाइराक्वाभोहाइ ॥१२ ॥

टी का ख शू क कि यि ट भि त प शा ख ण्ण शा

॥पारूच्छेपेद्वे ॥

अग्रिंहोता । रम्मन्ये

ती क था

दास्वन्तमोवा । वासो

क ता त का

स्सूनुम् । सहासाजातावेदासाम् । विप्रान्नजा

ख ण का था च य टा ती

ओवा । तावेदासम् । याऊर्ध्वायासूआध्वाराः ।

त त टा ख ण ची क भि

देवोदेवाओवा । चीयाकृपा । घृतोओवा ।

ती त त चा ख ण ता त त

स्याविभ्राष्टिमनुशुक्रशाओवा ।चीषआजुह्वाना

टि तू त त दू

स्यसाओवा ।पाँइषाओहोवा ।ऊपा ॥१३ ॥

ता त त ट खा शि ख श

अग्निहोतारं मन्येदास्वन्तंवसोस्सूनुम् ।सहासाजातावेदासाम् ।विप्रन्नजातावेदासाम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचायाकृपा ।घृतास्यबिभ्राष्टीमानूशुक्राशो

कु था च शू का था च य टा ची च य टा ची भी का था च य टा ता चू का य

चिषाः ।आजुह्वानास्यासार्पाइषो ।हाइ ॥१४ ॥

टा टि त प श ख प्ला शा

॥बार्हस्पत्येद्वेअग्नेर्वाराक्षोघ्ने ॥

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः ।अग्निष्ठापातीप्रतिदहा ।त्यग्निहोतारम्मान्येदास्वन्तम् ।वासोस्सूनुंसहसाजातावेदसम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचीयाकृ

खी प्ल खी प्ल खी ण टुच् कीख् की खा चा क फ की की ख चा क फ चा खा चा क फ क ख चा क

शोचीषाः ।आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः ।

चा क फ कि ख चा क फ

अहावोहावोअहावोहावोअहावोहावाः ।अग्निष्ठापातीप्रतीदहा आताइ ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१५ ॥

खी प्ल खी प्ल खी ण टुच् कीख् त्रा श त का खू त का खू त का खू

त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाबु ।अग्निहोता

खा श फि प्ल खि शा की

रम्मान्येदास्वन्तम् ।वासोस्सूनुंसहसाजातावेदसम् ।याऊर्ध्वयासूआध्वाराः ।देवोदेवाचीयाकृपा ।घृतास्याबिभ्राष्टिमनुशू

खा चा क फ की की ख चा क फ चा खा चा क फ क ख चा क फ का कि खी

क्राशोचीषाः ।आजुह्वान्वास्यासार्पीषाः ।त्यग्नाइःप्रतिदहातीहाबुहोहाउवा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।एविश्वंसमत्रीणन्दहा ।

चा क फ कि ख चा क फ खा श फि प्ल खि शि त का कूख् त का कूख्

एविश्वंसमत्रीणन्दहा ॥१६ ॥

त का कूख्

पवमानपाठः

प्रथम खण्डः

॥आजीकञ्च ॥

उच्चा ।तेजातामान्धासा ।

ता था च य टा

दिविसत्भूम्याददाउग्रंशार्ममा ।माहा

षु का टि त ट्स्व

औहोवा ।उप्श्रा वाः ॥१ ॥

शि खाप्ल

॥आभीकञ्च ॥

उच्चातेजा ।तामान्धासा ।दिवाइसा

पिण पि ण पी

त्भू ।मियाददाउग्रंशार्ममा ।माहाइश्रा

ण चा शा पि ण टीट्

वाऔहोवा ।वाइ ॥२ ॥

ख शि खश

॥ऋषभश्पवमानः ॥

हाहाउच्चातेजा ।हाहाइतमान्धासा ।

तू त त टि ख ण

दिविसत्भूमियादादे ।उग्रंशार्ममा ।ओं

यू प श खि ण च

ओंमहोबाश्रावोहाइ ॥३ ॥

ट खाप्ल प्ला शा

॥आभीकञ्चैव ॥

ऊच्चातेजा तमौहोन्धासा ।दिविसत्भूमि

प शिष्ट डी श

यादादे ।उग्रंशार्ममा ।महाउवाइश्रा

यू प श खि ण टा खी

वोहाइ ॥४ ॥

प्ल शा

॥बाभ्रवेद्वे ॥

उच्चातेजा ।तामन्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

ती टी कि कुच्

मियादादेओमोवा ।उग्रांशार्ममा ।

काय ट कि चाय ट

ओमोवा ।माहाओहोवा ।श्रवाई ॥५ ॥

कि टट्ख शि ता टख्

उच्चातेजा ।तामन्धासा ।दिविसत्भूमीयादा

ती टि त की टि

दाइ ।ऊग्रांहाइशर्ममोहाइ ।

त श टा त टि त श

महाहोइश्रावाओहोवा ।ग्वामीः ॥६ ॥

का टिट्ख शि ख प्ल

॥इन्द्राण्यास्साम ॥

उच्चातेजातमा ।न्धासाओमोवा ।दिविसत्भू

तू टा कि कु

मियादादेओमोवा ।उग्रं शकर्ममा

काय ट कि चाय ट

ओमोवा ।महाइश्रावाऔहोवा ।ऊ
 कि टीट् ख शि खा
 पा ॥७ ॥
 श

॥शैशवेद्वे ॥

उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्याददाउग्रं
 षी ति त पु का
 शार्ममा ।महाइश्रावाः ॥८ ॥
 पि ण खीत्र
 उच्चातेजातमन्धासा ।दिविसत्भूम्यादादा
 षी ति त टु था
 उग्रंशार्ममा ।महाहोवाऔहोइश्रवा
 टि त टा था टच् य टि
 होवा ।औहोइया होइयोवा ।ऊ ॥९ ॥
 था टच् य टाच् क खात्र ख

॥प्रजापतेदोर्होदोहीयेद्वे ॥

उच्चाऔहो ।तेजातमा ।न्धासा
 खा ता टा खाणफप्लू ख श
 दिविसत्भूम्याददे आउग्रंशार्ममा ।माही
 पु काथ टि त चा
 श्रावाऔहोबा ।होइळा ॥१० ॥
 काट खप्लू प्लू शा
 उच्चातेजातमन्धसादोहाइदोहाए ।
 षी तु ति त त
 दिविसत्भूम्याददे दोहाइदोहाए ।
 पु काट त टा त त

उग्रंशर्ममादोहाइदोहाए ।माहि

टि त ट त टा त त

श्रावाः ।ओइळा ॥११ ॥

टि खण् प शा

॥इन्द्राण्याश्चैवसाम ॥

उच्चातेजा तमान्धासा ।दीवाइसा

णा णाफ् खा शा पी

त्भू ।म्याददाओवाओवाउवउवा

ण ट टा ट त ट त टी

होइ ।उग्रंशर्ममाओवाओवा

च श टि त ट त ट त

उवउवाहोइ ।माहीश्रावो याऔहो

टी च श चा टाट् ख

वा ।ययुरे ॥१२ ॥

शि खि

॥आमहीयवञ्च ॥

उच्चाताइजातमन्धसा ।दीवाइसात्भूमि

खि शू चा या ट

याददाइ ।उग्रं शर्ममा ।माहा

टा ता श चा क च क ट

इश्रवाउवा ।स्तौषे ॥१३ ॥

कि खा त ख

॥आजीकञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामादाइष्ठायाम् ।पावास्वसोमाधारा
 कु कु की टि
 या ।इन्द्रायपातावाइसूताः ।ओइळा ॥१४ ॥
 त की टी खण् प शा

॥सूरूपेद्वे ॥

स्वादिष्ठयाइयाइयामदिष्ठायाम् ।पा
 थ टि टा की टा च
 वास्वसोइयाइयामधारायाम् ।इन्द्रायपा
 टि टा की टा था टा
 इयाइया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१५ ॥
 टा चा टी खण् प प्ला
 स्वादिष्ठयौहोवाइयामदिष्ठायाम् ।पावस्वसौ
 थ कु का टी च
 होवाइयामधारायाम् ।इन्द्रायपौहोवा
 कु की टा चा की
 इया ।तावाइसूताः ।ओइळा ॥१६ ॥
 चा टी खण् प शा

॥जमदग्नेरिशिल्पेद्वे ॥

ओइस्वादी ।ष्ठायामादिष्ठायाम् ।उवो
 खि ण का था टा स्वा
 वा ।पावास्वसो माधारायाम् ।ओई न्द्रा ।
 श कीच् का टा स्वा श
 यापाओहो ।तवेसुताः ॥१७ ॥
 ट ख वाशि तीच्

उहुवाइस्वादी ।ष्ठयामादीष्ठायाऔहो

खु ण का या टा खा

वा ।पावास्वसोमाधारयाउहुवाइन्द्रायापा ।

श की चा खा शृ

तावाऔहोवासूताः ॥१८ ॥

टट् ख शि ख ण्

॥संहितञ्च ॥

स्वादाइष्ठायामदिष्ठया ।पावास्वासो

ता ति ती टा ख श

मधारया ।आइन्द्रा यापाहाबु ।तवा

ती क खा शी ण्

इसुताबु ।बा ॥१९ ॥

णि श श

॥वसिष्ठस्यशकूनः ॥

स्वादिष्ठयामदिष्ठयापवस्वसोमधारयाइन्द्रायपा ।

षौ तू ता

तावाऊतावाऊतवाउवाऔहोवा ।

टा ट च क ट खी शि

सूताः ॥२० ॥

ख ण्

॥जमदग्नैश्चगम्भीरम् ॥

औहोहिंभाएहियाहाहाइ ।स्वादाइष्ठया

कु ता त त श कु

मादीओइमादी ।औहोहिंभाए
 ख श खि ण कु
 हियाहाहाइ ।छायापवास्वासो ।
 ता त त श क किख श
 ओस्वासोऔहोहिंभाएहियाहाहाइ ।
 खा ण कु ता त त श
 माधारयाई न्द्रा ।ओई न्द्राऔहोहिंभाए
 क किख श खा ण कु
 हियाहाहाइ ।यापातवाइसू ता ।
 ता त त श क कि खा श
 ओइसू ताः ।औहोहिंभाएहियाहाहा
 खि ण कु ता त ख
 औहोवा ।ई ॥२१ ॥
 शि ख

॥संहितञ्चैव ॥

स्वादिष्ठयामदाइष्ठया ।पावास्वासोम
 तू ति टा ट त
 धाराया ।आइन्द्रायापातवा
 टा च श ट ता ट टि
 हाउवा ।सूताः ॥२२ ॥
 ति ख ष्ठ

॥सोमसामनीद्वे ॥

वृषापवा ।स्वधाराया मारू
 ती का टा च क ट
 त्वाताइचामत्साराः ।वाइश्वादा धाऔहोवा ।
 दू त टीट् ख शि

नाओजासा ॥२३॥

टि ख

वृषाहाबु ।पावास्वाधारा या ।

ता त श ख श खि ण

मारूत्वाताइचामत्साराः ।वाइ

ख ण ख श खी ण

श्वा दधानाओओहोवा ।जासा ॥२४॥

किच् काटट्ख शि ख श

॥आशुभार्गवंतृतीयम् ॥

वृषापवस्वधाराया ।मारूत्वाताइचा

षु ता त टी चा

मत्साराः ।विश्वादाधानओजा

खा ण चा य ट ता प

सोहाइ ॥२५॥

ण शा

॥वैश्वदेवेद्वे ॥

आइवृषा ।पावाई हाओहोस्वाधारा

ती टिच् य ट थ टि

या ।मारूत्वतेहाइ चामात्सारा

त टी त श चा य प

हाइविश्वादधाहाबुनओजसाहाबु ।ओवा ओवाओ

शौ णाफ् ख

वा ।अस्मेरायाऊताश्रवाः ॥२६॥

शि की टा खा

वृषापवएहिया ।स्वधारायाओहो

खु णा टा खा क

वा ।मारूऔहोवा ।त्वातेचामात्सा

शा पा क था यी प

राः ।औहोयेऔहोवा ।विश्वाद

श टच् य ट खात्र चा

धा नाओजासा ॥२७ ॥

काच् क टा ख

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

वृषापावाहौहोऔहोस्वाधारायाहौहोऔहो ।

टी टि त टी टि त

मारूत्वातेहौहोऔहोचामात्साराहौहोऔहो ।

टी टि त टी टि त

विश्वादाधाहौहोऔहो ।नाओजासाहौहोऔ

टी टि त टी टि

हो ।ओइळा ॥२८ ॥

खण् प शा

वृषापावाऔहोऔहोवा ।स्वाधाराया

टी खी श टी

औहोऔहोवा ।मारूत्वाताऔहोऔहोवा ।

खी श टी खी श

चामात्साराऔहोऔहोवा ।विश्वादाधा

टी खी श टी

औहोऔहोवा ।नाओजासाऔहोऔहोवा ।

खी श टी ची प्ल

होइळा ॥२९ ॥

प्ल शा

॥यौक्ताश्वेद्वे ॥

औहोहोहाइवृषा ।पावस्वधाराया ।

ता त ती क टु

मारूत्वाताइ ।ओइचामाचा

च क ख ण श टि क

मत्साराः ।औहोहोहाइविश्वादधा

खा ण ता त ति टा

नाओजासाऔहोवा ।ओइज्वरा ॥३० ॥

ख श खा शि स्त्री

वृषाबुहोहोहाइ ।पावस्वधाराया ।मारू

ती त त श क टु टा

त्वाताइ ।चमा ओचामत्साराः ।

ख ण श ताच् का खा ण

विश्वाबुहोहोहाइ ।दधानाओ

ती त त श टा ख श

जासाऔहोवा ।ओइजूवा ॥३१ ॥

ट ख शि खि श

॥भासञ्च ॥

यस्ताइ ।मादोवाराउवोवाणीया

ता श टी खा श ख

स्ताइनाउवोवा ।पावास्वाआउवोवा ।

शी खा श टी खा श

न्धासादाइवा ।वाइराघशाउवोवा ।सा

ख शी टु खा श ख

हा ॥३२ ॥

श

॥सोमसामच ॥

यस्तेमदाः ।वराङ्गीयास्ताइनापावास्वा
 ती ता ति टु
 आन्धसा ।दाइवावाइरा हाबु ।
 ता ता की खा शा
 घशांसहा ।होइळा ॥३३ ॥
 प्ला शा प्लु शा

॥प्रजापतेश्वसहोरयिष्ठीयम् ॥

यस्ताओइमादाः ।वाराङ्गणायाउवो
 ता खिण टु खा
 वाहाउवोवाहाइ ।ताइनापावास्वा
 श खिश त श की का
 आन्धासाउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टि खाश खिश त श
 दाइवावाइराउवोवाहाउवोवाहाइ ।
 टु खाश खिश त श
 घाशाऔहोवा ।सहोरयिष्ठाः ॥३४ ॥
 टट्ख शि ता च टाख्

॥मादिलम् ॥

यस्तेमादोवाइया ।राङ्गणायाः ।ताइ
 खीश प्ला यि ट
 नापावास्वाऔहोवाहान्धासा ।दाइ
 कि का टा क था टा
 वावाइरा औहोवा ।घशांसहा ॥३५ ॥
 चिट खा शि तीच्

॥सोमसामचैव ॥

यस्ताइमादोवरेणीयाः ।ताइनापावास्वा

पी शु की च

आन्धासा ।दाइवावाइराघाशो

का य ट टि टिक प

बांसाहो ।हाइ ॥३६ ॥

हू ह्ला शा

॥प्रजपतेश्चैवसहोरयिष्ठीयंसोमसामवा ॥

यस्तेमदोवरेणियाए ।तेनापव स्वान्धसा

तू त क षि

दे वावीराहाइ ।घाशाउवासा

की पिण श का का

हाउवा ।उऊपा. ॥३७ ॥

का का खा श

॥वैष्टम्भेद्वे ॥

तिस्रोवाचाः ।उदाउदाआउवाए रातेगावोमिमा ।तीधाइतिधाआउवाए ।नावोहरिरेतिकनाइकनाआउवा ।क्रादात् ॥३९ ॥

ती चा ता भीख शु का ति भी ख शु चा ति ट ख श

तिस्रोवाचाः ।उदाइराते ।गावोमिमन्तिधाइनावाः ।हारिरेत्योहाइ ।कानाओहोवा ।

ती पी श यू पा श खी ण श टट ख शि

क्रादात् ॥ ३९ ॥

ख श

॥पाष्ठौहेद्वे ॥

तिस्रोवाचोहाउदीरताइ गावोमिमाहान्तीधे नवोहर राइतोहाइ ।कानाइक्रादाऔहोवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तमाम् ॥ ४० ॥

था प्ला च का चाश था प्ला च का का शा पि ण श टीट् ख शि कि त खी

तिस्रोवाचाउदीरतोवाहाइ ।गावोमिमन्तीधे नावोहरिरेति ।कानाऔहोवा ।क्रादात् ॥ ४१ ॥

षी तु त श ती काख शु टट् ख शि ख श

॥वैष्टम्भश्चैव ॥

तिस्रोवाचा उदीरताइ ।गावोमिमा न्तीधाइनावाहोवाहाइ हाराइराइतीहोवाहाइ ।

ण णाफ् खा शि कीच् का या ट टा त श चा या टा टा त श

कानाइक्रादाऔहोवा ।दीशाः ॥ ४२ ॥

टीट् ख श ख प्ला

॥पाष्ठौहश्चैव ॥

तिस्रोवाचाउदीरताइ ।गावोमिमन्तीधेनवोहरिराइती ।कानौ हूवाएहोवा ।क्रादा

फी की श क कि षी टि ता टाच् काट का टट् ख

औहोवा ।हाओवाओवा ॥ ४३ ॥

शि त टा टाख्

॥इषोवृधीयञ्च ॥

इन्द्रायेन्दाबु ।मारूत्वताइपावस्वमाधुमक्तमाः ।आर्कास्यायो नीमासादाऔहोवा ।

ती श का का टु ची थ टिच् टिट् ख शि

इषोवृधे ॥ ४४ ॥

टीच्

॥इन्द्रसाम ॥

आइन्द्रा याइन्द्रोमारूत्वाताइ ।पावा स्वामा ।धूमात्तामाः ।आर्कास्यायो ।नीमासादाः ॥ ४५ ॥

ख शास्त्र ख णा कि ख श ख शास्त्र ख ण कि ख ख शास्त्र ख ण कि ख

॥वैश्वदेवेच ॥

इन्द्रा येन्द्रोहोऔहोवा ।मारूत्वतेहोऔहोवा ।पावास्वमा ।होऔहोवा ।धूमत्तामाहोऔहोवा ।आर्कास्यायोहोऔहोवा ।निमासादाहोऔहोवा ।ओइळा ॥ ४६ ॥

का का क त त क क त त च टि का त त च टि का त त थ टि का त त का टा का त खण् प शा

इन्द्रायेन्द्रोएमरू ।त्वाताइ पवास्वमधूमत्तामा ।हूवाएहोवा ।आर्कास्यायो हूवाएहोवा ।

तु ता षा कु टा तच् क ट त त टि तच् क ट त त

नीमासादाः ।ओइळा ॥ ४७ ॥

टि खण् प शा

॥इन्द्रसामचैव ॥

इन्द्रायेन्द्रोमारूत्वतओहाइ ।पवास्वामधूमत्तामाओहाओहा ।आर्कास्यायोनाइमाओहो

षी तु त श कि कु ट ख ख ण था टा ट खा

वा ।उप्सादाः ॥ ४८ ॥

शि खा ण

॥आग्नेयानित्रीणि ॥

इन्द्रायेन्द्रोहाबु ।मारूत्वतेहाबु ।पावास्वमाहाबु ।धूमात्तामाहाबु ।आर्कास्य

ती त श टी त श की त श टी त श

योहाबु ।निमाहोबासादोहाइ ॥ ४९ ॥

टी त श टा ख ण णा शा

इन्द्रायेन्द्रोवाओवा ।मारूत्वताउवाआउवा ।पावास्वमाउवाआउवा ।धूमात्तामाउवाआउवा ।अर्काहाबुस्ययोहाबु ।नीमाउवाहोबासादो ।हाइ ॥ ५० ॥

ती ता त का की कि का की कि का की खि श्रु की प ण णा शा

इन्द्रायेन्दोमरूत्वाताइ ।पवास्वम धूमाक्ता
 षी ति त श की श च य
 माअर्कस्ययोनिमाहाबु ।सादो ।हाइ ॥ ५१ ॥
 प श्रु प्ला शा

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसा ।व्यंशुर्ममाआउवा ।दायाप्सुदाक्षाः ।गिराआउवाएष्ठाः ।ख)श्येनोनायो ।निमा
 ता क ता टि ख शी ता भी का ट त ता
 आउवासादात् ॥ ५२ ॥
 टि ख श

असावियाशुर्मदा याप्सुदक्षोगाइरिष्ठाः ।श्याइनोनायो ।नीमोबासादात् ।हाइ ॥ ५३ ॥
 ती टि च्च क षि की यि टा च्च क प प्ल प्ला शा

असान्याउवोवा ।शुर्मदाया ।उवोवा ।आप्साउवोवा ।
 फा खि श क टि खा श टा खा श

दक्षोगिराइष्ठाउवोवा ।श्येनोनयोनिमासा ।दात् ॥ ५४ ॥
 दू खा श क दू ख

असान्यौवाउवोवा ।शुर्मदायौवाउवोवाआप्सुदक्षौवाउवोवा ।गीराइष्ठौवाउवोवा ।श्येनोनयौवाउवोवा ।नीमासादौवाउवोबाहोइळा ॥ ५५ ॥
 फा खी श क कि खि श फा खु श की खि श फा खु श की खि प्ल प्ल शा

॥च्यावनानिचत्वारि ॥

असान्युहुवाहाइ ।अंशुर्मदायाप्सुदक्षोगिरिष्ठाउहुवाहोइ ।श्याइनोनायोऔहोवा ।नीमासादात् ॥ ५६ ॥
 तु त श क ष्ट दू च श क ता ट ख शि टि च

असान्यंशुरौहोवाहाइ ।मदा याप्सुदक्षोगिरिष्ठाः ।श्याइनोनायोनाइमाऔहोवा ।
 षी ति त श टा च्च षी कि यि टा ट खा शि

उप्सादात् ॥ ५७ ॥
 खा श

इहाओवाइहाअसान्यंशुर्मदायेहा ।आप्सुदक्षोगिरिष्ठाः ।ई हा ।श्येनोनयोनिमाखाणफप्लू) ।ई हा ।आसदा त् ।ई हा ॥ ५८ ॥
 ता पा पु शु कू खणफप्लू ख श क टि ख श ट खाणफप्लू ख श

असान्व्यंशुर्मदायाहाबु । आप्सुदाक्षाः । गिराइष्ठोहाइ । श्याइनोनायो । नाइमाहा इ । सादात् । हाइ ॥ ५९ ॥
 खा प्ला खा शि खिण पी ण श भी त टि खण् श प प्ल शा

॥ प्राजापत्येद्वे ॥

पवास्वादौहो औहोवाहाइ । क्षासा धाना औहो
 फि फा फा त त श थाच्च क ट ता

औहोवाहाइ । देवे
 ता त त श क थ

भ्यः पाइतये हारा । औहो
 कुच्च क ट ता

औहोवाहाइ । मारूत्भूयोवा । औहो औहोवाहाइ श
 ता त त श चिट ता ता त त

यावा औहोवा । मादाः ॥ ६० ॥
 टट् ख शि ख प्ल

पवस्वदक्षसाधनओवा । देवेभ्यः पीतयाहोइहराइ । मारूत्भूयोवा ऊयवोबामादो ।
 पू ती त क टु टी श चिट प प्ला प्लि

हाइ ॥ ६१ ॥
 शा

॥ वैदन्वतानि चत्वारि ऋषभोवा वैदन्वतश्चतुर्थः ॥

पारी । स्वानोगीरिष्ठाः । पवाइत्रे सोमो अक्षारात् । मदाइषू साई या । र्वाधोबा आसो । हाइ ॥ ६२ ॥
 ता चु टा खा क थ टि की टा त क प प्ल प्ला शा

पर्येपारी । स्वानोगिरिष्ठाः । पवाइत्रे
 ती चु टा खा

सोमो अक्षारात् । मदाइषू साहा । र्वाधा औहोवा । एआसी ॥ ६३ ॥
 क थ टि टु त टट् ख शि त टाख्

पारी स्वानोगाइरिष्ठाः । पावित्रे सोमो
 फा फाख शि चाक का

अक्षरात् ।पावित्रे सोमोअक्षरातत् ।ओइमदौवाओवाषुवा ।सार्वाधायसाइमादाओहोवा ।ए षुसार्वाधायसी ॥ ६४ ॥

कि कि टा खा ण कीखख शि थ दूख शि तच् का टिख

औहोइहाहा हाहोयौहोवा ।पराइस्वानोगीरा इष्ठाः ।पवाइत्रे सो ।मोअक्षा

ट चिकच् काट खश खीश खाणा खीश खि

रात् ।मदाइषूखी)साश)र्वाधायसी ।औहोइहाहा हाहोयौहोवा ।एऊपा ॥ ६५ ॥

ण खिण ट चिकच् काट खत्र त टाख

॥रजेराङ्गीरसस्यपदस्तोभौद्वौ ॥

पर्येस्वानाः ।गाइरिष्ठाःइया हाहाउवाहोइ ।पावित्रे सोमोअक्षरात् ।इया हाहाउवाहोइ ।मदाइषू सा ।हाहाउवाहोर्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६६ ॥

ती ट चि टाच् था टाचश कि टा चि टाच् था टाचश टा काच था टाट क प ह्नि शा

पयौहोवाहाइस्वानाः ।गाइरिष्ठा

षू ता ट चि

इया ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।पावित्रे

टाच्ख शङ्खत श था का का कि

सोमोअक्षरात् ।ओहाशङ्ख)हाइ ।हाहाओवाओवा ।मदाइषू सा ।ओहा हाइ ।हाहाओवाओवा ।र्वाधोबाआसो ।हाइ ॥ ६७ ॥

टा चि ख तश था का का टा काच ख शङ्खत श था का का क प ह्नि शा

॥और्णायवेद्रे ॥

परिप्रियादिवःकावीःवायांसिनस्योर्हितास्वानैर्याती ।आयाउवाइया ।ईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।ई ॥ ६८ ॥

षी ती षु कि टा त का शी ट त चा टाट्ख शि ख

परिप्रियादिवःकवाइः ।वया हाउवांसिनस्योवार्हिताः ।स्वानैर्याती ।हुवा

फी शा काश टाच्क कि कीच क टा त का

होवाहोवाहुवाईया ।कावीःक्रातो याओहोवा ।

का का टा ट त चा टाट्ख शि

ईया म् ॥ ६९ ॥

तटख

द्वितीय खण्डः

॥सौभरेद्वे ॥

प्रसोमासाः ।मदच्यूताऔहोवा ।त)इश्रवासाइनाः ।ओइमघोनाम् ।सूतावा इदाऔहोवा ।थेअक्रमूः ॥ १ ॥

खिण चि टा त टि ख णा टु टिट् खा शि खी

प्रसोमासाः ।वाइपाश्चीताआ

ती की श च

पोनायान्ताऊर्मयोवानानिमा ।ओऔहो ।हिषाई वाइळाभा ।ओइळा ॥२ ॥

य टा कीच य टा का त चि टि खण् प शा

॥इन्द्रस्यवृषकाणित्रिणि ॥

पवस्वेन्दोवृषासुताः ।कृधीनोयशसोजनाएवाइश्वायापा ।द्वाइषाऔहोवा ।जाहि ॥३ ॥

फी शा का शु पि शु ट खा शि ख श

वृषाहिया ।ती)सिभानूना ।द्युमन्तत्वाहवामाहाइपावा ।मानासुवोओबा ।श)दृशम् ॥ ४ ॥

भित यू पा ति टी प ख श

वृषाहियासिभानुना ।द्युमन्तन्त्वाहवामहे ।की)होवाऔहोवा ।पावमानासुवदृशंहोवाऔहोवा ।हूवोइळा ॥ ५ ॥

फी की टी काट का टि च टी काट का खा प्ला

॥बभ्रोःकुम्भस्यसामानित्रीणि ॥

इन्दूरौहोवाहाइपावी ।ष्टचाईतनोहाइ ।हाहोएहोवा ।प्रीयाःकवीनाम्मतिरोहाइ हाहोएहोवा ।सृजादश्वांहाइ ।हाहोएहोवा ।राथाऔहोवा ।ई वा ॥ ५ ॥

खा श्रु टा खिण श क टाट त की पीण श क टाट त टा खा ण श क टाट त ट ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकवाइ हिंहिन्नाम्मातीः ।सृजदाश्वाम् ।हिंहिंरा थाऔहोवा ।ई वा ॥ ७ ॥

षू तू शट खि ण पि श ट त टट् ख शि ख श

इन्दुःपविष्टचेतनःप्रियःकविनाम्मतिंसृजादश्वां ।ओवाओवारा थाऔहोवा ।ई वा ॥ ८ ॥

षो तु ता का काटट् ख शि ख श

॥बभ्रोःकार्तवेशानित्रीणि ॥

असृक्षाताप्रावाजीनाः ।गव्यासोमासोआश्वया ।शुक्रासोवीरया शावओइळा ॥ ९ ॥

खी श ङ्गि टा टा त चि टा टा काचुक पा शा

असृक्षताप्रावाजीनाः ।गव्यासोमासोआश्वयाहोइ ।शुक्रासोवाहोइ ।रायाशाटाट्)वाओहोवा ।गवाभीः ॥ १० ॥

तु ति षु टि च श ता टा च श क ख शि ख श

असृक्षतप्रवाजिनएगव्यासोमा ।सोआश्वया ।शुक्रासोवी ।रायोबाशावो ।हाइ ॥ ११ ॥

षी खु शी त पा श टा ख ण क प ण्ण णा शा

॥शार्म्मदे द्वे ॥

पावास्वादे ।वयावाया

ती ता ट ख

औहोवा ।यूषागाइन्द्रङ्गच्छा ।तुताइतुताऔहोवा ।मादाः ।वायूं होआरोहधाहाधाऔहोवा ।र्ममाणा ॥ १२ ॥

शि ख शू ता टा ख शि ख ण्ण टाच्य ट त ता ट ख शि ख श

पवस्वदेवाऐहिऐहीया ।आयुषागैहीऐहीया ।इन्द्रङ्गच्छन्तुतेमदाऐ ।हीऐहीया ।वायूमारो ओहाधोबार्म्मणोहाइ ॥ १३ ॥

फु खी श टी टा ट त षी टु टा ट त की का प ण्ण णा शा

॥वसिष्ठस्यजनित्रेद्वे ॥

पावा ।मानोअजीजानात् ।दीवाश्चित्रान्यतान्यतूम् ।ज्योतीर्वै श्वानाराऔहोवा ।बृहात् ॥ १४ ॥

ता की ख ण चा चा शी कि टा ख शि ख श

पवमानाः ।अजाइजानात् ।दीवाश्चित्रांहाहाइ ।नात न्यातूम् ।ज्योतीर्वाइश्वा ।नरोबाबृहात् ।हाइ ॥ १५ ॥

ती पी श चा टा त त श काख ण ख श ख णा ण्ण ङ्गि शा

॥मरूताम्प्रकीळास्त्रयःसङ्गीळावानिक्रिळावा ॥

पारी ।स्वानासइन्दवोमदायाबर्हणागिरा मधोअर्षाम् ।तीधोबारायो ।हाइ ॥ १६ ॥

ता षू चि टि खा खा ता क प ण्ण णा शा

पर्येपारी ।स्वानासइन्दवाउवाहाउवाहोवाइया ।मदायबर्हणागिराउ

ती षू टा टिकथ चा षू

वाहाउवाहोवाइया ।माधोअर्षन्तिधारयाउवाहाउवाहोवाइयो याऔहोवा ।ऊपा ॥ १७ ॥

टी टिकथ चा षु टु टिकथ टादख शि खश

पारीस्वाना साइन्दवाः ।मदायाबर्हणागीरामधोआर्षान् ।ऊर्मिरिवाईया ।तिधा रा

फा णाफ्ख शि टाच चिक टीत टीटत काच्क

याऔहोबाहोइळा ॥ १८ ॥

टा खळ्ळ शा

॥औशनम् ॥

परिप्रासीष्यादत्कावीः ।सिन्धोरूम्मावाधीश्रीताः ।कारूम्बाइभ्राऔहोवा ।पूरूस्पृहा म् ॥१९ ॥

ती चि ट यू टा टिट् खा शि ता टाख्

तृतीय खण्डः

॥यामानित्रीणि ॥

इहा इहा ।उपोषुजातमासुरामिहा ।इहा इहा

टाच्कश दूक्कच शा टाच्कश

गोभिर्भङ्गम्परा इष्कृतामिहा ।इहाटाच्)इहा ।इन्दुन्देवाअयासीषूःइहा ॥ १ ॥

दूक् का च शा कश दूक्कच कश

आउपोषुजातमासुरामुपा ।गोभाइहो इ ।भङ्गम्पराइष्कृतामुपा ।इन्दुं होइदेवाअयासिषुराआउवा ।उऊपा ॥ २ ॥

ष दूक्कच शा टा काच्कश टी चि शा टाक्क टु ति टि खाश

उपोष्वौहोइजाताम् ।आसूरा

षु ता टात

मौहोवाइगोभिर्भागम् ।ओइपारीष्कृताम् ।इन्दून्देवाऔहोवा ।अयासिषूः ॥ ३ ॥

टात चा खाण यी टा टा खा शि खी

॥अङ्कतेवैररूपस्यसाम ॥

पुनानोया ।क्रामीदाभीः ।विश्वामार्द्धोवीचर्षाणाइः ।शुम्भान्तावी ।प्रान्धाऔहोवा ।

ती खिण टा ख श खिण श टा ख ण टट्ख शि

तीभीः ॥ ४ ॥

ख प्ल

॥औशनेच ॥

आविशन्कालाशंसुताः ।वाइश्वाअर्षन्नाभाइश्रायाओहाओवाओहा ।इन्दूरा इन्द्रा औहोवायधीयते ॥ ५ ॥

तु ति कि क थ क टी ट त टा ख ण टिट् खा शि खी

आवीशङ्कालशं सुतोवाइश्वा ।अर्ष न्नाभाइश्रायाऔहोऔहोवा ।औहोऔहो इन्दू

फा फा फाप्प खि णा थाच्च क टी खीश ट तित्त् का

राइन्द्रा ।याधीया ताऔहोवा ।ऊपा ॥ ६ ॥

य टा टिट्ख शि ख श

॥सोमसामच ॥

असर्जिरा ।थियोयाथा ।पावित्रे चामुवोस्सूताः ।कार्ष्मन्वाजी ।नियाक्रामाइदौहोवा ।होइळा ॥ ७ ॥

ती पि श चि टि ख ण क टा त चाक पि प्ला प्ल शा

॥कार्ष्णेच ॥

प्रयद्धानु ।गावो नाभू र्णयास्त्वेषा ।अयासोअक्रामुघ्नान्ताःकार्ष्णाम् ।आपात्वचमौहोहाऔहोवा ।उऊपा ॥ ८ ॥

ति श थाच्च काय प ता कु चा टा त कु टट्ख शि खाश

प्रयत्गावोनभूर्णयाः ।त्वाइषाअयासोअक्रमू घ्नतोहाइ ।कार्ष्णाऔहोवा ।आपत्वा ।चाम् ॥ ९ ॥

कि ख शी चि काट किप णाश टट्ख शि थ टा ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

अपघ्नन्होइपावा ।साइमार्धाः ।ऋतूवित्सोमामात्साराः ।नुदस्वादाऔहोवा
 पु ता च या ट कीच् काय ट टिट् ख शि
 वयु न्जना म् ॥ १० ॥
 का टाख्

॥वैश्वामित्रञ्च ॥

एआयापवा ।स्वधाराया हाउवा ऊपा ।यायासूर्यमरोचाया हाउवा ऊपा ।हिन्वानोमानुषाइर्हो ।यापयाआउवा ।उऊपा ॥ ११ ॥
 तु का टाच्य टाचख श कि कि टाच्य टाचख श टू काच् क ता टि खाश

॥इन्द्रस्यवात्रघ्नम् ॥

सहोइपवस्वायायावीथाइ न्द्रवृत्रायाह न्तावाइ ।ओवाओवा ।वब्रीवांसांमाहीरापाऔहोवा ।होइळा ॥१२ ॥
 ता शी टा क था टि काख ण श टा ख ण टि त काक टा ख ण्ण ण्ण शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

अयावीती ।पारिस्त्रवायस्ताइन्दोमादाइषुवाअवाहान्ना ।वातोबानावो ।हाइ ॥ १३ ॥
 ती क कु की टि भित त प ण्ण ण्ण शा

अयावीताऔहोवा ।औहो औहोवाऔहोवा ।परिस्त्रावायस्तइन्दो औहोवाऔहो औहोवाऔहोवा ।मदे षुवाअवाहान्ना औहोवा ।औहो औहोवाऔहोवा ।
 कि था टा थाच् क टट् ख शि का का कीच् क टा थाच् क टट् ख शि टाच् का का काच् क टा थाच् क टट् ख शि
 वतीर्नवा ॥ १४ ॥

टीख्

आयावीता इपारिस्त्रवा ।यास्ताइन्दोमादाइषूवा ।अवाहान्ना ।वतीर्ननावाऔहोवा ।होइळा ॥१५ ॥
 णा णाफ् खा शि चा थाच् का याट भित का क टा ख ण्ण ण्ण शा

॥भारद्वाजश्चैव ॥

परिद्युक्षाम् ।ओइसनद्रायीम् ।ओइभरद्वाजाम् ।ओइनोअन्धसास्वानोअर्षा ।वावोबान्नायो ।हाइ ॥१६ ॥
ती दू दू पू खा ता क प ळ्हा शा

चतुर्थ खण्डः

॥वार्षाहरम् ॥

अचिक्रदादाची

ती काच्
क्रादादचिक्रदादे ।वृषाहराइ
क ख पु ती श
वार्षा हाराइवृषाहराए ।महान्मित्रोमाहान्मित्रोमहान्मित्राए ।नदर्शतानाद र्शाता
काच् क ख पु ती का क खा पु ती का क ख
नदर्शताए ।संसूर्याइसंसू रीयाइसंसूर्याए ।णदिद्युताइ णादी द्यूताइणादा
पु ति श काच् क ख पु ती श काच् क ख शि
इद्युताबू ।बा ॥ १ ॥
प्ली श

॥वार्शानित्रीणि ॥

आतेदक्षाम् ।मयोभूवाम् ।वन्हिमद्यावृणीमाहाइ ।पान्तामाईया ।पूरूस्पृहाऔहोवा ।उऊपा ॥ २ ॥
ती भित दू ख ण श का टा त टिट्ख शि खा श

आतेदाक्षांमायोभूवम् ।वन्हिमद्यावृणिमहोहाइ ।पान्तामाईया ।पूरूऔहोवा ।
खि श खि ण फू खा शा टा त ट त टट्ख शि

स्पृहम् ॥ ३ ॥

ख श
आतेदक्षम्मयोभुवांहाइ ।वन्हिमद्यावृणीमहोहाइ ।पान्तामाट)पूरूका)स्पृहामीळाभा ।ओइळा ॥ ५ ॥
फू खा शा फू खा शा या टी खण् प शा

॥वैरूपेचदेवानांवाञ्जसायिनी ॥

अध्वर्योआ ।द्रिभाइस्सूताम् ।सोमं पावी ।त्राआनाया ।पुनाहीन्द्रा औहोवा ।यापातावे ॥ ५ ॥

पि ण भी त का ख ण या टा टा खा शि टि ख

अध्वर्योऔहोअद्रीभीः ।सूतमौहोवाइ ।सोमं पावी ।ओइत्रायानाया ।पुनाहा इन्द्रा औहोवा यापातावे ॥ ६ ॥

षि तु च टा त त श का ख ण यी टा टिट् खा शि । ए(तच् क टा ख

॥तरन्तस्यचवैददश्वेस्साम ॥

तरत्समान्दीधावाताइ ।धारासूता ।स्यान्धासाऔहोवा ।तारत्समन्दीधावती ॥ ७ ॥

ती त या ट श टा ख ण टाट् ख शि कु खी

॥सोमसामच ॥

आपवस्वा ।साहस्रिणांहुवाइहुवाहोइ ।रयिंसोमासुवीर्याहुवाइहुवाहोइ ।अस्मैश्रवांसिधारायाहुवाइहुवाहोयाऔहोवा ।ऊपा ॥ ८ ॥

ती च टि टा टि च श का का टि टा टि च श था की टा टा टिट् ख शि ख श

॥सूर्यसामच ॥

आनुप्रत्नासआयावाः ।पादन्नवीयोअक्रमूः ।रूचेजनान्तासू ।हिम्माए ।रीयम् ॥ ९ ॥

षी ति त षी ची पु श भि ख श

॥दाढ्यच्युतानित्रीणि ॥

आर्षाइहा ।सोमाद्युमाक्तामाइहा ।आभाइइहा ।द्रोणानिरो रूवादिहा ।सीदनिहा ।योनौवना इ ।षूवाइहा ॥ १० ॥

चा शा टी चा शा चा श चा टीच् क च शा क च शा टीच् श चा शा

आर्षाहाबु ।सोमद्युमक्तमोअभिद्रोणा ।निरोऔहो ।रूवात्सीदाउवायो नौवानेहिम्माए ।षूवा ॥ ११ ॥

का त श षू टि त भि त टा ती पि श भि ख श

अर्षासोमाद्युमाक्तमोअर्षासोमा ।द्युमक्तमोअभिद्रोणाहाहाइ ।नीरोरूवत्साइदन्योनौहाहाइ ।वानाइषुवा ।ओइळा ॥ १२ ॥

फू खा शी की किट त त श चा कि टी त त श टीखण् प शा

॥इन्द्रस्यचवृषकम् ॥

वृषासोमा ।द्युमं आसाइ ।वृषादाइवोहाइ ।वर्षात्राताःवृषधर्माइया ।णाइद द्रिषाइळाभा ।ओइळा ॥ १३ ॥

ती चा य ट श टु त श का ख ण की ट त कि टी खण् प शा

॥ऐषञ्च ॥

इषेपवा ।स्वधारयौहोवाहा औहोवा ।मृज्यमानोमनीषीभीः ।इन्दोरूचाभिगा औहोवाहा औहोवा ही ॥ १४ ॥

ती की खि शि की टीख् चा क फ शि खि शि । उपई(कि ख

॥श्यावाश्वञ्च ॥

मन्द्रयासो ।माधारयावृषपावा ।स्वादाइवायूः ।अव्यावा रा औहोवा ।भिरस्मयूः ॥ १५ ॥

ती षी टि तच् क टि त टिट्ख शि तीच्

॥सोमसामच ॥

आया सोमसूकृत्यया ।माहान्सन्नाभ्यवार्द्धाथाः ।मान्दानाईद्वषायासा ।इ ॥ १६ ॥

णाफ् ख शु दू ख ण य ट य ट खित्र श

॥आग्नेयञ्च ॥

आबुहौहोवाहाअयाविचा ।र्षणाइर्हा

ख पु शी टी

इताः ।आबुहौहोवाहाइपवमानाः ।साचाइताताइ ।आबुहौहोवाहा

खा ख पु शु टी ख श ख पु

इहिन्वानया ।पियौहौहाहोबाबृहात् ।हाइ ॥ १७ ॥

शु टा खिप्ल प्ला शा

॥आयास्येच ॥

प्रणइन्दोऐहीऐहीया ।माहेतुनऐहीऐहीया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीऐटू)ऐहीऐहीया ।आभाइदा इवं औहोवा ।आयास्याः ॥ १८ ॥

फी खीश टू टट त क षी खीश टीद् खा शि टा ख

प्रणइन्दोइयाईया ।माहेतुनइयाईया ।ऊर्मिन्नबिभ्रदर्षसीयाईया ।आभाइदाइवं

फी खाखश टू टट क षी टी टत टी खा

औहोवा ।ए आया ।स्याः ॥ १९ ॥

शि तच्क ट ख

॥भारद्वाजञ्च ॥

होई याहोई याईयाहाइ ।अपघ्नान्पाहोई याहोई याईयाहाइ ।वाताइमा र्द्धाऔहोवा ।अपसोमोअराविण्णाःहोई याहोई याईयाहाइ ।गच्छन्नाइन्द्रा होई याहोई याईयाहाइ

खाप्ल खा शु टि ख खाप्ल खा शु टीद् ख शि कि टि खा खाप्ल खा शु टि खा खाप्ल खा

२० ॥

पञ्चम खण्डः

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सो ।माधाऔहोवा ।राया ।आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधाः ।योनाइमार्कुतास्यासाऔहोवा ।दासी ।उत्सो

ती टद्ख शि खश ती क थ टी त टी त टद् ख शि खश

दे वोहाइरा औहोवा ।ण्याया ॥ १ ॥

भित ट खा शि ख श

॥वसिष्ठस्यचापदासे ॥

पुनानस्सोमधारया ।आपोवसानोअर्षस्योहाओहाइ ।अरात्नाधायोनिमृतस्यासीदस्योहाओहाइ ।उत्सोदाइवाओहाओहाइ ।हिरण्याया ।ओइळा ॥२ ॥

षु तृ की क थ टा त ट त श का कि ची थ टा त ट त श चा य टा ट त ट त श टि खण् प शा

पुनानस्सोमधारया ।की)आपोवासानोअर्षसी ।अरात्नाधायोनीमार्कतास्यासीदसी ।ऊत्सोदाइवो हीरण्याया ।ओइळा ॥४ ॥

फी टा टा त चि टा टा था टा त चि टा टिचक टा खण् प शा

॥माण्डवञ्च ॥

पुनानस्सोमधारयापोवसोवा ।नोअर्ष

षु तू त कि

स्यारात्नाधाउवाओहाइ ।योनिमृतास्यसीदस्युत्सोदेवाउवाओहात)इ ।हीरण्याया ।ओइळा ॥ ४ ॥

का कीट त श च ची थ टी किट श टि खण् प शा

॥उद्वच्च ॥

पुनानस्सोमधाहोरया ।आपोवसानायाहोर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासाहोइदासी ।ऊत्सोहोइदाइवो ।हीरोबा

षी ति ता की टि टा षु कि टि टि टाच् य टा ता क प ष्ठ

ण्यायो ।हाइ ॥ ५ ॥

ह्ला शा

॥माण्डवञ्चैव ॥

इयाईया ।पुनानस्सोमधारा या ।आपोवसानोअर्षासी ।आरत्नधायोनिमृतास्यासिदासी ।ऊत्सोदे वोहा इरा औहोवा ।

टा ट त टी खिण की टि त षु कि टि त क था टाट् खा शि

ण्याया ॥ ६ ॥

त टख्

॥प्रजापतेश्चसदोविशीयम् ॥

पुनानस्सोमधारयाओहाओहा ।एऔहोऔहोवा ।आपोवसानोअर्षस्योहाओहाएऔहोऔहोवा ।आरात्नाधायो

षू तू दा दा त त की क थ दा त ट त दा दा त त का कि

निमृतास्यासीदस्योहाओहाएऔहोऔहोवा ।उत्सोदाइवाओहाओहाएऔहोऔहोवा ।हीरण्यायाऔहोवा ।सदोवीशाः ॥ ७ ॥

ची थ दा त ट त दा दा त त चा य टि त ट त दा दा त त टिट् ख शि ता ट ख

॥जमग्रेस्सवासिनी द्वे ॥

ओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवा

ट य दा ट य दा ट कच् क काट् ख

औहोवा ।पुनानस्सोमधारया ।आपोवसानोअर्षस्यारात्नाधायोनिमृ तस्यासीदस्युत्सोदे वाःओहोवाओओहोवाओओहो वाओवाओवाऔहोवा ।एहिर ण्यया ॥ ८ ॥

शि की की की क थ टि कि का चा थ टीच ट य दा ट य दा ट कच् क काट् ख शि त का टाख्

ओहोवाओवाओवाऔहोवा ।पुनानस्सोमाधारयापोवसानोअर्षस्यारा

तच् च क काट् ख शि की की कि क थ कि

त्नाधायोनिमृ तास्यसीदसी ।ओहोवाओवाओवाऔहोवा ।उत्सोदे वोहिरण्यया

कि का चि खा तच् च क काट् ख शि कि कु

इळाभा ।ओइळा ॥ ९ ॥

टा खण् प शा

॥आयास्येद्वेसोमसामनीवा ॥

आयिपुना ।नास्सोमाधारयाअपोवासाओनोअर्षसी ।आरात्नाधाओयोनिमृतस्यासीदसी ।उत्सोदाइवाओइ ।हीरण्याया ।ओइळा ॥ १० ॥

ती कि कू का चि की कू चि कु च श टि खण् प शा

पुनानस्सोमधाहाबुहोवा ।रायापोवसानया ।र्षासी ।अराऔहोवात्नाधायोनिमृतास्यसा इ ।दासी ।उत्सोऔहोवा ।दाइवोहिरा ।ण्याया ॥ ११ ॥

षी तु त पा टि खाणफळ् ख श पा क था कि टि खाणफळ् ख श पा क था टि खाणफळ् ख श

॥कण्वरथन्तरम् ॥

पुनानस्सोमधारया आपोवसानो अर्षासी । आरत्नधायो निमृतास्यसी दसा ऐही । उत्सो दाइवो हिरा आउवा । एण्ययाया ॥ १२ ॥
 पु ति कु पा श षू तू ता टि ता ता टि त ता ख

॥आयास्यञ्च ॥

पुनानस्सोमधारया ए औहो वा । आपोवसानया र्षासी । आरत्नधायो नीमृतास्यासा ओ औहो । दासी । उत्सो औहो दाइवो
 पु तु खात्र का टा खाणफळ् त टख् षू की पा श त टख् पि श चि
 हिरा । ण्याया ॥ १३ ॥
 खाणफळ् त टख्

॥रौरवम् ॥

पुनानस्सोमाधाराया । आपोवसानो अर्ष
 तु पाण
 स्यारत्नधायो निमृतास्यसा इ दसा
 षौ दू ति
 ओहाउवा । उत्सो देवो हिरा हा ओहाउवा । ण्याया औहो बाहो इळा ॥ १४ ॥
 पा शा दू त पा शा क टा ख फळ् शा

॥यौधाजयञ्च ॥

पूनानासोमाधारा या । आपोवसानया र्षासी । आरत्नाधायो निमृतास्य
 च य प श फळ् खाण का का ट खणफळ् ख श का कि टि
 सा इ । दासी । उत्सो दाइवो हिरा । ण्याया ॥ १५ ॥
 खाणफळ् श ख श टा टि खाणफळ् ख श

॥वसिष्ठस्यचप्लवम् ॥

हाउवाहाउवाहाहाउवोवाहाइ ।पूनानास्सोमधारा या ।आपोवासानोआर्षासी ।

ति ति त खि ण त श खि श खि ण खि श खि ण

आरात्नाधायोनाइमार्क्ता ।स्यासिदासी ।उत्सोदाइवोहाइराण्याया ।हाउवाहाउवा ।

खि श खी श खि ण खि शा खी ण ति ति

हाहउवोवाहाऔहोवा ।एआतिविश्वानीदूरी तातरे मा ॥ १६ ॥

त खी ण ख शि त का का कि कि ख

॥अच्छिद्रञ्च ॥

परीतोषी ।ञ्जताआउवा ।सूतम् ।सोमोयाऊक्तामं हावीः ।सोमोयऊक्तामांआउवा ।हावीः ।दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तरा ।दधन्वायाः ।नर्यो आप्सुआआउवा ।न्तारा ।

ती ता टि ख श टा चा चा चा ती ता ख श का टीच् ची ती टाच् च ता टि ख श

द्राईभीः ॥ १७ ॥

ख ण्हा

॥रयिष्ठञ्च ॥

परितोषी ।ञ्जतासूतामौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवासोमोयऊक्तामं हावीः ।सोमोयऊक्तामांहावीरौहोवाऔहोवायीयायीयाहाहाउवा ।दध न्वायोनर्यो अप्सन्तारा ।दधन्वायाः ।नर्यो आप्सुआआउवा ।न्तारा ।

ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्हा ति टा चा चा चा ती भि टा त टा त टा त ट ख ण्हा ति का टीच् चा चा

॥भारद्वाजेद्वे ॥

औहोइ परितोषी ।ञ्जता सूतमौ ।होऔहो वाऔहोवा ।सोमोयऊक्तामं हावीरौहोऔहो वाऔहोवा ।दध न्वायोनर्यो

षि ती ताच् टि तिच् क क ख श टा चा का टी तिच् क क ख श का टीच्

अप्सन्ताराऔहोऔहो वाऔहोवा ।सूषावसोमामा

कि टा तिच् क क ख श चा ची

द्रिभिरौहोऔहो वाऔहोवाउहुवाहाबु ।बा ॥ १९ ॥

टि तिच् क क प ण्ही श श

पर्येपरी ।तोषिञ्चता सूतमाउवाहाबुहाबुहोवा ।सोमोयउक्तामं हाविराउवाहाबुहाबुहोवा ।दध न्वायोनर्यो
 ती क टिच् पु ति कि टा चा चा फु ति कि का टीच्
 अप्सन्ताराउवाहाबुहाबुहोवा ।सूषावासो ।हाबुहाबुहोवा ।
 कि टि ति कि टि त ति कि
 मामद्राइभिरूहुवाहाबु ।बा ॥ २० ॥
 च फु पु शा श

॥आभिषवेद्वे ॥

परितोषिञ्चतासुतंए ।सोमोयाउक्तामंहाविर्दाधाहाइ ।न्वायोनर्योअप्सुआन्तारासूषाहाइ ।वासोमामोबाद्राइभो ।हाइ ॥२१ ॥
 पू ति चा क की खाफु त श टू किखफु त श का पा फु फ्लि शा
 परितोषिञ्चतासुतंए ।सोमोयाउक्तामंहा
 पू तित चा क ती
 विर्दाधाहाहाइ ।न्वायोनर्योअप्सुआन्तारासूषाहाहाइ ।वासोमामोबाद्राइभो ।हाइ ॥२२ ॥
 खाफु त त श टू किखफु त त श का पा फु फ्लि शा

॥अङ्गिरसामधीवासपरीवासौद्वौ ॥

परितोषिञ्चतासुतंइहाती) ।सोमोयउक्तामंहावीरिहा ।दध
 पू षि टी ति का
 न्वायोनर्योअप्सन्ताराईहा ।सूषावासोइहा ।मामाद्रा इभाऔहोवा ।ई हा ॥ २३ ॥
 षी टि ति टि ति टिट् खा शि खश
 इहापरीतोषिञ्चतासुतंइहा ।सोमोयउक्तमं
 पू तू षि
 हावीरिहाउवा ।ऊपा ।दध न्वायोनर्योअप्सन्ताराइहाउवा ।उपा ।सूषावासोइहाउवा ।ऊपा ।मामद्राइभीरिहाउवा ।उऊपा ॥ २४ ॥
 टी कि शा खश का षी टि कि शा खश टि कि शा खश च टा की शा खाश

॥माण्डवेद्रे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् ।सोमोयाउक्तामं हावाइर्दाधाउवोवा ।ऊपा ।न्वायोनर्योअप्सन्तारा ।सूषावासो ।मामाद्रिभिरिळाभा ।ओइळा ॥ २५ ॥

षू ता क क कीच् का टि खाश ख श षी टि त टि त का टी खण् प शा

परीतोषिञ्चतासुतंओवा ।सोमोयउक्तामंहाविर्दधान्वायोहाहाइ ।नर्यो अप्स्व न्तारा

षू ति त टि च चा चीय ट त त श टाच् चा चा

सूषावासोहाहाइ ।मामाद्रिभीरिळाभा ।ओइळा ॥ २६ ॥

चाय ट त त श का टी खण् प शा

॥वैनसोमकृतवेद्रे ॥

परीतोषिञ्चतासुताम् ।सोमोयउक्तमांहावीः ।दध न्वायोनर्योअप्सान्तारा ।सूषावासो ।मामोबाद्राइभो ।हाइ ॥ २७ ॥

तू ता दूद् टा का दूद् टा टि त क प ण् छि शा

पारीतोषाइञ्चतासुतामैहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सोमो यउक्तामंहावीरैही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।दध न्वायोनर्यो अप्स्वन्तारा

टी भु टा टा च थि टा ट त टाच् का भी टा टा च थि टा ट त का टीच् भी

ऐहि ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।सूषावसोमामद्रीभीरैहीऐही ।ऐहीऐहिहोवाउवाईया ।ओइळा ॥ २८ ॥

टा टा च थि टा ट त टी क मि टा टा टा च थि टा ट खण् प ण्

॥प्रजापतेर्गूदोद्वौ गौतमस्यवाप्रतोद्वौ ॥

ऊपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।परीतोषिञ्चतासुतमूपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।

चाच फ ता प चाक फ षू ची च फ ता प चाक फ

सोमोयउक्तमंहविरूपाऊपाउपाओऊपाऊपा ।दधन्वायोनर्योअप्स्वन्तराऊपा ।ऊपाउपाओऊपाऊपा ।सुषावसोममद्रिभिरूपाऊपा ।उपाओउपऊपा ।ऊपा ॥ २९ ॥

षू चीच फ ता प चाक फ षू चू च फ ता प चाक फ षू चीक फ ता प खित्र ख श

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कूच्

सूतामुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमं हाविरूपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराउपा हाबुहाबुहाउवा ।सुषावसोमाद्री भिरूपा ॥ ३० ॥

क टिख् षी ति कूच् क टिख् षी ति षू काच् क टिख् षी ति कू कच् टिख्

॥मरूताङ्गोष्ठापुंसिनिद्वे ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारितोषिञ्चता

षी ति कू

सूतामिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयउक्तमंहविरिहाउपा हाबुहाबुहाउवा ।दधायोनर्योअप्स्वन्तराइहाउपा हाबुहाबुहाउवासुषावसोममाद्रीभिरिहाउपा ॥ ३१ ॥

चा टीख् षी ति कू चा टीख् षी ति षु चा टीख् षी ति कू का टीख्

हाबुहाबुहाउवा ।पारीतोषिञ्चता

षी ति कि टिच्

सूतं श्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सोमोयाउक्तमं हाविश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।दधन्वायोनर्योअप्स्व न्ताराश्रवो बृहदुपा हाबुहाबुहाउवा ।सूषावासोममा द्रीभि

का टाच् टीख् षी ति कि किच् क टिच् टीख् षी ति कू टाच् क टिच् टीख् षी ति कि टिच् क

३२ ॥

॥महारौरवञ्च ॥

हाबुहाबुहाउवा ।पारीतोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दधे न्वायोनर्यो अप्स्व न्तारासूषावसो ।हाबुहाबुहाउवा ।

षी ति कूच क किच् का का की टीच् चा चा टीख् षी ति

ए मामाद्राइभीः ॥ ३३ ॥

तच् टि खा

॥महायौधाजयञ्च ॥

हाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।पारितोषिञ्चता सूतंसोमो यऊक्तामं हाविर्दधे न्वायोनर्योअप्स्वन्तरा ।सूषावसोममाहाउवोवाहाउवोवा हाओवाहाउवा ।द्राइभीः ।

खि श खि शप् त प ण् ति कूच क किच् का का की टी ची ची खा खि श खि शप् त प ण् ति त टाख्

३४ ॥

॥आश्वानिचत्वारि ॥

आसो ।मास्वानोअद्राइभा

ख ण क था टी

उवोवा ।तिरोवाराणि ।अव्ययाजानानापाउवोवा ।रिचामुवोर्वीशाद्धरीस्सादाउवोवाश) ।

खा श टी च टि टा टा खा श टी च टि टा खा

वानाउवोवा ।षुदाद्धिषाइ ।होइळा ॥ ३५ ॥

टा खा श फ्ली श प शा

हावासोमस्वा ।नोअद्राइभिस्तीरोवारा ।णियाआउवा ।व्याया ।जनोनापूरीचामू वोः ।विशाआउवा ।र्द्धारिस्सादावाने ।षुदाआउवा ।घिषे ॥ ३६ ॥

तु खि शा खिण ता टि ख श खि श खिण ता टि ख श खिण ता टि ख श

आसोमस्वानोअद्रिभाइः ।तीरोवाराणियाव्याया ।जनोनपूरिचामूवोर्वीशार्द्धारीः ।सदा वानाइषूदघिषो ।इळा ॥ ३७ ॥

तु ति श षी यि ट षी यि ट का य ट टाच् टी खिष् शा

आसोमस्वानोअद्रिभिस्तीरोवारा णीयव्यया ।जनोनपु रिचम्बोर्वीशार्द्धारीरौ ।हूवाए होवा ।सादावने षूदौ हूवाए होवा

षु फु खा फ्ली षी कु टिच् टि चा की टाच् टि चा ।द्धिषाओ(टि

होबा ।होइळा ॥ ३८ ॥

ख ष् ष् शा

॥आग्नेयञ्च ॥

प्रसोमदा ।इवावीत याइ ।

ती खी ण श

सिन्धुर्नपाइप्ययाआउवा ।र्णासा ।अंशोःपाया ।सामदाइरोनजाआउवा ।ग्रवीराच्छाकोशम् ।मधाआउवा ।श्रूतम् ॥ ३९ ॥

क कि ति टि ख श खिण क की ता टि ख श खिण ता टि च श

॥सोमसामच ॥

प्रसोमदेववीतयोहाइ ।सिन्धुर्नपिप्येआ

फू खा शा फू

र्णासोहाइ ।आंशाउवोवा ।पायाउवोवा ।सामदिरोनजाग्रवीहाइ ।आच्छाउवोवा ।कोशाउवोवा ।

खा शा टा खा श टा खा श फ णि फा खा ण श टा खा श टा खा श

मधूश्चूता ।होइळा ॥ ४० ॥

फ्ली ष् ष् शा

॥द्विहिङ्गारञ्चवामदेव्यम् ॥

प्रासोमादेववीतयाइ ।साइन्धूर्नापिप्य

पि शू

अर्णासाअंशोःपयसामदिरोनजौहोहिम्मा ।ग्रवीराच्छाकोशंमधौहो

षौ कू त टा ट त कू त

हिम्मा ।श्रूतामौहोबा ।होइळा ॥ ४१ ॥

टा पि प्ला प्ल शा

॥अङ्गिरसामुत्सेधनिषेधौ द्वौ ॥

प्रसोमदेववीतयेसिन्धूर्नपाऔहोवा ।प्येअर्णासा हाउवा ।ऊपा ।अंशोःपयाऔहोवाहाइ ।सामदिरो नजागृ विर्हाउवा ।

षु फु खाण फ प्ल क टिच्य टा ख श श्रु क कि कि या टा

ऊपा ।अच्छाकोशंऔहोवाहाइ ।

ख श श्रु

मधूश्चूताम् ।ऊ ॥ ४२ ॥

खित्र ख

प्रसोमदाइवावीतयाइ ।सिन्धूर्नपाइप्येअर्णासाइहा ।आंशोःपाया ।हाहोहाइ

तू ति श चू थ टा ता टा ख श खाण श

सामदिरो नजागृवीरिहा ।आच्छाकोशाम् ।हाहोहाइ ।मधूश्चूताम् ।हे ॥ ४३ ॥

क कि टा ती टा ख श खाण श खित्र ख

॥सोमसामानिषट् ॥

हाबुसोमाः ।उष्वाणस्सोतृभीः ।आधिष्णुभीरावाइनाम् ।आश्वाऔहो ।येवहरितायाताइधाराया ।मन्द्रायायाहाओवा ।तीधाराया ॥ ४४ ॥

ती थाच् यिट कीचय टा टा ट त पू यि टा किख शि टिख

सोमउष्वाणस्सोतृभाइः ।आधीष्णुभीरावीनामाश्वयेवा ।हारितायातिधाराया ।मन्द्रायायाताइधा ।रायाऔहोबा ।होइळा ॥ ४५ ॥

खी प्ली श कीक था पिण यू प श खि श ख णा टि ख प्ल प्ल शा

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।ष्णुभिराआउवा ।वीनाम् ।आश्वायेवहरितायातिधाआउवा ।

षु ती ता ति टि ख श ट त कू ता टि

राया ।मान्द्रायायातिधा ।आउवा ।राया ॥ ४६ ॥

ख श ट त का ता टि ख श

सोमउष्वाणस्सोतृभिरे अधी ।

षु ती ता

ष्णुभिरवीनामाश्वये वाहरितायाताइधारयामन्द्रायौवा ।तिधा ।रायाऔहोबा ।होइळा ॥ ४७ ॥

की की कु कु शु ख श टि ख ण्ण ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृभाइःरधिष्णुभिरवीनाम् ।

षै तू

आधिष्णुभिरवीनामाश्वयेवाहारीतायाताइधा ।रयाआउवा ।मान्द्रा ।यायातीधा ।रायाऔहो

षू कू पी शा ता टि ख श खिण णा च क

वा ।होइळा ॥ ४८ ॥

फ ण्ण शा

सोमउष्वाणस्सोतृ भिरौहोआधिष्णुभीरवीनाम् ।आश्वयेवाहारिताया तीधारायौवाउवोवा ।मान्द्रयायातीधाहिं ।रायोहाइ ॥ ४९ ॥

षु चा टा त प शू क की थि च्क कि ण्णि श क पी श च ख ण्ण शा

॥विष्णोररणीद्वे ॥

तवाहंसोमरा राणारणा ।सच्यइन्दोदिवा इ ।दिवाइदिवे ।पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाअवा ।पारीधीरतितंइहा इहा औहोवा ।ऊउ पा ॥ ५० ॥

ती टा च् चा शा दू च् श चा शि षू टी चा शा कू टा द् खा शि खा श

तवातवा ।आहंसोमरारणसख्याइन्दो ।दिवाऔहोदाइवे पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावा ।पराऔहो ।धाइंरतीतोबा ।

ती षी दू त भि त टि षू यी प श भि त की प ण्ण

आइहो ।हाइ ॥ ५१ ॥

णि शा

॥आङ्गिरसानित्रीणि ॥

तवाहंसोमरारणा ।सख्याइ न्दोदीवेदाइवे ।पूरूणिबभ्रोनिचरन्तिमामावाहाइपरिधाइंरा ।तीतोबाआइहो ।हाइ ॥ ५२ ॥

तु ति खि श खि णा षू चि प श्रु त प ण्ण ण्णि शा

तवाहंसोमरौहोरणा ।साख्याइन्दोदिवा इ ।दीवे ।पूरूणाइबाभ्रोनिचरान्तिमा ।मावा ।पारीधाइंरातितं आइहि ॥ ५३ ॥

तू ता च टि खा ण्ण फ ण्ण श ख श टा टि टी खा ण्ण फ ण्ण ख श टा टि खा ण्ण फ ण्ण ख शा

तवाहंसोमरारणसारव्याइन्दोदिदेदिवाइ ।सखयइन्दोदिवेदाइवे ।पूरूणिबभ्रोनिचर न्तिमामावा ।पाराइधाइंरातीतंआइहा इ ।ओइळा ॥ ५४ ॥
 षी फु खा शु की टि ता षू का टि त टी ता टाट खाण्श प शा

॥औक्ष्णोरन्ध्राणित्रीणि ॥

मृज्यमानाः ।सुहस्तियासामूद्राइवा ।चमिन्वसाइ ।रार्यीपाइशाम् ।गम्बहुलाम् ।
 ती ती टाख शा ती श टा ख शा ती

पूरूस्पृहम् ।पावमानाऔहो ।भीयोबार्षासोहाइ ॥ ५५ ॥
 टा ख ण चि पा श क प प्लु प्ला शा

मृज्यमानाः ।सूहस्ताया ।समुद्रेवाचामिन्वासाइरयाइंपिशांगम्बहुलम्पूरूस्पृहाम् ।
 ती चि ट चा था या पा खि ति की च य टा

पावामा नाऔहोवा ।भ्यर्षासी ॥ ५६ ॥
 टिट्ख शि टा ख

मृज्यमानाः ।सूहस्तियासामू द्राइवाचमीन्वासाइ ।राइं पाइशांगम्बहुलं ।पूरू
 ती च चिय टच्य टा का चा श य टच्य टा क चि

स्पृहाम् ।पावा मानाभायाऔहोवा ।र्षासि ॥ ५७ ॥
 ची य टच्य ट ट ख शि ख श

॥औक्ष्णोनिधनानित्रीणि ॥

मृज्याए ।मानस्सुहस्तियाऔहो ।सामुद्रेवाचमिन्वसाऔहो ।रार्यिंपिशंगंबहुलम् ।पूरूस्पृहाऔहो ।पावमाना ।भीयोबा
 ता त षू ट त कू भि त की क कि भु त टि त क प प्लु

र्षासोहाइ ॥ ५८ ॥
 प्ला शा

मृज्यमानस्सुहस्तेयावाहाइ ।सामुद्राइ वाचमिन्वासी ।रायाइंपिशांगंबहुलम् ।पूरू
 षी तू त श षी टि ख ण खा ति क कि या

स्पृहा ।पावामाना ।भीयोबार्षासो ।हाइ ॥ ५९ ॥
 पा खा ता क प प्लु प्ला शा

मृज्यमानास्सुह स्तिया ।समूद्रेवाचमाइन्वासी ।रार्यिंपिशांगम्बहुलम् ।पूरूस्पृहाऔहो ।पावमाना ।भीयोबार्षासो
 फी शा का टा टा टा टि की की भु त टि त क प प्लु प्ला

हाइ ॥ ६० ॥

शा

॥वाजजिच्चा ॥

मृज्यमानस्सुहा ।स्तियासमू होद्रेवाहोचामिन्वासाइ ।रया होइंपीशाहोगं बहुलांपू रूस्पृहाम् ।पवा होमानाहोभी ।अर्षासाआउवा ।वाजीजीगीवा ॥ ६१ ॥

तू टा टाच्य टा था चि श टाच्य टि था की चि टाच्य टा था कि टि क कि तच्

॥द्वभ्यासञ्चसौहविषंवसिष्ठस्यवापिप्पलि ॥

मृज्यमानस्सुहस्त्यासमुद्रेवोवा ।चामिन्वसीरायिंपिशाहाहाहंगंबहुलंपूरूस्पृह म् ।पावामानाहाहाइ ।भ्यर्षासा इ ।ओइळा ॥६२ ॥

षू तु त की टी ट त त की कीच् का टा त त श टा खण् श प शा

॥वैश्वदेवेच ॥

हाहाअभीसोमा साआयावाः ।हाहाइपवन्तेमादीयाम्मादांहाहाइसमुद्रस्याधिविष्टपे

त कि थाच् का य ट त चू काय ट त षू ची

मा नाइषाइणाःहाहाइमत्सारासो मादा

कच् क या टा त की थाच् का

च्युताः ।हाहा इ ।

य ट त खण् श

ओइळा ॥ ६३ ॥

प शा

आभिसोमासआयवाः ।पवन्तेमद्यम्मदामाऔहोआऔहो ।

कि ख की कि टू त टा त

सामुद्रस्याधिविष्टपे मणीषिणाऔहोआऔहो ।मात्सारासोमदच्युताऔहोआऔहो ।

की की भु त टा त थ कि भु त टा खण्

ओइळा ॥६४ ॥

प शा

॥इन्द्रसामच ॥

अभिसोमा ।सयाआउवा ।यावाःपवभाइमा ।दीयाआउवामादंसामूद्रास्या ।धिविष्टपे मना ।

ती ता टि ख शू ता टि ख शू की का

आउवाए ।षीणोमात्सारासाः ।मदाआउवा ।च्यूताः ॥ ६५ ॥

टि भ ख शु ता टि ख ण

॥वैश्वदेवञ्चैव ॥

अभिसोमासआहोयवाः ।पवन्तेमद्यम्मदं पवन्तेमदियां होइमादाम् ।सामुद्रस्याधिविष्टपेमनी षिणोमना होषाइणाः ।मात्सारासोमदच्युतोमदा होच्यूताः ।ओइळा ॥

षु ता ता कि षी दूच्य टा त की श कुच् का टाच्य ट ता थ श कु श टाच्य ट खण् प शा

६६ ॥

॥इन्द्रसामानित्रीणि ॥

औहोवाअभिसोमासआयवऔहोवा ।

षृ तु त

पवान्तेमावा ।द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।धीविष्टपेमनी षिणाऔहोइमत्सारासोवा ।मदाच्यूताः ॥ ६७ ॥

टा खात्र क टी खात्र च कुच् क टच्य टि खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः ।पवान्तेमावा ।द्यम्मदंसमूद्रस्यावा ।धिविष्टपेमनीषीणोमत्सारासोवा ।मदाच्यूताः ॥ ६८ ॥

षु ता त टा खात्र क टी खात्र कि कु टा खात्र ता टाख्

अभिसोमासआयावाः ।पवन्ताइमादियम्मादम् ।सामुद्रस्याधिविष्टपाइमनाइषाइणाः ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥ ६९ ॥

षु ता त का टु ख ण की षु टा खा णा कि टाट् ख शि ख ण

॥स्वःपृष्ठमाङ्गिरसम् ॥

अभाइसोमाऔहोसआयवाः ।पवान्तेमाऔहोद्यम्मदम् ।समूद्रस्याऔहोधिविष्टपाइ ।ओइमा नाऔहोवाषीणाः ।ऊपा ऊपा ।मात्सारा सोमा दाऔहोवा ।च्यूताः ॥

टा खि खा फा का टा खा खाक का टा खा खा फा का श टिट् ख शि ख ण ख शण् ख ण कि टाट् ख शि ख ण

७० ॥

॥सोमसामच ॥

पुनानसोमजाजागृविरव्याः । वारैःपारीप्रीयाः । त्वंविप्रोअभवोगाइरास्तमाःमाध्वायज्ञाणम्माइमाऔहोवा । क्षाणाः ॥ ७१ ॥

षू ती यी टा षू पि ता काच् का टद् खा शि ख ण्

॥आदित्यानाञ्चपवित्रम् ॥

पवमानअसृक्षतपवाइ त्रामतिधारयामरूत्वन्तोमत्सराइन्द्रीया हायामाइधाम् । अभाइप्रा याऔहोवा । सीचा ॥ ७२ ॥

षी तू श षे दु तच् टि ता टीद्ख शि ख श

॥सोमसामनीद्वे ॥

पवस्ववाजसाइहा । तामाः । आभिविश्वा नीनवार्यास्त्वंसामूऔहोवा । द्राःप्रथामेवीधर्मन्दाइवाइभ्यास्सोऔहोवा । ममत्सराः ॥ ७३ ॥

षू ता ख ण् कीच् क टीद्ख शि किच् थि दुद् ख शि तीच्

इन्द्रायापा । वाताइमादाः । सोमोमरुत्वताइसूताः । साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाती । तमा

ती टा टि दू टि षु दु टा टा

इमार्जान्तीयायावाः । ओइळा ॥ ७४ ॥

टिच् क टा खण् प ण्

॥स्वःपृष्ठञ्चैवाङ्गिरसम् ॥

इन्द्रायपा । वते मदास्सोमोमारू त्वातेहोइसूताः । साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाता

ती का चा था टाच् क टा टि षु दू

उवोवा । ऊपा । तामीहोइमार्जान्तीयायावाः । ओइळा ॥ ७५ ॥

खा श ख श टि टिच् क टा खण् प शा

॥सोमसामचैव ॥

इन्द्रायापावाताइमादाःसोमोमरूत्वताइसू ताः ।साहस्रधारोअत्यव्यमार्षाती ।तमा

खी ष्टू टू खा ण की श टी ख ण

औहोइमार्जाम् ।तायाऔहोवा ।यावाः ॥७६ ॥

कि खि ण टट् ख शि ख ष्टू

षष्ठ खण्डः

॥औशनानित्रीणि ॥

ओई प्रातू इहाओद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।ओई नृभीरिहाओपुनानोआभीवाजमार्ष ।

चा फा ता कू खि श चा फा का की कि खा श

ओआश्वाइहाओनत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।ओआच्छाइहाओबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।न्ताइ ॥१ ॥

चा फ ता टी कि खा शा चा फ ता का कि पि खि त्र श

हाओहाउहुवाओहा ।प्रातुद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।

का फ खि ण षी कि खि श टू कि खा श

अश्वन्नत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ हाओहाउहुवाओहाअच्छाबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।

टू कि खा शा का फ खि ण कि कि पि खि

न्ताइ ॥२ ॥

त्र श

प्रातू ।द्रवापरिकोशान्नीषीदा ।नृभिःपुनानोआभीवाजमार्ष ।अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।

ता षु टि थ टू कि खा ण षी टू त श

अच्छाबर्हाइराशनाभाइर्नाया ।न्ताइ ॥ 3 ॥

कि कि पि खि त्र श

॥प्रशस्यजानस्याभीवर्तौद्वौ ॥

प्रत्वेप्रतु ।द्रवाद्रवापारीकोशान्नीषीदा ।नृभिरे नृभीःपूनापुनानो

का ता षी कि खि श ति ता टू

आभीवाजमार्षा । अश्वमे अश्वा'म् । नत्वानत्वावाजीनम्मार्जयान्ताइ ।
 कि खाश ति ता टु कि खा शा
 अच्छये अच्छा । बर्हाब हर्इरा शनाभाभाइर्नाया । न्ताइ ॥ ४ ॥
 ति ता कि कि पि खि त्र श
 प्रतूद्रा । वापरिकोशान्नीषीदा । साइदा । बुहो औहोवा । नृभिः पुनानो
 ति षी टू त कि काच्क का षु
 अभीवाजमार्षाआर्षाबुहो औहोवा । अश्वन्नत्वावाजिनम्मार्जयान्ताइ ।
 टु त का काच्क का षु टु त श
 यन्ताबुहो औहोवा । अच्छाब हर्इरा शनाभिर्नायाए हियाहाउवा ।
 का काच्क का कि कि टि काख ष्णि शा
 न्ताइ ॥ ५ ॥
 ख श

॥ प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे वाजजितौद्वौ वाराहाणिवा ॥

प्राकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ती । माहिब्राता इशुछीबान्धूः पावाकाः ।
 क टाच् भी टा त टी टीच् टा त टीच् भी टा त
 पादावाराहो अभियाइतिरा औहोवा । भान् ॥ ६ ॥
 टी टी खि शि ख
 प्राकाव्यामूशनेवाब्रूवाणाः । देवोदेवानान्जनिमा विवाक्ति । माहिब्राता इशुचिबान्धूः पावाकाः ।
 टिच् भी टि टी टीच् टि टी भी टि
 पादावाराहोभिया औहोवा । तीरे भान् ॥ ७ ॥
 टीट खा शि टाख
 प्राकाव्यामुशनेवाब्रू वाणोदे वो । देवानान्जनिमावीवाक्तिमाही । वृतइशुचीबन्धूः पवाकाः पादा । वराहो अभ्येतिराहाउवा । भान् । ॥ ८ ॥
 चू शा का ख श चि चा क कि ख श थू कि ख श चि का टा ति ख
 हाबुहाबूहू । प्राकव्यामूशनेवाब्रु
 ति चा कि की
 वाणाः । देवोदेवानान्जनीमाविवाक्ति ।
 खाप्ल क टी कि खाश
 माहिब्राता इशुचिबान्धूः पावाकाः हाबुहाबूहू । पादावराहो अभियाइतिरा इ । भान् ॥ ९ ॥
 की की खाप्ल ति चा च क टि पि खिश त्र

॥अङ्गिरसांसङ्गोशास्त्रयःदेवानांवा सामसुरसे द्वे ॥

होयेहोवाहाहोइ ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

टा टा त त श टु का खिप्लु णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्लु का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १० ॥

क कु पि खा त्र

होइयाहोइ ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

टि च श टु का खिप्लु णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्लु का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ ११ ॥

क कु पि खा त्र

हाहोइयाहो इ । ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

क टि कच् श टु का खिप्लु णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीं ब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच् क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोइई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्लु का कि काच् क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १२ ॥

क कु पि खा त्र

॥वेणोर्विशालेद्वे ॥

होइयाई होइयाओहोइया ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

की टी किच् टु का खिप्लु णाफ् ख शि

ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् । आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगो
 दू कि खाश का कि काचक च श क टु
 पातिम्पाच्छामानाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ ।
 कि खाप्ल का कि काचक च श
 सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १३ ॥
 क कु पि खा त्र
 होइहाई होइहाओहोइहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।
 की टी किच् टु का खिप्ल
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ् ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामा
 का कि काचक च श क टु कि खा
 नाः । इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १४ ॥
 प्ल का कि काचक च श क कु पि खा त्र

॥ गौतमस्यतन्त्रातन्त्रेद्वे ॥

ईहोईहाइहोइहा । होवा होइहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।
 चा फा ती काच् फण टु का खिप्ल
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ् ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काचक च श क टु कि खाप्ल
 इहाहोइई हाहा हाहोइ । सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा । नाः ॥ १५ ॥
 का कि काचक च श क कु पि खा त्र
 इहाउवाइ हाइहा । तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।
 टी ख झिङ् टु का खिप्ल
 ओहा होहाओहा । ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।
 णाफ् ख शि दू कि खाश
 आहाहोइआहाहा हाहोइ । गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।
 का कि काचक च श क टु कि खाप्ल

इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १६ ॥

का कि काच्क च श क कु पि खा त्र

॥अगस्तयस्ययमिकेद्वे ॥

इहाउवाइहाउवाइहाउवाई हाई हा । ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवाखि)न्हीः ।

का ता टी का त्र ख प्लाड टु का प्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

णाफ्ख शि दू कि खाश का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥१७ ॥

क कु पि खा त्र

ई हाहाईहा ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

ख प्लड टु का खिप्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १८ ॥

क कु पि खा त्र

॥मरूताङ्गालकाक्रन्तौ ॥

ओऔहोऔहोवाहा । ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।ओहा होहाओहा ।

का ख फात तच् टु का खिप्ल णाफ्ख शि

ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।आहाहोइआहाहा हाहोइ ।

दू कि खाश का कि काच्क च श

गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।इहाहोई हाहा हाहोइ ।

क टु कि खाप्ल का कि काच्क च श

सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ १९ ॥

क कु पि खा त्र

ओऔहो औहोऔहोऔहोवाहाहा इ । ।तिस्रोवाचाईरायातिप्रवान्हीः ।

टिच्क ख फा फात त तचश टु का खिप्ल

ओहा होहाओहा ।ऋतस्यधाइतीब्राह्मणोमानीषाम् ।

णाफ् ख शि टू कि खाश

आहाहोइआहाहा हाहोणइ ।गावोयन्ताइगोपातिम्पाच्छामानाः ।

का कि काच्क च श क टु कि खाप्ल

इहाहोई हाहा हाहोइ ।सोमय्यन्ताइमातयोवावाशा ।नाः ॥ २० ॥

का कि काच्क च श क कु पि खा त्र

॥वासिष्ठानिषट् ॥

अस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।देवोऔहोवा

खा क था टि कि खाप्ल खा क था

देवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।सुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

टी कि खाश खा क था टी कि खाश

मिताऔहोवा ।वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २१ ॥

खा क था भि कि खाश पि खा त्र

उहुवायस्याऔहोवाप्रेषाहे मानापू यमानाः ।उहुवादेवोऔहोवादेवाइभी

खु क था टि कि खाप्ल खु क था टी

स्सामापृ क्तरा सम् ।उहुवासुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

कि खाश खु क था टी कि खाश

उहुवामिताऔहोवा ।वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।पशुमान्तिहो ।ता ॥ २२ ॥

खु क था भि कि खाश पि खा त्र

हाउहुवायस्याऔहोवा ।प्रेषाहे मानापू यमानाः ।हाउहुवादेवोऔ

खु क था टि कि खाप्ल खू क

होवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।हाउहुवासुताऔहोवा ।पवाइत्रांपारीये

था टी कि खाश खू क था टी कि

तिरे भन् । हाउहुवामिताऔहोवा । वसाद्वापाशुमन्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २३ ॥

खा श खू क था भि कि खा श पि खा त्र

हायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः । हायौहोवाइदेवोखा)

खू क था टि कि खा ण्णु

औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । हायौहोवाइसुताऔहोवा ।

क था टी कि खा श णु खा क था

पवाइत्रांपारीये तिरे भन् । हायौहोवाइमिताऔहोवा ।

टी कि खा श णु खा क था

वसाद्वापाशुमन्तिहोता । पशुमान्तिहो । ता ॥ २४ ॥

भि कि खा श पि खा त्र

हाहायौहोवायस्याऔहोवा । प्रेषाहे मानापू यमानाः ।

णु खा क था टि कि खा ण्णु

हाहायौहोवाइदेवोखा) औहोवादेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् ।

षू क था टी कि खा श

हाहायौहोवाइसुताऔहोवा । पवाइत्रांपारीये तिरे भन् ।

षू खा क था टी कि खा श

हाहायौहोवाइमिताऔहोवा । वसाद्वापाशुमन्तिहोता ।

षू खा क था भि कि खा श

पशुमान्तिहो । ता ॥ २५ ॥

पि खा त्र

औहोवहाहोई हा । अस्यप्रेषाहेमानापू यमानाः ।

ट क था टाकथ् टु कि खा ण्णु

देवोदेवाइभीस्सामापृ क्तरा सम् । सूतः पवाइत्रांपारीये तीरे भन् ।

दू कि खा श दू कि खा श

औहोवहाहोई हा । मीतेवसाद्वापाशुमान्तिहो । ता ॥ २६ ॥

ट क था टाकथ् टु पि खा त्र

॥ आश्वञ्च ॥

होहोअक्रान्तामुद्राः । प्रथामे विधर्ममान् । होहोइ जनय न्प्राजाभुवनस्यगोपाः ।

टी च चा चि शि कि कि का कु च

होहोइवृषा पावित्रे आधिसानोअव्याइ ।होहोइ बृहत्सोमोवावृ
 टुच्च टिच्च भि चा श कि टु क
 धेस्वानोअद्रायौहोवाहाउवा ।ए स्वानोअद्रीः ॥ २७ ॥
 था टि ट ता ति तच्च क टिख्

॥सोमसामनीद्वे ॥

कानी ।क्रन्तीक्रन्तीहरीरासृज्यमानासाइद न् ।वानावाना
 ता टा टा काथ टि खा णा टा टा
 स्यजठरे पूनानोनृ भीः ।यातायाताःकृणूतेनिर्निजांगामाताः ।
 की टा खाण टा टा का था टा खाण
 मातिम्मातिन्जन यतास्वाधाऔहोवा ।भीः ॥ २८ ॥
 टा टा का टि ख शि ख
 कनिक्रन्तीहाहोइहरिरासृज्यमानाः ।हाहोइसीदन्वनस्यजठरे पूनानाः ।
 फू त फु खाङ्ग त पू कि टा त
 हाहोइनृभिर्यतःकृणुते निर्निजाङ्गा ।हाहोअतोमता
 त पू कि टि त त
 इजनयतास्वाधाऔहोवा ।भीः ॥ २९ ॥
 पू टुट् ख शि ख

॥ऐषञ्च ॥

एषाएषाः ।स्यताओइमधूमंइन्द्रसोमोवृषावृषाए ।वृष्णाओःपरिपवित्रेअक्षास्सहासाहाए ।स्रदाओइशतदाभूरिदावाशश्चच्छश्वादे ।तमाओंबर्हिरावाज्येहियाहाउवास्थात्
 ती ता प पू तू त ता प पु तू त ता प पु तू त ता प पु श्लि शा ख
 ३० ॥

॥माधुच्छन्दसम् ॥

हाओहाइहाओपावस्वसोमामाधूमं ऋतावा । आपोवसानोआधीसानोअव्याइ । आवद्रोणानीघाक्ताव न्तीरो हा । हाओहा । इहाओमदिन्तमोमात्सरयाइन्द्रापा । नाः ॥
खा ण ता च क टी कि खाश टु कि ख शि टु कि खाश खा ण ता च क टी पि खि त्र
३१ ॥

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

सोमःपवतेजनिता माताइनाम् । जनितादीवोजनीता पृथाइव्याः । जनिताग्रेर्जनितासूरीयायास्या । जनितेन्द्रास्याजनितोतावाइ । णोः ॥ ३२ ॥

सोमःपवतेजनिताए औहोवा । माताइ नाम् । जनितादीवोजनीताप्रथिव्याः । जनाइताग्रेः । जनितासूरीयास्या । जनितेन्द्रास्यजनितोतविष्णोः ॥ ३३ ॥
चु किच् का टा ति चा किच् का टा षी की टा त कि टा पि खाश त्र
षु ती खात्र प शत्र कि का कि चि टा खाण खी खात्र कि कु टिख्

हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनज्जनद्वाबुजन

षो

द्वाबुजनद्वाबु । होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् । सोमःपवातेजानीतो

तो श षू चू क टी कि

मतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । हाबुजनद्वाबुजनद्वाबुजनज्जनद्वाबुजनद्वाबु । होइजनद्धोइजनद्धोइजनात् । जनिते

खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किख श षो तो श षू चू कि

न्द्रास्याजानीतोतावाइ । णोः ॥ ३४ ॥

टा पि खाश त्र

जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबु जनदाबुजनदाबु

षौ

जनदाबु । जनद्धोइजनद्धोइजनद्धोइ । सोमःपवातेजानीतामतीनाम् । जनितादाइवोजानीतापृथीव्याः । जनिताग्राइर्जनितासूर्यास्या । जनद्वाबुजनद्वाबुजनद्वाबु जनदाबुजन

तो श षू चु श क टी कि खाश कि टि कि खाप्ल कि कि किख श षौ

३५ ॥

॥मरूतां व्रतोपोहस्सम्पद्वा ॥

ओहाओहाओहाइयाओहाए । आभिन्निप्राष्टां वार्षाणं वयोधाम् । अङ्गोषीणामावावाशान्तवाणीः । वानावसानोवारूणोनसीन्धूः । ओहाओहाओहाइयाओहाए । वीरत्नधादयते

क टा क टा टा ट त त टु कि खाश च कि क कि खाप्ल टु कि खाप्ल क टा क टा टा ट त त की

३६ ॥

सप्तम खण्डः

॥कूत्सस्याधिरथ्यानित्रीणि ॥

होवाउहुवाहोवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना ।भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याः ।

ख श खि ण कि टि खु श कि टु खि श कि की खि ण

आसोमोवास्तरारभसानिदाक्ताइ ।होवाउहुवाहोवाहाबु ।बा ॥१॥

कि टा कि खात्र श ख श खी णा श श

औहोओवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेना ।भाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीभ्याःऔहोओवा ।आसोमोवास्तरारभसा

फात त कि टी खु श कि टु खि श कि की खि ण फात त कि टा पि

निदाक्ताइ ॥ २ ॥

खात्र श

ओहोओवा ।प्रासेनानाइश्शूरोअग्राइरथानाम् ।गव्यन्नेताइहर्षतेआस्यसेनाभाद्रान्कृण्वन्निन्द्राहावान्साखीओहोओ

फात त क था टी खु श क था टु खि श क था टी खि फात

वा ।आसोमोवास्तरारभसानिदा ।क्ताइ ॥ ३ ॥

त क था टा पि खाणफण्ण ख श

॥वैश्वज्योतिषाणित्रीणि ॥

हाबुहोहाइ प्रतेधारामाधूमा

ति शा भु च क

ताइरसृग्रान् ।हाबुहोहाइवारं यत्पूतोआतीयाइषीयाव्याम ।हाबुहो

टु ति षी बु टु ति

हाइ पवमानपावसे धामगोनाम् ।

शा बु का टी

हाबुहोहाइ जनयन्सूर्यामापाइन्वोअर्काइः ।हाबुहोहाबु ।बा ॥ ४ ॥

ति शा बु क टू खि ण श श

प्रागायताभ्यार्चचामदे वान् ।सोमंहिनोतामाहाते धनाया ।स्वादुःपवातामातीवारमा

टी का खाश क टी कि खाश क टी कि खा

व्यम् ।आसीदतू कालशान्दाइवायाइ ।न्दूः ॥ ५ ॥

श क कि पी खि श त्र

हाबुहोहाइ प्रहिन्वानोजनितारो द

ति शा षी खी

सीयोः ।हाबुहोहाइ रथोनवाजंसनिषान्नयासीत् ।हाबुहोहाइ

खाप्लु ति शा षु खि खाश ति शा

इन्द्रङ्गच्छन्नायुधासांशिशानाः ।हाबुहोहाइ विश्वावसुहस्तयोरा दधानाः ।दधानाबु ।बा ॥ ६ ॥

षी खी खाप्लु ति शा षी खी खाप्लु खाप्लु श श

॥वाचस्सामनीद्वे ॥

ताक्षाद्यादीहोइमनासावेनतोवाक् ।ज्येष्ठास्याधाहोर्ममद्युक्षोरनीकाइ ।आदीमा

फा फाफ णि फीफ फा फाफ ण फीफ श फा

यान्होइवरा मावावशानाः ।जूष्टं पातीहोइङ्कलशेगावइन्दाबु ।बा ॥ ७ ॥

फाफ णि फीफ फा फाफ षु शी श

तक्षाद्यादाओइमनासावेनतोवाक् ।ज्येष्ठास्याधाओर्ममद्युक्षोरनीकाइ ।आदाइमाया

कीप णि फीत कीप ण फीत श क की

ओन्वरा मावावशानाः ।जूष्टम्पाताओइङ्कलशेगावइन्दाबु ।बा ॥ ८ ॥

प णा फीत कीप षु शी श

॥दाशस्पत्यानिषट् ॥

साकाम् ।उक्षोमर्जयन्तस्वासाराः ।दाशाधीरस्यधीतयोधानूत्रीः ।हारीपर्यद्रवज्जास्सूर्यास्या ।द्रोणा न्नानक्षेअत्येनवाहाउवा ।

ता षा कु ट त टा कू टात टा कु टात टाक्क टू ति

जी ॥ ९ ॥

ख

साकमुक्षाए ।एएमर्जयन्तस्वासारोदशधीराए ।एएस्यधीतयोधनुत्रिर्हरिःपर्याए ।एए

ती त तप षु तूत तप षी तूत तप

द्रवज्जस्सूर्यस्यद्रोणन्ननाए ।एएक्षेअत्येनवाहाउवा ।जी ॥ १० ॥

षू ती त तप षू शा ख

इन्दूर्वाजी पावतेगोन्योघा इन्द्राइस्सोमाः ।सहइन्वन्मदाया हन्ताइराक्षाः ।बाधतेपरियरातिं वाराइपाःकृ ।ण्वान्वृजनास्यारा

था टाक् कूक्क टि त षी किक्क टि त षि कुक्क ती थ टि पा

जौवाउवोवा ।होइळा ॥ ११ ॥

फु फु शा

इन्दुर्वाजीपवतौहोऔहोवाहाइगोन्योघौवाउवोवा ।इन्द्रे स्सोमस्साहाइन्वन्मदायौवाउवोवा न्तीरक्षोबाधते परियरातौवाउवोवा ।वरिवःकृण्वन्वृजनास्यारा,जौवाउ

षु तू त श कि खि श का की कु खि श । ह(क दूच् कु खि श की टी पा

१२ ॥

इन्दुर्वाजीपवतेगोन्योघाः ।इन्द्रेस्सोमस्सहइन्वन्मदाया ।हन्तिरक्षोबाधतेपर्यरातिम् ।वरिवःकृण्वन्वृजनस्यराजाराजाऔहोवा ।एस्यारा ।जा ॥ १३ ॥

षी तु त षी तू श षु तू श षु तु खि शि त टा ख

इन्दुरौहोवाहाईया ।वाजाउवा

षु तात ती

हाउवा ।पवातेगोन्योघाउवाहाउवा ।इन्द्रासोमास्सहइन्वन् ।उवाहाउवा ।मादाऔहोवा ।याहन्ताइ ।रक्षोबाधाताइपाउवाहाउवा ।रीया राऔहोवा ।तीम् ।

ति का था का ता ति क की की ता ति टट् ख शि ख क च श थि की ता ति टाट् ख शि ख

वाराइवःकृण्वन्वृजानाउवाहाउवा ।स्याराऔहोवा ।जा ॥ १४ ॥

चा कि की ता ति टट् ख शि ख

॥कश्यपस्यचशोभनम् ॥

अधीयदा ।ती)स्माइन्वाजिनी वाशुभाः ।स्पर्धन्ते धीयास्सूराईनविशाः ।आपोपृणानःपवताइकवी

टि काच् चि क थाच् कि ख शी षु दू

या न्नाजन्नपाशुवार्धनायामान्मा ॥ १५ ॥

कथ् टु पि खात्र

॥आत्रम् ॥

महत्तत्सोमोमहिषाश्चाकारा ।अपांयत्गर्भोवृणी तादाईवान् ।आदधादिन्द्रे पवमानाओजोअजनायत्सूर्येज्योतिरिन्दा

षु चि टि ता चि काच् का टा ति का चि का ट कि का ट क टा क

उवा ।एअजनायत्सूर्ये ज्योतिरिन्दूः ॥ १६ ॥

ता त कि कि खी

॥अपांसाम ॥

अपामीवेदूर्मयस्तौहोऔहोवाहाइ ।तुराणाहा हाहाइ ।प्रामनीषाई रतेसोमामाच्छाहाइ ।नामस्यन्ताइरूपचायन्तीसञ्चाहाहाआचविशन्तुशातीरूशन्तांहाहाऔहोवा ।वाह
 पू तू त श खि शङ्क त त श चि पा णि फ फाल्ल त श पु टि का फ त त त क चू क फ त त ख शि त ट
 १७ ॥

॥श्रौष्टाणित्रीणि ॥

औहोहाअयोहाइ ।पावापवस्वैना
 तु त श कु

वासूनी ।औहोइहाईया ।मा श्रत्वइन्दोसरसीप्रधान्वान्वा ।औहोइहाईया ।
 टात ट च काटत कथ पी कि टात ट च काटत

बृध्नश्चिद्यस्यवातो
 पु का

नाजूतीम् ।औहोइहाईया ।पुरूमेधश्चित्तकवेनारा
 टात ट च काटत पा कू टा

न्धात् ।औहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिही ॥ १८ ॥
 त ट च काटट्ख शि त तिच्

अयोहाइपवोहाइ ।पावस्वैनावसूनी ।
 ता ती त श ती टात

इहोइहाईया ।मांश्चत्वइन्दोसरसीप्रधान्वाइहोइहाईया ।बृध्नश्चिद्यस्यवातोनाजूतीम् ।इहोइहाईया ।पुरूमेधश्चित्तकवेनारान्धात् ।इहोइहाई याऔहोवा ।एदीदिया ॥
 का काटत पु कि टात का काटत पु का टात का काटत पि कु टात का काटट्ख शि त टिख
 १९ ॥

हाउवोवाहाउवोवाहाओवाहाउवा ।आयापावापवस्वैनावसूनीहो इहियाईहोइहा ।मांश्चत्वइन्दोसरसिप्रधान्वाइहोइहियाइहोइहा ।बृध्नश्चिद्यास्यवातोनाजूतिमिहो इहिया
 खिश खिश त प श ति चा चा कि कि काच्क टा टा टाख कथ की कू चा टि टा खा चा चा कि कुच् टि

॥वासिष्ठम् ॥

असाऔहो ।जीवाक्कारथ्याइयाथा ।जाबु ।धियाऔहो ।मानोता प्राधमामानीषा ।दशाऔहो ।स्वासारो धिसानोआ ।व्याइ ।मृजाऔहोन्तिवान्हीसादनाइषूवच्छाबु ।ब
 भि त क टा पी श ख श भि त टिच् क पि श ख भि त टिच् पि श ख श भि त टिच् क पी शि र
 २१ ॥

अष्टम खण्डः

॥नकूलस्यवामदेवस्यप्रेखौद्वौ ॥

पुरोजिती ।वोअन्धासाः ।सूतायमादयाआउवाए ।त्नावे ।आपश्चानंश्नथाआउवाए ।ष्टाना ।साखायोदीर्घजाआउवा ।ह्वीयम् ॥ १ ॥
 ती खि ण टी ता भि ख श टी ता भि ख श टी ता टि ख श

पुरोजिती ।वोआन्धासाः ।सूता यामाऊहोवाऊ ।दायाइत्नावे ।आपश्चानाऊहोवाऊ ।
 ती त पा श काच् क ट ट था ट त पि श च था ट ट था ट

श्नाथाइष्टाना ।साखायोदा ।ऊहोवाऊ ।र्घाजाऔहोवा ।एह्वीया म् ॥ २ ॥
 त पि श च था ट ट था ट टट् ख शि त टाख्

॥महाकार्तवेशञ्च ॥

पुरोहा ।हाबुजाइती ।वोआऔहोअन्धासाः ।सूताऔहोयामाहाओवा ।दाइत्नावाऊपा ।आपश्चानंश्नथाइष्टाना ।साखाऔहोयोदाहाओवा ।र्घाजिह्वयमूपा ॥ ३ ॥
 ति खि णा त का खि ण चा क ख शु च कि क ख यू पा श चा क ख शु क टि ख

॥और्ध्वसद्मनञ्च ॥

पुरोजितीवोअन्धसउवाहाइ ।सूतायमादइत्नवउवाहोआपश्चानंश्नथिष्ठनउवाहोइ ।साखायोदाइर्घाजिह्वायाम् ।सूवृक्तिभी नृमादनंभरे ।षुवा ॥ ४ ॥
 पु तु त श पु टू च पी टू च श च था कि खात्र कीच् क टु ताच्

॥श्यावाश्वञ्च ॥

पूरो जीतीवोअन्धासए हिया ।सूतायमादाइत्नवाएहिया ।आपश्चानंश्राथीष्टाना ।ऐहाएहिया ।सखायोदाइर्घाजीह्यायाम् ।हाइ ॥ ५ ॥
चाय प ण्खी णा कु टि टि कि पा श त त कट टि का पी श ख ण् शा

॥आन्धीगवञ्च ॥

पुरोजितीवयाओन्धासाः ।सूतायमादाया ।हिमा त्नवे आपश्चानं श्रधिष्टना ।साखाउवा ।योदीर्घाजी ।ह्नीयाओहोवा ।
षी तू त पु श टाट् टाच् की ती पा शा ट टा त क टा ख ण्
होइळा ॥ ६ ॥
ण् शा

॥क्रौञ्चानित्रीणि ॥

अयं पूषौहोइरायिर्भगाः ।सोमःपुना
का कु चि ती
नोआर्षाताइ ।पातिर्विश्वौहोस्याभूमनाः ।व्यख्याद्रोदासी ।ऊभाइ ॥ ७ ॥
टा ख त्र श का की च शा ति टा ख त्र श
अयंपूषाअयंपूषा ।रायिर्भगास्सोमाःपूनानोअर्षताइ ।पातिर्वाइश्वाओस्याभूमानाः ।ओइव्यख्याद्रोदासीऊभाइळाभा ।ओइळा ॥ ८ ॥
षी तू क चि था टा क थ चा श चि टा यि टा टी त का टी खण् प शा
आयं पूषा होइरायिर्भगाए ।सोमःपुनानया र्षाति ।पातिर्विश्वस्यभूमनाः ।व्यख्याद्रो ।दासीउभा ।ओइळा ॥ ९ ॥
चा क फ ण्खी ण् छि त टि खाणफ ण्ख श चि टुख टा त टिखण् प शा

॥गृत्समदस्यसूत्राणि चत्वारि ॥

आहाआवा ।रीयातायधृष्णवेधनू ओवा ।ष्टन्व न्तीपौंस्यम् ।शुक्राओवा ।वियन्त्यसुरायनिर्निजे ।विपांओवा ।अग्रे महीयुवाः ॥ १० ॥
था प ण का क टी का प ण काच् कि ता प ण टु चा टा ता प ण चा टा टाख्
हाहाआहर्यातायाधृ हाहाओहोवाण्णावे ।हाहाइधानुष्टान्वन्तीपौःहाहाओहोवा ।सीयम् ।
त त की ख श ण्ण त ख शि ख श त त कु ख श ण्ण त ख शि ख श

हाहाइशुक्रावियन्तायसुरायानी हाहाऔहोवार्ननीजे ।हाहाइवीपामाग्राइमाही हाहाऔहोवा ।

त त कु टीख शङ्ख त ख शि ख श त त कि टा खा शङ्ख त ख शि

यूवाः ॥ ११ ॥

खङ्ग

आहर्यतायधृष्णवाया ।धानूष्टान्वातीपापुंसायां ।शुक्रावियन्तायसुरायानीर्ननाइजाइ ।वीपामाग्राइ ।ओइमाही ।यूवो ।हाइ ॥ १२ ॥

षु तु चाय ट का या ट की की का ख णा श चाय ट श पि श खङ्ग शा

आहरीयातायाधृष्णावे धनूष्टन्वान् ।तिपापुंस्त्र्यंशुक्रावियन्तायसुरायनाउवार्ननीजे ।

फ णा प्ला फा खा शी ता था की की शी ख श

वाइवांहाआग्रेहाइ ।माहीयूवाः ।ओइळा

टि त टा त श चाट खण् प शा

॥आकुपारम् ॥

परित्यंहर्यतंहरिका) ।पारित्यंऔहोर्यतंहराइम् ।बभ्रंपुनन्तिवारेथच्च)

चू प प्ली डी श कू

णाबाअभ्रंपुनौहौन्तीवारे णा ।योदेवान्विश्वंइत्पारीयो

पा प्ल डिश षु चा कप

देवान्वौहोइश्वंइत्पराइ ।मदेनसहगच्छातीमादेनसौहोहगच्छातो ।हाइ ॥ १४ ॥

प्ली डु श पि ची क प प्ली प्ली शा

॥त्वाष्ट्रीसामनीद्वे ॥

सुतासोमाधूमाक्तमाः ।सोमाइन्द्रायमाएन्दिनाया ।पवाइ ।त्रवान्तयाएक्षरन्ना ।दाइवान्गच्छान्तुवाएमदाया ॥ १५ ॥

ती ता ता कि त ता त ता ख चा श ता ता त का ख चि ता ता त ता ख

सुतासोमधुमक्तमाः ।सोमाइन्द्रा ।यमा ।न्दीनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरन्देवान् ।गच्छान्तुवोमादाः ।ओइळा ॥ १६ ॥

षी ती टा टा खाणफङ्ग ख ङ्ग टी तू चा टि खण् प शा

॥सोमसामानिचत्वारि वासिष्ठानिवा मदाईनिधनानिवा त्वाष्ट्रीसामानी ॥

सुतासोमाधूमाक्तामाः ।सोमाइन्द्रायमन्दीनाः ।पावाउवोवा ।त्रवन्तोअक्षरन्देवान् ।गच्छान्तुवोमादाः ।ओइळा ॥ १७ ॥

खा ङ्गी क कु का टा खाश षू ता चा टि खण् प शा

सुतासोमधूमक्तमस्सोमाइन्द्रा ।यमन्दीनाःपावीत्रावान्तोअक्षरन्दाइवान्गच्छाउवा ।तूवाः ।मदाओहोबाहोइळा ॥ १८ ॥

षू तू यु टच् य ट कु की शा खळ् टि खळ् ण् शा

सुतासोमधुमक्तमस्सोमाहाबु ।इन्द्रायामान्दिनाः ।इन्द्राहोयमान्दाइनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरान् ।त्रवाहोन्तोअक्षरन् ।देवान्गच्छन्तुवोमादाः ।देवान्होइगच्छोहाइ

पी तू त श था च य टा था टि ख णा की ट मि ता टा खा ण ची क य टा था खी ण श

तू वाओहोवा ।मदाया ॥ १९ ॥

टट् ख शि ता टख्

सुतासोमधुमक्तमाए ।सोमाइन्द्रायामान्दिनादाइनाः ।पावित्रवान्तोअक्षरान्क्षारा ।

षि तु त ची क य टा टि की ट टि टा

देवान्गच्छन्तुवोमादामादाः ।देवान्होइगच्छोहाइ ।तू वाओहोवा ।मादाई ॥ २० ॥

ची क य टा टा था पी ण श टट् ख शि ता टख्

॥त्वाष्ट्रीसामनीचैव ॥

सुतासोमाहाधु मक्तामाः ।सोमाइन्द्राहायमान्दाइनाः ।पावित्रवाहान्तोअक्षरान्देवान्गच्छाहान्तुवोहोबामादोहाइ ॥ २१ ॥

टी चा टि टी चि टि टी क थ टि टी त ण्णा प ण्णा शा

सूतासोमा हाहाधू मक्तामाः ।सोमाइन्द्रा हाहायमन्दाइनाः ।पावीत्रावा हाहा

णा च कफ् त चा पि फा फाळ् त चि पि णा फाळ् त त

न्तोअक्षरा ।न्देवान्गच्छाहाहान्तुवोहोबामादो ।हाइ ॥ २२ ॥

थ पि फा फाळ् त त ण्णा ख ण्णा शा

॥क्रौञ्चेद्वेशर्मदेवा ॥

हाबुसोमाः ।पव न्दाइन्दावा ।

ती का ट मि

उवाहाउवा ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाउवाहाउवा ।मित्रास्वानाआरेपासाउवाहाउवा ।स्वाधियास्सूवार्वाइदो

ता ति का था भी ता ति का था ट मि ता ति फ ता प श ख ण्णा

हाइ ॥ २३ ॥

शा

सोमाःपवन्तई न्दवाः ।अस्माभ्यङ्गातुवित्तामाः ।

फा खी शा की कि ख

माइत्राउवोवा ।स्वानाअरे पसाः ।स्वाधियाःसूवर्वा

टि खाश क कि टाख् तच् चा टि

इदाः ।ओइळा ॥ २४ ॥

खाण् प शा

॥सोमसामानि त्रीणि ॥

अभिनोवा ।जासाऔहोवा ।तामम् ।रयिमार्षशातस्पृहामिन्दोसहस्रभाहोर्णसाम् ।तुविद्युम्रंविभाहोए ।सहमोइळा ॥ २५ ॥

ती टट्ख शि खश टि का कि दू टि दू टा खि शा

अभिनोवा ।जासातमं रायीमर्षाउवाओहाइ ।

ती की चा का काट त श

शतस्पृहामिन्दोसाहाउवाओहाइ ।स्रभर्णसन्तुवाइद्यु म्नाऔहोवा ।विभासाहाम् ॥ २६ ॥

चि टिच्क टि ट त श पी टीट्ख शि ता ट ख

अभीहोइनोवाजासाहोतामम् ।रयिंहोअर्षशाताहोस्पृहम् ।इन्दोहोइ सहस्राभाहोर्णसम् ।तुवाहोइद्यु म्रंविभाहोसाहाम् ॥ २७ ॥

टा कि शि खाश टा क च खाश खाश टा च श खि श खाश टा कि खु त्र

॥क्रौञ्चैव उद्वद्ववा ॥

आभिनोवाओजसातमाम् ।रायिमर्षाओशतास्पृहाम् ।इन्दोसहाओस्रभार्णसाम् ।

कीप प्ला ता कीप प्ला ता क किप प्ला ता

तूवाइद्युम्नाओविभासहा ।बु ।बा ॥ २८ ॥

कु प प्ली श श

॥सोमसामचैव ॥

अभिनोवौहोजसातमाम् ।रयिमर्षोहोशतस्पृहाम् ।इन्दोसहोहोस्रभर्णासाम् ।तुविद्युन्नौहोविभासहाम् ।सहन्तुविद्युन्नंविभाहाउवा ।साहामे ॥२९॥
 तु ती तु ती कु ती कु ती षू णि शा चाटख

॥प्रैय्यमेधानि त्रीणि ॥

आभी ।ओइ नवन्तायादृहाः ।ओइप्रियमिन्द्रस्यकामामायाम् ।ओइवत्सन्नपूर्वआयूनी ।ओइजातंरिहन्तिमोबा ।ताराः ॥ ३० ॥
 ख ण षा युट षी यु ट षु यीट षी पी ण् ख ण्

आभीनवन्तयादृहाः ।प्रीयामिन्द्रास्याकामायाम् ।
 फा खी शा ता ता का ख ण

वत्सन्नपूर्वायूनी ।जातं होइरिहाहो न्तीमाताराः ।ओइळा ॥ ३१ ॥
 ती का ख ण का कीकथ् टि खण् प शा

अभिनवन्तअद्रुहःओहाइ प्रियमिन्द्रस्यकामियमोहाइवत्सन्नपूर्वायून्यौहोवाहाइ ।जातंरिहाउवा ।न्तीमा ।ताराओहोबाहोइळा ॥ ३२ ॥
 षु ती शा षू ति तू तु त श की शा ख श टि ख ण् ण् शा

॥औशनंवैरूपम् ॥

प्रासुन्वानायआन्धासाः ।मात्तर्तो
 पि शु

था)नवाष्टतद्वाचाः ।आपश्चानमराधासाम् ।हातामाघन्नभ्रङ्गावाः ॥ ३३ ॥
 टा खिण षि ती त टि खीत्र

नवम खण्डः

॥कावम् ॥

आभीप्रीयाणीपावाताइ ।चानोहितोनामानीयाहोआधीये ।षूवर्धताए आसूरी या ।स्याबृहाताः ।बृहन्नधाए रथांवाइश्वाम् ।चामारूहात् ।विचाआउवा ।क्षाणाः ॥
 खि श खि ण श क टि खि श खि ण क भि खि श खि ण क भी खि शा खि ण ता टि खि ण
 १ ॥

॥प्रजापतेर्वाजसनिनीद्वे ॥

एआभीप्रीयाओणीपावाताए ।चनोहीताए नामानीया ।ओहोअधीयाए ।षुवर्धाताए ।आसूरीयाओस्यबृहाताए ।बृहा
 त चाक फ त चि ता चि ता चाक फ त चि ता चि ता चाक फ त चि ता चा
 न्नाधी ।एराथांवीष्वा ।ओञ्चमारूहादे ।
 क फ त चाक फ त चि ता
 विचक्षणाःहोइळा ॥ २ ॥
 णु णु शा
 अभ्यौहोवाहाइप्रियाणी ।पावाता
 षू ति कि
 इचानो ।हितोनामानियहोअधियाइ षूवार्धाताइ ।
 खा ण टि की ति श चा चा श
 आसूरियास्यबृहातोबृह न्नाधाइ ।राथंवाइष्वाञ्चामारूहाद्विचाआउवा ।क्षाणाः ॥ ३ ॥
 ट कि ची चाक च श कू कि ता टि त टख्

॥वाजिजितौद्वौ ॥

आभिप्रयाणि पावताइ होइहोवाहोए ।चनोहिताहाइहोवाहाइ ।नामानियाहो आधियाइ होइहोवाहोए षुवर्धताहाइहोवाइ ।
 क कीच् शी की पा शै था किच् शी की पा शे
 आसूरियास्यबृहतोहोइहोवाहोए बृहन्नधीहाइहोवाहाइ ।राथं विष्वाञ्चा मारूहाद्वोइ
 था चि शि की पा शै का किच् कि
 होवाहोए ।विचक्षणाःहाइहोवा
 टी पा षी णी

हाउवा ।वाजीजीगीवा ॥ ४ ॥

शि क क तच्

आभिप्रियाणीपवताइचानोहिता ।होवाहोइ ।नामानियाहोअधियाइषूवर्द्धताइहोवाहोइ होइहोवाहोए ।आसूरियास्याबृहतो

क की कु शि का च श था कि कु कू च श की पा था कि

बृ हन्नधीहोइहोवाहोए ।राथं विष्वाञ्चामरूहाद्वीचक्षणाहोवाहो वाऔहोवा ।वाजीजीगीवाविश्वाधनानी ॥ ५ ॥

की शि की पा का कि की की टाट्ख शि क कि कि टा ख

॥कावञ्चैव ॥

अभ्योवा ।प्रीयाणिपवताइचनोहाइताः ।नामानियहोअधियाइषूवर्द्धताइ ।आसूर्यस्यबृहतोबृहन्नाधी ।राथांवाइष्वाञ्चमा

ता त पि कू टि पु कु टि श पी कु टा खि शा ता

रूहाद्वीचक्षणा ।णाः ॥ ६ ॥

टा टि ख त्र

॥सामराजानित्रीणि विशालानिवा उद्वन्तिवा सम्पद्वा तृतीयम् ॥

अचोदासोनो धानुवान्तूइन्दवाः ।प्रस्वानासोबृहद्वाइवेषूहारयाः ।वीचीदाश्राना इषयोआरातयाः ।अर्योनास्सान्तूसानाइषान्तूनोधीया बु ।बा ॥ ७ ॥

का टा कथ् च टा त चि था टा चि टा त चि चिट कथ् टि त चि था टा चा टि त किच् श टख्

आचोदासोनोधन्वान्तुविन्दवाः ।प्रस्वानासोबृहद्देवा इषूहरयाः ।वाइचीदश्राना

का खु शी का चूख् शु चु कच्

इषयोआरातयाः ।आर्योनास्सान्तुसनीषन्तूनो

खि शी का पि की फ

धीयाबु ।बा ॥ ८ ॥

प्ला श श

हाबुहोहाअचोदासोनोनुवान्तुइन्दवाःहाबुहोहाइप्रस्वानास्सोबृहादे वाइषु हरयाः ।हाबुहोहाइविचिदश्रानाइषयोआरातयाः ।हाबुहोहाअर्योनास्सन्तूसानिषान्तूनो

ति की था खाश चि ति की थाच् क काख शा खि ति चू क खिक खि ति चि काच् क च खा

धियाबु ।बा ॥ ९ ॥

शु ख

॥आङ्गीरसानित्रीणि ॥

अचोहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदे

ता त श षि कु टा षी कि

वाइषू हरयाः ।विचो

कि टि खा

हाइ दश्रोहाइ ।नाइषयोअरोहाइ ।तायाअर्योहाइ नस्सोहान्तुसानीषाम् ।

शा खा शा खू ण श का खा शा खा श खि ण

तुनाउवा ।धीयाः ॥ १० ॥

टा ता ख ण

अचौहोअवा ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वनासोबृहदेवाइषु हारायाः ।वाइचीदाशानाइषायो ।होअरातायाः ।होआर्यो

ति त षि का ट षी कु टि टि ख श खि श खी ण त टा

नास्सान्तुसानीषा ।होन्तुनोधायाः ॥११ ॥

ख श खि ण खी त्र

अचौहोवाहाइ ।दासोनोधनुवान्तुविन्दावाः ।प्रस्वानासोबृहदेवाइषू हारायाः ।वा

ती त श षि कु टा षी कू टि ट

इचीदाशानाइषयोअरातायाः ।आर्योनास्सान्तुसानीषान्तुनोधा ।याः ॥ १२ ॥

ता ट ख ण फु त त ट त ट ख ण फि खि त्र

॥औशनम् ॥

एषप्रकोशे माधूमंअचाइक्रादात् ।इन्द्रास्यवाज्रोवापूषांवपुष्टामाः ।

क टी च् क टा खी ण टु च् क टा खि ण

अभाइमृतास्यांसूदूघाघृताश्रूताः ।वाश्राअर्षान्तीपायसाचधाइना ।वाः ॥ १३ ॥

टू च् क टा खि ण क टी क टा खी त्र

॥प्रवत्भार्गवम् ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् ।सखा

त चि फा टी चि का

सख्यूर्नप्रमिनाताइसङ्गिराम् ।मर्याइवायुवा ।तिभाइस्सामर्षताइ ।सोमःकलाशेशतया
 का भु ची था का शा भी चि श थ की
 मानापाथाबु ।बा ॥ १४ ॥
 भी चा च श टख्

॥विरूपस्यचतन्त्रे ॥

प्रोअयासाइदिन्दूरिन्द्रास्यानिष्कृताम् ।साखा
 त चि था टी पि चा
 साख्यूर्नप्रामिनातिसङ्गाइरम् ।मर्याइवा
 क फ चा क फ खि शा था का
 युवातिभाइस्सामर्षताए सोमाःकालाशेशातायामनापाथा ॥ १५ ॥
 शा भी पी चा क फ चा क फ खि त्र
 प्रोअयासीत् ।इन्दुरिन्द्रास्यानिष्कृत ।साखासाख्यूर्नप्रमिनातीसङ्गीरम् ।मर्याइवायुवातिभाएसा ।मर्षताइ ।सोमाःकालाशेशतयामनापा ।था ॥ १६ ॥
 खि ण पी श का फ चा क फ पु श का फ चा क फ टी खि त्र

॥भार्गवञ्चैव ॥

प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रास्यनिष्कृताङ्कृताम्
 षू तू खा
 सखाओसख्यूर्नप्रमिना
 ता पण् षू
 तिसङ्गिराङ्गिराम् ।मर्याओ
 ती खा ता पण्
 इवयुवतिभिस्समर्षताइषताइ ।सोमाओकलशेशतयामनापा ।
 षू ती खि श ता पण् षू खि
 था ॥ १७ ॥
 त्र

॥यामम् ॥

ओवाइया ।प्रोअयासीदिन्दुरिन्द्रा

था चा षू पा

स्यानीष्कृताम् ।साखासख्युर्ननप्रमिनातीसङ्गीरम् ।मर्यइवयुवति

चा फा षु पि चाक फ षी

भाएसामर्षाताइ ।ओवाइया ।सोमःकलाशेशतयामनापा ।था ॥ १८ ॥

पु चाक फ श था चा यु टि खि त्र

॥दार्शशीर्षेद्वे ॥

धर्त्तादाइवाअवाए ।पवते कृक)त्वियोरासाअवाए ।दक्षोदा

कि खा डि चि किख डि कि

इवाअवाए ।नामनुमा दियोनृभाइअवाए ।हाराइस्सार्जाअवाए ।नोअत्योनासाकाभाअवाए ।वृथापाजाअवाए ।सिकृणुषाइनादाइषूवाअवाए ।होइळा ॥ १९ ॥

खा डि च किच् किख श डि की ख डि किच् किख डि किख डि ती का किख ङ्गि ण्ग शा

धर्त्ताबुहोहोहाइ ।दीवःपवताइकृओहोहाहाइ ।त्वियोरासोदक्षोदाइवाओहोहाहा

ती त त श चु थाट त त त श चा चा चा थ टि त त त

इ ।नामानुमादीयोनुभाइर्हारा

श की की चि

इस्सार्जाओहोहाहाइ ।नोअत्योनासकाभाइवृथा

चा थ ट त त त श कि की चि

पाजाओहोहाहाइ ।सिकृणूषाओहोहाहाइ ।नदीषूवाओहोहाहाओहोवा ।ए नादीषूवा ॥ २० ॥

थ टा त त त श चाथ टा त त त श किक ट त त ख शि तच् का टाख्

॥सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

वृषामातीनाम्पावताए ।वीचक्षाणाए ।सोमोअन्हा

का टा कथ् टि त चि क ख था टा

म्प्राताराइताए ।उषसान्दीवा

चा टि त ची क

ए ।प्राणासाइन्धूनां ।कालाशं ।अचिक्रादादे ।इन्द्रास्याहार्घ्यावाइशान् ।मनीषीभीरे ।ओइळा ॥ २१ ॥

ख था टि कथ टि त चि क ख थ टा ट टी त चिक खण् प शा

वृषामताईनाम्पवतेवीचक्षाणाः ।सोमोअन्हाम्प्रतरीतोषासान्दाइवाः ।प्राणासाइन्धनाङ्गलशं ।आचिक्रादात् ।आइन्द्रास्याहार्घ्याविशन्मानिषाइभा इः ।ओइळा ॥

टा टा कु टि त टा टा की टि ता टा टि की टि त टि टा कि टि खाण् श प शा

२२ ॥

वृषामतीनांपवताइवाइचा

कु कि या पा

क्षाणाः ।सोमोअन्हाम्प्रतरी तोषासान्दिवाः ।प्राणासिन्धू नाङ्गलशंअचाइकृदात् ।आइन्द्रास्याहार्घ्याविशन्मानाइषीभाबु ।बा ॥ २३ ॥

ता का का कि या प का क किचुक टि पा ति की कीय प शाण श ख

॥यामानित्रीणि ॥

असाविसोमो आरूषोवृषाहराइः ।राजेवदास्मोआभीगाचीकृदात् ।पुनानोवारा मातिधाएषीयाव्ययाम् ।श्येनोनयोनी हृतवान्तमासदात् ।होइळा ॥ २४ ॥

का किचुक पा शा ताश था किचुक पा प्लु का का किचुक पि प्लु ता था किचुक पा प्ली प्लु शा

आसावीसोमोआरूषाः ।वार्षाहराए ।राजेवादास्मोआभीगा ।आचिकृदात् ।पुनानोवारामातीये ।षीअव्ययांश्येनोनायोनीङ्घ्रा

खिश खिण क भी खिश खिण क टि खिश खिण क टि खिश

र्कृतावां ।तमासादाऔहोवा ।देदीवी ॥ २५ ॥

खिण ता टट् ख शि त टाख्

असाविसोमोअरूषोवृषाहराइः ।राजेवदस्मोअभिगाअचिकृदा ।पुनानोवारमत्यप्यव्ययाम् ।श्येनोनयोनिंघृतवान्तमा ।सादाऔहोवा ।एदीवी ॥ २६ ॥

षु तू श पू तू षु तु पू ति ता टट् ख शि त टाख्

॥मरूतान्धेनुनीद्वे ॥

प्रादे ।वामच्छामधुम न्ताआइ न्दावाः ।आसिष्या

ता कूचुक ट कथ टा च खा

दन्तागावआ नाधा इनावाः ।बर्हिषादाः ।वाचानावान्ताऊ धाभाइःपारिखू तम् ।उस्रियानिर्णिजन्धाइराए धाइरा औहोवाधाइरा इ ॥ २७ ॥

कथ टिचुक टच् चि खिण चा टीचुक कि खाण षू टी खि शित टाख् श

त्राइरस्मैसप्तधेनवोदुदौहोहाइराइ ।सत्यामाशीरम्परमेव्योमानी ।चत्वार्यन्याभुवनानिनिर्णाइजाइ ।चारूणाइचाक्रेअद्रुताइ ।रावार्द्धाता ॥ २८ ॥

प षु प्लु ड शि षु की टा षी कु टि श खि णा क टि श टा ख त्र

॥वसिष्ठस्यापामीवेद्रे वायोर्वाभिकृन्दौ ॥

इन्द्रायसोमसुषुताः ।पारी स्रावा ।आपामीवाभवतुराक्षासासाहा ।माताइरसस्यमत्सताद्वायावीनाः ।न्द्रावाइ णस्वन्तइह
की स्त्री चाक फ कि खु चाक फ का पी खि चाक फ चाश शु

सन्त्वाइन्दा ।वाः ॥ २९ ॥

खू त्र

इन्द्रायसोमसुषुतःपर्यौहोइस्रावा ।

षृ तू त

आपामीवाभवतुरक्षसासाहा ।मातेरसस्यमत्सतद्वयावीनाःद्रा

षी यू प श षु यु प श ख

वीणास्वा ।न्ताई हसाहोन्तुवाइन्दा ।वाः ॥ ३० ॥

कू ख ण का टा ट स्त्री त्र

॥अञ्जतेव्यञ्जतेस्समञ्जतइति काक्षीवतानांसामानि त्रीणि शार्ङ्गाणिवा ॥

अञ्जताइव्यञ्जताइसमञ्जताइ ।ऋतुं रिहान्तीमध्वाभ्यञ्जताइ ।सिन्धोरूच्छासेपतया

क का षु टी श का कि कि टा श था कि कि

न्तामुक्षाणाम् ।हिर ण्यपावाः ।पशुमाप्सूगृष्णाताबु ।बा ॥ ३१ ॥

टी का कि की चि श टख

अञ्जाहोतयाहोइव्यञ्जते सामञ्जताइ ।ऋतुं होइ ।रिहाहोन्तिमध्वाभीयञ्जताइ ।सिन्धोर्होउच्छ्वाहोसेपतयान्तामूक्षाणम् ।हिराहोण्यपाहोवाः ।पशुमप्सूगृष्णाता ।इ ॥

ता च ता कि चा चाक फ श ता च श ता ट खि चाक फ श ता च ता का खि चाक फ ता च ता का खू त्र श

३२ ॥

हावञ्जा ।ताइ व्यञ्जते समञ्जताएहियाएहियाहाबुक्रातु म् ।राइह न्तिमध्वाभ्यञ्जताएहियाएहियाहाबुसाइन्धोः ।ऊच्छ्वासेपतयन्तमुक्षाणामेहियाएहियाहाबुहाइरा ।ण्यापाव

ति प श णि चि टा ता ट खा शी प णा चु टा ता ट खा शु प णा चू टा ता ट खा शु प ण

३३ ॥

॥आदित्यस्यार्कपुष्पे देवानांवा ॥

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते ।हुवेहुवे होवाहाहाइश) ।प्राभुर्गात्रा णीपर्येषीविश्वताहुवेहुवे होवाहाहाइ ।अतप्ततनूर्नतदामोअश्रुते हुवेहुवे होवा

की कि कु टा टा टा त त टीचक टा ची टा टा टा त त श कु कि की टा टा टा

हाहाइ ।श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशता ।हुवेहुवेहोवाहाहाऔहोवा ।अर्कोदेवानां
त त श का की कू टा टा टा त ख शि टि टा

परामे व्योमान् ॥ ३४ ॥

चिट ख

पावित्रन्तेविततं ब्रह्मणस्पते ।हूवाऔहोवा ।प्राभुर्गात्राणीपर्ये षीविश्वतो हूवाऔहोवा ।
की कि कीच् काट टा की कि कीच् काट टा

अतस्तनुर्नतदामोअश्रुते

कु कि कीच्

हूवाऔहोवा ।श्रतासइद्वह न्तस्सन्तदाशता ।हूवाऔहोवाऔहोवा ।अर्कस्यदे वाःपरामे व्योमान् ॥ ३५ ॥
काट टा कू कू टि ट ख शि कि कच् चिट ख

दशम खण्डः

॥वसिष्ठस्यपदेद्वे ॥

इन्द्रमच्छा ।सूताईमाउवोवा ।वृषाणय्यन्तूहारयाउवोवा ।श्रूष्ठाइ ।जातासइ
ती टी खाश का था टच् क टा खाश चाश

न्दावाः ।सूवर्वाइदाः ।ओइळा ॥ १ ॥

चू टि खाण् प शा

इन्द्रमच्छा ।सूताईमाइताई माइ ।वृषाणय्यन्तूहारयाहारायाः ।श्रुष्टे जातासाइन्दवाआइन्दावाः ।सुवरा औहोवाविदोवीदाः ॥ २ ॥
ती टी टित श का था च क टा क ट त का था ट टि ती टिख् शि ता ट ख

॥वसिष्ठस्यानुपदेद्वे ॥

इन्द्रमिन्द्रा ।आच्छासूताइमेआइमे ।वृषाणय्यन्तूहारयारायाः ।श्रुष्टे जातासाइन्दवादावाःसुवरा औहोवा ।विदोवीदाः ॥ ४ ॥
ती च क या टा टि का था का टा टा का था ट टि टा किख् शि ता ट ख

इन्द्रमच्छसुताइमेवृषाणय्यन्तूहाहो

षृ फू त

रयायाः ।श्रुष्ठाउवाजाता

ता ख का का का

उवासइन्दवास्सूवा हो ।र्विदोइळा ॥ ४ ॥

का ची क फलू त खा शा

॥पौष्कलम् ॥

इन्द्रमाच्छास्सूताई माइ ।वृषाणय्यन्तुहारायाः ।श्रुष्टाइजातासइ न्दावाः ।

क पा फ्ला खा ण श चा की ख ण चा श टी ख त्र

सुवार्विदाः ॥ ५ ॥

ता टाख्

॥ऐषिराणिपञ्च ॥

प्रध न्वासौ ।होऔहोवा ।मजाग्रवीःइन्द्रायेन्दौ ।होऔहोवा ।परीसावाद्युम न्तांशौ ।होऔहोवा ।ष्ममाभारासुव विदौहोऔहोवा ।ऊपा ॥ ६ ॥

का शा का च ण का टा था शा का ख ण चा टा का शा का ख ण का टा का की ख त्र ख श

प्रध न्वासौहोवाहोमजाग्रवीः ।इन्द्रायेन्दौहोवाहोइपरीसावा ।द्युम न्तांशौहोवाहोष्ममा

का की कि टा था की की टा का की कि

भारा ।सुव विदौहोवाहोवाऔहोवा ।ऊपा ॥ ७ ॥

टा का कि टट् ख शि ख श

औहोऔहोइ प्रध न्वासो ।औहोऔहोमजाग्रवीःऔहोऔहोइ ।इन्द्रायाइन्दोऔहोऔहोइपरीसावाऔहोऔहोइ ।द्युम न्तांशू औहोऔहोष्ममाभाराऔहोऔहोइसूवा

क चि श का टा क कु टा क चि श था टि च् क कू टा क चि श का टा च् क कु टा क चि का त

र्वाइदाऔहोवा ।ऊपा ॥ ८ ॥

तट् खा शि ख श

हुवाइहुवाहोइ ।प्रध न्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दोपारीसावा ।द्युम न्तांशू

टा टि शा का टा का टा था टि चा टा का टा

ष्मामाभारा ।हुवाइहुवा

का टा टा टि

होइ सूवार्वाइदा

शा क त ट खा

औहोवा ।ऊपा ॥ ९ ॥

शि ख श

प्राधन्वासोमजाग्रवीःइन्द्रायाइन्दो ।ओइपाराइस्त्रावा ।द्युमान्तांशू ।ओष्ममाभारा ।सूवार्वीदाम् ॥ १० ॥
 पि शु टा ख णा टि पि श टा ख ण टि ख त्र ता ट ख

॥शौक्तानिपञ्च ॥

सखायाया नीषीदतपुनाना

का टाच् टू

या प्रागायता ।शिशुन्नायाज्ञै पाराइभू षाताश्राया इ ।ओइळा ॥ ११ ॥

तच् चा शा टि त कथ् टीचक टा खण् श प शा

साखायाया ।नीषीदाता ।पूनानायाप्रागाऔहोवा ।याता ।शिशुन्नायाज्ञैःपरी भूषा ताऔहोवा ।श्रिये ॥ १२ ॥

ती खिण टा ख ण टट् ख शि ख श चु का टाट् ख शि ताच्

सखाययानीषीदाता ।पुनानायप्रगायताशिशुन्नायाज्ञैःपरा

षी टि त का षे टी

इभूषातानाया इ ।ओइळा ॥ १३ ॥

टि त ट खण् श प शा

ओहाइसखाययानीषीदाता ।पुनानौहोइपुनानौहोए ।याप्रायाप्रा ।गायतौहोइ गा

त षू तित का कु पि शी क शी क

यतौहोए शाइशूंशाइशूम् ।नायज्ञौहोइ नायज्ञौहोए ।पारीपारा औहोवा ।ए भूषतश्रिये ॥ १४ ॥

पी शू ती श पु ता खा शि तच् तुच्

सखाययाउवोवा ।नीषाइदाताउवोवा ।पुनानायप्रगायताशाइशाउवोवा ।नायज्ञैःपारिभूषाताउवोवा ।श्रिये ॥ १५ ॥

फा खी श टू खा श का की ता टि खा श टू टा खी श ताच्

॥कार्णश्रवसानित्रीणिगौलोमानिवा ॥

तांवा स्साखा ।योमदाया ।पूनानामभीगाया ता ।शाइशून्नाहव्यैस्वदयान्तगूर्त्तभा इ ।ओइळा ॥ १६ ॥

ख शष्क ख ण क टा त कु टाट् त की का टि खीण् श प शा

ओइतंवस्सखा ।योमदायाउवोवापूनानमभिगाउवोवा

तू क भि खा श का टी खा श

यताउवोवाशिशुन्नाहव्यैस्वदयाउवोवा

शा खा श कि का टि खा श

न्तगाउवोवा ।र्कृतीभीः ॥ १७ ॥

शा खा श ख षू

तंवस्सखायोमदाया ।पूनानमभिगायाताशाइशू च्चाहाव्यैस्वदयान्तागूर्कृताइभो ।हाइ ॥१८ ॥

षी ति त का टी चा टिचक ख श ति प श ख षू शा

॥वैश्वदेवेद्वे ॥

प्राणाशाइशू म्माहाइनाम् ।हिन्वान्नार्कृता ।

ता ख शाषू खा णा टा ख ण

स्यादाइधीतिम् ।वाइश्वापरिप्रियाभुवादधद्विता ।ओइळा ॥ १९ ॥

त पि श कि की टा खीण् प शा

प्राणाप्राणा ।शाइशूश्शाइशूर्महाआउवाए नाम् ।हिन्वान्नार्कृतास्यदाआउवाए धीतिम् ।विश्वापरिप्रियाआउवा ।भूवात् ।अधौहौहुवाइद्वा इताऔहोवा ।उऊपा ॥ २० ॥

ती टि टि ता भीख क कि ता भीख श का ती टि ख श टा ट टीट् खा शि खा श

॥इन्द्रसामनीद्वे ॥

प्राणाशिशूः ।महाइनमौहोवा ।हिन्वनृतस्यदीधितिं ।वाइश्वाउवापारा उवा ।प्रियाभुवदधाउवा ।एद्विता ॥ २१ ॥

ती टा खीत्र क शी कि कि का का का टा की ता त ताच्

प्राणाहोइयाहाइ ।शाइशू म्माहाइनमाबुहोऔहोवा ।हिन्वनृतस्यदीधिताइमाबुहोऔहोवा ।विश्वावारा ।बुहोऔहोवा ।प्रीयाभू वाऔहोवा ।आधाद्विता ॥ २२ ॥

खि शी टिच् टी च का क का क षी टु का क का टी का क का टिट ख शि च तिच्

॥मरूताम्प्रेङ्गःवसिष्ठस्यवा ॥

प्राणाहाहोइशाइ शूर्हाहोइ ।माहीनांहोवा

फा षू खि श षू ता श क टा का

होए हिन्वान्नहहोयार्कृता हाहोइ ।स्यादीधिता

पा षू खी श षू ता श चा का

इंहोवाहोए ।वीश्वाहाहोइपारी हाहोइ ।प्रीयाभुवाद्वोवाहोए ।आधाद्वाइतो ।हाइ ॥ २३ ॥

कि पा फा षू खि श षू ति श चा टा क क पा प श ख षू शा

॥आग्नेयञ्च ॥

पावास्वदाइवावीतायाइ ।इन्दोधाराभीरोजासा ।

टी स्त्री ण श टी स्त्री ण

आकलशम्माधूमान्सो ।मानए मानाःसदाए ।होइळा ॥ २४ ॥

कू ख ण चि पा णि ण शा

॥सोमसामच ॥

पवस्वदा इवावीतयाइन्दोधाराभिरोजसाए ।आकाहालाशाम्माधुहोमान्सो

तीच् षु का क ख षु टा त टा टात टाच्

मानोबा ।स्वादोहाइ ॥ २५ ॥

क प ण्ण णा शा

॥सुज्ञानेद्वे ॥

सोमःपुना ।नऊर्म्मिणाव्यंवारंविधावताइ ।अग्नेवाचाःपावमा नाऔहोवा ।कनीकृददे ऊपा ॥ २६ ॥

ती का चा थ टा का चा श था टाच् क टाट् ख शि का ति ट ख

सोमःपूना ।नऊर्म्मिणा

ती का का

उवाओवाऔहोवा ।अव्यंवारंविधावत्यग्राउवा

काट् ख शि टू ति का

ओवाऔहोवा ।वाचःपवमानःकनाउवाओवा

ट् ख शि क ष चू काट् ख

औहोवा ।क्रादात् ॥ २७ ॥

शि ख श

॥चौतेद्वे ॥

सोमःपुनानऊ ।र्मिणाव्यंवारंवीधावाती ।अग्रेवाचाः ।पावमानाः ।कानीक्रादात् ॥२८ ॥

तू कु टि त ची ची का फ ख
सोमःपुनानऊर्मिणाएही ।अव्यंवारं विधावताएही ।अग्रेवाचःपवमानाएही ।कानीक्रददेहियाहाहोइळा ॥ २९ ॥
षी खु प्ला कीच् का खा प्ला षी खी प्ला ता फू प्ला शा

॥आतीषातीयेद्वे ॥

सोमःपुनानऊर्ममीणा ।अव्यंवारं वीधावत्यग्राओइवाचाः ।पवाओमानाः ।कनाइक्रा ।दात् ॥ ३० ॥

षी खिण कीच् का टि खिण टा खा ण खीणफपू ख
सोमाःपूना ओनऊर्मिणाए ।अव्यंवारंविधावाती ।अग्रेवा चाःपावमानाः ।काना
चा कफपू खि ङ्गि यू प श खिणफपू तच् क टा त टट् ख
औहोवा ।क्रददे ॥ ३१ ॥
शि खि

॥सोमसामानिचत्वारि ॥

प्रापुनानायवेधसाइ ।होइहोइ सोमायावाचाउच्याताइ ।भृतिन्नभरामातिभाइर्जुजोषाता इ ।ओइळा ॥ ३२ ॥

पि शू षी टु भि श कु कि टी खण् श प शा

प्रपुनानौहोयवेधसाइ ।सो

फु की श क

माऔहोयवचउच्यताइ ।भृता

का ख शृ

औहोइन्नभरामातिभा

कि ख प्ली ङि

इः ।जुजोआउवा ।षाते ॥ ३३ ॥

श ता टि ख श

गोमन्नो होइन्दोअश्ववादे ।सूतःसुदक्षधकनीवाः ।शुचिञ्चवा र्णामधिगोऔहो ।षुधारायाऔहोबा ।होइळा ॥३४ ॥

फिपू खि ङ्गि श यू शा खीणफपू खी ता का क टा ख प्ला प्ला शा

हावास्मा ।भ्यान्त्वा ।वासुवाइदम् ।अभाइवाणीरनाउवोवा ।षाता ।गोभिष्टे वर्णा माभिवासयामसि ।होइळा ॥ ३५ ॥
 ति ख श खि णा टा खाश खीश खश चि थाच् टि शी ख प्ला

॥सोमस्ययशांसित्रीणि ॥

पवतेहरीयातोहरिरौ ।होयौहोवा ।आतिह्वरां सीरंहीया औहोयौहोवा ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔ होयौहोवा ।रा वाऔहोवा ।यशो याशाः ॥ ३६ ॥
 ती चाट किच् य ट खश टीच्क किच्श य ट खश कू काच् य ट खश टट्ख शि ताच्क टख

पवापवतेहा ।रीयातोहरिरौ होयौहोऔहो ।आतिह्वरां ।सीरंह्याऔहोयौहोऔहो ।अभ्यर्षस्तोतृभ्योवाऔहोयौहोऔहो ।रा वाऔहोवा ।यशो याशाः ॥ ३७ ॥
 खा शी चाट किच् य ट खि टीच् क का श य ट खि का की का य ट खि टट्ख शि ताच्क ट ख

पवतेह्यतोहरीरातीह्वरांसीरंह्या ।अभ्यर्षास्तोतृभ्योवा ।इरा राऔहोवा ।याशाः ॥ ३८ ॥
 फू ताप छि डि पि प्ला ता टाट्ख शि ख प्ला

॥औशनंवासिष्ठंवा ॥

परीकोशंमधुश्चूतं ।सोमःपुनानोअर्षतीहोए ।अभिवा णीर्ऋषीणाम्सप्तानाउवोवा ।षाता ॥ ३९ ॥
 खि शु की टू खिणफ्लत च था टि खाश खश

एकादश खण्डः

॥वासिष्ठेद्वे ॥

पावास्वामाधुमाक्तामाउवोवा ।ईन्द्रा ।यसोमाक्रातूवित्तामामादाओइमाहाउवोवा ।द्युक्षातमोमादाः ॥ १ ॥
 ता टू खाश ख श किक क भि टा टी खाश चा ता टा

पवस्वमाए ।धुमाक्तमाइन्द्रायसोओऔहोवामाक्रातूवीत्ताओऔहोतमोमादाःमहाइच्चू क्षाऔहोवा ।तमोमादाः ॥ ३ ॥
 तु का कि ति का त त टी त का ख खा ता टीट्ख शि ता ट ख

॥सभानित्रीणि ॥

पवस्वमधुमाइहा ।क्तामाइन्द्रायसोमःकृतुवीक्तमोमादाइहा ।महाइद्युक्षाइहा ।तामोमादाः ।ओइळा ॥३॥

षू ता षु कु टि ति टी ति टि खण् प शा

पावस्वमधूमाक्तामाः ।आइन्द्रायसोमाक्तातुवाइक्तामोमादाःमाहिद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ४ ॥

ख षु ड श दू क पी श त त पु श ख ष्ण शा

पावास्वामधू मक्तामाः ।इन्द्रायसोमाक्तातुवाइक्तामोमादाः ।महाइद्युक्षातामोमादो ।हाइ ॥ ५ ॥

पि ष्ण खा ण टुचक पी श त त पू श ख ष्ण शा

॥ऐषिराणिचत्वारिच्यावनानिवा ॥

अभाइद्यु म्नाम्बृहाद्याशाः ।

की ख कि फ

इळास्पतेदिदीहिदे वा ।देवायूम् ।वीकोशम्मद्ध्यमां ।

की खी श का फ कि कि

यूवा ॥ ६ ॥

ख त्र

अभ्येद्युमाम् ।बृहाद्याशाः ।इळास्पताइदिदीहाइदे वादाइवायुम् ।विकौवाउवोवा ।शर्ममाद्ध्यमांआउवा ।यूवा ॥ ७ ॥

ती चाय ट षी किख शा खी श खु ण का ता टि ख श

अभिद्युम्नाम्बृहदिहा ।याशाइळास्पतेदिदीहिदे

षी ती षू की

वादेवायूम् ।विकौहोवाहाइ ।शर्ममा द्ध्यमां यूवाइळाभा ।ओइळा ॥ ८ ॥

टि त ती त श टाच् का का खिण् प शा

अभिद्युम्नाम्बृहद्यशाः ।ईळास्वताइदिदीहिदाइवादेवयूम् ।वीकोशम्मद्ध्यमांहोयूवाएहियाहा ।होइळा ॥ ९ ॥

तु ति क कू की चि दूचय प षी श ष्ण शा

॥शौक्तानित्रीणि ॥

आसोतापा ।राइषाऔहोवा ।ञ्जाता ।अश्वन्नस्तोममसूरं रजस्तुरमोए वना

ती ट खा शि ख श था का की कि मि ता

ओएप्रक्षाऔहोवा ।उदाप्रूताम् ॥ 10 ॥

टा खा शि ता ट ख

आसोतापा ।रिषिञ्चता ।ऊहोवाऊ ।

ती का ट क थ ट

अश्वन्नस्तोममसुराऊहोवाऊ ।राजस्तुराऊहोवाऊ ।

था का टीट क थ ट च टिट क थ ट

वानप्राक्षाऊहोवाऊ ।उदाप्रूताऔहोवा ।

चिट ट क थ ट ता ट ख शि

उऊपा ॥ ११ ॥

खा श

आसोतापा ।रिषाइञ्चताअश्वन्नस्तोममासूरम् ।रजस्तूरंवनोहाबु ।प्राक्षामूदाहिम्माए ।प्रूतम् ॥ १२ ॥

टि त टु कू ख श खि शु पि श भि ख श

॥वाचस्सामानित्रीणि ॥

आसोतापा ।रिषिञ्चताआश्वाऔहोवा ।नस्तोममसुर म् ।रजस्तुरं होइवनाऔहोवा ।प्रक्षामुदाप्रूताम् ॥ १३ ॥

ती ती टा खा श का की षी टी खा श का ता ट ख

आसोऔहोतापाराइषीञ्चता ।आश्वन्नस्तोममासूरम् ।रजस्तूरंवनोहाबु ।प्राक्षामुदाआउवा ।प्रूतम् ॥ १४ ॥

खा ता यु टा कू ख श खि शु का ता टि ख श

आसोतापा होरिषीञ्चताए ।आश्वन्नस्तो

णा च फल्ल खि ह्नि चा थाच्

मामासूरम् ।राजस्तूरं वानाप्राक्षां ।ऊदां

च य टा की च य टा प श

प्रूतां ।हाइ ॥ १५ ॥

खल्ल शा

॥कौन्मलबर्हिषाणिपञ्च शंकुतृतीयंसीदन्तीयंवा तृतीयेतराणिपञ्चा त्यर्थः ॥

एताम् ।उत्यम्मदाश्वूतम् ।साहास्राधारंवार्षाभांटी)दीवोदूहम् ।विश्वाहोइहोइवासू ।

ता टी ख ण की टा ख ण टा टु त

नाइबाऔहोवा ।भ्रातम् ॥ १६ ॥

ट खा शि ख श

एतमूत्यम् ।मदाआउवाच्युतम् ।साहास्रधारंवृषाभन्दिबोदूहांवाइश्वावसू ।

ती ता टि ख श की कि टि क ख शु

निबाआउवाए ।भ्रातम् ॥ १७ ॥

का भी ख श

एतमुत्यमेमदा ।च्यूतांसहस्रधारंवृषाभन्दीबोदूहाम् ।वाइश्वावासु नीबोबाभ्रातां ।हाइ ॥ १८ ॥

कु ता षू की टि त टि टाच् क प षू प्ला शा

एतमुत्यमोहाइ मदच्युतमोहाइ ।साहास्रधारंवर्षाभम् ।दीबोदुहमोहाइ ।विश्वाहोइवासू ।नाइबा

कु षा तु त श खि श खि ण खु ण श टा टि त ट खा

औहोवा ।भ्रातम् ॥ १९ ॥

शि ख श

एतामुत्यम्मदाच्युतम् ।साहास्रधारंवृषाभन्दीबो

फा खी शा की टी टाच्

दूहमोइ ।विश्वावसूनिबा हो इभ्रातमाआउवा ।

चि श दूच् कच् का ता टि

उऊपा ॥ २० ॥

खा श

एतामुत्यम्मदाच्युतम् ।साहास्रधारंवृषाभन्दिबो

खा प्ली शा टी चि टि

ओवा ।दूहाम् ।विश्वावसूनिबाआए ।भ्रातामेहियाहा ।होइळा ॥ २१ ॥

का प श दू टा प प्ली श षू शा

॥दीर्घेद्वे ॥

सासू ।न्वेयोवासूनाम् ।योरायामाने तायाइळा

ता का टा त टा चि थ टि

नाम् ।सोमाः ।यास्सूक्षीताआइनां ।हाइ ॥ २२ ॥

त ट त का पा ष्ठी शा

ससुहाबु ।न्वेयोवासूनांहाबु ।योरायामाने तायाइळानांहाबु ।सोमोयास्सू

ति श टु त श चा चि थ टी त श टी

हाबु ।क्षितीनामौहोवा ।होइळा ॥ २३ ॥

त श का पा प्ला प्ल शा

॥सोमसामानिनित्रिणि ॥

सस्वेसासू ।न्वेयोवासाआउवा ।नांयोरायामाने तायाइळानांसोमौवाउवोवा ।यास्सूक्षिताआउवाए ।नाम् ॥ २४ ॥

ती का ता टि ख टा चिथ टी खुण का ता मि ख

ससून्वेयाएवासू ।नायोरायामाने तायाइळानाम् ।सोमाः ।यास्सूक्षिता इ ।नाम् ॥ २५ ॥

पु ता क याप काथ टि ख ता का खाणफप्लु श ख

सासून्वेयोवसूनाम् ।योरायामाने तायाइळानाम् ।सोमोयस्सुक्षितीनाम् ।सोमाः ॥ २६ ॥

पि शी क य प काथ पि त्र टा कीख ट ख

॥शैतेष्याणिचत्वारि ॥

त्वंहियाम् ।गदाइव्यपवमानजनि

ति षी चू

मा निद्युमाक्तामाः ।आमार्क्तात्वायाघोबाषाया ।न्हाइ ॥ २७ ॥

कच् काट टा टा टा क प प्ला शा

त्वंहियाम् ।गदाइव्यपवमानाहोवाहाइ ।जनिमानीद्युमार्क्तामाः ।आमार्क्तात्वाऔहोवा ।यघोषाया न् ॥ २८ ॥

ति षी कि क टा त श टि ख पा त त टिट्ख शि का टाख्

त्वंह्यंगदा ।इव्यपवमानजनिमानिद्युमाक्तामाः ।आमार्क्तात्वायाघोबाषाया ।न्हाइ ॥ २९ ॥

ती पू कि टि ता टि तच् क प प्ला शा

त्वंहायांगादाइव्याम् ।पावमाना जनिमा नायेद्युमाक्तामाः ।आमार्क्तात्वा ।याघोबाषाया ।न्हाइ ॥ ३० ॥

खि प्ली टि कथ् टिच् क प पा त त मि तच् क प प्ला शा

॥सोमसामानित्रीणि ॥

एषस्यधारायासूताः ।अव्यावाराइभाइःपवतेमदिन्तामाः ।क्रीळाचूर्ममाइः ।आपा

क यु टा थाच् क षी कु चा टि त श प श

माइवो ।हाइ ॥३१॥

ख प्ला शा

एषास्याधारयासुताः ।अव्याहोइ वारेभिःपवतेमदीन्तामाः ।क्रीळान्होऊर्ममीः ।अपामीवाओहोबा ।होइळा ॥ ३२ ॥

क प शु भिश षि यु टा टाच्य ट त चाक टा खप्ल प्ल शा

एषस्यधारयासुताः ।अव्यावाराइभिःपवाताइमदीन्तमाः ।क्रीळान्नूर्मीरपाउवाओबामाइवो ।हाइ ॥ ३३ ॥

फी की थाच्य क कु प शि का षी कीप प्ल ह्लि शा

॥गायत्रपार्श्वञ्च ॥

एषाः ।स्यधारयाआउवासूताः ।अव्यावारे भिःपवते मादिन्तामाः ।

ता का ता टि खप्ल षी कीच्य क टा ख

क्रीळान्नूर्मीरपाहिंबा ।माइपा ॥ ३४ ॥

यि ट ता प श टिख्

॥सन्तनिच ॥

एषाहाबु ।स्यधारयाआउवा ।सूताःअव्यावारे भिःपवते मादिन्तामाः ।क्रीळान्हाबु ।

ता त श का ता टि खप्ल षी कीच्य क भि ता त श

ऊर्ममीरवाआउवा ।मीवा ।याउस्त्रियाअपियाआ

का ता टि ख श षी कि च

न्तारश्मानी ।निर्गाहाबु ।आक्रन्तदोआउवाजासाआभिवृजन्तन्तीषे

खी ता त श का ता टि ख श षी की

गव्यमश्विया म् ।वर्ममीहाबु ।वाधृ ण्णवाआउवा ।रूजा ॥ ३५ ॥

दुख् ता त श का ता टि ख श